योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
School of Planning and Architecture, Bhopal

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2017-18

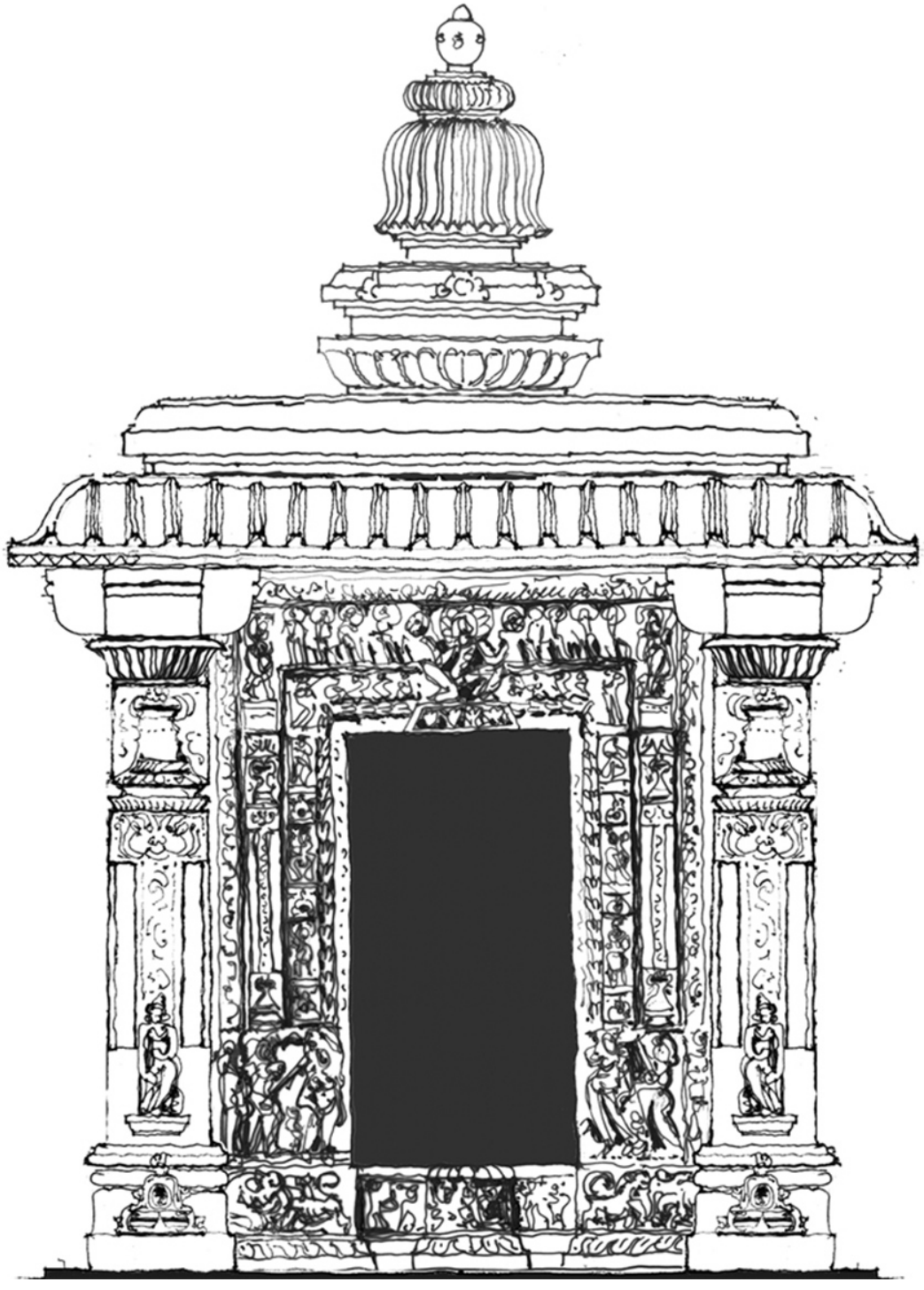

वार्षिक प्रतिवेदन

2017-18

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

नीलबड़ रोड, भौरी, भोपाल (म.प्र.) – 462030

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	निदेशक की कलम से	01
2	संगठन	02
3	शासी मण्डल	03
4	वित्त समिति	04
5	अभिषद	05
6	भवन एवं निर्माण समिति	06
7	संस्थान के पदाधिकारी	07
8	संकाय	08
9	प्रशासनिक पदाधिकारी	11
10	शैक्षणिक कार्यक्रम	13
11	केंद्रीय सुविधायें	
	पुस्तकालय	15
	ग्राफिक्स प्रयोगशाला	16
	कम्प्यूटर सेंटर	16
	जीआईएस प्रयोगशाला	17
	वास्तुकला कार्यशाला	19
12	केन्द्र	
	मानव केंद्रित अनुसंधान केन्द्र (सी.एच.सी.आर.)	20
	सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केन्द्र (सी.सी.के.एस.)	21
13	संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ	22
14	अनुसंधान एवं परामर्श परियोजनाए	23
15	संस्थान की गतिविधियाँ	25
16	कार्यशालाएँ/विशेष व्याख्यान	29
17	प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ	31
18	आंतरिक शिकायत समिति	32
19	छात्र गतिविधियाँ	32
20	शिल्पशाला का संक्षिप्त विवरण (स्टूडियो ब्रीफ)	34
21	अध्ययन भ्रमण (स्टडी टूर)	42
22	संकाय सदस्यों का योगदान	
	प्रकाशन	46
	शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता	50
	शैक्षणिक पैनल	56
	पेशेवर पैनल	57
	पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ	59

निदेशक की कलम से

मैं अत्यंत हर्ष एवं उपलब्धि के साथ, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल का नौंवा वार्षिक प्रतिवेदन (2017–18) प्रस्तुत कर रहा हूँ। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल जिसकी स्थापना वर्ष 2008 में संसद के अधिनियम के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व के एक संस्थान के रूप में हुई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र में उच्च शिक्षण संस्थान बनने हेतु तत्पर है।

मैं संस्थान के प्रतिबद्ध संकाय तथा अभिनव एवं रचनात्मक छात्रों (छात्र संख्या 645) को धन्यवाद देता हूँ, जिनके सहयोग से हम राष्ट्रीय स्तर पर संस्थानों के रैंकिंग फ्रेमवर्क में पांचवे स्थान को प्राप्त करने में सक्षम हुए। हमारा वैश्विक सम्पर्क GIAN कार्यक्रम एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध के माध्यम से बढ़ा है। हमारी क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय ज्ञान की सम्बद्धता का विकास क्षेत्रीय ज्ञान के संरक्षण एवं योजना परियोजनाओं के माध्यम से हुआ है। योजना, संरक्षण, सार्वभौमिक डिजाइन, स्थानीय वास्तुकला इत्यादि के क्षेत्र में संस्थान की विशेषज्ञता का लाभ विभिन्न राज्य सरकारों एवं केंद्रीय सरकार द्वारा प्राप्त किया गया है।

एसपीए, भोपाल वर्तमान में अपने नये परिसर, जो कि भारत का सबसे बड़ा योजना एवं वास्तुकला विद्यालय का परिसर है, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित कर रहा है। हमारी शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार एवं विकास के लिए अकादमिक ब्लॉक का निर्माण कार्य अतिआवश्यक है जो कि अभी अपूर्ण हैं।

उपरोक्त वार्षिक अवधि के दौरान, हमारे छात्रों ने तीनों एसपीए संस्थानों के मध्य सांस्कृतिक और खेल प्रतिस्पर्धाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया तथा योजना एवं वास्तुकला विद्यालय को एक ब्रांड के रूप में गर्व के साथ स्थापित किया। हमारे छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार भी जीते। ये सब हमारे प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों के बिना संभव नहीं था। संस्थान के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया एवं सफलता पूर्वक इन मंचों पर प्रस्तुति भी दी। हमारे संकाय सदस्य योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र में तथा संबंधित सहयोगी विषयों में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की समितियों में हैं। हमारे शासी मण्डल के अध्यक्ष डॉ. बिमल पटेल उच्च गुणवत्ता पर विश्वास रखते हैं एवं उनके उत्कृष्ट तथा सशक्त मार्गदर्शन के द्वारा संस्थान प्रगति के पथ पर अग्रसर है। संस्थान के शासी मण्डल, वित्त समिति, भवन एवं निर्माण समिति एवं अभिषद सदस्यों को उनके समर्थन एवं मार्गदर्शन के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। हमें ज्ञात है कि अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए हमें कई बाधाओं को पार करने की आवश्यकता है और हम बहुत कम समय में अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

हमें यह भी ज्ञात है कि संस्थान के रचनात्मक और अभिनव छात्रों के साथ समर्पित और एकजुट संकाय एवं कुशल प्रशासन के सहयोग से हम अपने वांछित लक्ष्य को शीघ्र ही प्राप्त कर सकेंगे।

प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन
निदेशक

संगठन

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय वर्ष 2008 में भारत शासन द्वारा स्थापित किया गया था एवं संसद के एक अधिनियम के तहत संस्थान दिसम्बर 2014 में ''राष्ट्रीय महत्व के संस्थान'' के रूप में घोषित किया गया है।

संस्थान देश को ऐसे योजनाकार एवं वास्तुकार देने के लिए प्रतिबद्ध है जो वैश्विक मानकों के अनुरूप भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण के विकास की चुनौतियों का सामना कर सके। यह संस्थान 'सृजनात्मकता के संस्थान' के रूप में विकसित होगा, जहॉ विद्यार्थियों, अनुसंधानकर्ताओं, प्राध्यापकों एवं समाज में सर्वेक्षण की चेतना व्यापक होगी। योजना एवं वास्तुकला विद्यालय सामाजिक जीविका के लिये समावेशी योजना व अंतर्राष्ट्रीय अभिकल्पना के माध्यम से, सांस्कृतिक जीविका के लिये संरक्षण के माध्यम से एवं पर्यावरण जीविका के लिये वास्तुकला, योजना एवं अभिकल्पना के अनुशासन के माध्यम से प्रयास करेगा।

संस्थान के प्रयास

- योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल को एक उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में स्थापित करना जहाँ पर स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टोरल एवं पोस्ट डॉक्टोरल स्तर पर योजना एवं वास्तुकला के विषयों पर उत्तम शिक्षा प्रदान की जाएगी।

- योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए स्वयं को राष्ट्रीय स्तर के एक अनुसंधान एवं परामर्श केंद्र के रूप में विकसित करना।

- राष्ट्रीय स्तर पर तैयारी एवं कार्यान्वयन का एक केन्द्र बनते हुए सरकार के लिये आवास विकास कार्यक्रम हेतु अनुसंधान एवं डेटाबेस केन्द्र तथा निर्णय समर्थन केन्द्र का निर्माण करना।

- मध्य क्षेत्र में वास्तुकला के अन्य संस्थानों एवं स्थानीय स्तर पर एक प्रमुख नियोजन संस्था हेतु स्वयं को एक मुख्य केन्द्र में विकसित करना।

- उच्च क्षमता वाले संकाय सदस्यों के संवर्ग का निर्माण जो शिक्षण के लिये पूर्णतः समर्पित होगा एवं जो योजना एवं वास्तुकला से संबंधित सभी विषयों में उच्च स्तरीय शिक्षण अनुसंधान एवं परामर्श सुनिश्चित करेगा।

- सामाजिक रूप से एक जिम्मेदार संस्थान बनना, जो मानव आवास के स्थानिक विकास हेतु सरकार को अनुसंधान व फीडबैक प्रदान कर सके।

शासी मण्डल

डॉ. बिमल एच. पटेल
अध्यक्ष

प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन
निदेशक

डॉ. सुखबीर सिंह संधू
अतिरिक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

श्रीमती दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

नीरज मंडलोई
संयुक्त सचिव
शहरी विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

संजय बंधोपाध्याय
मुख्य सचिव (तकनीकी शिक्षा),
मध्यप्रदेश शासन

प्रो. डॉ. नज़मुद्दीन
प्रधान सचिव
इंन्स्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया

विजय गर्ग
उपाध्यक्ष
वास्तुकला परिषद

आशुतोष अग्रवाल
ए.आई.सी.टी.ई., प्रतिनिधि
नई दिल्ली

प्रो. (श्रीमती) पुष्पलता
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की

प्रो. डॉ. अजय खरे
संरक्षण विभाग

प्रो. डॉ. बिनायक चौधुरी
योजना विभाग

राजेश मोज़ा
सचिव–शासी मण्डल एवं कुलसचिव

वित्त समिति

डॉ. बिमल एच. पटेल
अध्यक्ष

प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन
निदेशक

डॉ. सुखबीर सिंह संधू
अतिरिक्त सचिव (तकनीकी शिक्षा)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

श्रीमती दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

विजय गर्ग
उपाध्यक्ष
वास्तुकला परिषद

आशुतोष अग्रवाल
ए.आई.सी.टी.ई., प्रतिनिधि
नई दिल्ली

राजेश मोज़ा
सचिव–वित्त समिति एवं कुलसचिव

अभिषद

प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन
निदेशक
अध्यक्ष

प्रमोद बालाकृष्णन
वास्तुकार एवं इंटीरियर डिजाइनर, चैन्नई

डॉ. ए. श्रीवथसन
शैक्षणिक निदेशक
सेप्ट विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

संजय प्रकाश
वास्तुकार
नई दिल्ली

चम्पका राजगोपाल
शहरी डिज़ाइनर
बैंगलोर

शालिनी सिन्हा
सह प्राध्यापक
सेप्ट विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

प्रो. डॉ. अशोक कुमार
प्राध्यापक
भौतिक योजना विभाग
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली

सतीश कुमार सिंगला
वास्तुकार
हिसार, हरयाणा

प्रो. (श्रीमती) पुष्पलता
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की

प्रो. डॉ. बिनायक चौधुरी
संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक मामले)

प्रो. डॉ. रचना खरे
संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं संकाय कल्याण)

डॉ. अजय कुमार विनोदिया
संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)

पियूष हजेला
संकायाध्यक्ष (योजना एवं विकास)

प्रो. डॉ. अजय खरे
प्रमुख, संरक्षण विभाग

प्रो. डॉ. संजीव सिंह
प्रमुख, वास्तुकला विभाग

प्रो. डॉ. एन. आर. मण्डल
प्रमुख, शहरी एवं क्षेत्रीय योजना विभाग

डॉ. शिउलि मित्रा
प्रमुख, पर्यावरण नियोजन विभाग

डॉ. तापस मित्रा
प्रमुख, शहरी अभिकल्पना विभाग

डॉ. संदीप संकट
सह प्राध्यापक (वास्तुकला)

सौरभ पोपली
सह प्राध्यापक (वास्तुकला)

डॉ. आनंद वाडवेकर
सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला)

डॉ. अशफाक आलम
सहायक प्राध्यापक (योजना)

राजेश मोज़ा
सचिव–अभिषद एवं कुलसचिव

भवन एवं निर्माण समिति

प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन
निदेशक
अध्यक्ष

डॉ. बी. के. भद्री
सहायक शिक्षा सलाहकार (डी.एल.)
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

प्रो. नज़मुद्दीन
प्रधान सचिव
इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स, इंडिया

पियूष हजेला
संकायाध्यक्ष (योजना एवं विकास)

अधिक्षण अभियंता (सिविल)
सी.पी.डब्ल्यू.डी., भोपाल क्षेत्र

अधिक्षण अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
सी.पी.डब्ल्यू.डी., भोपाल क्षेत्र

राजेश मोज़ा
सचिव–भवन एवं निर्माण समिति एवं कुलसचिव

संस्थान के पदाधिकारी

निदेशक	प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन
संकायाध्यक्ष – शैक्षणिक मामले	प्रो. डॉ. बिनायक चौधुरी
संकायाध्यक्ष – अनुसंधान एवं संकाय कल्याण	प्रो. डॉ. रचना खरे
संकायाध्यक्ष – छात्र मामले	डॉ. अजय कुमार विनोदिया
संकायाध्यक्ष – योजना एवं विकास	पियूष हजेला
विभागाध्यक्ष – संरक्षण विभाग	प्रो. डॉ. अजय खरे
विभागाध्यक्ष – वास्तुकला विभाग	प्रो. डॉ. संजीव सिंह
विभागाध्यक्ष – भूदृश्य विभाग (अतिरिक्त प्रभार)	प्रो. डॉ. संजीव सिंह
विभागाध्यक्ष – शहरी अभिकल्पना विभाग	डॉ. तापस मित्रा
विभागाध्यक्ष – शहरी एवं क्षेत्रीय योजना विभाग	प्रो. डॉ. निखिल रंजन मण्डल
विभागाध्यक्ष – पर्यावरण योजना विभाग	डॉ. शिउलि मित्रा
प्रभारी संकाय	डॉ. देवर्षि चौरसिया
संकाय प्रभारी (पुस्तकालय)	सन्मार्ग मित्रा
संकाय प्रभारी (प्रशिक्षण एवं रोजगार)	पूनम खान
समन्वयक (सी.एच.सी.आर.)	प्रो. डॉ. रचना खरे
समन्वयक (सी.सी.के.एस.)	डॉ. विशाखा कवाठेकर
समन्वयक (सेन्टर फॉर जियोइन्फार्मेटिक्स)	डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर
वार्डन (बालक छात्रावास)	डॉ. देवर्षि चौरसिया
वार्डन (बालिका छात्रावास)	डॉ. रमा उमेश पाण्डे
सहायक वार्डन (बालक छात्रावास)	कर्णसेन गुप्ता प्रेमजीत दास गुप्ता
सहायक वार्डन (बालिका छात्रावास)	गायत्री नंदा वृषभानलली रघुवंशी
सांस्कृतिक समन्वयक	डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर वृषभानलली रघुवंशी
एल्युमिनी समन्वयक	डॉ. देवर्षि चौरसिया डॉ. अमित चटर्जी नयना आर. सिंह
खेल समन्वयक	अरविंद कुमार मील सुशील कुमार सोलंकी अपूर्व श्रीवास्तव वृषभानलली रघुवंशी

संकाय

वास्तुकला विभाग

नाम	विशेषज्ञता
डॉ. संजीव सिंह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं पर्यावरण नियोजन
डॉ. रचना खरे प्राध्यापक	वास्तुकला, सार्वभौमिक अभिकल्पना एवं वास्तुकला में मानव केंद्रित अध्ययन
डॉ. अजय कुमार विनोदिया सह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं आधारिक संरचना विकास योजना
डॉ. संदीप संकट सह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं इकिस्टीक्स, सार्वभौमिक डिज़ाइन एवं मानव केंद्रित डिज़ाइन
गौरव सिंह सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं नगर नियोजन
डॉ. देवर्षि चौरसिया सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहर नियोजन, परिवहन पर विशेष
डॉ. सुकान्ता मजूमदार सहायक प्राध्यापक	उत्पाद डिज़ाइन एवं उत्पाद सेवा प्रणाली डिज़ाइनिंग
संदीप अरोड़ा सहायक प्राध्यापक	संधारणीय वास्तुकला
सन्मार्ग मित्रा सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी नियोजन
परमा मित्रा सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी नियोजन
नयना आर. सिंह सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं निर्माण प्रबंधन
अरविंद कुमार मील सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं भवन अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन
बृषभाननली रघुवंशी सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला, स्थानीय वास्तुकला एवं पारंपरिक ज्ञान प्रणाली
सौरभ तिवारी सहायक प्राध्यापक	मूलभूत अभिकल्पना, दृश्य संचार अभिकल्पना, अभिकल्पना एवं वास्तुकला का इतिहास
अपूर्व श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक	आधुनिक निर्माण प्रबंधन
श्वेता सक्सेना सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला, ऊर्जा एवं पर्यावरण अभिकल्पना
सुशील कुमार सोलंकी सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला, अभिकल्पना एवं निर्माण प्रबंधन

आशिष पाटिल सहायक प्राध्यापक	दृश्य कला
पूनम खान सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला अध्यापनशास्त्र

संरक्षण विभाग

नाम	*विशेषज्ञता*
डॉ. अजय खरे प्राध्यापक	वास्तुकला का इतिहास, शहरी अभिकल्पना एवं संरक्षण
डॉ. विशाखा कवाठेकर सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला संरक्षण
रमेश पी. भोले सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला संरक्षण
श्वेता वर्दिया सहायक प्राध्यापक	संरक्षण अभ्यास एवं परंपरागत सामग्री, इतिहास एवं व्यवस्थापन अध्ययन

भू–परिदृश्य विभाग

नाम	*विशेषज्ञता*
डॉ. संजीव सिंह प्राध्यापक	वास्तु एवं पर्यावरण नियोजन
सौरभ पोपली सह प्राध्यापक	भूदृश्य वास्तुकला
सोनल तिवारी सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं भूदृश्य वास्तुकला

नगर अभिकल्पना विभाग

नाम	*विशेषज्ञता*
डॉ. तापस मित्रा सह प्राध्यापक	अभिकल्पना सिद्धांत एवं शहरी अध्ययन
पियूष हजेला सह प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी अभिकल्पना
डॉ. आनन्द जयंत वाडवेकर सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी अभिकल्पना
गायत्री नंदा सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी अभिकल्पना
कर्णसेन गुप्ता सहायक प्राध्यापक	वास्तुकला एवं शहरी अभिकल्पना

पर्यावरण योजना विभाग

नाम	*विशेषज्ञता*
डॉ. शिउलि मित्रा सह प्राध्यापक	शहरी अवसंरचना एवं परिवहन सुविधाओं की योजना, संपदा प्रबंधन
डॉ. रमा उमेश पाण्डे सहायक प्राध्यापक	पर्यावरण नियोजन, जलवायु परिवर्तन एवं परिस्थितिक तंत्र सेवा
गरिमा श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण नियोजन एवं पर्यावरण नियोजन
गोविन्द एम.पी. सहायक प्राध्यापक	पर्यावरण नियोजन, शहरी अधोसंरचना नियोजन
बड़े शोमित दिलीप सहायक प्राध्यापक	पर्यावरण नियोजन एवं सतत् विकास

शहरी एवं क्षेत्रीय योजना विभाग

नाम	*विशेषज्ञता*
डॉ. बिनायक चौधुरी प्राध्यापक	शहरी एवं क्षेत्रीय अर्थशास्त्र, क्षेत्रीय विश्लेषण, वित्त एवं प्रशासन, परिमाणात्मक पद्धतियाँ
डॉ. निखिल रंजन मंडल प्राध्यापक	शहरी नियोजन
डॉ. शिउलि मित्रा सह प्राध्यापक	शहरी अवसंरचना एवं परिवहन सुविधाओं की योजना, संपदा प्रबंधन
डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर सहायक प्राध्यापक	शहरी नियोजन, भूमि प्रयोग एवं परिवहन व्यवहार, जैव विविधता एवं शहर नियोजन
डॉ. अशफाक आलम सहायक प्राध्यापक	शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन, नगरीय प्रशासन, शहरी विकास
डॉ. आरती जायसवाल सहायक प्राध्यापक	गृह एवं संपदा नियोजन, अपशिष्ट प्रबंधन
डॉ. अमित चटर्जी सहायक प्राध्यापक	शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन, महानगरीय नियोजन एवं विकास
पौलोस एन. के. सहायक प्राध्यापक	परिवहन नियोजन, क्षेत्रीय नियोजन, शहरी अवसंरचना एवं प्रबंधन, जी.आई.एस.
प्रेमजीत दासगुप्ता सहायक प्राध्यापक	परिवहन नियोजन, शहरी प्रशासन
गौरव वैद्य सहायक प्राध्यापक	शहरी अवसरंचना नियोजन
डॉ. काकोली साहा सहायक प्राध्यापक	स्थानिक योजना में जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग का अनुप्रयोग

प्रशासनिक पदाधिकारी

नाम	*पद*
प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन	निदेशक
राजेश मोज़ा	कुलसचिव
शाजु वर्गिस	उपकुलसचिव (वित्त एवं लेखा)
राजेन्द्र कुमार जेना	सहायक पुस्तकाध्यक्ष
मनीष विनायक झोकरकर	सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
अमित खरे	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
दीपाली बागची	सहायक कुलसचिव (भण्डार एवं क्रय)
आनंद किशोर सिंह	अनुभाग अधिकारी (प्रशासन)
राम प्रकाश यादव	अनुभाग अधिकारी (भण्डार एवं क्रय)
प्रवीण जायसवाल	अनुभाग अधिकारी (वित्त एवं लेखा)
सरिता पंवार (31.10.2017) तक	अनुभाग अधिकारी (शैक्षणिक)
पवन सिंह राठौर	सम्पदा सह सुरक्षा अधिकारी
मकसूद आलम अंसारी	सहायक अभियंता सह परियोजना अधिकारी
वैशाली हेड़ाऊ	निजी सचिव
प्रतिभा सिंह	बहुप्रवीणता सहायक
अभिनव श्रीवास्तव	कनिष्ठ अधीक्षक
डॉ. प्रमोद दुबे	कनिष्ठ अधीक्षक
आलिया अली	निजी सहायक
विवेकानंद सिंह	बहुप्रवीणता सहायक
प्रेरणा जैन	लेखापाल
कुश श्रीवास्तव	लेखापाल
धन बहादुर पून	कनिष्ठ अधीक्षक
योगेन्द्र जोशी	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
चंद्र शेखर गुप्ता	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
प्रदीप हेड़ाऊ	बहुप्रवीणता सहायक
रामेन्द्र सिंह सिसोदिया	बहुप्रवीणता सहायक
नवीन कुमार बिडारे	बहुप्रवीणता सहायक
सिस्ता श्रीनिवास राव	निजी सहायक
दिलीप रंगारे	कनिष्ठ अधीक्षक
निशा नायर	लेखापाल
ममता सोलंकी	नर्सिंग सहायक
प्रिया जैन	नर्सिंग सहायक
मुकेश कुमार उपाध्याय	सहायक क्रीड़ा अधिकारी

सुनील कुमार जायसवाल	हिंदी सहायक
अंकित चौरसिया	कार्यशाला/प्रसारण कक्ष सहायक
तारक नाथ साहा	कनिष्ठ सहायक
स्वाति बिलैया	कनिष्ठ सहायक
स्वपनिल लोवंशी	कनिष्ठ सहायक
सुजीत कुमार बैरागी	कनिष्ठ सहायक
राम सिंह यादव	तकनीकी सहायक
नेहा तिवारी	तकनीकी सहायक
अमित कुमार बंसल	तकनीकी सहायक
गिरीश प्रसाद सती	कनिष्ठ सहायक
बिन्दु सुरेश	कनिष्ठ सहायक
कमलेश चौरे	तकनीकी सहायक
जितेन्द्र कुमार	तकनीकी सहायक
अशोक कुमार मिश्रा	पुस्तकालय सहायक
सुभाष शर्मा	पुस्तकालय सहायक
डॉ. रिपन रंजन विश्वास	पुस्तकालय सहायक
रेनू पाठक	पुस्तकालय सहायक
जितेन्द्र बिल्लोरे	कनिष्ठ सहायक
गोपाल दिगम्बर साली	कनिष्ठ सहायक
पुष्पेन्द्र सिंह	कनिष्ठ सहायक
घनश्याम राय	कनिष्ठ सहायक
सुजीत कुमार सिंह	छात्रावास सहायक/कार्यवाहक
मनीषा	छात्रावास सहायक/कार्यवाहक
मनीष नामदेव	प्रयोगशाला परिचर

शैक्षणिक कार्यक्रम

शैक्षणिक वर्ष: ऑड सेमेस्टरः जुलाई – दिसम्बर, ईवन सेमेस्टरः जनवरी – मई
परीक्षा की प्रणाली: सेमेस्टर प्रणाली

स्नातक कार्यक्रमः

वास्तुकला में स्नातकः वास्तुकला के स्नातक कार्यक्रम में दाखिले की परीक्षा अप्रैल माह में (जेईई मैन्स) संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीबीएसई द्वारा आयोजित की जाती है।
पात्रताः सीबीएसई/राज्य बोर्ड से हायर सेकेण्डरी स्कूल से 12 वीं कक्षा का प्रमाणपत्र या समकक्ष 50 प्रतिशत अंक गणित विषय सहित।
कोर्स अवधि : 5 वर्ष रिक्त स्थानः 75

योजना में स्नातकः योजना के स्नातक कार्यक्रम में दाखिले की परीक्षा अप्रैल माह में (जेईई मैन्स) संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीबीएसई द्वारा आयोजित की जाती है।
पात्रताः सीबीएसई/राज्य बोर्ड से हायर सेकेण्डरी स्कूल 12 वीं कक्षा का प्रमाणपत्र या समकक्ष 50 प्रतिशत अंक गणित विषय सहित।
कोर्स अवधि : 4 वर्ष रिक्त स्थानः 30

परास्नातक कार्यकमः

वास्तुकला में परास्नातकः वास्तुकला में परास्नातक की प्रवेश प्रक्रिया का माध्यम संस्थान द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार है।
मौजूदा पाठ्यक्रमः
वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण) रिक्त स्थानः 20
वास्तुकला में परास्नातक (भूदृश्य) रिक्त स्थानः 20
वास्तुकला में परास्नातक (शहरी अभिकल्पना) रिक्त स्थानः 20

पात्रताः बी. आर्क 55 प्रतिशत एग्रीगेट/कुल अंकों सहित या बी. प्लान 1 वर्ष के अनुभव एवं 55 प्रतिशत एग्रीगेट/ कुल अंकों सहित।
कोर्स अवधिः 2 वर्ष

योजना में परास्नातकः योजना में परास्नातक की प्रवेश प्रक्रिया का माध्यम संस्थान द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार है।
मौजूदा पाठ्यक्रमः
योजना में परास्नातक (पर्यावरणीय योजना) रिक्त स्थानः 20
योजना में परास्नातक (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना) रिक्त स्थानः 20

पात्रताः
बी. आर्क./बी. प्लान/बी.ई./बी. टेक. सिविल इंजीनियरिंग/एम.एस.सी./भूगोलशास्त्र से एम.ए. /अर्थशास्त्र/समाजशास्त्र 55 प्रतिशत कुल अंकों के साथ।
कोर्स अवधिः 2 वर्ष

डॉक्टोरेट डिग्री

रिक्त स्थानः 10 प्रति वर्ष

संस्थान योजना एवं वास्तुकला के क्षेत्र में शोध उपाधि प्रदान करता है।

पात्रता: परास्नातक उपाधि आर्किटेक्चर/प्लानिंग/टेक्नोलॉजी/डिज़ाइन डिसीप्लिन या समकक्ष डिग्री 60 प्रतिशत अंकों के साथ (55 प्रतिशत अंक अजा/अजजा/विकलांग हेतु) या बी. आर्क/बी.प्लान 60 प्रतिशत अंकों के साथ (55 प्रतिशत अंक अजा/अजजा/विकलांग हेतु) कम से कम 5 वर्षों का पेशेवर अनुभव एवं जर्नल/सम्मेलन की कार्यवाही में कम से कम एक प्रकाशन।

आरक्षित पद (अधिसंख्या स्थान):

- DASA योजना (विदेशी छात्रों का सीधे प्रवेश) के तहत संस्थान यूजी एवं पीजी कार्यक्रमों में प्रवेश मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित योजना के माध्यम से लेता है।
- कश्मीरी प्रवासियों हेतु ।
- पाठ्यक्रम में अधिमान्य आवंटन के लिए युद्ध या शांतिकाल आपरेशन (डीएस श्रेणी) में कार्यवाही के दौरान मारे गये या स्थायी रूप से अक्षम रक्षा/अर्धसैनिक बलों के आश्रित/वार्ड्स ।

शैक्षणिक कार्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम	**वार्षिक प्रवेश**
वास्तुकला में स्नातक डिग्री कोर्स (पाँच वर्ष)	75
योजना में स्नातक डिग्री कोर्स (चार वर्ष)	30

परास्नातक कार्यक्रम (द्विवर्षीय)	
वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण)	20
वास्तुकला में परास्नातक (भू–परिदृश्य)	20
वास्तुकला में परास्नातक (नगर अभिकल्पना)	20
योजना में परास्नातक (पर्यावरणीय योजना)	20
योजना में परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना)	20

वास्तुकला एवं योजना में वाचस्पति की मानद उपाधि	
सत्र 2017–18 में कुल नामांकित छात्र	39

31.03.2018 को योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के छात्रों की कुल संख्या	**645**

केन्द्रीय सुविधाएं

पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय इस रचनात्मक संस्थान की पठन–पाठन एवं अनुसंधान गतिविधियों के सहयोग में रचनात्मक एवं प्रगतिशील भागीदारी के लिये कार्य करता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्र समुदाय की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिये अग्रिम रूप से सुविधा प्रदान कर ज्ञान अर्जित कराना है। यह संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता के लक्ष्य को पाने के लिए महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। संस्थान के संकाय, छात्र एवं कर्मचारियों के साथ साझेदारी में अभिनव एवं गतिशील शैक्षिक परिवर्तन लाने हेतु पुस्तकालय एक अनिवार्य इकाई है।

पुस्तकालय में वास्तुकला एवं योजना से संबंधित पुस्तकें एवं पाठ्य सामग्री प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक दोनों ही रूपों में मौजूद हैं। पुस्तकों की शीघ्र एवं सरल प्राप्ति हेतु उन्हें विषयवार एवं डेसिमल पद्धति के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। ओपन एक्सेस सिस्टम उपयोगकर्ता के लिये अधिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने और उपयोगकर्ता एवं संग्रहकर्ता के बीच अंतर को कम करने के लिये बनाया गया है। प्रलेखों को सुनियोजित ढंग से व्यवस्थित करने एवं साधनों के महत्तम उपयोग हेतु अनुभवी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। पुस्तकालय के प्रयोगकर्ता छात्र, रिसर्च स्कालर, संकाय सदस्य एवं स्टाफ को मिलाकर कुल 850 की संख्या में है।

पुस्तकालय संग्रह

पुस्तकालय में योजना एवं वास्तुकला के विषयों का एक समृद्ध संग्रह है जिसमें पुस्तकें (पाठ्यपुस्तक, संदर्भ पुस्तक, रिपोर्ट, सम्मेलन की कार्यवाही, सीडी रोम आदि), पत्रिकाएं, लघु शोध, ऑनलाइन डाटाबेस आदि शामिल हैं।

पुस्तकें: कुल 11000 पुस्तकों का संग्रह पुस्तकालय में है (9000 शीर्षक) जो कि वास्तुकला (6900 पुस्तकें) एवं योजना (4100 पुस्तकें) के विभिन्न उपक्षेत्रों को समाहित करती है। जैसे वास्तुकला संरचना, वास्तुकला का इतिहास, लोक संरचना, धार्मिक एवं आवासीय भवन, भवन निर्माण, संरचना प्रौद्योगिकी, भूदृश्य वास्तुकला, आंतरिक अभिकल्पना एवं सजावट, सजावटी कला, शहरी एवं क्षेत्रीय योजना, निर्माण प्रबंधन, अर्थशास्त्र, सतत् विकास, आहरण, चित्रकला, कलात्मकता आदि।

पत्रिकाएं: पुस्तकालय में 100 पत्रिकाओं (39 राष्ट्रीय एवं 61 अंतर्राष्ट्रीय) की सदस्यता ली गई हैं। जिसमें से 50 पत्रिकाएं ऑनलाइन एक्सेस की जा सकती हैं। वर्तमान पत्रिकाओं के अतिरिक्त लगभग 1265 जिल्द पत्रिकाएं भी पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। सभी पत्रिकाओं के पूर्व प्रकाशित खण्डों को उपलब्ध करवाने का भी प्रयास किया जा रहा है।

थीसिस एवं लघु शोध: पुस्तकालय में 765 लघु शोध एवं थीसिस उपलब्ध है जिनमें बी. आर्क. (336), बी. प्लान. (149), एम. आर्क. (112), एम.प्लान. (128), एवं पी. एचडी. (5) सम्मिलित हैं। संस्थान परिसर में कम्प्यूटर नेटवर्क के माध्यम से डीआरएस (डिजिटल भण्डार सेवा) संपूर्ण पाठ्य सभी के लिये उपलब्ध है।

डाटाबेस: दो अंतर्राष्ट्रीय ग्रंथ सूची के डाटाबेस (Avery Index to Architectural Periodicals (Bibliographic) and Pro Quest's Theses and Dissertations) एवं दो सामाजिक अर्थव्यवस्था के डाटाबेस (indiastat.com & Districtsofindia.com) पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए जा रहे हैं।

पुस्तकालय ई–बोध सिंधु कॉन्सोर्शियम (मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित) का सदस्य भी है एवं इसके माध्यम से JSTOR, World Ebook Library, South Asia Archive एवं Shodhganga में प्रवेश ले रहा है।

एंटी प्लेगियरिज्म साफ्टवेयर: पुस्तकालय ने एंटी प्लेगियरिज़्म साफ्टवेयर Turnitin Feedback Studio की सदस्यता भी थीसिस एवं लघु शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु ली है।

पुस्तकालय स्वचालन एवं प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग : पुस्तकालय प्रबंध सॉफ्टवेयर की सहायता से पुस्तकालय सेवा एवं गृह व्यवस्था संचालन स्वतः संचालित होते हैं। पुस्तकालय संग्रह एवं सेवाओं की अधिक जानकारी वेबसाईट (http://www.spabhopal.ac.in/#Library) पर उपलब्ध है एवं प्रतिदिन अद्यतन की जाती है। पुस्तकालय सूची संपूर्ण शैक्षणिक परिसर में ऑनलाइन उपलब्ध है। नवीन अधिग्रहीत पुस्तकों एवं पत्रिकाओं को तत्काल डेटाबेस में जोड़ा जा रहा है। पुस्तकालय नवीन, प्रभावी और कुशल इकाई के रूप में स्वयं को साबित करने के लिये निरंतर सुधार के सिद्धांत का

पालन करता है। इसके साथ ही पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ता समुदाय की सेवा कुशल एवं अभिनव तरीके से करने के लिये सतत् प्रयास करता है।

ग्राफिक्स प्रयोगशाला

आज योजना एवं वास्तुकला जैसे बहुमुखी प्रोफेशन के लिये विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर सहायता कर रहे हैं। संस्थान में 75 से अधिक कम्प्यूटरों से सुसज्जित दो प्रयोगशालाएं हैं। प्रत्येक प्रयोगशाला का उद्देश्य प्रासंगिक एवं नवीनतम सॉफ्टवेयर का ज्ञान और अभ्यास से छात्रों को अद्यतन कराना है ताकि वे डिज़ाइन, विकास और कार्यान्वयन से संबंधित चित्र और दस्तावेजों के निर्माण व विकास में इन उपकरणों का प्रयोग कर सकें। ग्राफिक्स प्रयोगशाला नियमित कक्षाओं के लिए अत्यधिक सुविधाजनक है जैसे कि स्टाफ एवं संकायगण के सहयोग से सीएडी क्लासेस, स्केचअप क्लासेस एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन क्लासेस संचालित हैं। इसके अलावा प्रयोगशाला में छात्र की संगोष्ठी, प्रस्तुतियों और कैड लैब, जो शैक्षणिक सिलेबस का हिस्सा है, की परीक्षा लेने हेतु प्रयोग किया जाता है।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की एक विस्तृत श्रृंखला की स्थापना योजना एवं वास्तुकला जैसे विशेष पेशे के लिये बहुत से आवश्यक साफ्टवेयर के साथ की गई है। जैसे ऑटोडेस्क (3 डीएस मेक्स, ऑटो कैड, इनवेंटर) ग्राफिक सॉफ्टवेयर, क्लाऊड कोरल ड्रॉ, एडोब फोटोशॉप, क्रिएटिव एवं अन्य 2डी–3डी इमेज सॉफ्टवेयर। प्रयोगशाला में सभी कम्प्यूटरों में इंटरनेट ब्रॉडबैण्ड और वायरलेस कनेक्शन की सुविधा सतत् उपलब्ध है।

हमारे उच्च शिक्षित कम्प्यूटर स्टाफ के कारण तकनीकी सपोर्ट संकाय, स्टाफ एवं छात्रों के लिये प्रायः उपलब्ध है। निर्बाध उच्च गति (1 जीबीपीएस) इंटरनेट वाईफाई/केबल का उपयोग संस्थान में उपलब्ध है। वेब साईट, वेब डोमेन, ईआरपी एवं वेब आधारित अनुप्रयोग और सॉफ्टवेयर का प्रबंधन प्रयोगशाला के कर्मचारी करते हैं। संस्थान में देश के अन्य संस्थानों के साथ शैक्षिक सामग्री, शोध सेवाओं एवं पुस्तकालय की सेवाओं को साझा करने की सुविधा के लिये एनकेएन उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग सुविधाओं, ई–पुस्तकालय, आभासी कक्षाओं और बड़े डाटाबेस का एक संग्रह प्रदान करता है।

एनकेएन महत्वपूर्ण और उभरते क्षेत्रों में मानव विकास को आगे बढ़ाने के लिये, मिलकर काम करने हेतु अलग–अलग पृष्ठभूमि और विविध भौगोलिक स्थानों से वैज्ञानिक शोधकर्ताओं और छात्रों को सक्षम करेगा।

संकाय प्रभारीः विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग

कम्प्यूटर सेंटर

नेटवर्कः एसपीए भोपाल का कम्प्यूटर सेंटर/डाटा सेंटर संस्थान की ग्राफिक लैब, जीआईएस लैब, पुस्तकालय, स्टूडियो, छात्रावास में तथा संकाय, स्टाफ एवं छात्रों को इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराता है। कम्प्यूटर सेंटर संस्थान में 1000 से अधिक प्रयोगकर्ताओं को हाईस्पीड (1जीबीपीएस) इंटरनेट वाईफाई/केबल की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। हमें यह सुविधा नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनएनके) – नेशनल इन्फारमेशन सेंटर (एनआईसी) भोपाल द्वारा दी गई है एवं 100 एमबीपीएस इंटरनेट स्पीड की सुचारू व्यवस्था रेलटेल कार्पोरेशन से प्राप्त हुई है।

नेशनल नॉलेज नेटवर्क हमें अन्य संस्थानों की शैक्षणिक सामग्री, अनुसंधान, सेवाएं एवं पुस्तकालय की सुविधाएं उपलब्ध कराता है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क हमें उच्च गुणवत्ता की कम्प्यूटर सुविधा, इंटरनेट लायब्रेरी, आभासी कक्षायें, वृहद डाटाबेस के संग्रह एवं वह सभी शैक्षणिक सामग्री, जो कि कौशल के लिये आवश्यक है, एसपीए भोपाल में उपलब्ध कराता है। संस्थान के संकाय, स्टाफ एवं छात्रों को अतिरिक्त तकनीकी सुविधा उपब्लब्ध कराने हेतु कम्प्यूटर सेंटर स्टॉफ, वेब बेस्ड ईमेल एक्सेस, वेब साईट मेन्टेनेंस एवं नेटवर्क से संबंधित मुद्दे जिसमें हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के तकनीकी सहयोग के प्रावधान निहित हैं, का प्रबंध करता है।

सुरक्षाः संस्थान नेटवर्क उपयोगकर्ताओं की अनैतिक गतिविधियों को नियंत्रित करने हेतु विस्तृत नीति के तहत फायर वॉल की सुविधा उपलब्ध कराता है। वायरलेस नेटवर्क छात्रावास, शैक्षणिक भवन एवं कार्यालयों में नवीनतम तकनीकी सहायता से हाई स्पीड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। ग्राफिक लैब एवं जीआईएस लैब में भी हाई स्पीड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है।
सर्वरः डाटा एवं एप्लीकेशन की तीव्र प्रोसेसिंग के लिये हाई एवं ब्लेड सर्वर का प्रयोग किया गया है। लिब्सिस सॉफ्टवेयर का प्रयोग संस्थान पुस्तकालय में ऑनलाइन सूची एवं सहज खोज हेतु किया जाता है। इस हेतु एक अलग

सर्वर की सुविधा दी गई है। संस्थान का लेखा विभाग पे रोल साफ्टवेयर का प्रयोग सर्वर के माध्यम से करता है जिसमें सरल एवं टेली सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है।

वेब स्पेस एवं ईमेल सुविधाएँः संस्थान स्वयं के आंतरिक एवं बाह्य डीएनएस सर्वर से संचालित है। संस्थान में संचालित वेबसाइट एवं अन्य संबंधित वेब केटेंट से कम्प्यूटर सेंटर सुसज्जित है। संस्थान, संकाय एवं स्टॉफ को डोमेन सर्वर से गूगल जी के माध्यम से ईमेल की सुविधा उपलब्ध करा रहा है।

प्रतिक्रिया और शिकायत पोर्टलः छात्रों को प्रदान की जाने वाली गुणवत्ता और सेवाओं के सुधार के लिए एक प्रतिक्रिया तंत्र विकसित किया गया है। फीडबैक वेब पोर्टल के माध्यम से छात्रों द्वारा सेमेस्टरवार संस्थान के संकाय सदस्यों की प्रतिक्रिया दी जाती है। इस वेब पोर्टल द्वारा छात्रों और संकाय सदस्यों के मध्य सम्पर्क बढ़ा है तथा उनकी गुणवत्ता में सुधार हुआ है। यह सुविधा छात्रों को अधोसंरचना, बिजली, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं जैसी शिकायताओं के लिए दी गई है।

जी.आई.एस. प्रयोगशाला

रिमोट सेंसिंग एवं जी.आई.एस. दोनों योजना एवं वास्तुकला के छात्रों के पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। यह पाठ्यक्रम सामग्री का एक भाग है जो कि छात्रों को विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं को समझने हेतु सहायता करता है। सॉफ्टवेयर का प्रारंभिक अभ्यास शैक्षणिक परियोजनाओं को प्रारंभ करने हेतु करते हैं।

प्रयोगशाला का उद्देश्यः यह प्रयोगशाला छात्रों को नक्शे तैयार करने, विश्लेषण और स्थानिक/भौगोलिक डेटा क्वेरी के लिये रिमोट सेंसिंग, जीआईएस एवं 3 डी मॉडलिंग संसाधन उपलब्ध कराती है। प्रयोगशाला उच्च अंत हार्डवेयर, नवीनतम सॉफ्टवेयर, उच्च स्तर उपग्रह डेटा एवं वेक्टर डेटा से लेस है। प्रयोगशाला परामर्श परियोजनाओं के लिये तकनीकी सहयोग प्रदान करती है एवं संदर्भ के लिये एक डाटा बैंक और संसाधन केन्द्र का विकास करती है।

मानव संसाधनः

डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, जी.आई.एस. प्रयोगशाला प्रभारी
डॉ. प्रमोद दुबे, कनिष्ठ अधीक्षक (जी.आई.एस.)
श्री अमित कुमार बंसल, तकनीकी सहायक (जी.आई.एस.)
श्री जितेन्द्र कुमार, तकनीकी सहायक (जी.आई.एस.)

जी.आई.एस. प्रयोगशाला के संसाधनः निम्नलिखित संसाधन (हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर एवं डेटा) जी.आई.एस. प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं।

	मद	संख्या
हार्डवेयर	वर्कस्टेशन (एचपी Z800, DELL PRECISION17600)	18
	मॉनीटर	21
	कलर ए 3 प्रिंटर एवं स्कैनर	01
	टोपो माउस (16 बटन)	01
	3 डी चश्मे (NVIDIA)	02
	ग्राफिक कार्ड (FX 1800 NVIDA)	02
	हेण्डी केम (Sony)	02
	जीपीएस (Trimble)	05
	डीजीपीएस (Trimble,Leica)	02
सॉफ्टवेयर	आर्क जीआईएस -10.4	20 User Licenses
	आर्क जीआईएस सर्वर -10.4	1 Licenses
	ERDAS Imagine -2015	10 User Licenses
	IRDISI TAIGA-16.5	15 User Licenses
	लइका फोटोग्रामेटिक सूट्स (LPS)-2015	05 User Licenses
	माइक्रो स्टेशन	05 User Licenses
	क्यूब -5.1	01User Licenses
उपग्रह डेटा	LISS-III&IV MX,CARTOSAT-I,&II, STEREO CARTOSAT-I WORLD VIEW-2	07 शहर (भोपाल,इंदौर,उज्जैन,देवास,जबलपुर,ग्वालियर,थिम्पू) भोपाल, आशापुरी सांची

प्रशिक्षण कार्यक्रम

4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 2–5 जनवरी 2018 के मध्य लाइका फोटोग्रामेट्री सूट पर आयोजित किया गया।

परामर्श परियोजनाएं (तकनीकी सहायता):

- भोपाल शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सुरक्षित समुदाय का मानचित्रण (पूर्ण)।
- डीजीपीएस का उपयोग कर सैमरन रिसोर्स सेंटर भोपाल के लिए भौगोलिक सर्वेक्षण (पूर्ण)।
- मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं आंतरिक महाराष्ट्र राज्यों के भू–जलवायु क्षेत्रों को कवर करते हुए उपयुक्त आवास डिज़ाइन विकल्प के विकास पर एक अध्ययन।
- मध्य प्रदेश के स्मार्ट शहरों के लिए जलवायु सूचित पर्यावरण योजना।
- श्यामा प्रसाद मुखर्जी शहरी मिशन के सात संकुल, म.प्र.।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित विरासत के लिए यूनिवर्सल डिज़ाइन इनोवेशन।

जीआईएस में शैक्षणिक परियोजनाएँ:

स्टूडियो अभ्यास जिसके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में जीआईएस प्रयोगशाला शामिल है।

	वर्ष	2017
योजना में स्नातक	क्षेत्रीय योजना बनाना	उडुपी
	विकास योजना बनाना	सागर एपीसीआर
योजना में परास्नातक (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)	क्षेत्रीय योजना बनाना	उज्जैन
	विकास योजना बनाना	सतना
योजना में परास्नातक (पर्यावरण योजना)	क्षेत्रीय योजना बनाना	जबलपुर
	विकास योजना बनाना	अजमेर पुष्कर
वास्तुकला में परास्नातक (शहरी अभिकल्पना, भूदृश्य वास्तुकला, संरक्षण)	एमयूडी	स्टूडियो अभ्यास
	एमएलए	स्टूडियो अभ्यास
	एमसीओ	स्टूडियो अभ्यास

वास्तुकला कार्यशाला

एसपीए भोपाल की कार्यशाला ''करके सीखने'' का स्थान है। यह एक ऐसी जगह है जहाँ भौतिक रूप से गहन जाँच, सतत् बातचीत, मूलरूप एवं मॉडल का प्रयोग कर निष्कर्ष निकाले जाते हैं। छात्र यहाँ अपने विचारों को मजबूत कर कार्य की समझ बेहतर करते हैं। ऐसे कार्य को पहचानना जो अपने विशिष्ट उद्देश्य एवं एक खास स्थान एवं समय के लिये किया जा रहा है। वे अपने मॉडल–बनाने एवं डिज़ाइन प्रोजेक्ट के मॉडल निर्माण के कौशल को उन्नत करने के लिये अपने विचारों और संवाद का सृजन करते हैं। गंभीरतापूवर्क, अंर्तदृष्टिकोण एवं कलात्मकता से महान गहराई एवं महत्वकांक्षा के साथ डिज़ाइन में लगे रहना इस अभ्यास के लिए छात्रों को प्रेरित करता है। यह एक ढाँचे की तरह हर संदर्भ की अनूठी स्थिति और प्रत्येक कार्य के व्यक्तित्व के जवाब में उनके कार्य को मार्गदर्शित करता है। इस पद्धति के माध्यम से वे अपनी टीम के साथ रणनीति, स्पष्टता एवं आपसी समझ की धारणा अपनाते हैं या विशेषज्ञों के सहयोग से प्रत्येक परियोजना का उच्च स्तर पर समाधान निकालते हैं।

एसपीए भोपाल की वास्तुकला कार्यशाला का क्षेत्र 280 स्क्वेयर मीटर का है। वास्तुकला के छात्रों के लिये प्रकाशित, हवादार एवं वातानुकूलित जगह कार्य करने हेतु तीन आयामी दृश्य धारणा विकसित करने, कार्यशाला मशीन और प्रौद्योगिकी सहित उपकरण और सामग्री की एक विस्तृत श्रंखला के साथ कार्य करने हेतु विशिष्ट स्थान है। छात्र साधनों के समुचित प्रयोग जैसे, उपकरण एवं मशीन, विभिन्न मॉडल बनाने में इस्तेमाल तकनीक, सामग्री के चयन के समुचित उपयोग जानने के लिए एवं विभिन्न सामग्री का उपयोग जैसे लकड़ी, एमडीएफ, पॉलीस्ट्रेन, फॉरेक्स, एक्रिलिक, मिट्टी, प्लास्टर ऑफ पेरिस का उपयोग, कागज एवं धातु आदि साधनों से सीख हासिल कर रहे हैं। वास्तुकला कार्यशाला में

अभ्यास पाठ्यक्रम नियमित रूप से संचालन की श्रंखला को दर्शाता है। इस संचालन व्यवस्था में डिजिटल प्रोटोटाइपिंग, रंग प्रसंस्करण एवं परिष्करण, प्लास्टर एवं धातु का कार्य शामिल है।

कार्यशाला के उपयोग का क्रम छात्रों द्वारा एक प्रेरण सत्र एवं कार्यशाला में पाठ्यक्रम अभ्यास से होता है। इससे स्पष्ट किया जाता है कि आप कैसे एक कार्यशाला में स्वास्थ्य और सुरक्षा की उम्मीद कर सकते हैं और उपकरणों के बुनियादी कार्यों के बारे में पता कर सकते हैं एवं उन्हें उपकरणों एवं उपलब्ध साधनों के आधारभूत तरीकों से जागरूक करा सकते हैं। कार्यशाला का प्रयास परियोजनाओं के निर्माण हेतु आधारभूत कार्यशील ज्ञान देना है। परियोजना के अनुसार ये कार्य अलग–अलग उपकरणों और मशीनों के उपयोग, कच्चे माल एवं चयनित माल पर विभिन्न आपरेशनों में तकनीकी का प्रयोग के विषय में बताते है। इनसे कौशल को मापने, अंकन, छिद्रण, काटने, देखने में छात्रों को मदद मिलती है। ड्रिलिंग, फिटिंग, लेजर कटिंग एवं आदि में सामान्य सुरक्षा नियमों का छात्रों को कार्यशाला के अंदर पालन कराया जाता है। इसके अलावा कार्यशाला सभी स्नातकीय एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए मॉडल बनाने की सुविधा प्रदान करती है। मशीनरी उपकरण, लेजर, उकेरक, प्लॉटर, हॉटवायर कटर, विद्युत उपकरण, परिशुद्धता उपकरण, सर्कक्युलर सा, डबल व्हील ग्राइंडर, मेटल कट ऑफ, वाइड रेंज हेंड टूॅल्स, नक्काशी के लिए लिनो उपकरण, क्रॉफ्टिंग उपकरण, फिक्सचर एवं सुरक्षा गार्ड इत्यादि उपकरण कार्यशाला में उपलब्ध हैं।

केन्द्र

मानव केंद्रित अनुसंधान केन्द्र (सी.एच.सी.आर.)

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में बहुअनुशासनिक रूप से मानव केंद्रित अनुसंधान केंद्र एसपीए भोपाल के चार्टर के सिद्धांतों के अनुरूप सामाजिक कार्य हेतु कार्य कर रहा है। सीएचसीआर का उद्देश्य मानव जाति से संबद्ध, गुणात्मक, प्रयोगात्मक प्रतिमानों के सभी क्षेत्रों के साथ अनुसंधान आधारित ज्ञान की पृष्ठभूमि का संवर्धन करना है। केन्द्र विकलांग, बुजुर्ग, अल्पसंख्यक जैसे कमजोर तबकों के लिए डिज़ाइन इक्विटी का अभ्यास करता है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु केन्द्र चार प्रमुख क्षेत्रों, अनुसंधान प्राथमिकता क्षेत्र एवं नेटवर्किंग की पहचान, शिक्षा और प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं डिजाइन विकास एवं प्रसार पर कार्य कर रहा है। केन्द्र ने ''सामाजिक समता से सामाजिक निर्वाह'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संबद्ध पत्रिका ''स्पैनड्रल का प्रकाशन किया है। अन्य प्रकाशनों में भारत के सिद्धांतों का सार्वभौमिक डिजाइन कैलेंडर, भारत के सभी संस्थानों के डिजाइन की गतिविधियों पर दो विशेष अंक एवं एक पुस्तक 'यूनाइटिंग डिफरैंस' पर प्रकाशित की है। केंद्र नियमित रूप से राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबंधित क्षेत्रों में विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएं, सार्वजनिक प्रदर्शनियाँ, छात्र प्रतियोगिताएं एवं जागरूकता अभियान आयोजित करता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2012 एवं 2013 में दो बार एनसीपीईडीपी–सार्वभौमिक डिज़ाइन पुरस्कार केंद्र को प्रदान किया गया है। इसके बाद, वर्ष 2016 में उक्त पुरस्कार विकलांगता और सार्वभौमिक डिज़ाइन के क्षेत्र में योगदान के लिए डॉ. संदीप संकट को श्री प्रकाश सिंह गुर्जर (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, मंत्रालय, भारत सरकार के उप मंत्री) द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया है।

वर्ष 2017–18 में आयोजित कार्यक्रमों में से कुछ इस प्रकार हैं:
डीआईसी स्टूडियोज़ : सीएचसीआर की संकाय टीम प्रतिष्ठित डिजाइन इनोवेशन सेंटर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की डीआईसी परियोजना के लिए काम कर रही है। "यूनिवर्सल डिज़ाइन इनोवेशन फॉर हेरिटेज" शीर्षक पर, परियोजना विरासत स्थलों पर पहुंच और सुरक्षा के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए एक अभिनव एपीपी और वेब आधारित एप्लिकेशन विकसित करने के लिए केंद्रित हैं। पूरे अभ्यास को नीचे वर्णित सत्र 2017–18 के लिए नियमित सेमेस्टर अकादमिक गतिविधियों में एकीकृत किया गया है;

वर्ष 2017–18 में नियमित सेमेस्टर शिक्षाविदों/गतिविधियों में डीआईसी परियोजना विषयों का एकीकरण		
शैक्षणिक गतिविधि– डीआईसी परियोजना– सार्वभौमिक डिजाइन	विवरण	समय
वैकल्पिक, द्वितीय, बी.आर्क. 0906	बी. आर्क. पंचवर्षीय वैकल्पिक बैरियर मुक्त पर्यावरणः सार्वभौमिक डिज़ाइन मानक अभिनव	जुलाई–नवम्बर 2017
सीएचसीआर 101 सभी स्नातकोत्तर (वास्तुकला एवं योजना के छात्र)	वैकल्पिक सक्षम वातावरण	जुलाई–नवम्बर 2017

प्रो. रचना खरे एवं डॉ. संदीप संकट को ग्वालियर, ज़ीरकपुर और विजयवाड़ा कें विकलांग खेल केंद्रों की सशक्तिकरण समिति में जांच प्रतिवेदन एवं डीपीआर के मूल्यांकन हेतु चयनित किया गया है जो कि सशक्तिकरण एवं विकलांगता विभाग, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा संचालित है। प्रो. रचना खरे, दिनांक 03 अप्रैल 2017 को राष्ट्रीय ट्रस्ट, सामाजिक न्याय एवं पर्यावरण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा ''युवाओं को विकलांगों का समर्थन करने एवं उन्हें स्वतंत्रता से जीने हेतु '' विषय पर आयोजित सम्मेलन पर उपस्थित हुई।

प्रो. रचना खरे एवं डॉ. संदीप संकट को विकलांगों के कल्याण हेतु नेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी ''समावेशी भारत एवं स्व वकालत विषय'' पर मुख्य वक्ता के रूप में 10 फरवरी 2018 को आमंत्रित किया गया। प्रो. रचना

खरे ने विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिए समावेशी शैक्षणिक स्थान का डिजाइन पर व्याख्यान दिए। डॉ संदीप संकट ने वृद्ध और दिव्यजन के लिए उचित निर्मित पर्यावरण'' विषय पर प्रस्तुति दी।

यूनिवर्सल डिजाइन और यूनिवर्सल एक्सेसिबिलिटी के ज्ञान का प्रसार करने के लिए डॉ संदीप संकट को विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग (दिव्यंगजन) द्वारा आयोजित 19 जनवरी 2018 को अभिगम्यता में सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन के निर्मित पर्यावरण पर एक सत्र के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

28 मार्च 2017 को, सार्वभौमिक डिजाइन और अभिगम्यता की अवधारणा के व्यापक प्रचार के लिए एएमटीआई स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, ग्वालियर ने डॉ संदीप संकट को सतत् शहरी विकास में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया और भारत में सार्वभौमिक डिजाइन और सुगम भारत अभियान विषय पर एक प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया।

सांस्कृतिक ज्ञान प्रणाली केन्द्र (सी.सी.के.एस.)

सेंटर फॉर कल्चरल नॉलेज सिस्टम (सी.सी.के.एस.) विरासत संरक्षण और डाटाबेस केंद्र के साथ संरक्षण के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उत्कृष्टता का एक केंद्र है एवं सामाजिक रूप से जिम्मेदार संस्था के रूप में कार्य करने हेतु प्रयासरत् है। सांस्कृतिक निर्वाह संकल्पनात्मक और दार्शनिक ढांचे के सैद्धांतिक समझ एवं विभिन्न स्तरों पर हस्तक्षेप और इसके निहितार्थों सहित संरक्षण के अभ्यास पर सी.सी.के.एस. ने भारत में सांस्कृतिक संसाधनों के बहु अनुशासनिक क्षेत्र में संरक्षण देने हेतु अभिनव पद्धतियों को प्रोत्साहित किया है एवं तकनीकी मार्गदर्शन और नेतृत्व भी प्रदान किया है। इसमें निम्नलिखित गतिविधियाँ शामिल हैं।

परियोजनाएं:

राजस्थान में ऐतिहासिक संरचनाओं का वास्तुशिल्प दस्तावेज़ीकरण

राजस्थान राज्य के जयपुर में खासा कोठी एवं उदयपुर में आनंद भवन दो ऐतिहासिक संरचनाओं का दस्तावेजीकरण का कार्य राजस्थान स्टेट होटल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एसपीए, भोपाल को दिया गया। इस संदर्भ में एसपीए भोपाल ने एक रिपोर्ट तैयार की जो संरचनाओं के इतिहास लेखन पर थी, इस संरचना पर सुझाव के संदर्भ में ड्राइंग, स्थिति मूल्यांकन, मूल्य, महत्व, निर्माण विवरण और प्रस्ताव शामिल हैं।

विरासत प्रभाव का आकलनः

राहतगढ़, जिले का विरासत प्रभाव आकलन, सागर के राहतगढ़ किले पर शहरी प्रशासन और विकास विभाग, मध्य प्रदेश द्वारा विद्यमान जल उपचार संयंत्र को प्रस्तावित विस्तार के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए तैयार किया गया था। राहतगढ़ किले का स्मारक राष्ट्रीय महत्व का है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है। इस परियोजना में एसपीए भोपाल ने मौजूदा जल उपचार संयंत्र के प्रस्तावित विस्तार के प्रभाव का आकलन करने वाली एक रिपोर्ट तैयार की है जिसमें क्लारिफ्लोक्यूलेटर, रेत फ़िल्टर टैंक और संप शामिल हैं। रिपोर्ट में निर्माण गतिविधि और उसकी परिचालन अवधि के दौरान किले के प्रभावों का मूल्यांकन किया। अनुशंसाओं में विरासत की कमियों पर एवं आगंतुकों द्वारा ऐतिहासिक परिस्थिति और स्थल पर उत्पन्न स्पष्ट प्रभावों को दूर करने के उपाय शामिल हैं।

कुदासिया महल भोपाल का अनुकूली पुनः उपयोग

कुदासिया महल के लिए एक अनुकूली पुनः उपयोग योजना संत रविदास हस्तशिल्प और हाथकरघा निगम भोपाल (एमपीएचईएचवीएन) के लिए तैयार की गई। उक्त प्रस्ताव को 40 शिल्पकारों के लिए छात्रावास के रूप में उपयोग करने के लिए परिसर को शामिल करने की आवश्यकता थी जो मेले के दौरान गोहर महल प्रदर्शनी में जाते हैं। महल के माप चित्र तैयार करने और छात्रावास के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न रिक्त स्थान की व्यवहार्यता को तैयार करने के कार्य पूर्ण हैं। एमपीएचईएचवीएन को एक अंतरिम रिपोर्ट पहले से ही जमा कर दी गई थी।

संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ

वेबसाइट कम मीडिया समिति – इस समिति का गठन अगस्त 2017 में किया गया है।

- योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल की नव अभिकल्पित वेबसाइट – निदेशक महोदय द्वारा प्रस्तावित योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल की नव अभिकल्पित वेबसाइट का प्रारूपण किया जा रहा है।

- नई वेब नीति – समिति में अंशदान सूची, संतुलन एवं नीति का अनुमोदन, सूची की समीक्षा नीति एवं पुरालेख संबंधी नीतियों की सूची प्रस्तावित हैं।

- प्री वेब अपलोड फार्म– शैक्षणिक एवं प्रशानिक प्रपत्र को अपलोड करना जैसे निविदा प्रपत्र, भर्ती प्रपत्र अन्य प्रपत्र शामिल हैं।

- वेबसाइट का कार्यस्थल में ही संचालनः संस्थान ने विभिन्न उप–डोमेन होस्ट करने के लिए एक नया वेब और डामेन सर्वर कान्फिगर किया गया है।

- संस्थान के चतुर्थ दीक्षांत समारोह के विस्तृत विवरण व फोटो ग्राफ वेबसाइट में अपलोड।

- संस्थान के प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ वेबसाइट में लाइव संचालित हैं।

- हमने संस्थान की सूचनाओं को सोशल वेबसाईट जैसे फेसबुक, ट्विटर पर भी दिया जा रहा है।

- शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक रिक्त पदों का भर्ती प्रकोष्ट – समिति रिक्त पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन सुविधा वेबसाइट के माध्यम से प्रदान कर रही है।

- पीजी एवं पीएच डी के आवेदकों के लिए जेईटी का निर्माण (संयुक्त प्रवेश परीक्षा) – संस्थान, एसपीए भोपाल एवं एसपीए विजयवाड़ा के पीजी एवं पीएच डी पाठ्यक्रम के प्रवेश हेतु जीईटी (संयुक्त प्रवेश परीक्षा) का संचालन एवं प्रबंधन ऑनलाइन करता है।

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाईट की दिशानिर्देशिका के अनुसार जानकारी से अद्यतन कराना।

अनुसंधान एवं परामर्श परियोजनाएँ

2014 का एसपीए अधिनियम मानव संसाधनों की योजना सहित वास्तुकला अध्ययनों में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एसपीए की भूमिका को परिभाषित करता है। यह अधिनियम संस्थान के साथ निहित शक्तियों और कार्यों को परिभाषित करता है और इसमें वास्तुकला, नियोजन और संबद्ध गतिविधियों में अनुसंधान और नवाचारों को व्यवस्थित करने, विद्यालय के विचारों को समृद्ध करने हेतु अन्य विद्यालय, शैक्षिक संस्थान, सहयोग संगठन या कार्पोरेट बॉडी और उपक्रमों को शामिल करता है । यह आगे के सामान्य उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए संस्थान से संबंधित क्षेत्रों और विषयों में परामर्श लेने की शक्ति को निर्दिष्ट करता है।

इस संदर्भ में संस्थान प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श परियोजनाओं को एजेंसियों और उद्योग को प्रायोजित करने और देश के विकास में योगदान देने के लिए संस्थान द्वारा किए गए अनुसंधान और विकास के लाभ को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम मानता है। उचित अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं, सरकार और उद्योग को मूल्यवान सेवा प्रदान करने के अलावा, कई तरीकों से संकाय सदस्यों और संस्थान को भी लाभान्वित करती है। वे संकाय सदस्यों के पेशेवर अनुभव और ज्ञान को समृद्ध करती हैं, उन्हें वर्तमान समस्याओं और पेशे के उभरते क्षेत्रों और प्रक्रियाओं और समाधानों में नवाचार प्रदान करने का प्रयास करते हुए अकादमिक पाठ्यक्रम को डिजाइन करने और संरेखित करने में मदद करता है, इस प्रकार संस्थान अपने संकाय और छात्रों में एक विविध प्रतिभा को बरकरार रखने वाले केंद्र के रूप में विकसित होता है, जो पेशे का नेतृत्व करता है और बड़े पैमाने पर समाज के व्यापक सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रचार करता है।

एसपीए, भोपाल ने 2008 में अपनी स्थापना के बाद से स्वयं को एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में स्थापित किया है तथा वास्तुकला एवं योजना दोनों विषयों के स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह अनुसंधान और परामर्श कार्य भी शुरू कर रहा है और कुछ विशेष क्षेत्रों में महत्वपूर्ण रूप से विकसित हुआ है। वर्ष 2017–18 में शुरू की गई परियोजनाएं नीचे सूचीबद्ध हैं:

1. परियोजना का नामः कुदासिया महल, गोहर महल, भोपाल का संरक्षण।
   प्रायोजकः संत रविदास एम.पी हस्तशिल्प और हैंडलूम विकास निगम लिमिटेड।
   प्रधान अन्वेषकः श्री रमेश पी. भोले।
   टीम के सदस्यः श्री सुशील कुमार सोलंकी।
   अवधिः मई, 2017।
   स्थितिः संचालित।

2. परियोजना का नामः अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल के लिए सुरक्षा लेखा परीक्षा।
   प्रायोजकः अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल।
   प्रधान अन्वेषकः डॉ अजय विनोदिया।
   टीम के सदस्यः श्री सुशील कुमार सोलंकी।
   अवधिः मई, 2017।
   स्थितिः संचालित।

3. परियोजना का नामः एचआईए– राहतगढ़ किला, सागर पर प्रस्तावित जल टैंक के प्रभाव का मूल्यांकन।
   प्रायोजकः नगर परिषद राहतगढ़, सागर।
   प्रधान अन्वेषकः डॉ विशाखा कवठेकर।
   टीम के सदस्यः प्रोफेसर अजय खरे, श्री रमेश पी. भोले, श्री गौरव वैद्य, श्री अंकित कुमार।
   अवधिः मई 2017।
   स्थितिः संचालित।

4. परियोजना का नामः होटल खासा कोठी, जयपुर और होटल अन्न भवन, उदयपुर की भूमि और भवन का मापन।
   प्रायोजकः राजस्थान स्टेट होटल निगम लिमिटेड।
   प्रधान अन्वेषकः डॉ विशाखा कवठेकर।
   टीम के सदस्यः प्रोफेसर अजय खरे, श्री रमेश पी. भोले, श्री अंकित कुमार।
   अवधिः अगस्त, 2017।
   स्थितिः संचालित।

5. परियोजना का नामः ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना (बरखेड़ा सालम ग्राम पंचायत, जिला भोपाल) की तैयारी के लिए पायलट अध्ययन।
प्रायोजकः एम.ओ.पी.आर., भारत सरकार, एन.आई.आर.डी. के द्वारा।
प्रधान अन्वेषकः प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन।
टीम के सदस्यः डॉ क्षमा पुणताम्बेकर, श्री प्रेमजीत दासगुप्ता।
अवधिः अक्टूबर, 2017।
स्थितिः पूर्ण।

6. परियोजना का नामः झांसी छावनी क्षेत्र के लिए विकास योजना की तैयारी।
प्रायोजकः झांसी कैंट बोर्ड।
प्रधान अन्वेषकः डॉ अमित चटर्जी।
टीम के सदस्यः प्रो. एन. आर. मंडल, डॉ बिनायक चौधुरी, श्री प्रेमजीत दासगुप्त, श्री गौरव वैद्य, श्री पॉलोज एनके, डॉ काकोली साहा, डॉ अशफाक आलम, श्री कर्ण सेनगुप्ता
अवधिः फरवरी, 2018, (एसपीए, भोपाल द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू)।
स्थितिः संचालित।

7. परियोजना का नामः तमिल मंदिर शहरः संरक्षण और प्रतियोगिता।
प्रायोजकः आईसीएचआर–एएचआरसी।
प्रधान अन्वेषकः प्रो. अजय खरे।
टीम के सदस्यः श्रीमती गायत्री नंदा।
अवधिः फरवरी, 2018।
स्थितिः संचालित।

8. परियोजना का नामः विदर्भ का सर्वेक्षण साइटः ईआरसी परियोजना के लिए मनसर और भिवकुंड सीमाएंः धर्म, क्षेत्र, भाषा और राज्य।
प्रायोजकः ब्रिटिश संग्रहालय, लंदन, यूके।
प्रधानाचार्य जांचकर्ताः डॉ विशाखा कवाठेकर।
अवधिः फरवरी 2018 (एसपीए, भोपाल द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू)
स्थितिः संचालित।

संस्थान की गतिविधियाँ

चतुर्थ दीक्षांत समारोह

संस्थान का चतुर्थ दीक्षांत समारोह, 14 अक्टूबर 2017 को आईआईएसईआर, भोपाल के सभागार में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह का आरंभ संस्थान गान से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात वास्तुकार एवं शिक्षाविद् प्रो. अनिकेत भागवत ने कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की। संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन ने स्वागत ज्ञापन व प्रतिवेदन दिया। प्रो. श्रीधरन ने पूर्व शैक्षणिक वर्षों में संस्थान के संकाय एवं छात्रों द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय उपलिब्धयों पर प्रकाश डाला एवं आगामी वर्षों में आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया। प्रो. श्रीधरन ने एस.पी.ए. भोपाल में वर्तमान में संचालित एवं प्रस्तावित संरचनात्मक योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

पीएच. डी. की 3 उपाधि सहित स्नातक, परास्नातक की 176 उपाधियों से छात्रों को सम्मानित किया गया। एस.पी.ए. भोपाल में स्नातक के दो कार्यक्रम एवं परास्नातक के पांच कार्यक्रम संचालित हैं जिनमें से 2 स्नातक के छात्रों एवं 5 परास्नातक के छात्रों को **प्रवीणता स्वर्ण पदक** प्रदान किये गए। बहार श्रीवास्तव (बी.आर्क.) एवं गौरब दास महापात्र (एम. प्लान, शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन) को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु **चेयरपर्सन मेडल** प्रदान किया गया। श्री अशफाक आलम (सहायक प्राध्यापक, योजना विभाग, एस.पी.ए. भोपाल), सुश्री प्रशांति राव, (सहायक प्राध्यापक, योजना विभाग, एस.पी.ए. भोपाल) एवं श्रीमती मंजू बैसोया पुन्दिर, (वास्तुविद, दुबई) को पीएच. डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात वास्तुकार एवं शिक्षाविद् प्रो. अनिकेत भागवत ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। अपने अभिभाषण में प्रो. भागवत ने डिग्री प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी एवं आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अजय खरे, प्राध्यापक एस.पी.ए. भोपाल द्वारा किया गया।

स्थापना दिवस व्याख्यान

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के दसवें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 10 नवम्बर 2017 को प्रो. अनिल गुप्ता को विशेष व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। प्रो. अनिल गुप्ता, श्रष्टी संस्था के समन्वयक, हनी बी नेटवर्क के संस्थापक तथा नेशनल इनोवेशन फाउण्डेशन के कार्यकारी सहायक हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवल के साथ हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन ने प्रो. अनिल गुप्ता का स्वागत किया एवं सभी को बधाई दी। प्रोफेसर गुप्ता ने ''मीटिंग द अनमेट सोशल नीड्सः चेलेंजेस, कोंट्रडिक्शन, एण्ड क्रिएटिव रिस्पोंस'' विषय पर व्याख्यान दिया। उक्त व्याख्यान से छात्रों को अभिप्रेरणा दी गई कि कैसे डिजाइन में छोटे और रचनात्मक कार्य भी सुधार के लिए बड़े बदलाव कर सकते हैं। कार्यक्रम सांस्कृतिक संध्या के साथ समाप्त हुआ जहाँ छात्रों ने भरतनाट्यम, कथक, मोहिनीअट्टम और मराठी लोक नृत्य जैसे विभिन्न कला रूपों का प्रदर्शन किया।

स्वतंत्रता दिवस

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के नवीन परिसर में 71 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2017 को मनाया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन ने ध्वजारोहण किया व सुरक्षा गार्ड ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इस उत्सव में संस्थान के संकाय सदस्य, अधिकारीगण, कर्मचारीगण व बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 19–21 जून 2017 के मध्य तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन संस्थान के प्रांगण में किया गया। इस शिविर में वृहद संख्या में संस्थान के छात्र, संकाय व कर्मचारीगण उपस्थित हुए। उपस्थित जनसमूह की सुविधा एवं सुरूचिपूर्ण ढंग से योग कराने के लिए मंच तैयार किया गया था जिस पर बैठ कर योग प्रशिक्षकों (विवेकानंद केन्द्र, भोपाल) द्वारा विभिन्न यौगिक मुद्राओं का प्रदर्शन किया गया, जिनको देखकर समस्त जनसमूह ने उन क्रियाओं को दोहराया। कार्यक्रम का आरंभ संस्थान के कुलसचिव राजेश मोज़ा की विशेष उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में योगासनों की क्रियायें हुई जैसे ग्रीवा संचालन, घुटनों की क्रियायें, ताड़ासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रसनासन, शषांकासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, पवनमुक्तासन, शवासन, कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, ध्यान का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में योग क्रियाओं के साथ–साथ प्रतिभागियों की पोस्टर एवं स्लोगन निर्माण की प्रतियोगिता भी सम्पन्न हुई। प्रतिभागियों ने मानव जीवन में योग के महत्व को समझा, योग करना सीखा व प्रतिदिन योगाभ्यास करने हेतु प्रेरित भी हुए।

हिंदी पखवाड़ा

संस्थान परिसर में 15 दिवसीय हिन्दी पखवाड़ा 15 से 28 सितम्बर 2017 के मध्य बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान के राजभाषा विभाग के इस आयोजन में हिन्दी भाषा के ज्ञान के संवर्धन व व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु छात्रों व छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताऐं जैसे ''निबंध लेखन, सुलेख लेखन, हिन्दी टंकण, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद,

प्रशासनिक/ तकनीकी शब्दावली, कार्यालय टिप्पण/हिन्दी प्रारूपण, हिंदाक्षरी, हिंदी कविता एवं गीत प्रतियोगिता'' इत्यादि आयोजित की गई। उक्त प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रख्यात साहित्यकार 'श्री राजेश जोशी जी', प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन, निदेशक, श्री राजेश मोज़ा, कुलसचिव, प्रो. अजय खरे, प्राध्यापक, प्रो. बिनायक चौधुरी, प्राध्यापक, द्वारा संस्थान की हिन्दी

पत्रिका ''स्पन्दन'' अंक–3 का विमोचन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि 'श्री राजेश जोशी जी' निदेशक महोदय व कुलसचिव महोदय ने पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रीय एकता सप्ताह

दिनाँक 4–6 नवंबर 2017 को राष्ट्रीय एकता सप्ताह का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में क्रीड़ा गतिविधि, 'मिनि मैराथन' दौड़ आयोजित की गई, जिसमें एसपीए भोपाल के सभी कर्मचारियों व छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया इसके अलावा छात्रों के लिए बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल इत्यादि खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 जनवरी 2018 को गणतंत्र दिवस मनाया गया। समारोह में संस्थान के संकायगण सदस्य, अधिकारीगण, कर्मचारीगण व छात्र–छात्राएँ सम्मिलित हुए। संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन, ने ध्वजारोहण किया व संस्थान के सुरक्षागार्ड ने राष्ट्रीयध्वज को सलामी दी। निदेशक महोदय ने सभा को संस्थान की आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। अध्यक्ष, छात्र परिषद ने अपने उद्बोधन में वर्ष के दौरान छात्रों की उपलब्धियों के विषय में बताया। उक्त समारोह में छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक नृत्य व संगीत का आयोजन किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

संस्थान परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 23 – 27 अक्टूबर, 2017 के मध्य मनाया गया। एसपीए, भोपाल के संकाय और स्टाफ सदस्यों ने 26 अक्टूबर, 2017 को अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में सतर्कता प्रतिज्ञा ली। जागरूकता सप्ताह के दौरान छात्रों को सतर्कता जागरूकता के विषय पर स्लोगन लिखने के लिए प्रेरित किया गया जो कि हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में थे। बड़ी संख्या में छात्रों ने अपने स्लोगनों को मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा आगे प्रस्तुत किया एवं उक्त स्लोगनों के पोस्टर संस्थान परिसर के विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शित किये गए।

संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी ने सतर्कता सप्ताह का निरीक्षण करने की आवश्यकता पर बल दिया। चूंकि अकादमिक भ्रष्टाचार किसी भी शैक्षिक संस्थान के लिए सबसे बड़ा खतरा है, इसलिए छात्रों को अकादमिक भ्रष्टाचार, अर्थात् चोरी, झूठीकरण, धोखाधड़ी, प्रलोभन, व्यवधान, प्रोफेशनल दुर्व्यवहार, औपचारिक तथा अनौपचारिक रूप से प्रतिरूपण के विभिन्न रूपों से अवगत कराना सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्देश्य था।

स्पिक मैके

संस्थान परिसर में स्पिक मैके, (भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के प्रचार हेतु युवाओं की समिति) के एक चरण में 14 सितंबर 2017 को सायं 05:30 से 07:30 बजे के मध्य ओडिसी नृत्य का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में प्रसिद्ध ओडिसी नर्तक पद्मश्री रंजना गौहर ने नृत्य अभिनय किया। कार्यक्रम में नृत्य मंडल के 03 सदस्य शामिल थे। प्रख्यात कलाकार ने कार्यक्रम में सम्मिलित छात्रों एवं कर्मचारियों से 'ओडिसी नृत्य' की मुख्य विशेषताएं साझा की तथा सभी कर्मचारियों, अधिकारियों व छात्र–छात्राओं ने प्रदर्शित नृत्य का आनंद लिया व उनके प्रदर्शन की सराहना की। दिनांक 11 एवं 12 जनवरी 2018 को पंडित रोणु मजूमदार ने बांसुरी पर एवं दिनांक 20 जनवरी 2018 को पंडित विश्व मोहन भट्ट ने मोहन वीना व स्लाइड गिटार पर शानदार प्रदर्शन किया। उक्त सभी मनोरंजक कार्यक्रमों में एसपीए भोपाल के छात्र–छात्राओं, संकायगण सदस्यों एवं स्टाफ ने उपस्थित होकर आनंद लिया।

कार्यशालाएँ / विशेष व्याख्यान

कार्यशाला : 'रेजिल्येंट सिटीज़–ए लेण्डस्केप एप्रोच'

एसपीए, भोपाल में दिनांक 30–31 अक्टूबर 2017 को 'रेज़िल्येंट सिटीज़–ए लेण्डस्केप एप्रोच' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रायोजन प्रो. डॉ. एन. श्रीधरन, निदेशक एस.पी.ए. भोपाल के द्वारा किया गया एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को कार्यशाला में आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में आमंत्रित विशेषज्ञ श्री जी. पद्मनाभन, आपदा विश्लेषक, यूएनडीपी, नई दिल्ली, श्री प्रसन्ना देसाई, अर्बन डिजाइनर, प्रख्यात वास्तुविद्, श्रीमती संस्कृति मेनन, प्रोग्राम डायरेक्टर, सी. ई.ई. पुणे, श्री अंशु शर्मा, आपदा प्रबंधक, सीड्स नेटवर्क, नई दिल्ली एवं श्री शुभम मिश्रा, सलाहकार, शहरी योजनाकार, नई दिल्ली उपस्थित थे।

दो दिवसीय कार्यशाला में संस्थान के छात्र–छात्राओं को तीन समूहों में विभाजित किया गया। छात्रों ने समूहवार शहरी ऊष्मा तनाव (गर्मी), जल तनाव (सूखा), शहरी बाढ़ जैसे विषयों का अवलोकन कर विशेषज्ञों के समक्ष उत्पन्न समस्याओं एवं उनके उपाय के बारे में प्रस्तुति दी। छात्रों ने कार्यशाला में अपने विषयों पर स्लोगन तैयार किये जैसे बाढ़ के संदर्भ में **''हम रखे पानी का ध्यान, पानी रखे हमारा ध्यान''** सूखा के सदर्भ में **''कुदरत है मेहरबान लेकिन भोपाल है परेशान''** तथा शहर की बढ़ती गर्मी के संदर्भ में **''तपती धरती तपता आकाश, तनाव में है दुनिया, तनाव में है भोपाल, आओ हम मिलकर करें इसका समाधान''** छात्रों ने शहरी बाढ़ के संदर्भ में अपने अवलोकन के दौरान स्थानीय लोगों से चर्चा की और पाया कि वर्ष 2016 की तुलना में वर्ष 2006 की भीषण बारिश में भोपाल शहर के बाढ़ के पानी का ज्यादा एकत्रीकरण देखा गया।

महामाई मंदिर के सिंह स्तम्भ पर लगभग 10 फीट पानी वर्ष 2006 में देखा गया वहीं वर्ष 2016 में लगभग 5 फीट पानी सिंह स्तम्भ पर बाढ़ के दौरान था। उक्त स्थान के अलावा भोपाल शहर के पात्रानाला एवं शाहजानिया पार्क के आस–पास के क्षेत्रों का भी अवलोकन किया गया। कार्यशाला में संस्थान के छात्र–छात्राओं समेत डॉ. तापस मित्रा, डॉ. रमा उमेश पाण्डे, डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, प्रो. एन. आर. मण्डल, प्रो. बिनायक चौधुरी एवं अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। कार्यशाला के समन्वयक वास्तुकार सौरभ पोपली, सह प्राध्यापक थे।

इंटीग्रल स्टूडियो

इंटीग्रल स्टूडियोः 2017, 'स्मार्ट शहरीकरण : भोपाल में भविष्य की कल्पना' विषय पर दिनांक 20–25 जुलाई, 2017 को स्मार्ट सिटी मिशन के तहत भोपाल के 'क्षेत्र आधारित विकास' साइट के लिए आयोजित किया गया। स्टूडियो को भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड और आईटीपीआई मध्य प्रदेश क्षेत्रीय भाग द्वारा प्रायोजित किया गया था। स्टूडियो का उद्देश्य छात्रों को स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट और स्मार्ट शहरीकरण के मानवीय पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना था। स्मार्ट सिटी क्षेत्र–आधारित विकास को एक केन्द्र के आधार पर माना जाता है जो इसके विशेष क्षेत्र अंतर्निहित योजना दृष्टिकोण के कारण आस–पास के शहरी क्षेत्रों से अलग किया जाता है।

स्टूडियो के माध्यम से डिजाइन विचार एवं क्षेत्र आधारित प्रस्ताव भोपाल शहर के स्वरूप, संरचना एवं लोकाचार के साथ प्रयोक्ता की सहभागिता से अभिप्रेरित एवं एकीकृत किये गए थे। शहर के बाकी के हिस्सों में स्मार्ट शहर के विकास को एकीकृत करने के लिए कार्यात्मक रूप से, सामाजिक रूप से एवं सौंदर्य की दृष्टि से डिजाइन परिवर्तन पर जोर दिया गया था।

एसपीए भोपाल की तीन टीमों और मैनिट भोपाल की दो टीमों ने इंटीग्रल स्टूडियो प्रतियोगिता में भाग लिया। ग्रैंड जूरी 25 जुलाई आईटीपीआई हॉल (म.प्र. क्षेत्रीय भाग) भोपाल पर आयोजित की गई। एसपीए भोपाल के छात्रों ने अपने प्रस्तावों के लिए 'पहला' और 'विशेष उल्लेख' पुरस्कार जीता, जबकि दूसरा स्थान मैनिट के छात्रों द्वारा जीता गया। भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेट के नगर आयुक्त और मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने प्रस्तावों समेत सभी की सराहना की।

हिंदी कार्यशाला

दिनांक 16 फरवरी 2018 को, संस्थान में राजभाषा के प्रचार व प्रगामी प्रयोग हेतु हिंदी कार्यशाला 'कम्प्यूटर में यूनिकोड का प्रयोग' विषय पर आयोजित की गई। उक्त कार्यशाला में एनआईटीटीटीआर, भोपाल के सह प्राध्यापक डॉ. एम. ए. रिज़वी, विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किये गए थे। कार्यशाला में वृहद स्तर पर संस्थान के कर्मचारियों ने भाग लिया तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर यूनिकोड विधि के माध्यम से हिंदी टाइपिंग का ज्ञान प्राप्त करके लाभान्वित हुए।

विशेष व्याख्यान

एम.एल.ए. के छात्र एवं सभी छात्रों हेतु विशेष व्याख्यान, फील्ड विज़िट के माध्यम से लैण्डस्केप दृष्टिकोण का परिचय, अनवालीखेड़ा, जिला सिहोर, दिनांक 01 नवम्बर 2017।

वास्तुकला (भूदृश्य) के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र संस्थान के सहायक प्राध्यापक सौरभ पोपली के साथ सिहोर जिले के ग्राम कोठक्कर, जो कि अनवालिखेड़ा के समीप है, की यात्रा की। उक्त यात्रा में पीएसएसएफ से श्री बी.एस. राठौर (आईएफएस) द्वारा भूदृश्य के विषय में समझाया। भूदृष्य दृष्टिकोण एक अभिनव एवं एकीकृत दृष्टिकोण है जिसे हितधारकों और उनके हितों को भूदृश्य के रूप में पहचाना जाता है (उपलब्ध संसाधनों पर साझा रिपोर्ट के अनुसार)। और इन संसाधनों पर संघर्ष और प्रतियोगिताओं को रचनात्मक और संवाद रूप से संबोधित किया जाता है। यह समुदाय के भीतर प्रत्येक हितधारक समूह की वैध आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को सुलझाने का प्रयास करता है और इसलिए पानी, जमीन, वायु और वनस्पति संसाधनों पर असंख्य मांगों के साथ भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण रूप से संसाधन–योजना और प्रबंधन उपकरण है। आमंत्रित विशेषज्ञ, श्री पी.एस. राठौर को प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं संयुक्त वन प्रबंधन पर विभिन्न शासकीय एवं गैर शासकीय क्षेत्रों में विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व करने का बड़ा अनुभव है।

भोपाल के समीप अनवलखेड़ा ग्राम अत्यंत महत्वपूर्ण भूदृश्य है, क्योंकि यह मानव और प्राकृतिक भूदृश्यों के मध्य क्षेत्र चिन्हांकन सीमाओं में स्थित है, जो परिस्थितकीय व्यवस्था और राज्यों की विविधता दर्शित करते हैं। यह अध्ययन के लिए एक आदर्श के रूप में स्थापित है। फील्ड विजिट भूदृश्य प्लानिंग के तृतीय सेमेस्टर स्टूडियो के छात्रों से संबंधित है जिसने छात्रों को मध्य भारत के पेरी–शहरी परिदृश्य के संदर्भ में स्थायित्व योजना के लिए उपकरणों और विधियों के प्रति संवेदनशील बनाया है।

परिदृश्य पर विशेष व्याख्यान, प्रो. डॉ. देवेन्दर शर्मा द्वारा सुलभ कृषि पर व्याख्यान, 22 नवम्बर 2017।

शहरी डिजाइन, तृतीय सेमेस्टर, 2017 के लिए विशेष व्याख्यान, गोदरेज डेवलपर्स के आर्किटेक्ट द्विपियन एच ने बड़े पैमाने पर परियोजनाओं में शहरी डिजाइन की भूमिका पर बात की। उन्होंने इस बात पर विचार–विमर्श किया कि कैसे रियल एस्टेट डेवलपर्स विभिन्न बड़े पैमाने पर परियोजनाओं के शहरी और सार्वजनिक क्षेत्र में योगदान दे सकते हैं।

शहरी डिजाइन, तृतीय सेमेस्टर, 2017 के लिए विशेष व्याख्यान, वीएनआईटी नागपुर के वास्तुकार और पर्यावरण योजनाकार डॉ समीर देशकर ने शहरी स्थायित्व और लचीलेपन की अवधारणाओं पर शहरी डिजाइन के तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक व्याख्यान सह कार्यशाला आयोजित की। उन्होंने छात्रों को शहरी पर्यावरण की स्थिरता और उनके बीच पारस्परिक संबंध के संकेतकों के बारे में बताया।

विशेष व्याख्यान, सभी छात्रों के लिए, एक सार्वजनिक व्याख्यान ''जोखिम प्रबंधन में सामुदायिक भागीदारी का कार्यान्वयन : किन शर्तों पर? विषय पर डॉ सुभाष्योती समद्दर, एसोसिएट प्रोफेसर, आपदा निवारण अनुसंधान संस्थान (डीपीआरआई), क्योटो विश्वविद्यालय, जापान द्वारा दिनांक 21 मार्च, 2018 को आयोजित किया गया। इस व्याख्यान के माध्यम से डॉ. समद्दर ने आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रमों एवं एशिया और अफ्रीका के केस अध्ययनों के आधार पर परियोजनाओं में प्रभावी सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी तरीकों, कदमों और कारकों पर स्थानीय समुदायों के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ

एस.पी.ए, भोपाल में प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ स्नातक छात्रों को रोज़गार की सुविधा देता है और पेशेवर प्रशिक्षण लेने हेतु उपयुक्त संगठनों का चयन करने के लिए विभिन्न स्नातकोत्तर और स्नातक कार्यक्रमों में वर्तमान छात्रों की सहायता करता है। यह कक्ष सभी कार्यक्रमों से छात्रों के व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र प्रक्रिया का समन्वय करता है, जो कि संबंधित पाठ्यक्रम द्वारा आवश्यक है। पाठ्यक्रम के बाहर एक औद्योगिक सेटअप में काम करने वाले छात्रों के मूल्यांकन की प्रणाली को सरल बनाने के लिए सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों द्वारा अनुपालन के लिए सेल द्वारा ट्रेनिंग मैनुअल डिज़ाइन किया गया है। हमारे छात्रों ने सरकारी और निजी क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। ऐसे संगठनों की सूची में सलाहकार, डेवलपर्स, अनुसंधान संगठनों और गैर सरकारी संगठनों की एक विस्तृत श्रृंखला है। इस वर्ष भी छात्र मलेशिया, नेपाल, एस्तोनिया, फ्रांस, जर्मनी, क्रोएशिया एवं बेल्जियम में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रशिक्षण के लिए गए हैं।

प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ सभी यूजी और पीजी कार्यक्रमों के लिए प्लेसमेंट ब्रोशर प्रकाशित करता है जो बड़े पैमाने पर पेशेवरों और उद्योगों में छात्रों को स्नातक होने के प्रोफाइल को प्रसारित करने में मदद करता है। स्नातक छात्रों का चयन कैंपस और ऑफ–कैंपस साक्षात्कारों के माध्यम से कई प्रतिष्ठित फर्मों और सलाहकारों द्वारा किया जाता है। हमारे पूर्व छात्रों का प्रतिष्ठित संगठनों में शामिल होकर उनके उत्कृष्ट कार्य की स्वीकृति से उद्योग एवं अकादमिक संबंधों को तेजी से मजबूत किया जा रहा है।

मानव संसाधन विकास संस्थान का एक प्रमुख उद्देश्य है और प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल एक कुशल उद्योग–अकादमिक इंटरफ़ेस को सुविधाजनक बनाने के लिये वास्तुकला और योजना व्यवसायों की मांगों को पूरा करने का प्रयास करता है। इस वर्ष भी सेल 2016–2017 के लिए सफल प्लेसमेंट सीजन को चलाने में सक्षम था। सेल के कैरियर विकास कार्यक्रम के तहत 'भारत और विदेश में उच्च शिक्षा' पर इंटरैक्टिव सत्र के बाद एक विशेषज्ञ व्याख्यान भी आयोजित किया गया। हर साल अकादमिक संस्थानों और अग्रणी कंपनियों की बढ़ती संख्या से प्लेसमेंट के साथ–साथ स्नातक छात्रों के लिए ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए उनकी रुचि देखी जा रही है। वर्ष 2017–18 में, कुल 35 प्लेसमेंट में से, पीजी कार्यक्रमों के 14 छात्रों को पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर, मोदी विश्वविद्यालय– आर्किटेक्चर कॉलेज एवं वास्तुकला कॉलेज के प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षाविदों के रूप में चुना गया। उक्त नियुक्तियों में पुणे से क्रिएटिव ग्रुप और सॉफ्टटेक इंजीनियरिंग (पी) लिमिटेड, नई दिल्ली, आरआरबीएएन और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड, मुंबई के एसके एसोसिएट्स जैसे प्रतिष्ठित संगठन थे, जिन्होंने एसपीए, भोपाल में आयोजित प्लेसमेंट गतिविधियों के माध्यम से संस्थान परिसर में साक्षात्कार आयोजित किए, उन्होंने अपने संगठनों के लिए 21 अन्य पेशेवरों का चयन किया। नवीन स्नातक और स्नातकोत्तरों के छात्रों का पैकेज 3.00 से 6.00 लाख तक का था।

प्रशिक्षण एवं रोजगार प्रकोष्ठ – सदस्य;

डॉ. अजय विनोदिया, संकायाध्यक्ष, छात्र मामले – अध्यक्ष

वास्तुकार, पूनम खान, सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला) – संकाय प्रभारी

डॉ. विशाखा कवाठेकर, सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला) – संकाय सदस्य

डॉ. अमित चटर्जी, सहायक प्राध्यापक (योजना) – संकाय सदस्य

वास्तुकार सन्मार्ग मित्रा, सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला) – संकाय सदस्य

वास्तुकार सौरभ तिवारी, सहायक प्राध्यापक (वास्तुकला) – संकाय सदस्य

बिन्दु सुरेश, कनिष्ठ सहायक

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रखी गई विरोधी उत्पीड़न नीति के अनुसार कार्य करती है जो कि एक सुरक्षित वातावरण बनाने, बिना किसी भेद भाव के परिसर के भीतर लिंग पक्षपात एवं यौन उत्पीड़न को रोकती है। समिति यह मानती है कि एसपीए भोपाल परिसर में हर व्यक्ति को किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न पर कार्रवाई करने का अधिकार है। यौन उत्पीड़न समिति के सदस्य डॉ. क्षमा पुणताम्बेकर, सुश्री नयना आर. सिंह एवं श्री रमेश भोले हैं। समिति यौन उत्पीड़न की सभी रिपोर्टों के तुरंत जवाब देती है और मामले को हल कर उचित कदम उठाती है।

छात्र गतिविधियाँ

खेल गतिविधियाँ

वर्ष 2017–2018 में आयोजित विभिन्न टूर्नामेंटों के खेलों में हमारी टीम ने अभ्यास किया। 30 मार्च 2017 से 2 अप्रैल 2017 के मध्य आईआईआईटीएम ग्वालियर में एक राष्ट्रीय स्तर का टूर्नामेंट आयोजित किया गया। उक्त टूर्नामेंट में बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल और एथलेटिक्स (लड़के/लड़कियों) की हमारी टीम ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। हमारे छात्रों ने विभिन्न दौड़ कार्यक्रमों में 2 कांस्य पदक के साथ 1 स्वर्ण पदक जीता। पूर्व की अपेक्षा हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ था और हम लगभग सभी खेलों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। इसके बाद विभिन्न इंटर बैच और इंट्रा बैच इवेंट हुए, जहां हमारे छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया। विभिन्न दिवसों पर टूर्नामेंट आयोजित किए गए : –

बैडमिंटन टूर्नामेंट (लड़के/लड़कियां): 8–10 सितंबर, 2017
इंट्रा बैच टेबल टेनिस टूर्नामेंट (लड़के/लड़कियां): 15–17 सितंबर, 2017
इंट्रा बैच बास्केटबाल टूर्नामेंटः 22–24 सितंबर, 2017
इंट्रा बैच क्रिकेट टूर्नामेंटः 22–24 सितंबर 2017

कॉलेज में इस प्रतिस्पर्धी माहौल के बाद हमारे पड़ोसी संस्थान आईआईएसईआर, भोपाल के साथ मैत्रीपूर्ण मैच हुए। बास्केटबॉल की हमारी टीम (लड़के/लड़कियां); टेबल टेनिस (लड़के/लड़कियां); वॉलीबॉल (लड़के/लड़कियां); क्रिकेट; शतरंज (लड़के/लड़कियां) ने मैचों में भाग लिया।

देश भर से 30 संस्थानों के साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता **एनएलआईयू, विरुधाका** 13 से 15 अक्टूबर 2017 के मध्य आयोजित की गई। हमारे कॉलेज ने बास्केटबाल (लड़के/लड़कियां) में भाग लिया; बैडमिंटन (लड़के/लड़कियां); टेबल टेनिस (लड़के/लड़कियां); वॉलीबॉल (लड़के/लड़कियां); शतरंज (लड़के/लड़कियां); क्रिकेट, फुटबॉल, कैरम, एथलेटिक्स। हमारे संस्थान द्वारा असाधारण प्रदर्शन के साथ हमारी संस्था ने इस टूर्नामेंट में कुल 2 स्थान पर विजय प्राप्त की।
इसके बाद सत्र और ऊर्जा को बनाए रखने के लिए अधिक अंतर बैच और इंट्रा बैच प्रतियोगिताएं हुईं, जिनसे सत्र शुरू हुआ। प्रतियोगिताओं का विवरण निम्न हैः –

फाउंडेशन डे कप क्रिकेट मैच (संकाय–कर्मचारी/छात्र), 11 नवंबर, 2017
इंटर बैच फुटबॉल टूर्नामेंट, 17 से 19 नवंबर 2017
इंटर बैच क्रिकेट मैच, 20 जनवरी 2018
क्रिकेट मैच (छात्र), 11 फरवरी 2018

संस्थान ने 14 से 16 फरवरी 2018 के मध्य आयोजित एसपीए दिल्ली एवं एसपीए विजयवाड़ा दोनों की भागीदारी के साथ भव्य इंटर–एसपीए स्पोर्ट्स मीट की मेजबानी की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भागीदारी के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के तीन दिन सुचारू रूप से आयोजित किए गए। प्रत्येक कॉलेज की टीमों ने बास्केटबॉल (लड़के/लड़कियां), बैडमिंटन (लड़के/लड़कियां), टेबल टेनिस (लड़के/लड़कियां) में भाग लिया; वॉलीबॉल (लड़के/लड़कियां); शतरंज (लड़के/लड़कियां); क्रिकेट, फुटबॉल और कैरम। खेल, एसपीए भोपाल और आईआईएसईआर, भोपाल के मैदानों पर

आयोजित किए गए थे। प्रतिस्पर्धी माहौल और स्वस्थ खेल भावना के साथ, हमारा कॉलेज एसपीए दिल्ली के साथ रनर अप के रूप में सूची में सबसे ऊपर रहा। हमारे खिलाड़ियों ने फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, शतरंज और कैरम खेल प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की।

इंटर एसपीए के बाद निम्न इंटर बैच और इंट्रा बैच की खेल गतिविधियों को बनाए रखने के लिए प्रारंभ किये गए:

क्रिकेट मैच टूर्नामेंट (16–18 मार्च 2018)
टेबल टेनिस टूर्नामेंट (23–25 मार्च 2018)
इंटर बैच बास्केटबाल टूर्नामेंट (14–15 अप्रैल 2018)

हमारे कॉलेज ने MANITs Sportomania में भी भाग लिया और सेमीफाइनल तक पहुंचे।
Sportomania के बाद जेएलयू स्पोर्ट्स उत्सव था जिसमें हमारे खिलाड़ी बास्केटबाल सेमीफाइनल और कबड्डी क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे।

छात्रों की गतिविधियों के अलावा हमारे संकाय सदस्य/कर्मचारीगण भी सत्र के दौरान सक्रिय थे। हमारे संकाय/स्टाफ के साथ टीम ने आईआईएसईआर संकाय टीम क्रिकेट मैच खेला और विजय प्राप्त की। एक टूर्नामेंट का आयोजन क्लब हाउस में स्टाफ क्लब संकाय कर्मचारियों, संकाय सदस्यों, बच्चों और सभी आवासीय परिवारों के लिए किया गया था, जिसमें टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज और क्रिकेट मैच जैसे खेल आयोजित किए गए। समग्र खेल सत्र उत्साही और मैत्रीपूर्ण था। हम आगामी सत्र के साथ इसे आगे पुनः आयोजित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

एसपीए भोपाल के सांस्कृतिक समिति में आठ क्लब हैं जैसे प्रिशा, फोटोग्राफी, गेमिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, संगीत, ड्रामा, नृत्य एवं साहित्य। इन क्लबों को एक साथ गठित किया गया है ताकि छात्रों की भागीदारी अधिक से अधिक संख्या में हो एवं सक्रिय भागीदारी प्रदान की जा सके। प्रत्येक क्लब के अपने समन्वयक हैं जो समय–समय पर कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं को व्यवस्थित करते हैं। छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों जैसे नोस्प्लान, एमएनआईटी जयपुर में सांस्कृतिक उत्सव, एसपीए दिल्ली में एकफ्रासिस और अन्य प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीते हैं। इन कार्यक्रमों में भागीदारी, छात्रों को चुनौतियों का सामना करने, आत्मविश्वास और परिपक्व बनने, अपनी छिपी प्रतिभा का पता लगाने में मदद करती है। 'एकफ्रासिस' इंटर एसपीए नृत्य प्रतियोगिता है जिसमें 'मिराज' टीम का गठन किया गया था एवं एसपीए भोपाल की नृत्य समिति ने इसमें प्रथम पुरस्कार जीता।

संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर 'नृत्यांजली' शास्त्रीय नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में 26 कलाकार थे जो शास्त्रीय क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हुए। कार्यक्रम गणेश स्तुति के साथ शुरू हुआ और शिव नाट्राज के साथ समाप्त हुआ, जिसके मध्य में एक ब्रह्मांडीय नर्तक, रबींद्रो संगीत, मोहिनीट्टम, शास्त्रीय रूपों, भरतनाट्यम, कथक और लोक नृत्य जोगुवा की प्रस्तुति भी उक्त समारोह में हुई।

शिल्पशाला का संक्षिप्त विवरण (स्टूडियो ब्रीफ)

योजना विभाग

प्रथम सत्र, योजना में स्नातक

योजना स्टूडियो का प्रथम सत्र छात्रों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। छात्रों को स्मार्ट, प्रभावी चित्र, नये विचारों के साथ ग्राफिक्स की प्रस्तुति एवं मौखिक प्रस्तुति या लिखित रिपोर्टों के लिये ग्राफिक्स सामग्री का उपयोग करना सिखाया गया। अभ्यास पांच इकाइयों में विभाजित था एवं प्रत्येक मॉड्यूल में अलग–अलग विषय थे। छात्रों को किसी असाइनमेंट को दिए जाने से पहले उन विषयों को अच्छी तरह से समझाया गया था। प्रारंभिक अभ्यास में छात्रों को विभिन्न ड्राइंग उपकरणों का परिचय कराया गया, सड़कों, जल निकायों, स्थलों, की प्राकृतिक विशेषताओं को बताया गया साथ ही शहर के पर्यटक मानचित्रों का विभिन्न स्तरों पर अध्ययन करने के पश्चात् फ्रीहैंड स्केचिंग का अभ्यास कराया गया।

इसके पश्चात् छात्रों को अभिलेखीय कुशलता बढ़ाने हेतु अभिलेख और परिमाप का अभ्यास कराया गया। दूसरे अभ्यास में तत्वों की समझ, डिजाइन के सिद्धांतों एवं 2 आयामी और 3 आयामी वस्तुओं एवं इसके उपयोग को समझने के लिए ड्राइंग व डिजाइन संरचना सिद्धांतों को बताया गया। इसके अलावा, छात्रों ने आस–पास के वास्तविक जीवन, वस्तुओं और अर्गोनोमिक अध्ययनों के अवलोकनों से संख्यात्मक ग्राफिक्स और अनुपातिक पैमाने से संबंधित अभ्यास सीखा।

आगामी अध्ययन में, ऑर्थोग्राफिक, आइसोमेट्रिक और परिप्रेक्ष्य अनुमानों पर अभ्यास दिए गए थे। छात्रों को सिखाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक मानववंशी और एर्गोनॉमिक्स था; मानव विज्ञान की विकसित समझ के साथ छात्रों को प्रासंगिक अभ्यास के माध्यम से प्रस्तुति दी गई और कामकाजी चित्रों जैसे तकनीकी वास्तुशिल्प चित्रों को आकर्षित करना सिखाया गया था। अंत में छात्रों को एक निर्दिष्ट इमारत को मापने और अभ्यास के लिए सटीक और प्रासंगिक योजनाओं, वर्गों और उन्नयन को आकर्षित करने का कार्य दिया।

द्वितीय सत्र, योजना में स्नातक

इस स्टूडियो में छात्रों ने भूमि कर, स्थलाकृति, संसाधन, नेटवर्क, परिवहन जैसे मानचित्रों को बनाने के संबंध में ज्ञान अर्जित किया। स्टूडियो में प्रशासनिक सीमा की समझ, भौगोलिक मानचित्र का विश्लेषण, मानचित्र को पढ़ने के तरीके पर अभ्यास किया। उन्होंने अभ्यास से स्वयं कार्टोग्राफिक प्रोटोकॉल (सांख्यिकीय डेटा की प्रस्तुति) के बारे में भी सीख हासिल की। उनके द्वारा किए गए अभ्यास प्रशंसनीय थे। अभ्यास के दौरान छात्रों ने पारगम्यता, भवन लेआउट, डिजाइन, सुविधाओं की उपलब्धता, उपयोगिता/सेवाएं लेआउट और क्षमता, खुली जगहें, पार्क, खेल के मैदान को आवासीय एवं वाणिज्यिक क्षेत्रों पर बनाना सीखा है।

अन्य सार्वजनिक क्षेत्र, सुरक्षा, सुविधाओं की उपलब्धता, पार्किंग, स्थिरता को दृष्टिगत रखते हुए साइट्स को भोपाल के भीतर चुना गया है जैसे ग्लोबस ग्रीन एकर्स और ग्लोबस ग्रीन हाउसिंग सोसाइटी एवं एमपी नगर क्षेत्र।

तृतीय सत्र, योजना में स्नातक

योजना स्टूडियो का तृतीय सत्र नेबरहुड और साइट प्लानिंग पर था। स्टूडियो का उद्देश्य सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ आवास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ नेबरहुड और साइट प्लानिंग का कौशल विकसित करना था। स्टूडियो भोपाल की तीन साइटों में आयोजित किया गया था, जिसे वर्तमान में पीएमए मिशन के तहत विकसित किया जा रहा है।

छात्रों का अभ्यास साहित्य समीक्षा और केस स्टडीज के माध्यम से नेबरहुड प्लानिंग की अवधारणाओं के साथ प्रारंभ किया गया। मामले का अध्ययन इंदौर शहर में विभिन्न सामाजिक–आर्थिक समूहों के पड़ोस को समझने में छात्रों की सहायता के लिए आयोजित किया गया।

छात्रों ने साइट की जटिलताओं को समझते हुए साइट का एक विस्तृत मॉडल तैयार कर अभ्यास किया। स्टूडियो का अगला हिस्सा सामाजिक–आर्थिक स्थितियों के दस्तावेज़ीकरण और विश्लेषण पर केंद्रित था। सामाजिक प्रोफ़ाइल और समुदाय की जरूरतों को पहचानने के लिए साइट के आस–पड़ोस में घरेलू सर्वेक्षण आयोजित किए गए। भौतिक और सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण के आधार पर, मुख्य रूप से आवास पड़ोस के लिए वैकल्पिक अवधारणा योजना तैयार की

गई थी। साइट पर उपयोगिता की योजना शुरू की गई थी और अंतिम डिजाइन विकसित किया गया था। प्रत्येक छात्र ने पड़ोस के स्तर पर निर्मित और खुली जगहों के संबंधों को समझने के लिए प्रस्तावित विकास का एक मॉडल भी विकसित किया, आवास और उपयोगिता के विषयों का एकीकरण स्टूडियो में जोड़ा गया था।

चतुर्थ सत्र, योजना में स्नातक

बी. प्लान स्नातक के छात्रों द्वारा झांसी छावनी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश में भूमि प्रयोग के एकीकरण एवं परिवहन के साथ व्यापक स्तर पर अल्पकालिक एवं दीर्धकालिक परिवहन योजना हेतु रणनीतियों के निर्माण के लिए ''सब सिटी मोबिलिटी प्लान" पर स्टूडियो का आयोजन किया गया। झांसी छावनी बोर्ड (जेसीबी) कैंटोनमेंट एक्ट–1924 (कैंटोनमेंट एक्ट –2006 के रूप में पुनः प्रस्तुत) के तहत गठित एक स्वतंत्र विशेष क्षेत्र प्राधिकरण है। इसमें झांसी छावनी बोर्ड की क्षेत्राधिकार सीमा के भीतर तीन प्रमुख नागरिक क्षेत्र हैं, अर्थात्; सदर बाजार, तोपखाना बाजार और लालकुर्ती बाजार है। झांसी छावनी बोर्ड ने 19 वीं शताब्दी की शुरुआत में आवासीय सह वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए दीर्ध अवधि के पट्टे पर गैर–सैन्य आबादी को भूखंड दिए थे और नाममात्र शुल्क के साथ पट्टे को नवीनीकृत करने के लिए इस्तेमाल किया था। सदर बाजार के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र में झांसी शहर की आबादी बहुत आकर्षित करती है, जबकि अन्य बाजार में झांसी छावनी बोर्ड की स्थानीय आवश्यकता के अनुसार केवल कैटरिंग हैं।

स्टूडियो का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन मोड के विभिन्न रूपों का एकीकरण, कम लागत वाले यातायात प्रबंधन के माध्यम से कुशल और प्रभावी क्षेत्र परिसंचरण, गैर मोटर चालित परिवहन और पार्किंग प्रबंधन सहित सड़क डिजाइन के साथ विभिन्न सुधारात्मक उपायों को खोजना था स्टूडियो की थीम "लैंड्यूज एंड ट्रांसपोर्ट का एकीकरण" रखी गई थी। छात्रों द्वारा निरंतर नौ दिनों तक विभिन्न यातायात और परिवहन सर्वेक्षण आयोजित किए थे और परिवहन योजना प्रक्रिया पर अपनी समझ विकसित की थी। उन्होंने विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भी दौरा किया और स्थानीय निवासियों समेत कई हितधारकों के साथ चर्चा की और यातायात व परिवहन संबंधी मुद्दों पर जानकारी प्राप्त की। अंत में छात्रों ने विभिन्न अभिनव और व्यावहारिक रूप से लागू करने योग्य सिफारिशों के साथ स्टूडियो अभ्यास का निष्कर्ष निकाला।

छटवां सत्र, योजना में स्नातक

बी.प्लान, 6 वें सत्र के स्टूडियो का उद्देश्य 'शहरी विकास योजना' तैयार करना था जो एक अपर्याप्त स्थलाकृति और सघन जलवायु परिस्थितियों में स्थित है, इस परिप्रेक्ष्य में उत्तर पूर्वी पहाड़ी राज्यों के शहरों की समीक्षा की गई थी। मास्टर प्लान/विकास योजनाओं की उपलब्धता के आधार पर इस स्टूडियो के अभ्यास के लिए सिक्किम राज्य में नमची शहर का चयन किया गया था। उस क्षेत्र में सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर गंगटोक (लगभग 1 लाख, 2011 की जनगणना) है एवं दूसरा सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर नमची (लगभग 12000, 2011 की जनगणना) है। दोनों शहर भारत सरकार के स्मार्ट सिटी मिशन का हिस्सा हैं।

नमची की यात्रा 18 जनवरी, 2018 से 30 जनवरी, 2018 के मध्य की गई। स्टूडियो अभ्यास का उद्देश्य नमची शहर के लिए एक शहरी विकास योजना तैयार करना था इसके अंतर्गत शहर की आधारभूत संरचना को मजबूत कर एवं पर्यावरण स्थिरता पर समझौता किये बिना क्षेत्रीय संयोजकता से एवं स्मार्ट लिविंग को बढ़ाने वाली सुविधाओं के साथ, सामाजिक एवं स्मार्ट लोगों के माध्यम से इस शहर को पर्यटन स्थल के रूप में तैयार करना था।

लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्य से, स्टूडियो अभ्यास को चार चरणों में विभाजित किया गया था जैसे कि प्रारंभिक अध्ययन, मौजूदा स्थिति विश्लेषण, प्रस्ताव और रिपोर्ट जमा करना। प्रारंभिक अध्ययन में शहर के विकास और क्षेत्रीय सम्पर्क से शहर की स्थानिक सीमा, पिछली योजनाओं पर पहल इत्यादि संबंधित कार्य शामिल थे। यह सत्र फील्ड विजिट, विस्तृत डेटा संग्रह, डेटा चेकलिस्ट और प्रश्नावली की तैयारी के साथ समाप्त हुआ।

मौजूदा स्थिति विश्लेषण के लिए, एक फील्ड विज़िट की गई, भोपाल लौटने से पहले एक सप्ताह छात्र नमची में रुके थे। स्टूडियो में जनसांख्यिकी, भूमि उपयोग, आर्थिक आधार और उद्देश्यों से संबंधित अन्य डोमेन, भविष्य के विकास की दिशाओं और बुनियादी ढांचे पर आवश्यकताओं का अध्ययन किया गया है। इसके अलावा, सामाजिक, आर्थिक और भौतिक आधारभूत संरचना की वर्तमान स्थिति का अध्ययन किया गया। छात्रों ने अध्ययन के तहत विभिन्न शहरी क्षेत्रों के लिए आवश्यक और उपलब्ध डेटा एकत्रित किया और घरेलू सर्वेक्षण, पर्यटन, यातायात और परिवहन सर्वेक्षण आदि जैसे प्राथमिक सर्वेक्षण भी आयोजित किए। सेमेस्टर के दौरान भोपाल लौटने के बाद छात्रों का विश्लेषण एकत्रित डेटा का अध्ययन, अंतर की पहचान, स्थानिक मुद्दे एवं ध्वस्त क्षेत्रों, जैसे चार बड़े विषयों पर स्मार्ट लिविंग (जीवन की गुणवत्ता),

स्मार्ट पर्यावरण (प्राकृतिक संसाधन), सामाजिक और मानव पूंजी (स्मार्ट लोग) के विकास के रूप में भविष्य में आवश्यकता के अनुमान किए गए थे।

प्रथम सत्र, योजना में परास्नातक

इस एकीकृत स्टूडियो में एम. प्लान के नगरीय एवं क्षेत्रीय योजना तथा पर्यावरण योजना के प्रथम सत्र के छात्र शामिल हुए। यह स्टूडियो विविध पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए प्रारंभिक स्टूडियो है और उन्हें एक आम मंच प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में तीन मॉड्यूल शामिल थेः धारणा अध्ययन, शहरी मॉड्यूल और ग्रामीण मॉड्यूल।

पहले मॉड्यूल में छात्रों ने भोपाल शहर का अध्ययन किया जिसमें नेटवर्क की संरचना, भूमि उपयोग, शहर का रूप एवं इसके दृश्य प्रभाव, स्थलों और सार्वजनिक क्षेत्रों की पहचान के बारे में समझ विकसित की।

ग्रामीण नियोजन मॉड्यूल में छात्रों ने मनखेड़ी, जुनापानी, करोंदिया और पीपलखेड़ा गांवों का अध्ययन किया। इन गांवों को भोपाल शहर की परिधि में उनके स्थान के आधार पर चुना गया था। छात्रों को ग्रामीण इलाकों का जीवन एवं आवास के बारे में बताया गया तथा वहां की योजनाओं की जटिलताओं को समझाया गया। छात्रों ने उक्त सभी गांवों के लिए ग्राम विकास योजना तैयार की।

शहरी मॉड्यूल में 40 छात्रों को मेट्रो शहर की समझ और शहर के विभिन्न हिस्सों में नियोजन की जटिलताओं को समझने के लिए पुणे शहर का विज़िट किया। पुणे शहर के कुछ क्षेत्रों का अध्ययन हेतु चयन किया गया जैसे कोर शहर (कस्बा पेठ), तिलक रोड और कोथरुड (आंशिक रूप से विकसित)। अध्ययन और डेटा संग्रह के लिए संकाय और छात्रों की टीम अध्ययन क्षेत्र में तैनात थी। सभी तीन क्षेत्रों की क्षेत्र आधारित विकास योजना का प्रस्ताव तैयार किया गया।

द्वितीय सत्र, योजना में परास्नातक (पर्यावरण योजना)

पर्यावरण योजना, द्वितीय सेमेस्टर के स्टूडियो अभ्यास में वायनाड जिले की यात्रा 12–26 जनवरी, 2018 को की गई। टीम में दो संकाय सदस्य और 20 छात्र शामिल थे। जिले का चयन, संवेदनशील क्षेत्र के पर्यावरणीय मुद्दों का व्यापक संपर्क देने के लिए किया गया था। फील्ड विजिट का उद्देश्य जिले/ग्राम पंचायतों/शहरी इलाकों की समीक्षा कर वहां कि वर्तमान समस्याओं को समझना था। मानदंडों के चयन के आधार पर (1) वर्षा छाया क्षेत्र (2) जनजातीय आबादी की बड़ी उपस्थिति (3) फिजियोग्राफी (4) मानव–वन्यजीव संघर्ष (5) आपदा भेद्यता, विस्तृत अध्ययन के लिए नूलपुझा, मीनांगाडी, अंबालावायाल, वेंगापल्ली, मुलेनकोली और थिरुनेल्ली का चयन किया गया था। समस्या की पहचान के लिए छह ग्राम पंचायत के निवासियों का सर्वेक्षण जिले के शहरी क्षेत्रों और साथ ही चयनित ग्राम पंचायत दोनों में आयोजित किए गए थे। छात्रों और संकाय सदस्यों ने विभिन्न राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के विभागों के अधिकारियों के साथ जिले के पर्यावरणीय मुद्दों पर भी बातचीत की और डेटा एकत्र किया।

स्टूडियो का उद्देश्य सामाजिक–आर्थिक स्थितियों और जिले की पर्यावरणीय गुणवत्ता के बीच संबंधों की खोज करना था। जिले के पारिस्थितिक पहलुओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले मुद्दे वन, कृषि और जल क्षेत्रों से संबंधित थे। जिले के लोगों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार, पर्यावरण सुधार में लोगों की सहभागिता को हासिल करने के लिए एक एकीकृत ढांचा प्रस्तावित किया गया।

तृतीय सत्र, योजना में परास्नातक (पर्यावरण नियोजन)

स्टूडियो का उद्देश्य मास्टर प्लान की वर्तमान प्रक्रिया में ब्लू एण्ड ग्रीन संरचना की अवधारणा के एकीकरण के लिए पद्धति तैयार करना था। मध्य प्रदेश राज्य का 7 वां सबसे बड़ा शहर सतना में पर्यावरण नियोजन के तृतीय सेमेस्टर का स्टूडियो अभ्यास किया गया। दिनांक 17–25 अगस्त, 2017 के दौरान 17 छात्रों ने तीन संकाय सदस्यों के साथ सतना शहर का दौरा किया। यह दौरा सतना नगर निगम में शेयर होल्डर्स की बैठक के साथ शुरू हुआ।

बैठक को आयुक्त किर्ती पांडे और मेयर द्वारा संबोधित किया गया। बैठक में चर्चा के आधार पर वार्ड सदस्यों और निवासियों की शिकायतों ने शहर के सामने आने वाली चुनौतियों का एक अवलोकन दिया। अगले दिन होटल राम रेसीडेंसी में एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें विभिन्न वार्ड सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों ने भाग

लिया। इस कार्यशाला में अलग–अलग वार्डों के लिए अद्वितीय मुद्दे सामने आए, कुछ वार्ड सदस्यों ने शहर की इमारतों के उपनिवेशों की समस्याओं पर भी ध्यान केंद्रित किया, जहां गंभीर घटनाएं हुईं थी। शहरी सेवाओं की अनुभूति को रिकॉर्ड करने के लिए एक व्यापक प्रश्नावली तैयार की गई थी। विभिन्न सेवाओं के संबंध में निवासियों की अनुभूति के साथ–साथ सामाजिक–आर्थिक डेटा एकत्र करने के लिए व्यापक रूप से विस्तृत सर्वेक्षण और प्रबंधित कदम उठाये गए थे।
शहर में मौजूद हरियाली युक्त स्थान और जल निकायों की स्थिति की पहचान करने के लिए दृश्य सर्वेक्षण और गतिविधि मानचित्रण भी किया गया। जल निकायों में यूट्रोफिकेशन, ठोस अपशिष्ट डंपिंग और नालियों के उद्घाटन को देखा गया। हमारी टीम ने क्रमशः प्रदूषण, स्वास्थ्य, औद्योगिक, परिवहन, ठोस अपशिष्ट, स्वच्छता और जल आपूर्ति के संबंध में डेटा एकत्र करने के लिए एसपीसीबी, सीएमएचओ, डीआईसी, आरटीओ, एसएमसी, टीसीपीओ सहित विभिन्न कार्यालयों का दौरा किया।

इस अध्ययन का विश्लेषण शहर के पर्यावरणीय तनाव को उजागर करने के लिए सभी आंकड़ों का विश्लेषण करके किया गया था और विश्लेषण के आधार पर प्रस्ताव तैयार किए गए थे। सतना शहर की चुनौतियों को संबोधित करने वाली एक ब्लू ग्रीन मास्टर प्लान में ब्लू एवं ग्रीन स्थानों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार की गई थी। कचरा प्रबंधन नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प और वायु प्रदूषण प्रबंधन प्रस्तावित हस्तक्षेप न केवल सतना शहर की पर्यावरण गुणवत्ता में सुधार करेगा बल्कि निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार करेगा।

द्वितीय सत्र, योजना में परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना)

एम प्लानिंग (यूआरपी), द्वितीय सेमेस्टर के 19 छात्र, डेटा संग्रह के उद्देश्य से स्टूडियो अभ्यास हेतु गंगटोक, सिक्किम गए थे। उन्होंने 14 जनवरी से 27 जनवरी 2018 के मध्य गंगटोक की जिला विकास योजना तैयार की।

यात्रा के दौरान छात्रों ने अतिरिक्त मुख्य नगर योजनाकार, शहरी विकास और आवास विभाग, सिक्किम शासन के साथ बैठक की। उक्त बैठक में श्री प्रधान ने सिक्किम राज्य के संबंधित जिलों के विभिन्न सरकारी और निजी एजेंसियों के बारे में छात्रों को बताया तथा जिले में मौजूद प्रमुख समस्याओं, मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा की और विभिन्न एजेंसियों के प्रमुख व्यक्तियों से संपर्क प्रदान करने में सहायता की।

छात्र कृषि, जल और सिंचाई, आवास, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और बिजली, शिक्षा, परिवहन, दूरसंचार, पर्यटन, अर्थव्यवस्था और उद्योग, वन और पर्यावरण एवं आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न कार्यालयों से संपर्क करने के लिए आगे बढ़े। उन्होंने वहां महत्वपूर्ण कार्यकर्ताओं और हितधारकों के साथ भी बातचीत की। छात्रों ने जिले के प्रमुख पर्यटन आकर्षण और पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए एक क्षेत्र का दौरा भी किया।

जिला प्रशासन के अधिकारियों, अर्थात् अतिरिक्त जिला कलेक्टर – प्रशासन (एडीसी) और डीपीओ, पूर्वी सिक्किम और छात्रों के बीच एक केंद्रित समूह चर्चा आयोजित की गई थी। इस चर्चा का मूल उद्देश्य छात्रों के डेटा संग्रह अभ्यास में डेटा/सूचना अंतर को भरने के लिए सहायता प्रदान करना तथा छात्रों के प्रश्नों/समस्याओं को हल करने हेतु ज्ञान हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाना था। कक्षा को दो समूहों में विभाजित किया गया था और गंगटोक के आसपास प्रमुख पर्यटक और विरासत स्थलों और कुछ ग्राम पंचायत कार्यालयों का दौरा करने और दस्तावेजीकरण करने के लिए आगे बढ़े।

तृतीय सत्र, योजना में परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना)

मास्टर ऑफ प्लानिंग के शहरी और क्षेत्रीय योजना कार्यक्रम के तीसरे सेमेस्टर स्टूडियो अभ्यास उज्जैन शहर की विकास योजना तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

अभ्यास निम्नलिखित उद्दश्यों के लिए किया गया था:
अ) वर्तमान भूमि उपयोग के विकास का आकलन करने और सघन भूमि उपयोग के सिद्धांतों के माध्यम से भविष्य के विकास के लिए।

ब) सूक्ष्म स्तर पर पहुंच के परिदृश्य का अध्ययन करने और स्थान बनाने के लिए रणनीतियों को प्रदान करने हेतु भूमि उपयोग के साथ सार्वजनिक और टिकाऊ परिवहन का एकीकरण।
स) जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लिए शारीरिक, सामाजिक आधारभूत संरचना का अध्ययन और शहर को पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और स्वस्थ बनाना।
द) विरासत मूल्य और पर्यटन बुनियादी ढांचे में सुधार के माध्यम से भूमि आधारित और आर्थिक उपकरणों के माध्यम से अपने चरित्र को संरक्षित करके शहर की सांस्कृतिक पहचान को बढ़ाने हेतु।

स्टूडियो के लिए उज्जैन जाना पहचाना शहर था। उज्जैन मध्य प्रदेश का विरासत शहर है जो क्षिप्रा नदी के तट पर स्थित है। 2011 की जनगणना के अनुसार उज्जैन की जनसंख्या 5.15 लाख थी और यह उज्जैन संभाग के तीसरे भाग के समान है। उज्जैन को स्मार्ट सिटी मिशन के तहत स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किए जा रहे 98 भारतीय शहरों में चुना गया है। उज्जैन में मनाया जाने वाला हिंदुओं का उत्सव 'सिंहस्थ' अत्यंत प्रसिद्ध है जो हर 12 वर्षों में मनाया जाता है।

स्टूडियो को तीन मुख्य चरणों में दर्शाया गया हैः पहले चरण में शहर का विकास और क्षेत्रीय व्यवस्था को समझने से संबंधित कार्य शामिल थे। इसने शहर की सीमा, पूर्व एवं आगामी योजना की आवश्यकता को भी देखा। इसके अतिरिक्त विभिन्न योजनाओं को तैयार करने के तरीकों और विधियों, सर्वोत्तम प्रथाओं के केस स्टडीज पर साहित्य अध्ययन किया गया। यह चरण विस्तृत डेटा संग्रह, डेटा चेकलिस्ट और क्षेत्र यात्रा के लिए प्रश्नावली की तैयारी के साथ समाप्त हुआ।

दूसरे चरण में जनसांख्यिकी, भूमि उपयोग, आर्थिक आधार और भविष्य के विकास की दिशा और आधारभूत संरचना की आवश्यकताओं की पूरी समझ स्थापित की गई थी। वर्तमान जनसंख्या के जनसांख्यिकीय विश्लेषण और योजना के क्षितिज वर्ष के लिए भविष्य की आबादी का आकलन किया गया था। आर्थिक विश्लेषण मौजूदा आर्थिक गतिविधियों, आगामी विकास को आकर्षित करने हेतु भविष्य की समझ को जन्म देता है। भूमि उपयोग विश्लेषण ने वर्तमान भूमि उपयोग पैटर्न, इसके अंतर और परिवहन नेटवर्क के साथ इसके एकीकरण की स्थापना की थी। अध्ययन में वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पहचानने के लिए सामाजिक आर्थिक और भौतिक आधारभूत संरचना का आकलन भी किया।

चरण दो में पहचाने जाने वाले स्थानिक मुद्दों और अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों को संबोधित करने के प्रस्तावों के तीसरे चरण में प्रस्ताव दिए गए थे। छात्रों ने वर्ष 2037 के योजना क्षेत्र के लिए भूमि के विस्तृत उपयोग को प्रस्तावित किया है। उन्होंने भूमि उपयोग के विभिन्न क्षेत्रों को तैयार किया है जो विभिन्न प्रकार के घनत्व मानकों के लिए दिशानिर्देश प्रदान करता है, और भविष्य के बुनियादी सुविधाओं भूमि आरक्षण प्रदान करता है।

वास्तुकला विभाग

प्रथम सत्र, वास्तुकला में स्नातक (अनुभाग बी)

स्टूडियो, वास्तुकला विभाग के प्रथम वर्ष के छात्रों को बेसिक डिजाइन एवं स्पेस–मेकिंग की चर्चा के साथ प्रारंभ हुआ। इस अभ्यास में युवा छात्रों की डिजाइन सोच एवं वास्तुशिल्प शामिल थी। आर्किटेक्चर और डिजाइन अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम एक पुल के रूप में कैसे कार्य करता है यह स्टूडियो का उद्देश्य था। पाठ्यक्रम को सुविधाजनक बनाने के लिए छात्रों ने डिजाइन के तत्वों को समझा एवं अंत में उन विषयों पर समूहवार चर्चा की।
पाठ्यक्रम सामग्री में बेसिक डिजाइन के पहलुओं जैसे, ए. डिजाइन सिद्धांत, बी. डिजाइन के तत्व, सी. स्पेस की कार्यक्षमता, डी. 2 डी रचनाओं के साथ पैटर्न की खोज, ई. 3 डी रचनाओं के माध्यम से फॉर्म की खोज, एफ. मानव विज्ञान जी. स्पेस के विषय में छात्रों की धारणा और संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए अभ्यास। यह सब लघु अभ्यासों की श्रंखला के रूप में ले लिया गया जो प्रकृति में बहुवाचक, प्रगतिशील और अन्वेषक थे।

स्टूडियो पद्धति ने सृजन और फॉर्म बनाने की दिशा में एक विकासवादी और रचनात्मक दृष्टिकोण को नियुक्त किया। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए 'स्तर' आधारित शिक्षा अपनाई जाती है, जहां अंतरिक्ष के एक आयाम से वॉल्यूम और समय में सोचने के लिए यात्रा होती है। अंत में, पाठ्यक्रम के माध्यम से, व्यक्तिगत स्पेस, कमरे, प्रदर्शनी का स्थान, पार्क का परिदृश्य, कला गैलरी आदि का डिजाइन और लेआउट 3–डी मॉडल के रूप में उभरा।

द्वितीय सत्र, वास्तुकला में स्नातक (अनुभाग बी)

बी. आर्क. प्रथम वर्ष, सेक्शन बी के उनत्तीस छात्रों ने दो संकाय सदस्यों के साथ दिसंबर के दूसरे सप्ताह में पुडुचेरी का दौरा किया। अध्ययन दौरे का उद्देश्य पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश की वास्तुकला और वास्तुशिल्प प्रणालियों को समझना था। विरासत क्षेत्र में इन तीन अलग–अलग निवासों का अध्ययन करने के लिए लिया गया था। तीन घरों ने दो पारंपरिक टाइपोग्राफी का प्रतिनिधित्व किया: फ्रांसीसी और तमिल और फ्रांको–तमिल की एक और सहबद्ध शैली। 'मापा ड्राइंग' विधि के माध्यम से, छात्रों ने निर्माण घरों, फर्नीचर और इमारतों के वर्तमान उपयोग का दस्तावेजीकरण किया। छात्रों ने दस्तावेजीकरण कार्य को पूर्ण किया एवं जनवरी के अंत तक चित्रों और मॉडल की एक प्रदर्शनी बनाई। छात्रों ने शहर के समीप चिदंबरम मंदिर में निर्वाह योग्य आवास का दौरा भी किया। इमारतों तक पहुंच की अनुमति प्राप्त करने के लिए इनटैक पुडुचेरी अध्याय का बच्चों ने शुक्रिया अदा किया। साथ ही स्थानीय मार्गदर्शक और पूर्व छात्रों विग्नेश्वर (बी आर्क, 2008–2013), बालकृष्णन (बी. आर्क. 2009–2014) और राम्या (एम. आर्क. 2013–2015) को भी धन्यवाद दिया।

चतुर्थ सत्र, वास्तुकला में स्नातक (अनुभाग ए एवं बी)

स्टूडियो का उद्देश्य, डबल स्टोरीकृत फ़्रेमयुक्त संरचनाओं के लिए क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर परिसंचरण में कार्यात्मक पैटर्न का अध्ययन करने पर केंद्रित था। साइट प्रतिबंधों और मूल उपनिवेशों के परिचय जैसी जटिलताएं भी स्टूडियो में शामिल थीं। छात्रों का स्टूडियो अभ्यास 3 चरणों में विभाजित था। पहला अभ्यास अहमदाबाद दौरे से सीख हासिल कर दस्तावेज प्रस्तुत करना था। दूसरा अभ्यास एक डिजाइन–निर्माण अभ्यास था कि किस प्रकार की संरचना तैयार की गई है जो छात्रों को समझना था। साथ ही यह महत्वपूर्ण है कि वे प्रमुख संरचनाओं के साथ–साथ ऐसी संरचनाओं में बाधाओं की पहचान करें। इस उद्देश्य के साथ, डिजाइन–निर्माण स्टूडियो को दो सप्ताह की अवधि की समय की समस्या के रूप में दिया गया था, जिसमें छात्र जलवायु प्रतिक्रिया जैसे विभिन्न विचारों, प्रकृति की नकल, अनुकूलन, पोर्टेबिलिटी और समर्थित एक फ्रेम और संवाद का प्रदर्शन करते हैं। तीसरा अभ्यास सरल दोहराव वाले प्रकार के रिक्त स्थानों का डिज़ाइन करना था। हालांकि, पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए, छात्रों को इस उद्देश्य के साथ विभिन्न लघु अवधि के अभ्यास दिए गए थे कि सभी अभ्यासों के एकीकरण के परिणामस्वरूप एक निर्मित स्थान के डिजाइन में परिणाम होता है। प्रत्येक बाद के अभ्यास ने पिछले अभ्यास के परिणामों का उपयोग किया। सभी प्रो अभ्यासों में डिजाइन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में छोटे असाइनमेंट शामिल थे जो प्रमुख डिजाइन समस्या की समग्र थीम का कारण बनते हैं।

तृतीय सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण)

स्टूडियो का उद्देश्य विरासत प्रबंधन योजना की तैयारी हेतु क्षेत्रीय अध्ययन करना था। अध्ययन हेतु बुंदेलखंड क्षेत्र को चुना गया। बुंदेलखंड पठार विंध्याचल पर्वत श्रृंखला के उत्तर में विंध्याचल पठार का हिस्सा है। बेतवा, धसन, केन और उनकी सहायक नदियां के नीचे की ओर बहने वाली खोह के साथ संकीर्ण गहरी घाटियों को धारा के प्रतिकूल करती हैं। ओरछा के शासक को बुंदेलखण्ड के मुखिया के रूप में माना जाता था। चंपक राय और उनके पुत्र छत्रसाल, पन्ना से पौराणिक बुंदेलखण्ड के शासक थे। मुगलों के पतन और मराठों के उदय के साथ, बुंदेलों का आधिपत्य उनके किलों से ज्यादा नहीं बढ़ा। बुंदेलखण्ड की राजधानी सन 1783 में टीकमगढ़ चली गई थी। ओरछा के शासक विक्रमजीत ने 1812 में अंग्रेजों के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किए और 1857 के विद्रोह के दौरान उन्हें समर्थन दिया।

स्टूडियो का उद्देश्य एक ज्ञान प्रणाली दृष्टिकोण के साथ सांस्कृतिक क्षेत्र की अवधारणा को समझना था और इस प्रकार, एक सतत् भविष्य के लिए विरासत प्रबंधन की रणनीति तैयार करना था।

प्रथम सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (भू–परिदृश्य)

एसपीए भोपाल परिसर विकास चरण में है और इसलिए यहां रहने वाले बच्चों और छात्रों के लिए खेल क्षेत्र की आवश्यकता है। दो अलग–अलग खेल क्षेत्रों को दो अलग–अलग आयु वर्गों के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए अर्थात 0–5 साल और 6–14 साल। खेल क्षेत्र का डिजाइन इस तरह के होना चाहिए कि यह बच्चों के बीच लगातार रूचि का

आह्वान करता रहे, उन्हें प्रकृति और प्राकृतिक पर्यावरण के करीब लाता रहे ताकि वे आकर्षित होकर सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित कर सकें।
उद्देश्यः एसपीए भोपाल परिसर और इसकी सीमाओं का अध्ययन करने के लिए, लंबवत और क्षैतिज किनारों, संवाद और पहुंच की संभावनाओं, प्रकाश और छाया पैटर्न, गर्म और ठंडा जोन, जल निकासी पैटर्न आदि डिजाइन विचारों/इरादों की सार अभिव्यक्ति। लैंडस्केप योजनाएं और योजना, स्केल 1:50, डी। रोपण योजना (यदि कोई है)।
डिजाइन के अनुसार पानी की विशेषताओं, किनारों, रोशनी विस्तार, जल निकासी, जल संचयन, बैठक, फुटपाथ, किसी भी अन्य परिदृश्य सुविधा का विवरण।

वास्तुशिल्प विरासत स्थल देश की सांस्कृतिक विरासत का एक अमूल्य हिस्सा हैं जो सांस्कृतिक इतिहास के स्मृति चिन्ह और स्थान समय दर्शाते हैं। ये स्थल–ऐतिहासिक महल, के किले, कब्र और उद्यान, धार्मिक स्थान, पारंपरिक सड़कों और पुरानी जल संचयन संरचनाएं– जो कि अब सार्वजनिक स्थान हैं, इन ऐतिहासिक संरचनाओं के भौतिक और सांस्कृतिक संदर्भों के आसपास खुली जगहों को पूरी तरह से बदल दिया गया है। बड़े पैमाने पर केंद्रीय और राज्य पुरातात्विक विभागों के कड़े कानून के कारण, इन खुले क्षेत्रों को बगीचों और पार्कों के रूप में विकसित किया गया है। यह अभ्यास विद्यार्थियों को ऐतिहासिक भावनाओं के साथ सार्थक और प्रासंगिक जगहों के लिए नए दृष्टिकोण के साथ स्मारकों के आस–पास के दृश्यों को देखने के लिए प्रेरित करता है और शहर या गांव के दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाता है।

तृतीय सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (भू–परिदृश्य)

स्टूडियो का उद्देश्य अनवलखेड़ा–कोलार परिदृश्य और मानव प्रभाव विषय पर 'दक्षिणी विंध्य में विषमता और प्रमाणिकता हेतु लैंडस्केप–स्तर के विश्लेषण का अध्ययन था।

स्टूडियो के प्रथम चरण विभिन्न प्लेटफार्मों पर उपलब्ध डेटा सहित और लैंडस्केप स्तर पर जीआईएस मानचित्रों में डेटा को एकीकृत करने सहित माध्यमिक स्रोतों का उपयोग करके पहचाने गए परिदृश्यों के विस्तृत दस्तावेज के साथ शुरू हुआ। इसके बाद, परिदृश्य–पारिस्थितिकी, परिदृश्य–सौंदर्यशास्त्र, प्लानिंग से अवधारणाएं और संरचनाएं–ग्रंथों के माध्यम से एकीकृत की गईं और परिदृश्य स्तर की घटनाओं की सराहना करते हुए व्याख्यान दिए गए।

स्टूडियो का द्वितीय चरण में चयनित डेटा व पहचाने गए संरचनाओं और विशेष रूप से जीआईएस–मानचित्रों का उपयोग करके एकीकृत और विश्लेषण किया जाना था। स्टूडियो परिणामों को इवेंट एवं अध्ययन के माध्यम से समझाया गया ताकि घटनाओं और रुचि के स्थानों का एक मैट्रिक्स तैयार किया जा सके, जो साइट पर और क्षेत्र में विस्तार से प्रकट हो सके।

इसके पश्चात् अध्ययन कई विषयों पर आगे बढ़ा, जैसे पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य और आवास आबादी की जनसांख्यिकी। अध्ययन पूर्ण होने पर, छात्रों ने अध्ययन करने वाले गांवों सहित विभिन्न साइटों की यात्रा की। इस स्टूडियो से छात्रों विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग कर परिदृश्य घटनाओं का विस्तृत ज्ञान मिला एवं विभिन्न हितधारकों को समायोजित करने, लैंडस्केप संसाधनों पर संघर्षों और प्रतियोगिताओं को सुलझाने के लिए अभिनव और एकीकृत दृष्टिकोण की समझ विकसित की।

प्रथम सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (नगर डिज़ाइन)

नगर डिजाइन स्टूडियो का उद्देश्य नगर डिजाइन में कौशल विकसित करना था। इसमें समकालीन शहरी डिजाइन के मुद्दों पर विचार करके अवधारणा और दृश्यता शामिल है और इसमें शहरी रूप और प्रक्रिया के दस्तावेज़ीकरण और विश्लेषण, साइट संदर्भ और शहरी डिजाइन को समझना शामिल है, सार्वजनिक क्षेत्र, शहरी रूपरेखा, स्थानीय और क्षेत्रीय पहचान और स्थायित्व के मुद्दे स्टूडियो के दृष्टिकोण को सूचित करते हैं। स्टूडियो में पर्यावरणीय कारकों, सामाजिक कारकों, शहरी संरचना, स्थानीय और क्षेत्रीय पहचान और शहरी गुणवत्ता पर विचार किया गया तथा अच्छे शहरों की विशेषताओं पर भोपाल में विभिन्न परिसर के संदर्भ में चर्चा की गई। स्टूडियो छात्रों को शहरी रूप और प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने और शहरी डिजाइन दृष्टिकोण और पद्धति के माध्यम से समकालीन मुद्दों को संबोधित करने में अनुभव हासिल करने में सक्षम बनाएगा। अंतिम आउटपुट में छात्रों को शामिल किया गया, शहरी डिजाइन ढांचे को उनके परिसर के लिए तैयार करना और समझना था।

स्टूडियो में छात्रों को ग्राफिक्स सोच और संचार में अनुभव हासिल करने के लिए शहरी रूप और उसके विकास का दस्तावेजीकरण, विश्लेषण, शहरी डिजाइन के लिए एक दृष्टिकोण और पद्धति की खोज के माध्यम से शहरी डिजाइन और उनके आवेदन की प्रमुख अवधारणाओं और सिद्धांतों के ज्ञान को विकसित करना। डिजाइन विकास की प्रक्रिया के माध्यम से तीन आयामी रूपों में शहरी पैमाने पर मुद्दों और अवसरों को संबोधित करने की क्षमता विकसित की गई।

द्वितीय सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (नगर डिज़ाइन)

चिनसराह और चंदानागोरः अमूर्त नेटवर्क के प्रवाह के माध्यम से पैचवर्क का निर्माण
रॉबर्ट पार्क (1915, द सिटीः शहरी पर्यावरण में मानव व्यवहार की जांच के लिए सुझाव)

स्टूडियो, शहरी नेटवर्क और सिस्टम पर विस्तृत अध्ययन से संबंधित था। स्टूडियो का अध्ययन छात्रों को शहरी भावनाओं के प्रति वास्तविक शहर का अनुभव करने एवं समस्याओं के निराकरण हेतु किया गया। ऐतिहासिकता, सामाजिक–राजनीतिक पैटर्न, आर्थिक गतिशीलता, समूहों के ध्रुवीकरण, वैश्विक प्रभाव इत्यादि जैसे विभिन्न कारकों को शहर का चयन करने के लिए निर्धारक के रूप में लिया गया। स्टूडियो में इन संदर्भों को शहर की जटिलता को समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया। शहर के अमूर्त अस्थायी पैटर्न का निरीक्षण करना भी महत्वपूर्ण रहा है, जो शहर में बहुत महत्वपूर्ण सिस्टमिक नेटवर्क भी बनाते हैं। इन प्रणालियों की अस्थायीता को भी देखने की जरूरत है। हुगली नदी के पश्चिमी तट पर स्थित शहरों में एक जीवंत अमूर्त सामाजिक सांस्कृतिक और सामाजिक आर्थिक नेटवर्क शामिल है जो शहर की मौजूदा शहरी पहचान देने के लिए औपचारिक नेटवर्क और प्रणालियों को फ़ीड करता है। यह नदी के तट पर पुर्तगाली, डच, फ्रेंच और डेनिश व्यापारिक बस्तियों की ऐतिहासिक व शहरी संरचना को भी बनाता है। स्टूडियो शहर के क्षेत्र में विभिन्न पैचवर्क की जांच करना चाहता है – ऐतिहासिक क्षेत्रों, जूट और रबड़ औद्योगिक क्षेत्रों के विविध मिश्रण, तालाबों के साथ विशिष्ट पड़ोस एवं हावड़ा और कोलकाता के नजदीकी इलाकों के साथ प्रभावित क्षेत्रों, अध्ययन की वांछित परतों के अलावा, अनौपचारिक अमूर्त परतों के अतिरिक्त आयामों को देखा जाएगा।

इस स्टूडियो का उद्देश्य शहर के समग्र दृष्टिकोण को बनाना है। यह स्टूडियो एक शहर में विभिन्न शहरी कलाकारों के संगठन पर केंद्रित है, उदाहरण के लिए लोग, समूह, समाज, अधिकारी । स्टूडियो के अंत में छात्रों को शहर के जटिल नेटवर्क कनेक्शन को समझने के लिए शहरी स्तर के हस्तक्षेप शहरी डिजाइन परियोजनाओं में संबोधित किए जाने वाली जटिलताओं को समझने के लिए सुसज्जित किया गया है।

तृतीय सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (नगर डिज़ाइन)

नगरीय डिजाइन के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण जांच के मामले में इस स्टूडियो ने शहरी सीमा का क्षेत्र लिया। आम तौर पर इन क्षेत्रों का विकास बिना किसी योजना व दिशानिर्देशों के एक विशिष्टि अर्ध–शहरी क्षेत्र का निर्माण करता है जैसे अल्प आयु की सड़के, अंतर्मुखी परिक्षेत्र, कार–पैदल यात्रियों का पृथकीकरण, कठिनाई एवं अभाव की संभावना उत्पन्न करता है। इस स्टूडियो ने शहरी डिजाइन सिद्धांतों और निचले क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता और भविष्य के शहरी पैटर्न को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित हस्तक्षेपों के मुद्दों को संबोधित किया।

अध्ययन भ्रमण (स्टडी टूर)

योजना विभाग

छठवा सत्र, तृतीय वर्ष, योजना में स्नातक

नमची, सिक्किम में शहरी विकास योजना स्टूडियो

बैचलर ऑफ प्लानिंग के 6 वें सत्र के छात्रों के स्टूडियो का उद्देश्य 'शहरी विकास योजना' तैयार करना था जो एक अपर्याप्त स्थलाकृति और जलवायु स्थितियों में स्थित था, इसके साथ–साथ मास्टर प्लान/विकास योजनाओं की उपलब्धता के आधार पर उत्तर पूर्वी पहाड़ी राज्यों के शहरों की समीक्षा भी उक्त स्टूडियो में की गई थी। इस स्टूडियो अभ्यास के लिए सिक्किम राज्य में नमची शहर का चयन किया गया। सबसे ज्यादा आबादी गंगटोक (लगभग 1 लाख, 2011 की जनगणना) में है और दूसरी सबसे ज्यादा आबादी नमची शहर (लगभग 12000, 2011 की जनगणना) है। दोनों शहर गोई के स्मार्ट सिटी मिशन का हिस्सा हैं।

नमची क्षेत्र की यात्रा 18 जनवरी, 2018 से 30 जनवरी, 2018 तक की गई। स्टूडियो अभ्यास का उद्देश्य नमची शहर के लिए एक शहरी विकास योजना तैयार करना था जो बुनियादी ढांचे की सुविधा और क्षेत्र को मजबूत करके एक पर्यटक गंतव्य बना देगा। पर्यावरणीय स्थिरता (स्मार्ट पर्यावरण) पर समझौता किए बिना कनेक्टिविटी और स्मार्ट लिविंग (जीवन की गुणवत्ता) और सामाजिक और मानव पूंजी (स्मार्ट लोग) को बढ़ाने वाली सुविधाओं के साथ शहर को बढ़ाएगा।

लक्ष्य प्राप्त करने के लिए, स्टूडियो अभ्यास चार चरणों में विभाजित किया गया था जैसे कि प्रारंभिक अध्ययन, मौजूदा स्थिति विश्लेषण, प्रस्ताव और रिपोर्ट जमा करना। प्रारंभिक अध्ययन चरण में शहर के विकास और क्षेत्रीय सेटिंग, शहर की स्थानिक सीमा, पिछली योजना पहल इत्यादि को समझने से संबंधित कार्यों से संबंधित कार्य शामिल थे। यह चरण क्षेत्रीय यात्रा के लिए विस्तृत माध्यमिक डेटा संग्रह, डेटा चेकलिस्ट और प्रश्नावली की तैयारी के साथ समाप्त हुआ।

मौजूदा स्थिति विश्लेषण के लिए, एक क्षेत्रीय यात्रा शुरू की गई, भोपाल लौटने से पहले एक सप्ताह के लिए छात्र नमची में रुके थे। जनसांख्यिकी, भूमि उपयोग, आर्थिक आधार और उद्देश्यों से संबंधित अन्य डोमेन, भविष्य के विकास की दिशाओं और बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं का अध्ययन किया गया। इसके अलावा, सामाजिक आर्थिक और भौतिक आधारभूत संरचना की वर्तमान स्थिति का अध्ययन किया गया था। छात्रों ने अध्ययन के तहत विभिन्न शहरी क्षेत्रों के लिए आवश्यक और उपलब्ध माध्यमिक डेटा एकत्रित किया और घरेलू सर्वेक्षण, पर्यटन, यातायात और परिवहन सर्वेक्षण आदि जैसे प्राथमिक सर्वेक्षण भी आयोजित किए। सेमेस्टर के दौरान भोपाल लौटने के बाद छात्रों ने एकत्रित डेटा का अध्ययन और विश्लेषण किया, पहचान अंतर, स्थानिक मुद्दों और प्रभावी क्षेत्रों, जैसे चार व्यापक विषयों पर स्मार्ट लिविंग (जीवन की गुणवत्ता), स्मार्ट पर्यावरण (प्राकृतिक संसाधन), सामाजिक और मानव पूंजी (स्मार्ट लोग) विकास के रूप में आवश्यकता के अनुरूप एक पर्यटक गंतव्य के रूप में भविष्य के अनुमान किए गए थे।

द्वितीय सत्र, योजना में परास्नातक (पर्यावरण योजना)

वायनाड जिले की एक यात्रा 12 – 26 जनवरी 2018 के मध्य द्वितीय सेमेस्टर के स्टूडियो अभ्यास के हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी। टीम में दो संकाय सदस्यों (डॉ रमा उमेश पांडे और श्री गोविंद एम.पी.) और 20 छात्र शामिल थे। जिले का चयन छात्रों को पर्यावरण–संवेदनशील क्षेत्र के क्षेत्रीय पर्यावरणीय मुद्दों का व्यापक संपर्क देने के लिए किया गया था। यात्रा का उद्देश्य 'वन संरक्षण के माध्यम से एक पारिस्थितिक संवेदनशील जिले की विकेंद्रीकृत पर्यावरणीय सुधार योजना' के लिए हितधारकों/एफजीडी के प्राथमिक सर्वेक्षण/साक्षात्कार आयोजित करना था। छह ग्राम पंचायतों का चयन मानदंडों के आधार पर जैसे (1) बारिश छाया क्षेत्र (2) जनजातीय आबादी की बड़ी उपस्थिति (3) फिजियोग्राफी (4) मानव–वन्यजीव संघर्ष (5) आपदा भेद्यता, विस्तृत अध्ययन के लिए नूलपुझा, मीनांगाडी, अंबालावायाल, वेंगापल्ली, मुलेनकोली और थिरुनेल्ली का चयन किया गया था। निवासियों के मुद्दों की पहचान के लिए सर्वेक्षण, जिले के शहरी क्षेत्रों के साथ चयनित ग्राम पंचायत दोनों में आयोजित किए गए थे। छात्रों और संकाय सदस्यों ने विभिन्न राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के विभागों के अधिकारियों के साथ जिले के पर्यावरणीय मुद्दों पर भी बातचीत की और माध्यमिक डेटा एकत्र किया। यह दौरा बहुत समृद्ध था और सबसे महत्वपूर्ण बात है कि वायनाड में लोग सक्रिय हैं और वैश्विक पर्यावरणीय चिंताओं के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं।

वास्तुकला विभाग

द्वितीय सत्र, वास्तुकला में स्नातक, अनुभाग बी

डिजाइन स्टूडियो 2018
संकायः डॉ संजीव सिंह एवं सौरभ तिवारी
अवधिः 9 से 15 दिसंबर 2017, पुडुचेरी की यात्रा।

बी. आर्क. फर्स्ट इयर सेक्शन बी के नौ छात्रों ने दो संकाय सदस्यों के साथ दिसंबर के दूसरे सप्ताह में पुडुचेरी का दौरा किया। अध्ययन दौरे का उद्देश्य पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेशों की वास्तुकला और वास्तुशिल्प प्रणालियों को समझना था। विरासत क्षेत्र में इन तीन अलग–अलग निवासों को प्राप्त करने के लिए अध्ययन किया गया था। तीन घरों में दो पारंपरिक टाइपोग्राफी का प्रतिनिधित्व कियाः फ्रांसीसी और तमिल और फ्रांको–तमिल की एक और सहबद्ध शैली। 'मापा ड्राइंग' विधि के माध्यम से, छात्रों ने घरों के निर्माण, फर्नीचर और इमारतों के वर्तमान उपयोग का दस्तावेजीकरण किया।

छात्र दस्तावेजीकरण कार्य को पूरा करने का इरादा रखते हैं और जनवरी के अंत तक चित्रों और मॉडल की एक प्रदर्शनी भी प्रस्तुत करते हैं। छात्रों ने शहर के समीप के मंदिर, चिदंबरम और ऑरोविल का भी दौरा किया। इसके पश्चात सेमेस्टर में, छात्रों ने एक आवास–इकाई–स्तर पर अभ्यास भी किया।

चतुर्थ सत्र, वास्तुकला में स्नातक

8 दिसंबर, 2017 से 15 दिसंबर, 2017 तक बी. आर्क. द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए अहमदाबाद में एक अध्ययन दौरा आयोजित किया गया था। इस सात दिवसीय दौरे के दौरान 76 छात्रों और 6 संकाय सदस्यों के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित आर्किटेक्ट्स जैसे लुई आई कान, ले कॉर्बूज़ियर, चार्ल्स कोर्रिया द्वारा डिजाइन की गई विभिन्न परियोजनाओं का दौरा करने का अवसर था। इन परियोजनाओं के अलावा, छात्रों ने अहमदाबाद और गांधीनगर के आसपास के स्थापत्य महत्व के विभिन्न स्थानों का भी दौरा किया।

इस सात दिवसीय दौरे में छात्रों के साथ, संदीप अरोड़ा, श्वेता सक्सेना, ब्रशभानलाली रघुवंशी, अपूर्व श्रीवास्तव, प्रबुद्ध मुखोपाध्याय एवं अभिषेक कोडुवायर संकाय सदस्य थे।

छटवा सत्र, वास्तुकला में स्नातक (अनुभाग अ)

दिनांक 9–17 दिसंबर, 2017 के दौरान संकाय सदस्यों के साथ वास्तुकला विभाग छटवे सत्र के 39 छात्रों ने पुणे और औरंगाबाद का दौरा किया। छात्र पुणे शहर के ऐतिहासिक केंद्र में एक विरासत वॉक के लिए आगे बढ़े। अध्ययन टीम पुणे शहर के कुछ पुराने वार्डों में गई और तांबत नामक पारंपरिक तांबा–कार्य समुदाय का भी दौरा किया। छात्र पातालेश्वर मंदिर परिसर के सर्वेक्षण के लिए आगे बढ़े, इसके बाद, छात्र शहरी संदर्भ में अस्पताल में बैठक व्यवस्था और आसपास की संरचना के अध्ययन के लिए रूबी हॉल क्लिनिक में आगे बढ़े। छात्र अपने "मापित ड्राइंग" अभ्यास के लिए पातालेश्वर गुफा मंदिर स्थल पर गए। मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत संरक्षित था। अध्ययन और माप ड्राइंग गतिविधि के लिए अनुमति दी गई थी।

अकादमिक अभ्यास में साइट के माप और परिसर में सभी स्मारकों के साथ–साथ स्केच चित्रों की तैयारी शामिल थी। इसके बाद छात्र परिसर के मॉडल बनाने और जनवरी–अप्रैल, 2018 के दौरान डिजाइन 6 के पहले कार्य के रूप में टूर रिपोर्ट लिखने के साथ अंतिम ड्राइंग तैयारी करते हैं।

इंडिया हाउस में, आर्कि. क्रिस्टोफर बेनिंगर के साथ एक व्याख्यान और चर्चा सत्र था – सत्र जो न केवल छात्रों को समृद्ध करता था, बल्कि साथ ही साथ संकाय सदस्यों को भी प्रकाशित करता था। इसके बाद, समूह कार्यालय, कला गैलरी और निवास के अर्ध–निजी क्षेत्र के दौरे पर लिया गया था।

समूह अनुसूची के अनुसार खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी (आईयूसीएए) परिसर (पुणे विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित) के इंटर–यूनिवर्सिटी सेंटर में पहुंचा। यह परिसर आर्कि. चार्ल्स कोर्रिया द्वारा डिजाइन किया गया था। समूह ने अकादमिक और प्रशासनिक ब्लॉक, साथ ही साथ संकाय आवास के आवासीय समूह का अध्ययन किया।

समूह औरंगाबाद स्टेशन पहुंचा और अपने संबंधित होटलों में जांच करने के बाद समूह अजंता गुफाओं के अध्ययन के लिए सुबह 9:00 बजे दौरे पर निकल गया। संकाय सदस्यों द्वारा साइट पर एक संक्षिप्त व्याख्यान के बाद अजंता गुफाओं का अध्ययन सुबह 11:00 बजे शुरू हुआ। साइट के विशाल पैमाने के कारण, छात्रों को कुछ गुफाओं की यात्रा करने की सलाह दी गई – 1, 2, 16, 17 जो विहार प्रसिद्ध हैं, उनके आंतरिक फ्रेशको चित्रों के लिए प्रसिद्ध हैं और 9, 10, 19, 26 नहीं हैं, जो कि चैत्य हॉल उनके लिए प्रसिद्ध हैं वास्तुशिल्प रूपों और मूर्तियां।

समूह ने अगले दिन पंचकी का दौरा किया। यह जल निकासी और पानी के पहियों की रोमन प्रणाली के बाद मुगल काल (लगभग 1695 एडी) के दौरान निर्मित एक पानी की कतरनी और आपूर्ति तंत्र है।

यात्रा की अगली साइट एलोरा गुफा थी। छात्रों ने पहले कैलाश मंदिर का दौरा किया और फिर बौद्ध और हिंदू गुफाओं का दौरा किया।

तीसरी साइट दौलताबाद फोर्ट थी, जिसे पूर्व में दौलतगिरी या देवगिरी नाम दिया गया था। यह किंग्स, खिलजी राजवंश, तुगलक राजवंश और अंत में मुगलों के वंश के लिए शासन की सीट रही है। छात्रों ने किले की रक्षात्मक और सामरिक डिजाइन सुविधा का अध्ययन करने में 3 घंटे बिताए। आखिरी साइट का दौरा, औरंगजेब की पत्नी का मकबरा, ताजमहल का किया गया।

छटवा सत्र, वास्तुकला में स्नातक (अनुभाग ब)

बी. आर्क., तृतीय वर्ष, सेक्शन बी के छात्रों की अध्ययन यात्रा 12 से 21 दिसंबर 2017 के मध्य की गई। इस दौरे में तीन प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया थाः गणपतिपुले, कोल्हापुर और गोवा। इस अभ्यास में संकाय सदस्य, देवर्षि चौरासिया, गौरव सिंह, नयना आर सिंह एवं सुकांता मजूमदार छात्रों के साथ थे। समूह ने 12 दिसंबर 2017 को भोपाल रेलवे स्टेशन से यात्रा शुरू की और 13 दिसंबर की शाम को रत्नागिरी पहुंची। उसी दिन पूरा समूह गणपतिपुले पहुंचा।

होटल भवन में बिल्डिंग सर्विसेज के अध्ययन के लिए आर्किटेक्चर विभाग, डीवाईपीसीईटी के छात्रों के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला का अध्ययन करने के लिए देर शाम तक छात्रों ने शहर में कुछ इमारतों और होटलों का दौरा किया। अध्ययन टूर स्टूडियो के दौरान, छात्रों ने सुबह अपने अवलोकन प्रस्तुत किए। बाद में, स्थानीय शैली वास्तुकला का अध्ययन करने के लिए शाम को छात्रों द्वारा पन्हाला किला का दौरा किया गया।

गोवा की यात्रा के दौरान छात्रों द्वारा पुराने गोवा शहर के ईसाई कला संग्रहालय की विरासतों का अध्ययन किया गया तथा अन्य विरासत स्थलों का दौरा मारिया विक्टर 'मेक इट हैप्पन' लैटिन क्वार्टर के संस्थापक द्वारा कराया गया। दौरे का उद्देश्य गोवा की स्थानीय संस्कृति एवं आवासीय वास्तुकला की शैली को समझना था। छात्रों ने पंजिम की अन्य कुछ और भवनों का दौरा भी किया।

प्रथम सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (भू–परिदृश्य)

डेलावाड़ी व सल्कनपुर की यात्रा
रातापानी वन्यजीव अभयारण्य, जिला सीहोर; 8–10 दिसंबर 2017
एम. आर्क. (लैंडस्केप) प्रथम सेमेस्टर के छात्रों सहित सौरभ पोपली, सह प्राध्यापक और विशेषज्ञों द्वारा भोपाल से 80 किमी दूर रातापानी वन्यजीव अभयारण्य की यात्रा की। यात्रा का उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र विविधता और मध्य भारत की विशिष्टता के साथ छात्रों को परिचित कराना था और परिदृश्य के विकास में पारिस्थितिक और मानववंशीय कारकों के लिए पहले स्व अभ्यास और सीखने के माहौल उत्पन्न करना था। यह परिदृश्य विशेष रूचिकर था, इसकी पारिस्थितिक स्थिति के कारण, शीर्ष शिकारी जैसे कि बाघ, (वर्तमान से 200,000 वर्ष पूर्व तक अनुमानित) के प्रमुख आवास, जिसमें होमिनिन, डायनासोर और अन्य अवशेष हाल ही में पाए गए हैं।

यात्रा के महत्वपूर्ण निष्कर्षों में कृषि–पारिस्थितिकीय, सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक महत्व और गैर–मानव प्रकृति की संवेदनशीलता के ज्ञान का विकास शामिल है।

छात्रों ने बाघ के भूदृश्य की यात्रा की तथा वनस्पति समूह, वन संरचना, स्तनपायी एवं अन्य जीवों का निरीक्षण किया इस क्षेत्र की यात्रा स्टूडियो और सिद्धांत आधारित शिक्षा से जुड़ी हुई थी, जिसमें दस्तावेज़ीकरण तकनीक भी शामिल थी।

द्वितीय सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (भू–परिदृश्य)

महेश्वर में सार्वजनिक खुली जगहों पर लैंडस्केप प्रस्ताव तैयार करने के लिए अपने स्टूडियो अभ्यास के हिस्से के रूप में लैंडस्केप आर्किटेक्चर के छात्रों का अध्ययन दौरा आयोजित किया गया था। अध्ययन दौरे का उद्देश्य नदी के भूदृश्य, उनकी परंपरा और संस्कृति का अध्ययन, मिट्टी, वनस्पति, जीवों आदि जैसी मौजूदा साइट सुविधाओं का अवलोकन, विभिन्न कार्यालयों/संगठनों के डेटा संग्रह के साथ–साथ प्राथमिक सर्वेक्षणों के संदर्भ में मूल्यांकन था। महेश्वर मध्य प्रदेश राज्य के खरगोन जिले में मध्य भारत में एक शहर है, शहर नर्मदा नदी के उत्तर तट पर स्थित है।

प्रारंभ में, छात्रों ने साइट अध्ययन किया एवं विभिन्न क्षेत्रों से डेटा एकत्रित किया। इसमें रेहवा सोसाइटी, जलविद्युत अध्ययन, जनसांख्यिकीय अध्ययन, वनस्पति, जल निकासी, जहां तक महेश्वरी नदी नर्मदा से मिलती है के मौजूदा घाटों और शहर के तटवर्ती किनारे में ऐतिहासिक और पारिस्थितिकीय परिवर्तनों के आंकड़ों का संग्रह शामिल है। प्रत्येक छात्र ने शहर की बेहतर समझ रखने के लिए तस्वीरों, स्केच, साइट अनुभागों और सर्वेक्षणों के माध्यम से साइट को दस्तावेज किया। बाद में, छात्रों ने व्यक्तिगत साइट क्षेत्र की पहचान करने के लिए अपनी व्यक्तिगत साइटों का विस्तृत दस्तावेजीकरण किया।

द्वितीय सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (नगर डिजाइन)

द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में चिनसराह और चंदनगर के उद्धरणों का अध्ययन किया। ये शहर अपने इतिहास और संस्कृति और जूट उद्योगों के लिए जाने जाते हैं और हुगली नदी के तट पर स्थित हैं। समय–समय पर शहरों का पुर्तगाली, फ्रेंच, डच, मुगलों और अंग्रेजों द्वारा शासित था। नतीजतन शहर अपनी वास्तुकला शैली में समृद्ध है। छात्रों ने अपनी समृद्ध विरासत, समुदाय और नदी का अध्ययन करने के लिए कुछ 10 से 12 दिन बिताए, महत्वपूर्ण सुविधाओं के रूप में शहर को आकार दिया।

द्वितीय सत्र, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण)

स्टूडियो अध्ययन के हिस्से के रूप में, संरक्षण के दूसरे सेमेस्टर के छात्रों ने 4 फरवरी से 13 फरवरी 2018 तक बुरहानपुर का दौरा किया। अध्ययन का लक्ष्य ऐतिहासिक शहर का अध्ययन करना और इसकी विरासत को संबोधित करना था। छात्रों ने ऐतिहासिक कोर का अध्ययन किया कि यह मजबूत दीवारों के बाहर कैसे विकसित हो रहा है। किले की दीवारें अभी भी शहर के अधिकांश हिस्सों में मौजूद हैं, जिन्हें शहर के ऐतिहासिक केंद्र के रूप में चिह्नित किया गया था।

शहर का अध्ययन छोटे समूहों में सर्वेक्षण करने, सूची भरने और वास्तुशिल्प योजनाओं और खंडों को चित्रित करके किया गया। विभिन्न संरचनाओं के आंकड़ों को इकट्ठा करने के लिए निर्मित संरचनाओं की विभिन्न टाइपोग्राफी दस्तावेजों का दस्तावेजीकरण करने के लिए दिया गया। विभिन्न समुदायों और सामाजिक समूहों के लोगों के साथ साक्षात्कार भी आयोजित किए गए, जो शहर की समझ में अच्छी अंतर्दृष्टि प्रदान करते थे।

इतिहासकारों द्वारा दो विशेष व्याख्यान दिए गए जो बुरहानपुर के इतिहास पर थे और प्रतिष्ठित प्रकाशकों से प्रकाशन के तहत कुछ किताबें संकलित की हैं। बुरहानपुर के इंटैक संयोजक, श्री होशांग हवादार ने क्वांट सिस्टम और इंटैक द्वारा किए गए प्रारंभिक कार्य के बारे में बताया। डॉ मेजर एम. के गुप्ता ने बुरहानपुर के इतिहास की व्याख्या की। उन्होंने बुरहानपुर में मिले सिक्कों का संग्रह, मुगल काल से संबंधित पाठ और प्रारंभिक ऐतिहासिक काल से संबंधित विभिन्न मूर्तियों को साझा किया। श्री देवदा ने बुराहनपुर पर अपने विद्वानों के काम और अप्रकाशित पुस्तक को भी साझा किया।

संकाय सदस्यों का योगदान

प्रकाशन

पुस्तकें

सौरभ तिवारी, सपतेंदू पी. विश्वास, संपादक, ब्लू लाइन्स ऑफ कोलकाता, ट्रस्ट फॉर सर्च, कोलकाता, 28–जून–2017, आईएसबीएन 978-8193693605।

विशाखा कवाठेकर व अन्य लेखकों के साथ पुस्तक का संपादक, निर्मित विरासत की सुरक्षा के लिए साझा वैश्विक अनुभव, एसपीए प्रेस भोपाल, 16–दिसंबर–2017, 97881 92798141 ।

विशाखा कवाठेकर एवं प्रोफेसर एडम हार्डी तथा डॉ. ओ. पी. मिश्रा (अनुवादक), शिव मंदिर, भोजपुर, पुस्तक, एसपीए भोपाल, 22–दिसंबर–17, 9788192798158।

संदीप अरोड़ा, डॉ. रचना खरे, आर्कि. श्वेता सक्सेना, अनौपचारिक आवासों की मोर्फोलॉजी को समझनाः उचित सामूहिक आवास, पर्यावरण उपचार और कायाकल्प के लिए एक अप्रत्यक्ष दृष्टिकोण, वेलवर्थ बुक्स, नई दिल्ली, 22–फरवरी–18, आईएसबीएनः 9788192031514।

पुस्तक अध्याय

रचना खरे, अबीर मलिक, यूनिवर्सल डिजाइन इंडिया सिद्धांत; भारत में यूनिवर्सल डिज़ाइन प्रैक्टिस के लिए एक प्रासंगिक फ्रेमवर्क, विकलांग बच्चों को सशक्त बनाने में पुस्तक अध्याय, यूनिसेफ और महात्मा गांधी श्रम संस्थान, अहमदाबाद, 3–अप्रैल–17, आईएसबीएन 978–93–5266–321–7।

रचना खरे, ऑटिज़्म बच्चों के लिए पर्यावरण डिजाइन विचार, विकलांग बच्चों को सशक्त बनाने में पुस्तक अध्याय, यूनिसेफ और महात्मा गांधी श्रम संस्थान, अहमदाबाद, 3–अप्रैल–17, आईएसबीएन 978–93–5266–321–7।

सौरभ तिवारी, बिथूर का शहरी परिदृश्यः इनकी प्रथाओं एवं प्रजा के मध्य, संपादकगण सौरभ तिवारी एवं सपतेंदू विश्वास, ब्लू लाइन्स ऑफ कोलकाता, ट्रस्ट फॉर सर्च, कोलकाता, 28 जून 2018, आईएसबीएन 978.8193693605।

संजीव सिंह, नयन श्रीवास्तव, कार्तिकेय सोनकर, मानस रंजन, विद्रोही स्थान बुद्धिमान प्रणालियों के रूप मेंः अयोध्या, भारत, संघर्ष, पर्यटन में संस्कृति उत्तर संस्कृति, सीएबी इंटरनेशनल, यूके, 29–अक्टूबर–17, 13ः 9781786390646।

विशाखा कवठेकर, भारत में निर्मित विरासत की सुरक्षा के लिए कानूनी संरचना, निर्मित विरासत की सुरक्षा के लिए वैश्विक अनुभव का साझाकरण, एसपीए प्रेस, एसपीए भोपाल, 16–दिसंबर–17, 978 8192798141 ।

अमित चटर्जी, मनमोहन कापसे, बिनायक चौधुरी, शोमित बड़े, अपशिष्ट ऊर्जा के सह–लाभ, भारतीय शहरों में जलवायु सह–लाभ मुख्यधारा। दक्षिण एशिया, स्प्रिंगर, सिंगापुर में शहरी परिवर्तन की खोज, 7–फरवरी 18, अध्याय 8, पीपी 19 20–209, 78–981–10–5815–8 (प्रिंट), 978–981–10–5816–5 (ऑनलाइन),10.1007 / 978–981–10–5816–5–8।

सम्मेलन की कार्यवाही

अजय विनोदिया, संजीव सिंह, वाई के गर्ग, स्लम टाइपोग्राफी, भारत में निवासियों की आकांक्षाओं और सार्वजनिक आवास, सम्मेलन–स्थानीय स्थिति के मध्य वास्तुशिल्प डिजाइन के सिद्धांत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा जम्मू, 14–अप्रैल–17, 1, आईएसएसएन–978–93–5260–628–3, स्लम टाइपोग्राफी।

व्रशभानलली रघुवंशी, शिखा पाटीदार, ईती शर्मा, मध्य प्रदेश, भारत के गोंड जनजाति के वास्तुकला का अध्ययन, 33 वें पीएलईए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। बिल्डिग, एडिनबर्ग, 2–जुलाई–17, वॉल्यूम 3 में आराम और ऊर्जा उपयोग के लिए नेटवर्क को बढ़ाने के लिए डिजाइन, आईएसबीएन 978–0–9928957–5–4।

अरविंद कुमार मील, गायत्री नंदा, मुड आर्किटेक्चरः उत्तरी भारत के ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्रों में समुदायों का वर्चस्व, वर्नाक्युलर और मिट्टी की वास्तुकलाः संरक्षण और स्थायित्व, सीआरसी प्रेस, 25–अगस्त–17, 1, 978–1138035461।

आनंद वाडवेकर, बुलबुल शुक्ला, भारतीय शहरों के उपनिवेशों में बहुसंस्कृतिः संग्रहित स्मृति से प्राप्त जानकारी (पृष्ठ 61–72), द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय अंतः विषय स्मृति अध्ययन '17 वां सम्मेलन, डाकम (पूर्वी भूमध्य शैक्षिक अनुसंधान केंद्र) तुर्की, 1–सितंबर–17 , अंक 1, आईएसबीएनः 978–605–9207–82–9।

सौरभ तिवारी, सर्वोदय–केयर एवं डिजाइन का एक राजनीतिक संस्करण, क्या डिजाइन केयर ...? , इमेजिनेशन, लंकास्टर यूनिवर्सिटी यूके, 12–सितंबर–17, 10.13140 / आरजी 2.2.24043.64805।

सोनल तिवारी, विशाखा कवाठेकर, नर्मदा परिक्रमाः परिसंचरण क्षेत्र के पवित्र परिदृश्य का मूल्यांकन, वास्तुकला, योजना और इसकी प्रासंगिकता पर आज "राजा भोज" योगदान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी, मैपकोस्ट, म.प्र. शासन, भोपाल, 23–दिसंबर–17, 1।

सुशील कुमार सोलंकी, अजय विनोदिया, जलवायु उत्तरदायी डिजाइन, निर्माण अभ्यास और परिवर्तन। नंदी गांव, हिमांचल प्रदेश के वर्नाक्युलर आर्किटेक्चर का अध्ययन, वास्तुकला में स्थानीय ज्ञान को पुनर्जीवित करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन, पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर, आर्किटेक्चर में क्षेत्रीय विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 9–मार्च–18, 1, 139–152।

देवर्षि चौरासिया, आर्किटेक्चर शिक्षा के मूल्यांकन में पैराडिग्म शिफ्ट की खोज। पैराडाइक्स के पैराडाइम की कार्यवाही में प्रकाशितः नेटवर्क सोसाइटी में वास्तुकला, एसएमएम कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, नागपुर, 9–10 मार्च 2018 द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ संख्याः 262 – 270, स्वप्रकाशन, महिला शिक्षा सोसाइटी, एल.ए.डी. एवं श्रीमती आर.पी. कॉलेज फॉर वूमेन, शंकर नगर, नागपुर, 9–मार्च –18, आईएसबीएन संख्याः 978–93–80985–18–3।

देवर्षि चौरासिया, स्प्रिहा यादव, आर्किटेक्चर के माध्यम से बदलते हुए सांस्कृतिक संदर्भ का संबोधन, पैराडाइक्स के पैराडाइम की कार्यवाही में प्रकाशितः नेटवर्क समाज की उम्र में वास्तुकला, एसएमएम कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, नागपुर, 9–10 2018, पृष्ठ द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संख्याः 250–253, स्वप्रकाशन, महिला शिक्षा सोसाइटी, एल.ए. डी. एवं श्रीमती आर.पी. कॉलेज फॉर वूमेन, शंकर नगर, नागपुर, 9–मार्च–18, आईएसबीएन संख्याः 978–93–80985–18–3।

सुशील कुमार सोलंकी, डॉ. रचना खरे, सुलभ निर्मित पर्यावरण का प्रदर्शन मापनः एक वैज्ञानिक जांच, भारत में वास्तुकला विकास पर उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सेमिनार, अमिटी यूनिवर्सिटी ग्वालियर, 28–मार्च–18, आईएसबीएन संख्या 978–93–87507–04–3।

नयना आर. सिंह, राम सतीश पासूपुलेटी, अजय खरे, विरासत के पारंपरिक ज्ञान को सीखना एवं आपदा जोखिम में कमीः बागोरी, गांव उत्तरकाशी, भारत, की एक केस स्टडी, 10 वीं एफएआरयू अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन, वास्तुकला संकाय, मोरातुवा विश्वविद्यालय, मोरातुवा, श्रीलंका, 9–दिसंबर–18, खंड 2, 978–955–9027–67–6।

पत्रिका लेख

सुशील कुमार सोलंकी, रचना खरे, संदीप संकट, वास्तुकला में सार्वभौमिक डिजाइन शिक्षाः एक अनुभवी और सिमुलेशन अभ्यास, सभी पत्रिकाओं के लिए डिजाइन, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिजाइन, 1–अप्रैल–17, अंक–12 खंड–4, अप्रैल 2017।

सुशील कुमार सोलंकी, रचना खरे, यूनिवर्सल डिज़ाइन बिल्डिंग स्टैंडर्ड के समझने के उपायः एक भारतीय केस स्टडी, सभी जर्नल के लिए डिजाइन, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिजाइन, 1–अप्रैल–17, अंक 12 खंड 4, अप्रैल 2017।

रमा उमेश पांडे, डॉ अखिलेश सुरजन एवं डॉ. मनमोहन कापसे, घरेलू अपशिष्ट के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण में सतत् खपत और हरित प्रथाओं के बीच संबंधों की खोजः भारत में भोपाल शहर का मामला, क्लीनर उत्पादन जर्नल, ईएलसीवीआईआरईआर, 4–अप्रैल–17, 173, 49–59, आईएसएसएनः 0959–6526, http%@@dÛ-doi-org@10-1016@j-jclepro-2017-03-227A ।

क्षमा पुणताम्बेकर, प्रेमजीत दासगुप्ता, शहरी परिवहन में साइकिलेंः भारतीय परिदृश्य की समीक्षा, शहरी भारत, राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान (एनआईयूए), 25–अप्रैल–17, अंक 36।

क्षमा पुणताम्बेकर, भूमिका मोर, भू–स्थानिक तकनीक का उपयोग करते हुए सूखा प्रवण क्षेत्रों में जलविद्युत विश्लेषण, केस स्टडी – जालना जिला महाराष्ट्र, स्पैनड्रल, पर्यावरण के अनुसंधान के लिए अनुसंधान में नए आयाम, एसपीए प्रेस, 9–मई –17, अंक 12, आईएसएसएनः 2231 –4601।

अमित चटर्जी, संचिता चटर्जी, पारवती नंदी, जनजातीय समुदायों के बीच सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन का विश्लेषणः बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल, स्पेसिया आर्थिक विकास रिकॉर्ड (एसडीआर), डॉ एस.के. कुलश्रेष्ठ, संस्थापक–संपादक, स्पेसिया–आर्थिक विकास रिकॉर्ड, 13–मई–17, 24 (2), पीपी 32–39, 0971–4944।

निखिल रंजन मंडल, जी चंद्र, एम. चक्रवर्ती, ए.के. सिन्हा, टी. चंद्र, कार्यालय परिसर पर वाटर सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स (डब्ल्यूएसआईओसी) भाग 1: एक प्रारंभिक ढांचा, उभरती हुई प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 8 (1), अनुसंधान प्रवृत्ति, 1–एग–17, विशेष अंक खंड 8 (1), आईएसएसएन प्रिंटः 0975–8364, आईएसएसएन ऑनलाइनः 2249–3255।

सोनल तिवारी, निखिल राजन मंडल, काकोली साहा, "शहरी तनाव और रिपिपियन जोनों पर उनका प्रभाव", भूगोल और क्षेत्रीय योजना का जर्नल, अकादमिक प्रकाशन, 9–अगस्त–17, 661, 070–1845, 10.5897 / जेजीआरपी।

निखिल रंजन मण्डल, आर.सी. सिन्हा, एस सरकार, हाउसिंग क्वालिटी का आकलन करने के लिए मुख्य संकेतक और मूल्यांकन उपकरण का एक अवलोकनः एक साहित्य समीक्षा, इंस्टीट्यूट ऑफ द इंजीनियर्स (इंडिया) का जर्नलः श्रृंखला ए, स्प्रिंगर इंडिया, 4–अक्टूबर–17, वॉल्यूम 98, अंक 3 , आईएसएसएन 2250–214 9 प्रिंट, ऑनलाइन आईएसएसएन 2250–2157, 10.1007 / एस 40000–017–0225–जेड।

सोनल तिवारी, स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट के लिए शहरी क्षेत्रों की पारिस्थितिक खुली जगहों की पहचानः भारत में मध्य प्रदेश में जबलपुर शहर का एक मामला", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लैंडस्केप आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, जर्नलपब, 6–अक्टूबर–17, खंड 3, अंक 2, आईएसएसएन : ई 2456–5091।

नयना आर सिंह, प्रोफेसर जितेंद्र सिंह, आर्कि. प्रतीक सुधाकरन, गौरव सिंह, वास्तुकला में सतत डिजाइन एवं अभ्यासः विरासत संरचनाओं एवं भारत के क्षेत्रों से शिक्षा, सिविल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेसीआईईटी) आईएईएमई प्रकाशन, 1–नवंबर –17, खंड 8, अंक 11, आईएसएसएन प्रिंटः 0976–6308 और आईएसएसएन ऑनलाइनः 0976–6316, , http://http://www.iaeme.com/ijciet/ issues.asp?JType=IJCIET&VType=8&IType=11.

निखिल रंजन मंडल, सार्थक वर्मा, अमित चटर्जी, शैनन एंट्रॉपी विधि का उपयोग से शहरी फैलाव का विश्लेषण कर बेंगलुरू शहर के शहरी विकास केंद्र का स्थानांतरण, निपटान और स्थानिक योजना का जर्नल, निपटान और शहरीकरण पर अनुसंधान केंद्र, क्लुज विश्वविद्यालय प्रेस, 1 का उपयोग करना –डेक –17, खंड 8, अंक 2, आईएसएसएन (प्रिंट): 2069–3419 आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2248–2199, 10.24193 / जेएसएसपी.2017.2.02।

अमित चटर्जी, संचिता चटर्जी, परबती नंदी, मानव विकास पर सामान्य और जनजातीय स्थिति के बीच संबंधों का विश्लेषणः बीरभम जिला, पश्चिम बंगाल, हिल भूगोलकार, भौगोलिक सोसायटी ऑफ नॉर्थ–पूर्वी हिल क्षेत्र (भारत), 17–फरवरी 18 , 32 (2), पीपी 99–107, 0970–5023।

पुस्तक समीक्षा

सौरभ तिवारी, हाउ टू थ्राइव इन द नेक्स्ट इकोनॉमीः डिजाइनिंग टुमारो वर्ल्ड टुडे, जॉन थैकर द्वारा रचित, डिज़ाइन एंड कल्चर, टेलर एंड फ्रांसिस, 10 फरवरी–2018, 10.1,1754–7075, 10.1080 / 17547075.2018.1430 997।

समाचार पत्र एवं अन्य लेख

सौरभ तिवारी, अतीत के साथ एक प्रयास, डिजाइन इतिहास सोसाइटी न्यूजलेटर, डिजाइन इतिहास सोसाइटी, 8–अप्रैल–17, https://www.designhistorysociety.org/blog।

संदीप संकट, रचना खरे, यूनिवर्सल डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर फॉर हेरिटेज, डिज़ाइन फॉर ऑल, अप्रैल 2017, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिजाइन, 15–अप्रैल–17, अंक–12, खंड 04, http%@@www-designforall-in@ newsletterapr2017A ।

संदीप संकट, रचना खरे, सुशील सोलंकी, वास्तुकला में सार्वभौमिक डिजाइन शिक्षा, एक अनुभवी और सिमुलेशन व्यायाम, सभी के लिए डिजाइन, अप्रैल 2017, भारत के सभी संस्थानों के लिए डिजाइन, 15–अप्रैल–17, वॉल्यूम 12, संख्या 04, http % @@www-designforall-in@newsletterapr2017A ।

संदीप संकट, रचना खरे, उपयोगकर्ता केंद्रित डिजाइन स्टूडियो, सभी के लिए डिजाइन, अप्रैल 2017, भारत के संस्थानों के डिजाइन के माध्यम से भारतीय बुजुर्गों के लिए मुद्दों की खोज 15–अप्रैल–17, वॉल्यूम –12, संख्या 04, http% @@ www -designforall-in @ newsletterapr2017A ।

संदीप संकट, "सुगम्य भारत का आधार", भारत में सार्वभौमिक डिजाइन शिक्षा, सभी के लिए डिजाइन, अप्रैल 2017, अखिल भारतीय संस्थान के लिए डिजाइन, 15–अप्रैल–17, वॉल्यूम –12, संख्या–4, http% @@ www -designforall-in @ newsletterapr2017A ।

संदीप संकट, संपादक, "अखिल समाचार पत्र के लिए डिजाइन" अप्रैल 2017, सभी के लिए डिजाइन, भारत के अखिल भारतीय संस्थान के लिए डिजाइन का प्रकाशन, "सभी के लिए डिजाइन" अप्रैल 2017, 15–अप्रैल–17 , वॉल्यूम –12, संख्या 04, http%@@www-designforall-in@newsletterapr2017A |

अमित चटर्जी, बिनायक चौधुरी, प्रेमजीत दासगुप्ता एवं गौरव वैद्य, बैंगलोर, भारतः एक स्मार्ट मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की ओरः एक रोडमैप ट्रांसफॉर्मिंग बैंगलोर" एशियाई बुलेटिन की एक परियोजनां" स्मार्ट मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रीय – आर्थिक विकास और स्थानिक डिजाइन रणनीतियाँ, बुलेटिन 3 (एशियाई शहर), असफा सिद्दीकी (आईआईआरएस, देहरादून), गोरा एमबुप (ग्लोबल वेधशाला लिंकिंग एक्शन न्यूयॉर्क, यूएसए), सुदेशना घोष (इंडियाना विश्वविद्यालय पेंसिल्वेनिया) और एलीना अलातालो (टाम्परे विश्वविद्यालय, टाम्परे विश्वविद्यालय), 1–सितम्बर–2017 , बुलेटिन 3 (एशियाई शहर)।

तापस मित्रा, शहरी स्केचर्स की अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट में गेस्ट पोस्ट, स्ट्रीट वेंडर्स द पावर हाउस ऑफ भोपाल, 30–अक्टूबर–17, http://www.urbansketchers.org/2017/10/street-vendors-powerhouse-of-bhopal।

रमेश पी भोले, मध्य भारत में आशापुरी में चिनाई मंदिरों के निर्माण के लिए निर्माण तकनीक 10 वीं शताब्दी में, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एन "राजा भोज" की वास्तुकला, योजना और इसकी प्रासंगिकता पर योगदान, एम पी भोज (ओपन) विश्वविद्यालय, 24–दिसंबर–17 ।

कर्ण सेनगुप्ता, संपादकीय टीम का हिस्सा, जौनल संपादकीय टीम, मेरा जीवित शहर, आयरनमैन मीडिया प्रकाशन, 5–जनवरी –18, जनवरी–मार्च 2018, 2455–2380।

तापस मित्रा, शहरी स्केचर्स की अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट में गेस्ट पोस्ट, लखनऊ शहर के स्पीयर्स, पतंग एवं टावर, शहरी स्केचर्स की अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट, 28–मार्च–18, http%@@www-urbansketchers-org@2017@10@ ।

शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता

सम्मेलनः अंतर्राष्ट्रीय

अजय कुमार विनोदिया, प्रस्तुति, स्लम टाइपोग्राफी, निवासियों की आकांक्षाओं और भारत में सार्वजनिक आवास, वास्तुशिल्प डिजाइन के सिद्धांत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – स्थानीय मिलिओ के बीच वैश्विक प्रथाओं, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा जम्मू, 15–अप्रैल–17, ictoad2017@smvdu.ac.in।

अजय कुमार विनोदिया, चेयर/मॉडरेटर, वास्तुशिल्प डिजाइन के सिद्धांत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – स्थानीय मिलिओ के बीच वैश्विक प्रथाओं, एसएमवीडीयू, कटरा, जम्मू, 15–अप्रैल–17,ictoad2017@smvdu.ac.in।

आनंद वाडवेकर, सुश्री मधुरा कुलकर्णी, प्रस्तुति, मेमोरी इन मेकिंगः भोपाल आपदा के अंत का मिथकस्ट्रक्चरिंग, सांस्कृतिक अध्ययन पर एशियाई सम्मेलन (एसीसीएस 2017), अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक फोरम (आईएएफओ) कोबे, जापान, 1–जून –17, https://papers.iafor.org/proceedings/issn-2187-4751-asian-conference-cultural-studies-2017-official-conference-proceedings ।

संदीप अरोड़ा, प्रस्तुति, आर्किटेक्चर भोपाल के अनौपचारिक निपटान मेंः एक पायलट अध्ययन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीए–फॉस्की विश्वविद्यालय, इटली, 21–जून –17।

आनंद वाडवेकर, चेयर/मॉडरेटर, सिटी प्लानिंग एंड शहरी डिजाइन, मैटेरियल्स मैकेनिक्स एंड मैनेजमेंट पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेन्द्रम, 14–जुलाई–17।

गायत्री नंदा, चेयर/मॉडरेटर, चेयर्ड सत्र 2 एः विरासत प्रबंधन शिक्षा, विरासत प्रबंधन शिक्षा और अभ्यास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विरासत प्रबंधन केंद्र, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, भारत, 29–जुलाई–17, https://ahduni.edu.in/chm/academics/international-conference-on-heritage-management-education-and-practice।

गायत्री नंदा, प्रस्तुति, हेरिटेज मैनेजमेंट प्रोसेस के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के रूप में 'लोक–स्थान संबंध' का स्थानिक मानचित्रण, हेरिटेज मैनेजमेंट एजुकेशन एंड प्रैक्टिस, सेंटर फॉर हेरिटेज मैनेजमेंट, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, भारत, 30–जुलाई–17, https://ahduni.edu.in/chm/academics/international-conference-on-heritage-management-education-and-practice ।

विशाखा कवाठेकर, प्रस्तुति, प्रथम लेखक; बालाजी वेंकटचार्य, सांस्कृतिक परिदृश्यों के घटक और विशेषता के बीच संबंधों को समझनाः भारतीय संगीत और सांस्कृतिक परिदृश्य का मामला, विरासत प्रबंधन शिक्षा और अभ्यास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः विषयों और शेयरधारकों के बीच कनेक्शन की खोज, हेरिटेज मैनेजमेंट सेंटर, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, 30–जुलाई–17।

निखिल रंजन मण्डल, प्रस्तुति, शहरों के मुख्य क्षेत्रों में पहुंच; केस स्टडीः कोलकाता और शिमला में सड़कों का तनाव, भारत, रि–सिटी 2017: "(आईएम) संभावित शहर" द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सिटी रिजनरेशन कांग्रेस, टाम्परे विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी, फिनलैंड, 24–अगस्त–17, www.recity2017.com।

सौरभ तिवारी, प्रस्तुति, रॉ, रिपेयर, रिफर्बिशः ए 'री–यूज' डिज़ाइन कल्चर, डिज़ाइन हिस्ट्री सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन, ओस्लो विश्वविद्यालय, ओस्लो, 8–सितम्बर–17, http://www.makingandunmaking.net ।

गायत्री नंदा, अरविंद कुमार मील, पोस्टर, गायत्री नंदा, मड आर्किटेक्चरः उत्तरी भारत के ठंड रेगिस्तानी क्षेत्रों में समुदायों को बनाए रखना, सोर्सटेरा 2017 वर्नाक्युलर मार्टिन आर्किटेक्चर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संरक्षण और स्थायित्व, स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, यूनिवर्सिटैट पॉलिटसेनिका डे वैलेंसिया, स्पेन, 14 सितंबर –17, http://sostierra2017.blogs.upv.es ।

काकोली साहा, प्रस्तुति, स्मार्ट सिटी के मूल आधारभूत ढांचे की सुविधा के लिए एक स्वचालित ऑब्जेक्ट उन्मुख दृष्टिकोणः रिमोट सेंसिंग पर 38 वें एशियाई सम्मेलन (एसीआरएस 2017, रिमोट सेंसिंग (एएसआरएस) के एशियाई

समाज, भोपाल, भारत और ट्रॉन्डेम, नॉर्वे के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन, भारतीय समाज रिमोट सेंसिंग (आईएसआरएस), 25–अक्टूबर–17, http://www.acrs2017.org ।

अजय खरे, समन्वयक, अंतर्राष्ट्रीय करज सम्मेलन, आईएचसीएन बिडर, 28–अक्टूबर–17।

कर्ण सेनगुप्ता, प्रस्तुति, सस्ती हाउसिंग परिदृश्य और टियर 2/3 शहर, सस्ती हाउसिंग लाइवबल सिटी कॉन्फ्रेंस, नेशनल हाउसिंग बैंक, आईएचएस रॉटरडैम और मेरा रहने योग्य शहर से सीख, 22–नवंबर–17।

अमित चटर्जी एवं पौजोज़ एन कुरिकोज़, प्रस्तुति, मैट्रोपॉलिटन क्षेत्रीय स्थिरता के मार्ग, मुम्बई मैट्रोपॉलिटन सिटी की चुनौतियां एवं अवसर, 14 वां अंतर्राष्ट्रीय एशियाई शहरीकरण सम्मेलन, एशियाई शहरी शोध संघ, किंग मोंकुट प्रौद्योगिकी संस्थान, लद्दाबांग, बैंकॉक, थाईलैंड, 11–जनवरी –18, http://www.arch.kmitl.ac.th/auc2018aura।

अमित चटर्जी, प्रस्तुति, नगर अपशिष्ट प्रबंधन में, शहरी नवाचार और जलवायु सह–लाभः तीन भारतीय शहरों से शिक्षा, 14 वां अंतर्राष्ट्रीय एशियाई शहरीकरण सम्मेलन, एशियाई शहरी शोध संघ, किंग मोंकुट प्रौद्योगिकी संस्थान, लद्दाबांग, बैंकॉक, थाईलैंड, 11–जनवरी –18, http://www.arch.kmitl.ac.th/auc2018aura।

पॉलोज एन कुरियकोस, अमित चटर्जी प्रस्तुति, भारत के छोटे और मध्यम शहरों में साइकिल उपयोगः सतत् और स्मार्ट गतिशीलता का अवसर, 14 वें एशियाई शहरीकरण सम्मेलन "एशिया में सतत् विकास लक्ष्य", किंग मोंकुट प्रौद्योगिकी संस्थान लद्दाबांग (केएमआईटीएल), बैंकॉक और खोन केन विश्वविद्यालय, थाईलैंड, 11–जनवरी –18, http://www.arch.kmitl.ac.th/auc2018aura।

बिनायक चौधुरी, प्रस्तुति, शहरी चित्रणः भोपाल शहर, भारत का एक मामला, 14 वें एशियाई शहरीकरण सम्मेलन "एशिया में सतत् विकास लक्ष्य", किंग मोंकुट प्रौद्योगिकी संस्थान लद्दाबांग (केएमआईटीएल), बैंकॉक और खोन केन विश्वविद्यालय, थाईलैंड, 11–जनवरी– 18, http://www.arch.kmitl.ac.th/auc2018aura।

बिनायक चौधरी, शहरी चित्रण–भोपाल शहर का मामला, भारत का 14 वां अंतर्राष्ट्रीय एशियाई शहरीकरण सम्मेलन, जनवरी 2018, बैंकाक, थाइलैण्ड, सह लेखक अशफाक आलम एवं अमित बंसल।

गोविंद एमपी, अभिलाश रावत, जवाले माधुरी वासुदेव, शोध पत्र सह–लेखक, गुरुग्राम में प्लूविअल फ्लूडिंग को मिटिगेट करने के लिए विकास रणनीतियां, इंटेलिजेंट वाटर मैनेजमेंट के लिए सतत् टेक्नोलॉजीज़, जल संसाधन विकास और प्रबंधन विभाग और भारतीय जल संसाधन सोसायटी, 18–फरवरी–18, 18-Feb-18, https://www.iitr.ac.in/stiwm।

देवर्षि चौरासिया, प्रस्तुति, वास्तुकला शिक्षा में मूल्यांकन में पैराडिग्म शिफ्ट की खोज, 'पैराडाक्स टू पैराडिग्मः नेटवर्क सोसाइटी की उम्र में वास्तुकला' नामक एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, एसएमएम कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, नागपुर, द्वारा आयोजित, स्थानः रैडिसन ब्लू, नागपुर, महाराष्ट्र (भारत), 10–मार्च –18 www.paradoxtoparadigm.com।

आनंद वाडवेकर, मृणमयी वाडवेकर, प्रस्तुति, शहरीकरण और पर्यावरणः भोपाल का एक मामला, शहरी स्थायित्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः उभरते रुझान, थीम्स, अवधारणाओं और प्रथाओं, वास्तुकला और योजना विभाग, मालवीया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, 16–मार्च–18, http://mnit.ac.in/news/news.php?news_id=2095।

सम्मेलनः राष्ट्रीय

रचना खरे, प्रस्तुति, ऑटिज़्म के साथ वयस्कों के लिए प्रस्तुति, स्वतंत्र और स्वतंत्र जीवन, ऑटिज़्म पर राष्ट्रीय सम्मेलन, विज्ञान भवन, दिल्ली, राष्ट्रीय ट्रस्ट द्वारा आयोजित, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय, 3–अप्रैल–17।

संदीप संकट, पोस्टर, विरासत, औद्योगिक डिजाइन सम्मेलन के लिए सार्वभौमिक डिजाइन नवाचार "नए उत्पाद विकास", हैदराबाद कैंपस, तेलंगाना, 29–जून–17।

रमेश पी. भोले, प्रस्तुति, मध्य भारत के आशापुरी में 10 वीं शताब्दी के चिनाई मंदिरों के निर्माण के लिए निर्माण तकनीक, "राजा भोज" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वास्तुकला, योजना और इसकी प्रासंगिकता पर योगदान, राजा भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल, आरसीवीपी नारोन्हा एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, एमपी, भोपाल, 23–दिसंबर–17।

संदीप संकट, एक सत्र में प्रस्तुति एवं पैनल सदस्य, भारतीय निर्मित पर्यावरण को सुलभ बनाने में मुद्दे और चुनौतियां, विकलांगता में सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन, विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग (दिव्यंगजन), सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय, 19–जनवरी–18 ।

सुशील कुमार सोलंकी, अजय विनोदिया, प्रस्तुति, जलवायु उत्तरदायी डिजाइन, निर्माण प्रथाएं और परिवर्तन। नंदी गांव, हिमांचल प्रदेश के वर्नाक्युलर आर्किटेक्चर का अध्ययन, वास्तुकला में क्षेत्रीय ज्ञान को पुनर्जीवित करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन, पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर, पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर, 9–मार्च–18।

रमा उमेश पांडे, मृणमयी वाडवेकर, प्रस्तुति, मध्यप्रदेश के शहरों के लिए स्थानिक योजनाः जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, जलवायु परिवर्तन पर राज्य ज्ञान प्रबंधन केंद्र, ईपीसीओ, पर्यावरण विभाग, सरकार के लिए अनुकूल दृष्टिकोण। एमपी, 23–मार्च–18, http://www.skmcccepco.mp.gov.in/en/events/national-seminar-climate-change-nscc ।

कार्यशालाएंः अंतर्राष्ट्रीय

सौरभ तिवारी, प्रस्तुति, सर्वोदय– केअर और डिजाइन का राजनीतिक संस्करण, क्या डिजाइन केयर ...?, http://www.lancaster.ac.uk/lica/news-and-events/news/2017/011017---does-design-care/, 13-Sep-17, http://www.lancaster.ac.uk/lica/news-and-events/news/2017/011017---does-design-care/ ।

आशीष पाटिल, उपस्थित, संरचना और कैनवास पेंटिंग्स के मैकेनिक्स, मानविकी संकाय, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उद्धार, एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय एटेलियरगेबौ, हॉबमेस्ट्राट, रिजक्सम्यूजियम, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड, 25–अक्टूबर–17।

विशाखा कवठेकर, आमंत्रित विशेषज्ञ, आगामा शास्त्र और विरासत संरक्षण पर कार्यशाला, तमिलनाडु सरकार के हिंदू धार्मिक और चैरिटेबल एंडोमेंट विभाग के सहयोग से नई दिल्ली में आयोजित, 17–18 नवंबर 2017।

विशाखा कवाठेकर, प्रस्तुति, भारत में बिल्ट हेरिटेज के संरक्षण की स्थिति, सांस्कृतिक विरासत के जोखिमों के बहु–खतरे में कमी के लिए इंडो–इटालियन संयुक्त कार्यशाला, सिविल हॉल आईआईटी जोधपुर, आईआईटी दिल्ली, 5–दिसंबर–17

रमेश पी. भोले, अनुसंधान सहायक, बिल्ट हेरिटेज के संरक्षण के लिए साझा वैश्विक अनुभव, अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला और "आईसीएलएफ़एफआई" की समिति की बैठक (कानूनी, प्रशासनिक और वित्तीय मुद्दों की अंतर्राष्ट्रीय समिति), एसपीए भोपाल, 13–दिसंबर–17, Http://Iclafi.Org।

सौरभ पोपली, पैनल सदस्य, माननीय 'दशो तेनज़िन ढेंदुप और सुश्री योगतारा, माउंटेन डेवलपमेंट के संदर्भ में कल्याण – हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) के लिए कल्याण की समग्र समझ हेतु, समेकित माउंटेन विकास का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, काठमांडू, नेपाल, 22–मार्च–18, http://www.icimod.org/?q=3049।

कार्यशालाएंः राष्ट्रीय

नयना आर सिंह (समन्वयक), राम सतीश पासूपुलेटी, मनावी सुनेजा, डिजिटल युग में वास्तुकला और योजना अध्यापन, क्यूआईपी अल्पकालिक पाठ्यक्रम, वास्तुकला और योजना विभाग, आईआईटी रुड़की, 20–जुलाई–17।

रमा उमेश पांडे, आमंत्रित पैनल सदस्य, लचीली विकास योजनाः शिक्षा संस्थान की भूमिका, जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यशाला और शहरी बच्चों के लिए आपदा लचीलापन, जीईएजी और यूनिसेफ, होटल इरोज, नई दिल्ली, 22–दिसंबर–17।

रमेश पी भोले, प्रस्तुति, स्मार्ट सिटी में स्मार्ट हेरिटेज, इंटेच हेरिटेज अकादमी, पलाश होटल भोपाल, 16–जनवरी –18।

विशाखा कवाठेकर, प्रस्तुति, स्मार्ट शहरों में स्मार्ट विरासत का प्रबंधन, स्मार्ट सिटी में स्मार्ट हेरिटेज, इनटेक हेरिटेज अकादमी और इनटेक भोपाल अध्याय, होटल पलाश, भोपाल, 17–जनवरी –18।

रमा उमेश पांडे, पोस्टर, पेरी–शहरी पारिस्थितिकी तंत्र और शहरी लचीलापन के बीच संबंधों की खोज, भोपाल शहर का एक मामला, शहरी लचीलापन बढ़ाने के लिए पेरी–शहरी पारिस्थितिक तंत्र पर क्षेत्रीय सम्मेलन, GEAG; ACCCRN; ICLEI; UNICEF;SPA Delhi &The Rockefeller Foundation, India Habitat Centre, New Delhi, 18-Sep-17।

अशफाक आलम, समन्वयक, शहरी भूमि विकास के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण, आईटीपीआई, मध्य प्रदेश क्षेत्रीय अध्याय, भोपाल, 24–फरवरी–18।

आमंत्रित व्याख्यानः अंतर्राष्ट्रीय

तापस मित्रा, प्रस्तुति, कला में शहरी स्केचिंग ग्राउंड नियम, शहरी स्केचर्स अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, शहरी स्केचर्स और शिकागो, यूएसए, 27–जुलाई–17, https://www.youtube.com/watch?v= 9QbaCkycQg4।

आमंत्रित व्याख्यानः राष्ट्रीय

अजय कुमार विनोदिया, प्रस्तुति, भारत में शहरी अनौपचारिकता की चुनौतियां, अतिथि व्याख्यान, एसएमवीडीयू, कटरा, जम्मू, 18–अप्रैल–17।

रचना खरे, प्रस्तुतिकरण, लेखन द्वारा दस्तावेज़ीकरणः उद्देश्य और वास्तुकला पेशे में आवश्यकता, एक सप्ताह सीओए–टीटीपी "वास्तुकला में दस्तावेज़ीकरण और तकनीकी लेखन", वास्तुकला स्कूल, बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय, लखनऊ, 12–जून–17।

रचना खरे, प्रस्तुति, अनुसंधान गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय संकेतक, वास्तुकला में अनुसंधान, दो सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम, वास्तुकला संकाय (जीसीए), अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ, 17–जून–17।

नयना आर सिंह, प्रस्तुति, नए स्कूल, नए प्रयास– ओबीई कैसे विकसित करें? "डिजिटल युग में आर्किटेक्चर और योजना अध्यापन", वास्तुकला और योजना विभाग, आईआईटी रुड़की, 1 9–जुलाई–17 पर क्यूआईपी अल्पकालिक पाठ्यक्रम।

संदीप अरोड़ा, मुख्य वक्ता, ग्रीन बिल्डिंगः अवधारणाएं, उपकरण और प्रौद्योगिकी, निर्मित पर्यावरण के लिए आईसीटी के आवेदन पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआईसीटीबीई), ओरिएंटल इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल (ओआईएसटी), 17–अगस्त–17।

रचना खरे, प्रस्तुति, यूनिवर्सल डिज़ाइन; ग्लोबल टू लोकल कॉन्टेक्स्ट से, आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, 5–सितंबर –17।

आनंद वाडवेकर, प्रस्तुति, स्मार्ट सिटीज–बड़े पैमाने पर शहरी विकास को मानवीय बनाना, भारत के सतत् स्मार्ट शहरों, हिमगिरी जेईई विश्वविद्यालय, देहरादून, 8–सितंबर –17 के लिए स्वदेशी मानवकृत दृष्टिकोण।

रमेश भोले, आमंत्रित व्याख्यान, (प्रस्तुति), विकलांगों के लिए बाधा मुक्त वातावरण बनाने हेतु उच्च शिक्षा, सरोजनी नायडू शासकीय पीजी महिला कॉलेज भोपाल, 1–नवम्बर–17।

सौरभ तिवारी, प्रस्तुति, डिजाइन इतिहास का परिचय, फाउंडेशन डिजाइन के लिए डिजाइन इतिहास सप्ताह, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, 12–मार्च –18।

अजय कुमार विनोदिया, प्रस्तुति, डिजाइन सोच, प्रक्रिया और संकल्पना विकास, अतिथि व्याख्यान, वास्तुकला और भूदृश्य विभाग, एसएमवीडीयू, कटरा, जम्मू, 12–मार्च –18।

अजय कुमार विनोदिया, प्रस्तुति, भारत में वास्तुकला प्रथाओं पर पुनर्विचार, अतिथि व्याख्यान, और भूदृश्य विभाग, एसएमवीडीयू, कटरा, जम्मू, 13–मार्च –18।

सौरभ तिवारी, प्रस्तुति, भारत की समकालीन डिजाइन संस्कृति, फाउंडेशन डिजाइन के लिए डिजाइन इतिहास सप्ताह, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद, 15–मार्च–18।

संगोष्ठियाँः अंतर्राष्ट्रीय

सौरभ तिवारी, प्रस्तुति, स्वदेशी बनाम बहुराष्ट्रीयः भारत में फेमिनिन ब्यूटी प्रोडक्ट्स का उत्पाद सेमेन्टिक्स, वंडरः डिज़ाइन रिसर्च सेमिनार, ओस्लो और एग्रहस विश्वविद्यालय एप्लाइड साइंसेज, ओस्लो, 6–सितंबर–17, https://www.hioa.no/eng/Events/The-Wonder-Seminar-Gender-design-market-seminar।

संगोष्ठियाँः राष्ट्रीय

रमा उमेश पांडे, आमंत्रित अध्यक्ष, जलवायु परिवर्तन का सामना करने और सतत् विकास हासिल करने में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की भूमिका, जलवायु परिवर्तन और कैरियर के अवसरों से लड़ने के लिए ग्रीन पहल, एआईएसईसीटी विश्वविद्यालय भोपाल, 18–नवंबर–17,http://awaaz.aisect.org/News/NewsDetail/ci-3-it-280।

रचना खरे, प्रस्तुति, विकासशील विकलांग बच्चों के लिए समावेशी शैक्षणिक स्थान डिजाइन करना, समावेशी भारत और सेल्फ एडवोसीसी, नेशनल ट्रस्ट, नई दिल्ली सरकार पर संगोष्ठी। 10–फरवरी –18।

संदीप संकट, प्रस्तुति, बुजुर्ग और दिव्यंगजन के लिए उपयुक्त निर्मित पर्यावरण, नेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित "समावेशी भारत और स्व–वकालत", ऑटिज़्म, सेरिब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता और एकाधिक विकलांगता वाले लोगों के कल्याण हेतु, नई दिल्ली, 10–फरवरी–18।

संदीप अरोड़ा, प्रस्तुति, पर्यावरण उपचार और कायाकल्प, लोगों के लिए वास्तुकला, राष्ट्रीय संगोष्ठी, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 22–फरवरी 18, http://jmi.ac.in/upload/EventDetail/ seminar_ fae_ 2018 february22_23.pdf।

गोविंद एमपी, अल्पाना गुप्ता, पोस्टर, मध्य प्रदेश में पारंपरिक जल प्रबंधन प्रथाएं–एक समीक्षा, जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनएससीसी), पर्यावरण योजना और समन्वय संगठन (ईपीसीओ) भोपाल, मध्य प्रदेश, 22–मार्च–18, www.climatechange.mp.gov.in।

काकोली साहा, प्रस्तुति, रिमोट सेंसिंग तकनीक का उपयोग करते हुए भोपाल शहर के शीर्ष सौर पीवी संभावित अनुमान। जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पर्यावरण योजना और समन्वय संगठन (ईपीसीओ), पर्यावरण विभाग, मध्यप्रदेश, सरकार। 23–मार्च–18,http://www.skmcccepco.mp.gov.in/en/events/national-seminar-climate-change-nscc.

सौरभ पोपली, सोनल थानावाला, प्रस्तुति, जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में डोकरानी–डिंगड लैंडस्केप पर मानव उपयोग प्रभाव की उम्मीद, जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण योजना और समन्वय संगठन, ईपीसीओ पर राज्य ज्ञान प्रबंधन केंद्र, जीओएमपी, भोपाल, 23–मार्च–18, http://www.skmcccepco.mp.gov.in/en/events/ national-seminar-climate-change-nscc।

सौरभ पोपली, प्रस्तुति, जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में लैंडस्केप गुणवत्ता और लचीलेपन को जोड़ना – दक्षिणी विंध्य में एक अन्वेषक अध्ययन, जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, जलवायु परिवर्तन पर राज्य ज्ञान प्रबंधन केंद्र, ईपीसीओ, जीओएमपी, भोपाल, 23–मार्च–18, http://www.skmcccepco.mp.gov.in/en/events/national-seminar-climate-change-nscc।

अजय कुमार विनोदिया, प्रस्तुति, कितनी वास्तुकला..? और कितनी तकनीक? भारत में वास्तुकला शिक्षा और प्रथाओं का परिदृश्य, "भारत में आर्क–टेक विकास पर उभरते रुझान" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, अमिटी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, 28–मार्च–18 ।

संदीप संकट, उद्घाटन सत्र के लिए मुख्य अध्यक्ष, भारत में सार्वभौमिक डिजाइन और सुगम्य भारत अभियान, सतत् शहरी विकास में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, डी/ओ आर्किटेक्चर, अमिटी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, 28–मार्च –18।

अन्य कार्यक्रमों में भागीदारी

विशाखा कवाठेकर, क्यूरेटर (अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी), प्रदर्शनी का उद्घाटन भोपाल के महापौर ने किया, "राजा भोज का" आर्किटेक्चर, योजना और इसकी प्रासंगिकता पर योगदान, "राजा भोज के योगदान" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी, योजना और इसकी प्रासंगिकता, विज्ञान भारती, भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल एवं नगर निगम भोपाल, मुख्य आयोजक, आरसीवीपी नोरोन्हा अकादमी प्रशासन, शाहपुरा ताल 22–24 दिसंबर 2017।

विशाखा कवाठेकर, समन्वयक, आईसीओएमओएस जीए 2017, (अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी) एसपीए भोपाल डिस्प्ले, संकाय विभाग के संकाय और कर्मचारी, एसपीए भोपाल, संरक्षण शिक्षा दर्शन, संरक्षण अध्यापन और एसपीए में संरक्षण विभाग द्वारा किए गए अकादमिक/पेशेवर परियोजनाओं को प्रदर्शित करने वाले संस्थागत पैनल भोपाल, भारत में सांस्कृतिक विरासत अभ्यास पर प्रदर्शनी 12–15 दिसंबर 2017 आईसीओएमओएस जनरल असेंबली 2017, भारत आवास केंद्र, नई दिल्ली, 12–दिसंबर –17।

विशाखा कवाठेकर, आईसीओएमओएस जीए 2017, (इंटरनेशनल, बुक रिलीज) पुस्तक दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीश सिसोदिया द्वारा जारी की गई थी, भारत में निर्मित विरासत की सुरक्षा के लिए साझा वैश्विक अनुभव, मंथन, आईसीओएमओएस जीए का एक विशेष सत्र और वैज्ञानिक संगोष्ठी, आईसीओएमओएस जीए 2017 और आईसीओएमओएस इंडिया, इंडिया हाउसिटैट सेंटर, 14–दिसंबर –17।

शैक्षणिक पैनल

राष्ट्रीय

अजय कुमार विनोदिया, विजिटिंग प्रोफेसर, विभाग, वास्तुकला एवं भूदृश्य, एसएमवीडीयू, कटरा जम्मू, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा जम्मू, 1–सितम्बर–16 से 31–अगस्त–18।

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, एसआरसी विभाग। वास्तुकला एवं भूदृश्य, एसएमवीडीयू, कटरा जम्मू, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा जम्मू, 1–सितम्बर–16 से 31–अगस्त–18।

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, प्रबंधन समिति, केन्द्रीय विद्यालय, बैरागढ़, भोपाल, 27–अगस्त–17 से 31 अगस्त–18।

सोनाल तिवारी, सदस्य, एशियाई सांस्कृतिक परिदृश्य आर्किटेक्ट एसोसिएशन, 12–अक्टूबर–15 से 12–अक्टूबर–16, http://qpramukanto.staff.ipb.ac.id/files/2013/04/zz-ACLA-Br-Int-Sym-Oct-13-21-Apr-2013.pdf ।

संदीप संकट, सदस्य, अध्ययन बोर्ड, माधव प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, ग्वालियर, 1–जून–16 से 1 जून–18।

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, मूल्यांकन पैनल, एआईसीटीई भोपाल, क्षेत्रीय भाग एआईसीटीई, भोपाल, 1–जून–17 से 1–जून–17 ।

अजय कुमार विनोदिया, सदस्य, सीओए निरीक्षण, एफआईएसएटी कॉलेज ऑफ आर्क, केरल, 31–जुलाई–17 से 2–अगस्त–17।

निखिल रंजन मण्डल, सदस्य, यूजी – बी आर्किटेक्चर और पीजी – एम योजना (आवास) सीओई तिरुवनंतपुरम में मान्यता के लिए एनबीए की विशेषज्ञ टीम के पैनल, नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिएशन, 24–नवम्बर–17 से 26–नवम्बर–17।

बिनायक चौधरी, बाह्य परीक्षक, लघु शोध प्रबंध, मैसूर विश्वविद्यालय एवं विश्वैसवरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर।

पेशेवर पैनल

राष्ट्रीय

अमित चटर्जी, सदस्य, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ सिटी एंड रीजनल प्लानर्स (आईएसओसीएआरपी), नीदरलैंड्स, 1–अप्रैल–17, से 31–मार्च–18, https://isocarp.org।

अमित चटर्जी, सदस्य, शहरी परिवहन संस्थान (आईयूटी), नई दिल्ली, 31–मार्च–17 से 31–मार्च –18।

अमित चटर्जी, सदस्य, टाउन प्लानर्स संस्थान, भारत, नई दिल्ली, 1–अप्रैल–17 से 31–मार्च –18।

आनंद वाडवेकर, सदस्य, मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम, भोपाल, 28–फरवरी–18 से 28–फरवरी –18।

अरविंद कुमार मील, सदस्य,इंडियन इन्सटीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट, मुम्बई, 14–जुलाई12 से 14–जुलाई–22, https://indianinstituteofarchitects.com।

गायत्री नंदा, सदस्य, शहरी डिजाइनर संस्थान, भारत, नई दिल्ली, 8–अप्रैल–13 से 8–अप्रैल–19, http://udesindia.org/List-of-Members.html.।

परमा मित्रा, सदस्य, द इंडियन सोसाइटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन, नई दिल्ली, 1–मई–13 से 31–मार्च–18, Mar-18, http://www.isteonline.in।

परमा मित्रा, एसोसिएट सदस्य, टाउन प्लानर्स संस्थान, भारत, नई दिल्ली, 25–जुलाई–03 से 1–जनवरी–01, http://www.itpi.org.in/pdfs/member-list-registration-no-wise.pdf ।

पियूष हजेला, सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, आईआईए मुंबई, 1–अप्रैल–17 से 31–मार्च–18।

पूनम खान, सह सदस्य, भारतीय वास्तुकला संस्थान, भारत, नई दिल्ली, 9–दिसंबर–08 से 31–दिसंबर–20।

संदीप संकट, सह सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, मुंबई, 1–जनवरी –18 से 31–दिसंबर –18, Dec-18, https://indianinstituteofarchitects.com।

संदीप संकट, सदस्य, ग्वालियर, ज़ीरकपुर और विजयवाड़ा में विकलांगता रिपोर्ट के केंद्रों और डीपीआर के मूल्यांकन के लिए अधिकारिक समिति के सदस्य, विकलांग सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय, नई दिल्ली, 3–जनवरी–18 से 1–मार्च–19।

संदीप संकट, संयुक्त सचिव, आईआईए भोपाल केंद्र, भोपाल, 1–अप्रैल–17 से 1–अप्रैल–18।

सनमार्ग मित्रा, सदस्य, इन्सटीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स इंडिया, नई दिल्ली, 25–जुलाई–03 से 31–मार्च–18।

सन्मार्ग मित्रा, सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन, नई दिल्ली, 1–मई–13 से 31–मार्च –18।

सौरभ पोपली, सदस्य, शिक्षा बोर्ड, इंडियन सोसाइटी ऑफ लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स, अहमदाबाद, गुजरात, 8–अगस्त–16 से 19–अप्रैल–18, http://www.isola.org.in।

रचना खरे, सदस्य, पीए एवं एमसी, टीआईडी कार्यक्रम, सीईड डिवीजन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार 12–अप्रैल–17 से 12–अप्रैल–20।

रमा उमेश पांडे, उपाध्यक्ष, आईटीपीआई एमपी चैप्टर काउंसिल, भारतीय टाउन प्लानर्स, मध्य प्रदेश क्षेत्रीय अध्याय, 1–मई–17 से 30–अप्रैल–18, http://itpimp.org/councilandcommities/ Council.php।

रचना खरे, सदस्य, विशेषज्ञ समिति, राष्ट्रीय समावेशी और सार्वभौमिक डिजाइन,सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार 12–दिसंबर–17 से 12–दिसंबर–17।

रचना खरे, सदस्य, डीपीआर पर विकलांगता रिपोर्ट का मूल्यांकन, विकलांगता खेल केंद्र, सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार, 3–जनवरी–18 से 18–अप्रैल –18 ।

सौरभ पोपली, फेलो, इंडियन सोसाइटी ऑफ लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स, अहमदाबाद, गुजरात, 1–मार्च–18 से 19–अप्रैल –18, http://www.isola.org.in।

सोनल तिवारी, सदस्य, इंडियन सोसायटी ऑफ लैण्डस्केप आर्किटेक्ट, अहमदाबाद, 10–अक्टूबर–07 से 10–अक्टूबर–16 http://www.isola.org.in ।

तापस मित्रा, फेलो, आईयूडीआई, नई दिल्ली, 9–फरवरी –16 से 24–मार्च–20।

विशाखा कवाठेकर, सह संयोजक, इनटेक भोपाल, 16–अप्रैल–18 से 16–अप्रैल–18।

अजय खरे, अजय कुमार विनोदिया, आनंद जयंत वाडवेकर, आरती जयसवाल, अरविंद कुमार मील, बडे शोमित दिलीप, ब्रषभानलाली रघुवंशी, देवर्षि चौरासिया, गरिमा श्रीवास्तव, गौरव सिंह, गायत्री नंदा, कर्ण सेनगुप्ता, क्षमा पुणताम्बेकर, नयना आर सिंह, निखिल रंजन मंडल, परमा मित्रा, पियूष हजेला, पूनम खान, प्रेमजीत दास गुप्ता, रचना खरे, रमा उमेश पांडे, रमेश पी. भोले, संदीप अरोड़ा, संदीप संकट, संजीव सिंह, सन्मार्ग मित्रा, सौरभ पोपली, सौरभ तिवारी, शिउलि मित्रा, श्वेता सक्सेना, सोनल तिवारी, सुकांता मजूमदार, सुशील कुमार सोलंकी, तापस मित्रा और विशाखा कवठेकर, सदस्य, वास्तुकला परिषद, नई दिल्ली।

गैर सरकारी संगठन

विशाखा कवाठेकर, सदस्य, सोसाइटी फॉर हेरिटेज स्ट्रक्चर एंड कंज़र्वेशन, भोपाल, 16–अप्रैल–18 से 16–अप्रैल–18।

पुरस्कार और उपलब्धियाँ

अंतरराष्ट्रीय

शोमित बडे, छात्रवृत्ति, अंतर्राष्ट्रीय, इरास्मस + ग्लोबल मोबिलिटी प्रोग्राम, नोर्गेस टेक्निक–नेटुरविटेन्सकैपेलिज यूनिवर्सिटी – एनटीएनयू, ट्रॉन्डेम, नॉर्वे, 01–मई–17।

सौरभ तिवारी, डिजाइन हिस्ट्री सोसायटी के स्ट्रैटजिक रिसर्च ग्रांट 2017, डिजाइन हिस्ट्री सोसायटी, लंदन, 24–नवंबर –17, https://www.designhistorysociety.org।

नयना आर. सिंह, बेस्ट पेपर–आपदाएं और निर्मित पर्यावरण, निर्मित पर्यावरण में आपदा प्रतिरोध का अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका और वास्तुकला के संकाय के 10 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, मोरातुवा विश्वविद्यालय, श्रीलंका, 9–दिसंबर–17, http://www.emeraldgrouppublishing.com/ products/journals/news_story.htm?id=7727।

अजय खरे, आईसीएचआर–एएचआरसी ग्रांट 2017–18, आईसीएचआर नई दिल्ली, 15–फरवरी–2018, 5 लाख प्रति वर्ष।

राष्ट्रीय

संदीप संकट, वेनस इंटरनेशनल फैकल्टी आवार्ड, वेनस इंटरनेशनल फाउण्डेशन, चेन्नई, 8–जुलाई–17, http://vifa.info।

देवर्षि चौरासिया, भारत विकास पुरस्कार, स्वयं रिलायंस संस्थान (आईआरएस), भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत, 19–नवंबर –17, http://www.isrindia.com/isr/Default.aspx।

देवर्षि चौरासिया, भारत ज्योति पुरस्कार, इंडिया इंटरनेशनल फ्रेंडशिप सोसाइटी (आईआईएफएस), नई दिल्ली, भारत, 20–दिसंबर–17, http://www.iifsind.org.।

अजय कुमार विनोदिया, राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार, इंडिया इंटरनेशनल फ्रेंडशिप सोसाइटी, नई दिल्ली, 21–दिसंबर –17।

सुशील कुमार सोलंकी, बेस्ट रिसर्च पेपर अवॉर्ड, अमिटी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, 28–मार्च–18।

Annual Report

2017-18

School of Planning and Architecture

An Institute of National Importance, MHRD, Govt. of India
Neelbad Road, Bhauri, Bhopal (MP) – 462030

CONTENTS

S.No.	Information	Pages
01	Director's Foreword	01
02	Organization	02
03	Board of Governors	03
04	Finance Committee	04
05	Senate	05
06	Buildings & Works Committee	06
07	Institute functionaries	07
08	Faculty	08
09	Administrative Functionaries	11
10	Academic Programmes	13
11	Central Facilities	
	Library	15
	Graphics Laboratory	16
	Computer Center	17
	GIS Laboratory	17
	Architecture Workshop	19
12	Centers	
	Center for Human Centric Research (CHCR)	20
	Center for Cultural Knowledge System (CCKS)	21
13	Communication and Media Cell	23
14	Research and Consultancy Projects	24
15	Institutional Activities	26
16	Workshops/Special Lectures	30
17	Training & Placement Cell	33
18	Internal Complaints Committee	34
19	Student Activities	34
20	Studio Briefs	37
21	Study Tours	47
22	Contribution of Faculty Members	
	Publications	53
	Academic Event Participation	58
	Academic Panels	65
	Professional Panels	66
	Awards and Achievements	68
23	Annual Accounts	69

Director's Foreword

With a great sense of satisfaction and achievement, I am presenting the Ninth Annual Report (2017-18) of SPA Bhopal. Since its inception as School of National Importance in 2008 under the Parliament Act, SPA Bhopal has been striving hard to become a National and International institution of higher learning in Planning and Architecture.

Thanks to our committed faculty and innovative and creative students (numbering 645), we were able to achieve number five rank in the National Institute Ranking Framework. Our global connectivity increased through GIAN Programme and international tie-ups. Our regional and National Knowledge Connectivity increased through regional conservation and planning projects. SPA Bhopal has been sought after by various State Governments thanks to our faculty expertise in the field of planning, conservation universal design, vernacular architecture, etc. Though we have moved into our new campus the biggest one among all SPAs currently functioning in India, we are yet to complete our academic block, which is needed to expand our activities.

During this period, our students organised inter-SPA cultural and sports festival in which other SPAs participated and proudly created the 'brand SPA'. Our students won many national level awards, participated in national and international competitions. All these would not have been possible but for the committed faculty we have with us. Our faculty attended and presented in National and International seminars and came out with flying colours. Our faculty members are represented in the national committees and state committees in the field of planning and architecture and allied disciplines. All these progress would not have been possible but for the able guidance of our BOG Chairperson Dr. Bimal Patel, who believes in excellence and high quality. SPA Bhopal sincerely thanks the BOG, FC, BWC and Senate members for their support and setting high standards for us to achieve. We are aware that we need to cross many hurdles to reach our goals and we are trying hard to reach our goals, within a short time.

We are aware dedicated and united faculty and supportive and efficient administration along with creative and innovative students will take us to our desired goal soon.

Prof. Dr. N. Sridharan
Director

Organization

School of Planning and Architecture was established by the Government of India in the year 2008 and has been declared as an “Institute of National Importance” in December 2014 by an Act of Parliament.

The school is committed to producing best Architects and Planners for the Nation to take up the challenges of physical and socio-environmental development of global standards. This is being developed as ‘the University of Imagination’, where a sense of inquiry prevails amongst all stakeholders/students, researchers, professors and society at large. School of Planning and Architecture will strive for Social sustenance through Inclusive Planning, universal design, cultural sustenance through conservation and environmental sustenance through the discipline of Architecture, Planning and Design.

The Institute strives

To create School of Planning and Architecture, Bhopal as a centre of excellence for imparting quality education at undergraduate, postgraduate, doctoral and post-doctoral levels in Planning and Architecture.

To create a national level research and development centre with special emphasis on research and consultancy work in the field of Planning and Architecture.

To create a national level research and database centre and decision support centre for the preparation and implementation of settlement and habitat development programme for the Government.

To create the nodal centre for mentoring other architecture and spatial planning institution in the central region.

To create a cadre of high-calibre faculty members who will be devoted to teaching, research and consultancy in all disciplines that deal with Planning and Architecture.

To become a socially responsible institution providing research feedback to the Government and help in the spatial development of human settlements in India.

Board of Governors

Dr. Bimal H. Patel
Chairman

Prof. Dr. N. Sridharan
Director

Dr. Sukhbir Singh Sandhu
Additional Secretary (TE)
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Smt. Darshana M. Dabral
Joint Secretary & Financial Advisor
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Neeraj Mandloi
Joint Secretary
Ministry of Urban Development,
Govt. of India

Sanjay Bandopadhyaya
Principal Secretary (TE)
Govt. of Madhya Pradesh

Prof. Dr. Najamuddin
Secretary-General
Institute of Town Planners, India

Vijay Garg
Vice-President
Council of Architecture

Ashutosh Agarwal
AICTE Representative
New Delhi

Prof. Pushplata
Professor
Indian Institute of Technology, Roorkee

Prof. Dr. Ajay Khare
Department of Conservation

Prof. Dr. Binayak Choudhury
Department of Planning

Rajesh Moza
Secretary - BOG & Registrar

Finance Committee

Dr. Bimal H. Patel
Chairman

Prof. Dr. N. Sridharan
Director

Dr. Sukhbir Singh Sandhu
Additional Secretary (TE)
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Darshna M. Dabral
Joint Secretary & Financial Advisor
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Vijay Garg
Vice-President
Council of Architecture

Ashutosh Agarwal
AICTE Representative
New Delhi

Rajesh Moza
Secretary - FC & Registrar

Senate

Prof. Dr. N. Sridharan
Director
Chairman

Pramod Balakrishnan
Architect and Interior Designer, Chennai

Prof. A. Srivathsan
Academic Director
CEPT University, Ahmedabad

Sanjay Prakash
Architect
New Delhi

Champaka Rajgopal
Urban Designer
Bangalore

Shalini Sinha
Associate Professor
CEPT University, Ahmedabad

Prof. Dr. Ashok Kumar
Professor
Dept. of Physical Planning
SPA, Delhi

Satish Kumar Singla
Architect
Hisar, Haryana

Prof. (Mrs.) Pushplata
Professor
Indian Institute of Technology, Roorkee

Prof. Dr. Binayak Choudhury
Dean (Academic Affairs)

Prof. Dr. Rachna Khare
Dean (Research and Faculty Welfare)

Dr. Ajay Kumar Vinodia
Dean (Student Affair)

Piyush Hajela
Dean (Planning & Development)

Prof. Dr. Ajay Khare
Head, Department of Conservation

Prof. Dr. Sanjeev Singh
Head, Department of Architecture

Prof. Dr. N.R. Mandal
Head, Department of Urban &
Regional Planning

Dr. Sheuli Mitra
Head, Department of Environment Planning

Dr. Tapas Mitra
Head, Department of Urban Design

Dr. Sandeep Sankat
Associate Professor (Architecture)

Saurabh Popli
Associate Professor (Architecture)

Dr. Anand Wadwekar
Assistant Professor (Architecture)

Dr. Ashfaque Alam
Assistant Professor (Planning)

Rajesh Moza
Secretary - Senate & Registrar

Buildings & Works Committee

Prof. Dr. N. Sridharan
Director
Chairman

Dr. B. K. Bhadri
Assistant Educational Adviser (DL)
Department of Higher Education,
Ministry of Human Resource Development,
Govt. of India

Prof. Najamuddin
Secretary-General
Institute of Town Planners, India

Piyush Hajela
Dean (Planning & Development)

Superintending Engineer (Civil)
CPWD, Bhopal Circle

Superintending Engineer (Electrical)
CPWD, Bhopal Circle

Rajesh Moza
Secretary - BWC & Registrar

Institute Functionaries

Director	Prof. Dr. N. Sridharan
Dean - Academic Affairs	Prof. Dr. Binayak Choudury
Dean - Research & Faculty Welfare	Prof. Dr. Rachna Khare
Dean – Student Affairs	Dr. Ajay Kumar Vinodia
Dean - Planning & Development	Piyush Hajela
Head - Department of Conservation	Prof. Dr. Ajay Khare
Head - Department of Architecture	Prof. Dr. Sanjeev Singh
Head - Department of Landscape (Additional Charge)	Prof. Dr. Sanjeev Singh
Head – Department of Urban Design	Dr. Tapas Mitra
Head - Department of Urban and Regional Planning	Prof. Dr. Nikhil Ranjan Mandal
Head - Department of Environment Planning	Dr. Sheuli Mitra
Faculty-in-Charge	Dr. Devarshi Chaurasia
Faculty In-Charge (Library)	Sanmarga Mitra
Faculty In-Charge (Training & Placement)	Poonam Khan
Coordinator (Centre for Human Centric Research)	Prof. Dr. Rachna Khare
Coordinator (Centre for Cultural Knowledge System)	Dr. Vishakha Kawathekar
Coordinator (Centre for Geoinformatics)	Dr. Kshama Puntambekar
Warden (Boy's Hostel)	Dr. Devarshi Chaurasia
Warden (Girl's Hostel)	Dr. Rama Umesh Pandey
Assistant Wardens (Boy's Hostel)	Karna Sengupta
	Premjeet Das gupta
Assistant Wardens (Girl's Hostel)	Gayatri Nanda
	Brishbhanlali Raghuwanshi
Cultural Coordinators	Dr. Kshama Puntambekar
	Brishbhanlali Raghuwanshi
Alumni Coordinators	Dr. Devarshi Chaurasia
	Dr. Amit Chatterjee
	Nayana R. Singh
Sports Coordinators	Arvind Kumar Meel
	Sushil Kumar Solanki
	Apurv Shrivastava
	Brishbhanlali Raghuwanshi

Faculty

DEPARTMENT OF ARCHITECTURE

Name	*Specialisation*
Dr. Sanjeev Singh Professor	Architectural and Environmental Planning
Dr. Rachna Khare Professor	Architecture, Universal Design and Human Centric Studies in Architecture
Dr. Ajay Kumar Vinodia Associate Professor	Architecture and Infrastructure Development Planning
Dr. Sandeep Sankat Associate Professor	Architecture and Ekistics, Universal Design and Human Centered Design
Gaurav Singh Assistant Professor	Architecture and City Planning
Dr. Devarshi Chaurasia Assistant Professor	Architecture and Urban Planning with Emphasis on Transportation
Dr. Sukanta Majumdar Assistant Professor	Product Designing and Product Service System Designing
Sandeep Arora Assistant Professor	Sustainable Architecture
Sanmarga Mitra Assistant Professor	Architecture and Urban Planning
Parama Mitra Assistant Professor	Architecture and Urban Planning
Nayana R. Singh Assistant Professor	Architecture and Construction Management
Arvind Kumar Meel Assistant Professor	Architecture and Building Engineering and Management
Brishbhanlali Raghuwanshi Assistant Professor	Architecture, Vernacular Architecture and Traditional Knowledge System
Saurabh Tewari Assistant Professor	Basic Design, Visual Communication Design, History of Design and Architecture
Apurv Shrivastava Assistant Professor	Advanced Construction Management
Shweta Saxena Assistant Professor	Architecture, Energy and Environmental Design
Sushil Kumar Solanki Assistant Professor	Architecture, Design and Construction Management

Ashish Patil Assistant Professor	Visual Arts
Poonam Khan Assistant Professor	Architecture Pedagogy

DEPARTMENT OF CONSERVATION

Name	*Specialisation*
Dr. Ajay Khare Professor	History of Architecture, Urban Design and Conservation
Dr. Vishakha Kawathekar Assistant Professor	Architectural Conservation
Ramesh P. Bhole Assistant Professor	Architectural Conservation
Shweta Vardia Assistant Professor	Conservation Practices and Traditional Materials, History and Settlement Study

DEPARTMENT OF LANDSCAPE

Name	*Specialisation*
Dr. Sanjeev Singh Professor	Architectural and Environmental Planning
Saurabh Popli Associate Professor	Landscape Architecture
Sonal Tiwari Assistant Professor	Architecture and Landscape Architecture

DEPARTMENT OF URBAN DESIGN

Name	*Specialisation*
Dr. Tapas Mitra Associate Professor	Design Theory and Urban Studies
Piyush Hajela Associate Professor	Architecture and Urban Design
Dr. Anand Jayant Wadwekar Assistant Professor	Architecture and Urban Design
Gayatri Nanda Assistant Professor	Architecture and Urban Design
Karna Sengupta Assistant Professor	Architecture and Urban Design

DEPARTMENT OF ENVIRONMENT PLANNING

Name	*Specialisation*
Dr. Sheuli Mitra Associate Professor	Urban Infrastructure and Transport Facilities Planning, Real Estate Management
Dr. Rama Umesh Pandey Assistant Professor	Environmental Planning, Climate Change and Ecosystem Services
Garima Srivastava Assistant Professor	Natural Resource Management, Rural Planning and Environmental Planning
Govind MP Assistant Professor	Environmental Planning, Urban Infrastructure Planning
Bade Shomit Dilip Assistant Professor	Environmental Planning & Sustainable Development

DEPARTMENT OF URBAN AND REGIONAL PLANNING

Name	*Specialisation*
Dr. Binayak Choudhury Professor	Urban and Regional Economics, Regional Analysis, Government and Finance, Quantitative Methods
Dr. Nikhil Ranjan Mandal Professor	Urban Planning
Dr. Sheuli Mitra Associate Professor	Urban Infrastructure and Transport Facilities Planning, Real Estate Management
Dr. Kshama Puntambekar Assistant Professor	Urban Planning, Land Use and Travel Behavior, Biodiversity and Urban Planning
Dr. Ashfaque Alam Assistant Professor	Urban and Regional Planning, Urban Governance, Urban Development
Dr. Arti Jaiswal Assistant Professor	Housing and Real Estate Planning, Solid Waste Management
Dr. Amit Chatterjee Assistant Professor	Urban and Regional Planning, Metropolitan Planning and Development
Paulose N.K. Assistant Professor Premjeet Das Gupta Assistant Professor	Transport Planning, Regional Planning, Urban Infrastructure and Management, GIS Transportation Planning, Urban Governance
Gaurav Vaidya Assistant Professor	Urban Infrastructure Planning
Dr. Kakoli Saha Assistant Professor	Application of GIS & Remote Sensing in Spatial Planning

Administrative Functionaries

Name	*Designation*
Prof. Dr. N. Sridharan	Director
Rajesh Moza	Registrar
Shaju Varghese	Dy. Registrar (Finance & Accounts)
Rajendra Kumar Jena	Assistant Librarian
Manish Vinayak Zokarkar	Assistant Registrar (Academics)
Amit Khare	Assistant Registrar (Administration)
Deepali Bagchi	Assistant Registrar (Stores & Purchase)
Anand Kishor Singh	Section Officer (Administration)
Ram Prakash Yadav	Section Officer (Stores & Purchase)
Praveen Jaiswal	Section Officer (Finance & Accounts)
Sarita Panwar (till 31.10.2017)	Section Officer (Academics)
Pavan Singh Rathore	Estate cum Security Officer
Maqsood Alam Ansari	Asst. Engineer cum Project Officer
Vaishali Hedaoo	Private Secretary
Pratibha Singh	Multi Skill Assistant
Abhinav Shrivastava	Junior Superintendent
Dr. Pramod Dubey	Junior Superintendent
Aliya Ali	Personal Assistant
Vivekanand Singh	Multi Skill Assistant
Prerana Jain	Accountant
Kush Shrivastava	Accountant
Dhan Bahadur Poon	Junior Superintendent
Yogendra Joshi	Junior Engineer (Civil)
Chandra Shekhar Gupta	Junior Engineer (Electrical)
Pradeep Hedaoo	Multi Skill Assistant
Ramendra Singh Sisodiya	Multi Skill Assistant
Naveen Kumar Bidare	Multi Skill Assistant
Sista Srinivasa Rao	Personal Assistant
Dilip Rangare	Junior Superintendent
Nisha Nair	Accountant

Mamta Solanki	Nursing Assistant
Priya Jain	Nursing Assistant
Mukesh Kumar Upadhyay	Assistant Sports Officer
Sunil Kumar Jaiswal	Hindi Assistant
Ankit Chourasia	Workshop/ Studio Assistant
Tarak Nath Saha	Jr. Assistant
Swati Bilaiya	Jr. Assistant
Swapnil Lowanshi	Jr. Assistant
Sujeet Kumar Bairagi	Jr. Assistant
Ram Singh Yadav	Technical Assistant
Neha Tiwari	Technical Assistant
Amit Kumar Bansal	Technical Assistant
Gireesh Prasad Sati	Jr. Assistant
Bindu Suresh	Jr. Assistant
Kamlesh Chaure	Technical Assistant
Jitendra Kumar	Technical Assistant
Ashok Kumar Mishra	Library Assistant
Subhash Sharma	Library Assistant
Dr. Ripan Ranjan Biswas	Library Assistant
Renu Pathak	Library Assistant
Jitendra Billore	Jr. Assistant
Gopal Digambar Sali	Jr. Assistant
Pushpendra Singh	Jr. Assistant
Ghanshyam Rai	Jr. Assistant
Sujeet Kumar Singh	Hostel Assistant/ Hostel Caretaker
Manisha	Hostel Assistant/ Hostel Caretaker
Manish Namdev	Lab Attendant

Academic Programmes

Academic Year: Odd Semester: July – December, Even Semester : January – May
The system of Examination: Semester System

GRADUATE PROGRAMME

Bachelor of Architecture: Admission procedure for Bachelor of Architecture Programme through Joint Entrance Exam (JEE Mains) conducted by CBSE in April.
Eligibility: 12th standard Sr. School Certificate of CBSE/State Board or equivalent securing 50% aggregate with Maths.
Course Duration: 5 years Seats 75

Bachelor of Planning: Admission procedure for Bachelor of Planning Programme through Joint Entrance Exam (JEE Mains) conducted by CBSE in April.

Eligibility: 12th standard Sr. School Certificate of CBSE/State Board or equivalent securing 50% aggregate with Maths.
Course Duration: 4 years Seats 30

POSTGRADUATE PROGRAMMES

Master of Architecture: Admission procedure for Master of Architecture Programme through written test & personal Interview conducted by Institute.

Existing Courses:
Master of Architecture (Conservation) Seats 20
Master of Architecture (Landscape) Seats 20
Master of Architecture (Urban Design) Seats 20

Eligibility: B. Arch. with 55% aggregate marks or B. Plan with one year experience and 55% aggregate marks.
Course Duration: 2 years.

Master of Planning: Admission procedure for Master of Planning Programme through written test & personal Interview conducted by Institute.

Existing Courses:
Master of Planning (Environmental Planning) Seats: 20
Master of Planning (Urban & Regional Planning) Seats: 20

Eligibility: B.Arch./ B.Plan./ B.E./ B.Tech. in Civil Engineering/ M.Sc./ M.A. in Geography/ Economics/ Sociology with 55% aggregate marks.

Course Duration: 2 years

DOCTORATE DEGREE

Seats: 10 per year
The school offers a Doctoral programme in the fields of Architecture and Planning.

Eligibility: Master's Degree in Architecture/ Planning/ Technology/ Design disciplines or equivalent degree with minimum 60% marks (55% for SC/ST/PWD) OR B.Arch./ B.Plan. Degree with minimum 60% marks (55% for SC/ST/PWD), minimum five years of professional experience and at least one publication in Journal/ Conference proceedings.

RESERVED SEATS (SUPERNUMERARY)

DASA scheme (Direct Admission of Students abroad) institute also takes admission in UG and PG Programme through DASA Scheme of MHRD Government of India.

Kashmiri Migrants.

Wards/ dependents of the Defense/ Paramilitary personnel killed or permanently disabled in action during or peacetime operations (DS category) for preferential allotment of courses.

Academic Programmes

Under Graduate Programmes	**Annual Intake**
Bachelor's Degree Course in Architecture (Five Years)	75
Bachelor's Degree Course in Planning (Four Years)	30
Post Graduate Programmes (Two Years programmes)	
Master of Architecture (Conservation)	20
Master of Architecture (Landscape)	20
Master of Architecture (Urban Design)	20
Master of Planning (Environmental Planning)	20
Master of Planning (Urban & Regional Planning)	20
Doctoral Programme in Architecture and Planning	
Total enrolled students upto session 2017-18	39
Total Number of Students As on 31.03.2018	**645**

Central Facilities

LIBRARY

The institute library serves as a creative and innovative partner to support the teaching, learning and research activities of the institute. Its main objective is to meet the rising expectations of the student community by providing unparalleled services that advance the institute's mission to create new knowledge. This is one of the vital organs of the institute to meet the mission of academic excellence. It also acts as an indispensable unit of the institute to bring an innovative and dynamic educational change in partnership with the institute's faculty, student and staff.

Library houses quite a good number of print and electronic resources in the field of Architecture and Planning. The books are arranged subject wise for easy and quick access. Open access system has been adopted to ensure more freedom to the users and reduce the gap between the user and the collection. Experienced, cooperative and professionally trained library staffs are employed for systematic organisation of the library documents as well as to maximise their usage. The library has around 850 users which include students, research scholars, faculty and staff.

Library Collection

The library has a rich collection especially in the field of architecture and planning. The library collection includes books (textbooks, reference books, reports, conference proceedings, CD-ROMs, etc.), journals, dissertations, online databases:-

Books: The library has a total collection of around 11000 books (9000 titles) which covers different sub-areas of Architecture (6900 books) and Planning (4100 books) like architectural structure, history of architecture, public structures, religious & residential buildings, building construction, structural engineering, landscape architecture, interior design & decoration, decorative arts, urban & regional planning, construction management, economics, sustainable development, drawings, paintings, classics, etc.

Journals & Bound Volumes: Library subscribes 100 current journals (39 national and 61 international). It includes 50 journals which can be accessed online throughout the campus. Besides, the current journals the library has around 1265 bound volumes. Procurement of journal archives of the highly used journals is under process.

Theses and Dissertations: Library has 765 dissertations and theses, which includes B Arch (336), B Plan (149), M Arch (142), M Plan (128), and PhD (5). Full-text access to all of them is available within campus network through DRS (Digital Repository Service) developed by the library.

Databases: Institute Library subscribes two international databases i.e. Avery Index to Architectural Periodicals (Bibliographic) and Proquest Dissertations & Theses (Full text) and two socio-economic databases i.e. indiastat.com & districtsofindia.com.

The library is also a member of E-Shodh Sindhu Consortium (funded by MHRD) and getting access to JSTOR, World Ebook Library, South Asia Archive and Shodhganga.

Anti Plagiarism Software: Library also subscribes an anti-plagiarism software Turnitin Feedback Studio to maintain the quality of in-house research dissertations and theses.

Library Automation and IT Applications: Library services and housekeeping operations are automated with the help of library management software. Detail information about the library collections and services is available on its webpage (http://www.spabhopal.ac.in/#Library) and updated regularly. The library catalogue is available online throughout the whole academic campus. Newly acquired books and journals are being added to the database on an immediate basis. Library adheres to the principle of continuous improvement and to prove itself as an innovative, effective and efficient unit in the institute. Simultaneously, there is a continuous effort by the library to serve its user community efficiently and innovatively.

GRAPHICS LABORATORY

Today, there are many types of software that aid the multi-faceted profession of Architecture and Planning. The institute has two fully equipped labs with more than 75 Computers. Each lab aims to equip and update the students with knowledge & practice of relevant and latest Software, so that they can use these tools towards design development and implementation related drawings and documents. Graphics lab is well facilitated for the regular Classes like CAD Classes, Sketch-up Classes and Computer Application Classes with supports of faculty and staff members. Also, the lab is used for the seminar presentations of the student and taking examinations of the CAAD lab, which is the part of student academics.

The computers are installed with a wide range of software essential for the profession of architecture and planning, such as Autodesk (3ds Max, AutoCAD, Revit, Inventor), graphics software, Corel Draw, Adobe Photoshop, Creative Cloud and other 2-d/3-d image rendering software. All the computers in the lab are provided with internet facility. The broadband and wireless connection facilities provide continuous internet access in the lab. Owing to our highly qualified computer administrators, technical support is always available to faculty, staff and students on a one-to-one basis as well as in the form of occasionally organised training sessions on general computer literacy and internet browsing. Uninterrupted high-speed (1 Gbps) internet Wi-Fi/cable access is available throughout the institute building.

The well-qualified lab staff manages ERP and web-based applications and Software. To facilitate sharing of educational material, research, services, and library facilities with other institutes in the country, NKN provides high-performance computing facilities, e-Libraries, virtual classrooms and a collection of a large database. The NKN will enable scientists, researchers and students from different backgrounds and diverse geographic locations to work closely for advancing human development in critical and emerging areas.

Faculty In-charge: Head of Department of Architecture

COMPUTER CENTER

Network: The Computer Center / Data Center of SPA Bhopal provides INTERNET support to Graphics Lab, GIS Lab, library, studios, hostels, faculty and staff terminals. There are more than 1000 users. High-speed (1 GBPS) INTERNET Wi-Fi/cable access is available throughout the institute campus. This facility is offered by National Knowledge Network (NKN) - National Informatics Center (NIC) Bhopal and also through a dedicated standby arrangement of 100mbps Internet speed from RAILTEL Corporation of India Ltd. NKN facilitates sharing of educational material, research, services, and library facilities with other institutes in the country, NKN provides high-performance computing facilities, e-libraries, virtual classrooms and a collection of large database, all of which provide state-of-art access to educational material at SPA Bhopal, In addition, technical support is provided to students, faculty and staff of the institute. Computer centre staff manages Web-based email access, website maintenance and network related issues including the provision of technical support for hardware and software.

Security: Institute network has the facility of the firewall to control unethical activities in the network & institute-wide policy for users, staff & faculty. Wireless Networks–provides high-speed connectivity to hostels, academic buildings & offices with the help of latest technology. High-speed connectivity is provided to graphics Lab & GIS Lab for data.

Server: A high-end Blade server is used for fast processing of data & applications. Dedicated Libsys software is used for institute library for online catalogue and seamless search on a separate server. Accounts department of the institute uses Payroll software on a dedicated server, using Saral and Tally software.

Web-space & Email services: The Institute is hosting its own internal and external DNS server. Computer centre also maintained web space to host Institute website and other related web content. The institute provides the email services to Faculty and Staff with Google G Suite using its Domain server.

Feedback & Complaint portal: There is a feedback mechanism developed for the improvement of quality and services provided to the students. The feedback web portal is used by the students to give the semester wise faculty feedback. This web portal envisages for better students and faculty interaction and improvement in the quality of services. This service also provides access to submit complaint related to the infrastructure, electric and IT services facilities provided to the student in the SPA campus.

GIS LABORATORY

Remote Sensing and GIS are a part of the syllabus both for the students of Planning and Architecture. As a part of the course contents, the students are required to learn various related aspects of the subject, such as software with hands-on practice to undertake academic projects.

Purpose of the Lab: This laboratory provides Remote Sensing, GIS, and 3D Modeling resources useful for the students to prepare maps, analyse and query the spatial/geographic data. It is equipped with high-end hardware, latest software, high-resolution satellite data and vector data.

Human Resource:

Dr. Kshama Puntambekar, Faculty GIS Lab Incharge
Dr. Pramod Dubey, Jr. Superintendent (GIS)
Amit Kumar Bansal, Technical Assistant (GIS)
Jitendra Kumar, Technical Assistant (GIS)

GIS Laboratory Resources: Following are the resources (hardware, software and data) at the lab:

	Item	Quantity
Hardware	Work Station (HPZ800,DELL, PRECISION 17600)	18
	Monitors	21
	Colour A3 Printer and Scanner	01
	Topo Mouse(16 Button)	01
	3D Googles(NVIDIA)	02
	Graphic Card(FX 1800 NVIDA)	02
	Handy Cam(Sony)	02
	GPS(Trimble)	05
	DGPS(Trimble,Leica)	02
Software	Arc GIS -10.4	20 User Licenses
	Arc GIS Server-10.4	1 Licenses
	ERDAS Imagine -2016	10 User Licenses
	IRDISI TAIGA-16.5	15 User Licenses
	Leica Photogrammetric Suites(LPS)-2016	05 User Licenses
Satellite	LISS-III&IV MX,CARTOSAT-I,&II, STEREO CARTOSAT-I, WORLD VIEW-2	07 Cities (Bhopal, Indore,Ujjain,Dewas, Jabalpur, Gwalior,Thimphu)Bhopal, Ashapuri,Sanchi

Training Programmes: A Four-day Training Programme Conducted on Leica Photogrammetry Suite from 2nd to 5th January 2018 for Faculty, Staff and Professionals.

Consultancy Projects (Technical Support)

- Safe Community mapping for a different area of Bhopal city. (Completed)
- Topography survey for SAMARPAN RESOURCE CENTRE BHOPAL using DGPS. (Completed)
- A Study to Develop Appropriate Housing Design Alternatives for the Geo-Climatic Region covering the States of Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Inland Maharashtra.
- Climate Informed Environmental Planning for Smart Cities of Madhya Pradesh.
- Shyama Prasad Mukharji Urban Mission for Seven clusters of Madhya Pradesh.
- Universal Design Innovation for Heritage funded by Ministry of Human Resource Development, Govt. of India.

Academic Projects in GIS : Studio Exercise in which the GIS Lab is involved across the courses.

	Year	**2017**
Bachelor of planning	Reg. Plan Preparation	Udupi
	Development Plan Preparation	Sagar, APCR
Master of Planning (Urban and Regional Planning)	Reg. Plan Preparation	Ujjain
	Development Plan Preparation	Satna
Master of Planning (Environmental Planning)	Reg. Plan Preparation	Jabalpur
	Development Plan Preparation	Ajmer, Pushkar
Master of Architecture (Urban Design , Landscape Architecture , Conservation)	MUD	Studio Exercise
	MLA	Studio Exercise
	MCO	Studio Exercise

ARCHITECTURE WORKSHOP

Workshop at SPA Bhopal is a place of learning by making. It is an area where intense investigation, ongoing discourse, prototypes, and models are used to explore ideas through physical form. Students build things here to understand their work better; work that they recognize as being specific to their objectives and to a particular place and time. They improve their skill of model-making and produce models of their design projects to communicate their ideas and generating dialogue. This practice inspires the students to pursue design critically, insightfully, and imaginatively with exceptional depth breadth and ambition. It creates a framework that guides their work in ways that respond to the unique conditions of every context and the individuality of each task. Through this methodology, they arrive at strategic, clear, and mutually understood concepts within their team or with mentors and resolve each project to a high level of detail.

Architectural Workshop at SPAB is 280 sq.mt. Light filled, well ventilated & Air Conditioned workspace for architecture students to help develop their three-dimensional visual perceptions. The workshop has dedicated spaces, machinery and technologies for working with a broad range of tools and materials. The students learn proper use of instruments, equipment and machines, different techniques used in model making, selection of equipment according to need of design project, and use of various materials like wood, MDF, polystyrene, forex, acrylic, clay, plaster-of-paris, paper and metal. Architectural workshop practice course in curriculum refers to a series of operations done regularly. These transactions include digital prototyping, carpentry, colour processing and finishing, plaster and metal work.

To use the workshop the students attend an induction session and workshop practice course. The induction clarifies what one can expect from the seminar, familiarises with the health and safety codes, and make them aware of the basic functions of equipment and available tools. Workshop Practice gives the basic working knowledge required for building projects; it explains function, use and application of different working tools equipment, machines as well as the technique used in various operations on raw material and selection of equipment according to the project. It helps students to acquire measuring skills, marking, punching, saw cutting, drilling, fitting practice etc. and importantly general safety precaution which student should take while working in the workshop.

Centres

CENTRE FOR HUMAN CENTRIC RESEARCH (CHCR)

The multidisciplinary 'Center for Human Centric Research' housed at SPA-Bhopal work in consonance with the ethos of SPAB charter regarding 'Social Sustenance'. The objective of CHCR is to build a research-based body of knowledge with all realms of the ethnographic, qualitative and quantitative experimental paradigms, to support diverse human population otherwise marginalized in the past design practices; The centre practices 'equity by design' to include vulnerable populations like persons with disabilities, elderly, and social and ethnic minorities. To attain its objective, the centre functions in four major areas, 'Identification of Research Priority Areas and networking', 'Education and Training', Research and Design Development' and 'Dissemination'; The centre has published a special issue "Social Sustenance by Social Equity' of SPANDREL, and international refereed journal. Other publications include a calendar of Universal Design India Principles, two special issues on its activities by 'Design for all Institute of India' and a book 'uniting Differences'' The centre regularly organised special lectures, workshops, public exhibitions, student competitions and awareness campaigns on the concerning areas at national and international level. The centre was conferred upon NCPEDP-Universal Design Awards thrice in 2012 and 2013 at the National level, given by Ministry of Social Justice and Empowerment.

Some of the events organised in 2017-18 are as follows;

DIC Studios: The faculty team of CHCR is working for the prestigious Design Innovation Center, DIC project of Ministry of Human Resource Development. The project titled “Universal Design Innovation for Heritage” is focused on developing an innovative application and a Web-based application to provide information on accessibility and safety at heritage sites. The whole exercise has been integrated in the regular semester academic activities for the session 2017-18 as mentioned below;

Integration of DIC project theme in regular semester academics/activities in Session 2017-18			
	Academic Activities-DIC project-Universal Design	Detail	Time
	Elective-II BARC-0906	B.Arch. 5th Year Elective- Barrier-free Environment: Universal Design Standard Innovation	July-November 2017
	CHCR-0101 Common Pool Elective for all PG (Arch. and Planning) students	Elective Enabling Environments	July-November 2017

Prof. Rachna Khare and Dr. Sandeep Sankat have been added as a member of the Empowered Committee for the evaluation of the inception report and DPR of Centers of Disability Sports at Gwalior, Zearakpur and Vijayawada. The projects to be undertaken by the Department of Empowerment of Persons with Disabilities, Ministry of Social Justice and Empowerment, New Delhi. Rachna Khare, Supported and independent living for Adults with Autism, National Conference on Autism, Vigyan Bhavan, Delhi, Organized by National Trust, Ministry of Social Justice and Empowerment, 3rd April 2017.

Prof. Rachna Khare and Dr. Sandeep Sankat were invited as speaker and panellist in the one-day seminar on “Inclusive India and Self Advocacy organised by National Trust, for the Welfare of persons with Autism, Cerebral Palsy, Mental retardation and Multiple disabilities on 10th Feb. 2018 in Bhopal. Dr. Rachna Khare delivered her lecture on “Designing Inclusive Educational Spaces for Children with Developmental Disabilities”, and Dr. Sandeep Sankat presented on the topic, “Appropriate Built Environment for Elderly and Divyangjan”.

To disseminate the knowledge of Universal Design and Universal Accessibility Dr. Sandeep Sankat was invited as a panellist for a session on Built Environment of the National Conference on Improving Accessibility on 19th Jan 2018, organized by the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan) at Vigyan Bhawan, Delhi for the launching of accessible websites.

The AMITY School of Architecture and Planning, Gwalior invited Dr. Sandeep Sankat to be the Keynote Speaker for the “National Seminar on Emerging Trends in Sustainable Urban Development” and to deliver a presentation on the topic "Universal design and Sugamya Bharat Abhiyaan in India " on 28th March 2017, for the wide publicity of the concept of Universal Design and Accessibility.

CENTRE FOR CULTURAL KNOWLEDGE SYSTEM (CCKS)

Center for Cultural Knowledge Systems (CCKS) is a centre of excellence for imparting quality education in the area of heritage protection and conservation with database centre and striving to become a socially responsible institution CCKS providing research for building conservation to promote and practice conservation inclusive of social and cultural sustenance. CCKS maintain an equal emphasis on the theoretical understanding of the conceptual and philosophical frameworks and practice of conservation including intervention and its implications at various levels. CCKS encourages innovative methodologies for undertaking conservation in the multi-disciplinary field of cultural resources in India and provides technical guidance and leadership.
The Activities conducted this include:

Projects

Architectural Documentation of Historic structures in Rajasthan :

Rajasthan State Hotels Corporation Ltd. awarded the project to SPA, Bhopal for documenting two historic structures in Jaipur and Udaipur Rajasthan. They were Khasa Kothi Jaipur and Anand Bhawan Udaipur. SPA Bhopal had prepared a report which included a write-up on the history of the structure; it's measured drawing, condition assessment, values, significance, construction details and proposals regarding suggested levels of interventions on the structure.

Heritage Impact Assessment:

Heritage Impact Assessment at Rahatgarh, Distt. Sagar was prepared for evaluating the Impact of the proposed extension to the existing Water Treatment Plant by Urban Administration and Development Department, Madhya Pradesh, on the outer fortification of Rahatgarh Fort. The monument of Rahatgarh fort is of National importance and is protected by Archaeological Survey of India (ASI). In this project SPA, Bhopal has prepared an HIA report assessing the impact of the proposed extension to existing water treatment plant which consists of Clariflocculator, Sand filter tank, and Sump. The report evaluated the impacts to the fort during the construction activity and its operational life. Recommendations included mitigation measures for its adverse impacts during construction on the heritage and its visual impact observed by the visitor of the historical settings.

Adaptive Reuse for Qudasia Mahal Bhopal

An Adaptive reuse plan for the Qudasia Mahal is being prepared for The Sant Ravidas MP Hasthshilp and Hathkargha Nigam Bhopal (MPHEHVN). The Proposal needs to incorporate the premises to be used as a dormitory for 40 artisans who visit the Gohar Mahal Exhibition during meal times. The tasks of preparing measured drawings of the palace and the feasibility of various spaces to be used for dormitory is complete. An interim report has already been submitted to the MPHEHVN. The task of preparing services drawing and tender document in under progress.

Communication and Media Cell

Website-cum- media committee – this committee has been constituted on 4th August 2017.

- The new design of the SPA Bhopal Website – Proposal of the Director to create a new user-friendly website for the School of Planning and Architecture, Bhopal has been drafted.
- New Web policy – the committee has proposed a content contribution, moderation and approval policy, content review policy, and content archival policy.
- Pre-web upload form – The upload form related to academic and administrate works like uploading of tender form, recruitment form, and other policy documents.
- In-house hosting of existing website – The institute has configured a new web and domain server to host the website and different sub-domains.
- Creation of SPA Bhopal website for 4th convocation by uploading detail programme and photographs of the event.
- Live streaming for major programmes and activities of SPA Bhopal has been done.
- We have started institutional information in social media (Facebook, Twitter, etc.).
- Recruitment Portal for Academic and Non-Academic staff – the committee facilitated online portal to ease the recruitment process.
- Created JET (Joint Entrance Test) Portal for PG and PhD applicants – The institute has hosted and managed joint entrance test for SPA, Bhopal and SPA, Vijayawada for admission in different Post Graduate and PhD programmes.
- Creation and sending of information on Guidelines for Indian Government Website to the Ministry of Human Resource Development, Government of India.

Research and Consultancy Projects

The SPA Act of 2014, defines the role of the SPA's to promote education and research in architectural studies including planning of human settlements. The Act defines the powers and functions vested with the school and includes organising and undertaking research and innovations in architecture, planning, and allied activities in such manner as the School may think fit, including in collaboration or association with any other School, educational institution, research organisation or body corporate. It further specifies the power to undertake consultancy in the areas and disciplines relating to the School for the promotion of its common objectives.

In this context, the School considers sponsored research and consultancy projects an important means of extending the benefit of the research and development undertaken by the School to sponsoring agencies and industry and contributing to the country's growth and development. Appropriate research and consultancy projects, in addition to providing valuable service to the government and industry, also benefit the faculty members and institute in several ways. They enrich the professional experience and knowledge of faculty members, keeping them abreast with the current problems and emerging areas of the profession and striving to provide innovations in processes and solutions, which in turn helps in designing and aligning the academic curriculum with the needs of the day. The school thus evolves as a centre harbouring a diverse talent pool in its faculty and students, who lead the profession and disseminate best practices for the wider good of society at large.

SPA, Bhopal since its inception in 2008, has established itself as an institute of repute and has been imparting quality education in undergraduate, postgraduate and doctoral programmes of both Architecture and Planning disciplines. It has also been undertaking research and consultancy works and has developed in some domains significantly. The projects undertaken in the year 2017-18 are listed below:

LIST OF RESEARCH AND CONSULTANCY PROJECTS

(From April 2017 to March 2018)

1. Project Name: Conservation of Qudasia Mahal, Gohar Mahal, Bhopal.
   Client / Sponsor: Sant Ravidas M.P Handicraft and Handloom Development Corporation Ltd,
   Principal Investigator: Ar. Ramesh Bhole.
   Team Members: Mr. Sushil Kumar Solanki.
   Duration: May 2017.
   Status: Ongoing.

2. Project Name: Safety Audit for All India Institute of Medical Sciences, Bhopal.
   Client / Sponsor: All India Institute of Medical Sciences, Bhopal.
   Principal Investigator: Dr. Ajay Vinodia.
   Team Members: Mr. Sushil Kumar Solanki.
   Duration: May 2017.
   Status: Ongoing.

3. Project Name: HIA - Evaluating Impact of Proposed Water Tank on Rahatgarh Fort, Sagar
   Client / Sponsor: Nagar Parishad Rahatgarh, Sagar.

Principal Investigator: Dr. Vishakha Kawathekar.
Team Members: Prof Ajay Khare, Ar. Ramesh Bhole, Mr. Gaurav Vaidya, Mr. Ankit Kumar.
Duration: May 2017.
Status: Ongoing.

4. Project Name: Measurement of Land and Building of Hotel Khasa Kothi, Jaipur and Hotel Annand Bhavan, Udaipur.
   Client / Sponsor: Rajasthan State Hotels Corporation Limited.
   Principal Investigator: Dr. Vishakha Kawathekar.
   Team Members: Prof Ajay Khare, Ar. Ramesh Bhole, Mr. Ankit Kumar.
   Duration: August, 2017.
   Status: Ongoing.

5. Project Name: Pilot Study for Preparation of Gram Panchayat Spatial Development Plan (Barkheda Salam Gram Panchayat, Bhopal District).
   Client / Sponsor: MoPR, Govt. of India, through NIRD.
   Principal Investigator: Prof. N. Sridharan.
   Team Members: Dr. Kshama Puntambekar, Mr. Premjeet Dasgupta.
   Duration: October, 2017.
   Status: Completed.

6. Project Name: Preparation of Development Plan for Jhansi Cantonment Area.
   Client / Sponsor: Jhansi Cantt Board.
   Principal Investigator: Dr. Amit Chatterjee.
   Team Members: Prof. N.R Mandal, Dr. Binayak Choudhury, Ar. Premjeet Dasgupta, Mr. Gaurav Vaidya, Mr. Paulose NK, Dr. Kakoli Saha, Dr. Ashfaque Alam, Ar. Karna Sengupta
   Duration: February, 2018, (MoU signed by SPA, Bhopal).
   Status: Ongoing.

7. Project Name: Tamil Temple Towns: Conservation and Contestation.
   Client / Sponsor: ICHR-AHRC.
   Principal Investigator: Prof. Ajay Khare.
   Team Members: Ar. Gayatri Nanda.
   Duration: February, 2018.
   Status: Ongoing.

8. Project Name: Survey of Vidharbha Site: Mansar and Bhivekund for ERC project Boundaries: Religion, Region, Language and the State.
   Client / Sponsor: British Museum, London, UK.
   Principal Investigator: Dr. Vishakha Kawathekar.
   Duration: February 2018 (MoU signed by SPA, Bhopal)
   Status: Ongoing

Institutional Activities

FOURTH CONVOCATION

School of Planning and Architecture (SPA), Bhopal, a premier institute in Architecture and Planning in Central India, celebrated its fourth convocation at auditorium of Indian Institute of Science Education and Research (IISER), Bhopal on October 14, 2017 in a befitting manner.

The ceremony began with the SPA, Bhopal Anthem followed by the formal opening of the convocation by

Prof. Aniket Bhagwat, an eminent Architect and distinguished educationist. Prof. Dr. N. Sridharan, Director, SPA, Bhopal delivered the welcome address and read out the Director's Report. He highlighted the remarkable achievements accomplished by the students and faculty of SPA, Bhopal during the last academic year. He shared the laid down agenda for the coming years, which would take SPA Bhopal to further heights. He also gave a pen picture of various infrastructure projects that are being undertaken and are proposed for the future implementation, in SPA, Bhopal.

In all, 176 students across Undergraduate, Postgraduate and PhD programmes were conferred with their respective graduation certificates. One student from each of the two Bachelors and five Masters' programme were awarded gold medals for academic proficiency. Ms. Bahar Shrivastava and Mr. Aman Singh Rajput, were awarded Gold Medal for Bachelor's program in Architecture and Planning respectively. Ms. Suryagayathri G, Mr. Saikat Bhattacharjee, Ms. Madhura Milind Kulkarni, Ms. Mrunmayi Jogdand and Mr. Gaurab Das Mahapatra were awarded the Gold medal for Masters' in Conservation, Landscape, Urban Design, Environmental Planning and Urban and Regional Planning, respectively.Ms.Bahar Shrivastava, and Mr. Gaurab Das Mahapatra, topper of Bachelor of Architecture and Master of Planning (Urban and Regional Planning) programme respectively, were awarded the Chairperson's Gold Medal for all-around performance.

Mr. Ashfaque Alam, Assistant Professor, Department of Planning, SPA, Bhopal, Ms. Prashanti Rao, Assistant Professor (Contractual), Department of Planning, SPA, Bhopal and Ms. Manju Baisoya Pundir, Practicing Architect, Dubai were conferred with Doctoral degrees.

FOUNDATION DAY LECTURE

The Foundation Day Lecture 2017 was delivered by **Padma Shri Prof. Anil Kumar Gupta** on 10th November, 2017. Prof. Gupta is the Coordinator of SRISTI, Founder of Honey Bee Network and Executive Vice Chair of National Innovation Foundation. The program commencd with Lamp Lighting followed by Prof. Gupta's

lecture on “Meeting The Unmet Social Needs: Challenges, Contradictions And Creative Responses”. The audience were given deep insights on how even small yet creative interventions in design can make big changes for improvement. The program ended on a high note with the cultural evening. The students performed various art forms like Bharatanatyam, Kathak, Mohiniattam and Marathi folk dance.

INDEPENDENCE DAY

SPA Bhopal celebrated 71st Independence Day of the nation on 15th August 2017 at the Institute’s campus. Prof. Dr. N. Sridharan, the Director, hosted the national flag followed by the national anthem. Director shared his valuable speech on the occasion. This celebration was attended by the faculty, staff and the student in a large number. Students presented the dance and music performances.

INTERNATIONAL DAY OF YOGA

SPA, Bhopal celebrated International Day of Yoga with great zeal, enthusiasm and fitness fervour from 19th to 21stJune 2017. Yogic exercises were performed by the experts of Vivekananda Yoga Kendra Bhopal on 19th& 20th and all the students, faculty members and Staff actively participated in this camp. On 21st Special lecture on yoga highlighting the importance of yoga in life, poster presentation on the theme of Yoga and slogan competition was organised.

HINDI PAKHWADA

The institute celebrated “Hindi Pakhwada” from 15th to 28th Sep 2017 in the campus. Like every year, “Hindi Pakhwada” was organised to create awareness on the importance of Hindi, as a national language and its practice in official work and other institute activities. During the period, several

competitions were organized such as essay writing, handwriting, typing, translation, administrative and technical terminologies, synonyms of Hindi words, 'Hindaksharee', Hindi Poem & songs, etc. were organised for students, faculty and staff. All participated in these activities with great enthusiasm. Shri Rajesh Joshi, Famous Hindi author, was invited as a chief guest in the valedictory function.The

third issue of “Spandan” (Annual Hindi Magazine) was also launched on this occasion. Prizes were awarded to the winners. All the participants were also acknowledged with participation certificates.

NATIONAL UNITY WEEK

4th to 6th November 2017 was celebrated as a Unity Week. Sports Activity and Unity Run (Mini–Marathon) was organised, in which all members of SPA Bhopal has participated. Further tournaments were organized for the students for Basketball, Badminton, Table tennis, Volleyball.

REPUBLIC DAY

The Institute celebrated Republic Day of the nation on 26th January, 2018 at the campus. Prof. Dr. N. Sridharan, the Director, hosted the national flag followed by the national anthem. This celebration was attended by the faculty, staff and the student in a large number. Many cultural programmes have been organised for this event.

VIGILANCE AWARENESS WEEK

SPA, Bhopal observed the Vigilance Week from 23rd to 27th October, 2017 at SPA), Bhopal. Members of the faculty and Staff Members of the SPA, Bhopal took the Vigilance Pledge both in English and Hindi on October 26, 2017. While the Director, SPA, Bhopal administered the Pledge in English and that of in Hindi was administered by the Dean (Academic Affairs). Students were asked to write texts for the posters in Hindi and English. A large number of students sent their texts which were further refined by the Chief Vigilance Officer of SPA, Bhopal with the assistance from Sri Sunil Kumar Jaiswal, Hindi Assistant of SPA, Bhopal. The Chief Vigilance Officer of the SPA, Bhopal underscored the need to observe the Vigilance Week. Posters were displayed both in the Academic and the Administrative block beside Boys’ and Girls’ hostels.

Since academic corruption is one of the biggest threats for any academic institution, students were apprised of the different variants of academic corruption, namely, plagiarism, falsification, deception, enticement, disruption, professorial misconduct and impersonation both formally and informally. SPAB believes that observing vigilance week is not a one-off event. It is a continuous process and strives to achieve this to the best of its ability and resources.

SPIC MACAY

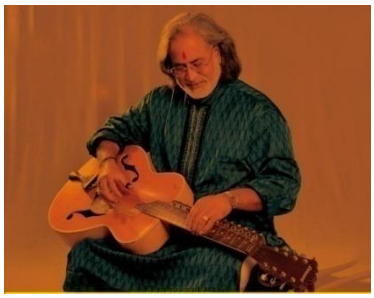

SPIC MACAY (Society for Promotion of Indian Classical Music and Culture Amongst Youth), SPA Bhopal Chapter has organised during April 2017-March 2018. Following musical performances were organized in the campus

- 14th September 2017 - Renowned Oddisi Dancer Padam Shri Ranjana Gauhar.
- 11th January 2018 - Indian Flautist Pandit Ronu Majumdar.
- 20th January 2018 - Grammy Award winner Mohan Veena (Slide Guitar) Player Pandit Vishwa Mohan Bhatt
- 15th Febuary 2018 - Renowned Santoor player Ms. Shruti Adhikari

Workshops/ Special Lectures

WORKSHOP

Resilient Cities – A Landscape Approach

Organised by Department of Architecture under Master of Landscape Architecture Program
Date - October 30th to 31st, 2017

In recent years, the city of Bhopal has witnessed several urban disasters, specifics of its location, climate, morphology, its physical planning and infrastructure. Although city has substantial landscape wealth, it is observed that it is under-utilised, for risk reduction and disaster mitigation. The workshop tried to look at the innovative and trans-disciplinary approaches to solve pressing urban problems associated with weather phenomena specific to the city. Three important themes considered for the workshop were 1) Urban heat stress, 2) water stress and 3) Urban flooding

The idea of the workshop was formulated by Prof. Dr. N. Sridharan, Director SPA Bhopal, and coordinated by Dr Anshu Sharma and Prof. Saurabh Popli, SPA Bhopal. Some of the key participants of the workshop were, distinguished International experts Dr. G. Padmanabhan and Dr. Anshu Sharma, experts in the field of Risk Analysis, Mitigation and Management, award-winning Architect Prasanna Desai, Ms Sanskriti Menon expert in Environmental Interpretation, Mr Shubham Mishra a prominent Consultant and Urban Planner. This workshop was an attempt to place the subject of Urban Resilience within the larger rubric of landscape planning and architecture/design, towards better cities.

The workshop began with the planting of medicinal and other useful trees by dignitaries in front of the present Academic Block, there after Prof. Saurabh Popli, delivered a talk. The field trip was organized for all the participants including experts, faculty members and students of SPA Bhopal, and mapped the vulnerable areas, open spaces, congested areas etc of the city. The entire observation was documented and presented before the experts group, which went for two days. Some of the key outcomes of the workshop were identification of vulnerability issues of the city, and significance of open spaces in the city for mitigating and reducing associated risks. At the culmination of this unique learning experience, the students presented proposals using the knowledge and techniques of landscape planning, to mitigate risks and vulnerabilities caused by natural phenomena. The Vote of thanks was delivered by Prof. Saurabh Popli, after dignitaries presented the certificates of participation to the students.

INTEGRAL STUDIO

Integral Studio: 2017, having a theme of '**Smart Urbanism: Imagining the futures of Bhopal'** was conducted during July 20-25, 2017 for area Based Development' site of Bhopal under Smart City Mission. The studio was sponsored by Bhopal Smart City Development Corporation Ltd. and ITPI Madhya Pradesh Regional Chapter. The focusof the studio was to sensitise students to the human aspects of smart city development and smart urbanism. Smart City area-based development is perceived as an island based and detached from the surrounding urban fabric because of its introvert planning approach. The design ideas through studio were intended to integrate the area-based proposals with the character, structure and ethos of the city of Bhopal through user participation.Emphasis was laid on design moves to integrate the smart city development with the rest of the city- functionally, socially, and aesthetically.
Three teams from SPA Bhopal and two teams from MANIT Bhopal participated in the Integral Studio competition. Grand Jury was conducted on 25thJuly ITPI Hall (M.P. Regional Chapter) Bhopal. SPA Bhopal students won the 'first' and 'special mention' award for their proposals. The proposals were well appreciated by all including Municipal Commissioner and CEO of BSCDCL.

HINDI WORKSHOP

On 16 February 2018, Institute Organised Hindi Workshop for the promotion of Hindi Rajbhasha.Dr. M.A. Rizvi, Associate Professor of NITTR, Bhopal has been invited in the workshop for delivering a lecture of "Use of Unicode in the computer". Employees of the institute attended the workshop and got benefitted by getting knowledge of Hindi typing through the Unicode method even with the ignorant of Hindi typing.

SPECIAL LECTURES

Special Lectures for MLA and All, Introduction to Landscape Approach through Field Visit to Anwalikheda, District Sehore; Nov 01, 2017

1st and 3rd Semester students of in Architecture (Landscape) accompanied by Saurabh Popli, Associate Professor, travelled to village Kotakarar, near Anwalikheda, District Sehore, where they were introduced to the landscape approach in the field by PCCF. B. M. S. Rathore, (IFS). The landscape approach is an innovative and integrative approach that identifies stakeholders and their interests within landscapes (as shared resource-base), and seeks to creatively and dialogically address conflicts and contests over these resources. It attempts to reconcile the legitimate needs and aspirations of each stakeholder group within the community and is therefore a key resource-planning and management tool, particularly significant in the context of India, with its myriad demands over water, land, air and vegetal resources.

The invited expert, M. rRathore has a vast experience in natural resource management and Joint Forest Management, having served at various leadership levels in the governmental and non-governmental sectors.

Anwalikheda village, near Bhopal is a landscape of significance as it lies in the zone marking boundaries between human- and natural- landscapes, which present a diversity of ecological regimes and (stable) states, and are thus ideal for study. The field visit was connected to the 3rd Semester studio on landscape planning, which sensitised the students on tools and methods for sustainability planning concerning peri-urban landscapes of Central India.

Special Lectures for Urban Design, III Semester, 2017 Architect DwaipienAich, from Godrej Developers spoke on the role of urban design in large-scale projects. He deliberated on how real estate developers can also contribute to the urban and public realm of various large-scale projects.

Special Lectures for Urban Design III Sem 2017, Architect and environmental planner Dr. Sameer Deshkar from VNIT Nagpur conducted a lecture cum workshop for the third-semester students of urban design on concepts of urban sustainability and resilience. He appraised the students about the indicators of sustainability of the urban environment and mutual relationship between them.

Special Lectures for all, A Public Lecture on 'Implementing Community Participation in Risk Management: on whose terms?' by Dr. SubhajyotiSamaddar, Associate Professor, Disaster Prevention Research Institute (DPRI), Kyoto University, Japan was scheduled on 21st March, 2018. Through this lecture Dr. Samaddar highlighted local communities' perspectives on effective ways, steps and factors for ensuring effective community participation in disaster management and climate change adaptation programs and projects based on case studies from Asia and Africa.

Training and Placement Cell

The Training and Placement Cell at SPA Bhopal facilitates the placement of graduating students and assists current students in various postgraduate and undergraduate programmes in selecting suitable organisations for undertaking professional training.

The Cell also coordinates the overall process of Professional Training of students from all programmes as required by their respective course curriculum. The Training Manual is designed by the Cell for compliance by students of all courses to streamline a system of evaluating deliverables worked upon in an industrial setup outside the curriculum. Our students have undergone training at various reputed national and international organisations both in the government and private sector. List of such organisations is a wide range of consultants, developers, research organisations and NGOs. This year also students have gone for training in reputed national as well as international organisations in Malaysia, Nepal, Estonia, France, Germany, Croatia and Belgium.

The Training and Placement Cell publishes Placement Brochures for all UG and PG programmes which helps in disseminating the profile of graduating students to professionals and the industry at large. Several reputed firms and consultants have selected graduating students through in-Campus as well as off-campus interviews. With the acceptance of our growing numbers of alumni in the professional fraternity, as they get placed in reputed organisations, the industry-academia links are being rapidly strengthened.

Human resource development is a key objective of the institute and the Training and Placement Cell strives to meet the demands of the Architectural and Planning professions by facilitating an efficient industry-academia interface. This year also, the Cell was able to run a successful Placement season for 2017-2018. An expert lecture followed by an interactive session on 'Higher Education in India and Abroad' was also conducted under the Career Development Programme of the Cell. Each year an increasing number of academic institutions and leading companies are showing their interest for placements through campus as well as online interviews for graduating students. In the year 2018, 19 students from UG and PG programmes were selected in reputed organizations like Tata Consulting Engineers Ltd., Bangalore, Rurban, Department of Panchayat Raj and Rural Development, Builtwell Project Management Consultants, Bhopal, SK Associates from New Delhi, Creative Group and Softtech Engineering (P) Ltd from Pune, Mody University from Lakshmangarh, Poornima University from Jaipur, through placement activities conducted at SPA, Bhopal.

T&P Cell-Team

Dr. Ajay Vinodia, Dean, Student Affairs - Chairman
Ar. Poonam Khan, Assistant Professor (Architecture) - Faculty-in-Charge
Dr. Vishakha Kawthekar, Assistant Professor (Architecture) - Faculty Member
Dr. Amit Chatterjee, Assistant Professor (Planning) - Faculty Member
Ar. Sanmarg Mitra, Assistant Professor (Architecture) - Faculty Member
Ar. Saurabh Tewari, Assistant Professor (Architecture) - Faculty Member
Mrs. Bindu Suresh, Junior Assistant – Office Assistant

The Internal Complaint Committee (ICC)

The Internal Complaint Committee (ICC) of SPA Bhopal works in accordance with Anti-Harassment policy laid by Hon'ble Supreme Court of India, to make a safe working environment, inclusive without any traces of prejudice, gender bias and sexual harassment within the campus.

It believes that every person on campus of SPA Bhopal has equal right to be free in action, thought and spirit, without the fear of being exploited or intimidated by actions, treated with dignity and protected against harassment in the campus.

The anti-sexual harassment cell consists of Dr. Kshama Puntambekar, Ms. Nayana R. Singh and Mr. Ramesh Bhole. The committee responds promptly to all reports of sexual harassment and takes appropriate steps to resolve the matter.

Student Activities

SPORTS ACTIVITIES

The session started with a highly energetic and competitive environment. Our teams from each sport practised in several tournaments held in the year 2017-2018.

A national level tournament was held at IIITM Gwalior on 30th March 2017 to 2nd April 2017. Our team of basketball, table tennis, volleyball, chess, cricket, football and athletics (boys/girls) participated in the event. Our students bagged one gold medal along with two bronze medals in various running events.

The overall performance of the players was greatly improved from last time and we reached quarterfinals of almost all sports. It was followed by various inter-batch and intra-batch events where our students performed exceptionally well. The dates on which the tournaments held were:-

- Badminton tournament (boys/girls): 8th to 10 September, 2017
- Intra batch table Tennis tournament (boys /girls): 15th -17th September, 2017
- Intra batch basketball Tournament: 22nd -24th September, 2017
- Intra batch cricket tournament: 22nd -24th September 2017

This competitive environment in the institutewas followed by friendly matches with our neighbour institute IISER Bhopal. Our team of basketball (boys/girls); table tennis (boys /girls); volleyball (boys /girls); cricket; chess (boys/ girls) participated in the matches.

NLIU, Virudhaka, a national level competition with 30 institutes participating from across the country was held from 13th to 15th October 2017. SPA Bhopal participated in - basketball (boys/girls); badminton (boys /girls); table tennis (boys /girls); volleyball (boys/girls); chess (boys /girls); cricket, football, carom, athletics. Our institution roared with an overall 2nd position in this tournament with exceptional performances by our players.

Thiswas followed by more inter-batch and intra-batch events maintaining the pace and energy with which the session started.The details of the events are:-

- Foundation day cup cricket match (faculty-staff v/s students 11) on November 11, 2017
- Inter-batch football tournament on 17th to 19th November 2017
- Inter-batch Cricket match, 20th January 2018
- Cricket match (students) on 11th February 2018

We hosted the grand INTER -SPA sports meet which was held on 14th to 16th February 2018 with participation from both SPAs Delhi and Vijayawada.The three days of healthy competition with the participation of cultural events were organised smoothly. Teams from each college participated in- basketball(boys/girls), badminton(boys/girls), table tennis(boys/girls); volleyball(boys/girls); chess(boys/girls); cricket, football and carom. The games were organised on SPA Bhopal and IISER grounds. With the competitive environment and healthy sportsman spirit, our college topped the list with SPA Delhi as runner-ups. Our player won the events incricket, basketball, badminton, volleyball, chess, carom and were runners-up in football and volleyball.
After inter SPA, the inter-batch& Intra batch sports activities started to maintain the sports environment details are as follows:

- cricket match tournament (16th-18th March 2018)
- table tennis tournament (23rd-25th March 2018)
- Inter-batch basketball tournament (14th -15th April 2018)

Our institute also participated in MANITs Sportomania and reached semi-finals.Sports maniawas followed by JLUs sports fest in which our players reached in basketball semifinals and kabaddiquarter-final.Apart from students activities our faculty members /staff members were also active during the session our faculty /staff team played cricket match vs the IISER faculty team and triumphed. A tournament was organised by Institute club committee in the clubhouse for staff/faculty members, kids and all residential families. Sports like- table tennis, carom, chess and cricket match were held. The overall sports session was enthusiastic and friendly. We are determined to keep it forward with the coming session.

CULTURAL ACTIVITIES

The Cultural Society of SPA Bhopal has eight clubs such as Prisha, Photography, Gaming, Art and Craft, Music, Drama, Dance and Literature. These clubs are formed together to have some student involvement and to provide active participation. Each club has its coordinators who organise events and competitions from time to time. Students have won prizes at National level events like NOSPlan, Cultural fest at MNIT Jaipur, Ekphrasis at SPA Bhopal and so on. Participation in these event help students to explore their hidden talent, to become more confident and matured to face the challenges of the society. Ekphrasis, inter SPA dance competition in which 'Mirage' team was formed and the dance society won the first prize. Inauguration dancewas performed by 'Vilaya' dance group who displayed the hip-hop form of dance.

'Nrityanjali' was a Classical Dance event held on the occasion of Foundation day. 26 performers turned up to show their talent in the classical field. The programme started with Ganesh Stuti and concluded with Shiva Nataraja: a cosmic dancer. In between blends of RabindraSangeet, Mohiniattam, Classical forms, Bharatanatyam, Kathak and folk dance Zoguwa also contributed to the event.

STUDIO BRIEFS

DEPARTMENT OF PLANNING

First Semester, Bachelors in Planning

First semester studio is designed to impart necessary knowledge and skills to enable students create smart, powerful drawings, graphics representation of ideas and use graphic materials to support verbal presentations or written reports. Therefore, the syllabus is divided into five units and accordingly the exercises given to the students. Every module contains different topics and as mentioned earlier, each of those topics were explained thoroughly before any assignment was given to the students related to those topics.

With the introduction to various drawing equipment the initial exercises included freehand sketching and drawings followed by studying and tracing the city tourist maps in various layers such as roads, water bodies, landmarks, nodes, natural features etc.

Following this was an exercise lettering and dimensioning to improve lettering skills of students. The next set of exercises dealt with the understanding of elements, principles of design and 2 dimensional and 3 dimensional objects and how to use these objects with the understanding of elements and principles of design in drawing or design composition, along with this an exercise related to understanding of colors, which is considered as one of the element of design or art was given. Further, students learned scales and proportions through exercise related to scale such as numeric and graphical and proportions through the observations of real life objects surrounding us and ergonomic studies. Further study of projections, exercises were given on orthographic, isometric and perspective projections. One of the most important topics taught to students was anthropometry and ergonomics; with developed understanding of anthropometry students were taught to draw the technical architectural drawings such as presentation and working drawings through relevant exercises. Finally students were given a task to measure a designated building and draw accurate and relevant plans, sections and elevations for the same exercise.

Second Semester, Bachelors in Planning

In Second semester studio students get knowledge about political, cadastral, topographic, resource, network and transportation maps by producing those maps. There were exercises on an understanding of administrative boundary, analysing topographic map, how to read a cadastral map. They also learned about Cartographic protocols (presentation of statistical data) through hands-on exercises. Area appreciation is a major exercise which they performed. Under this exercise they have learned to appreciate two residential and two commercial areas in terms of Context, Zoning, Connections & Permeability, Building Layout, Design & Variety, Availability of amenities, Utility/ services layout & Efficiency, Open spaces, Parks, Playground and other Public realm & Safety, Availability of amenities, Parking, Sustainability. The sites have been chosen within Bhopal such as

Globus Green Acres and Globus Green housing societies and MP Nagar Zone I &II commercial areas. The outcome of the exercise was regarding the report and sheet presentation.

Third Semester, Bachelors in Planning

Third semester studio is on Neighbourhood and Site Planning. The objective of the Studio is to develop skills of neighbourhood and site planning with focus on socially and environmentally sustainable housing. The studio was conducted in three sites of Bhopal, which are currently being developed under the PMAY mission.

The students were initiated to the concepts of neighbourhood planning through literature review and case studies. The case study visit was conducted in Indore city to help students perceive neighbourhoods of different socio-economic groups. The students then undertook a detailed base model preparation exercise of the site, to help them understand the complexities of the site. The next part of the studio focused on documentation and analysis of socio-economic conditions of living. Household surveys were conducted in the neighbourhood around the site to identify social profile and needs of the community. On the basis of physical and socio-economic analysis, alternative concept plans for predominantly housing neighbourhoods were prepared. Computation of Density, F.A.R were undertaken. Planning of utilities on site was undertaken and the final design was developed. Each student also developed a model of the proposed development to explain the relation of built and open spaces at neighbourhood level. The subjects of Housing and Utilities were also linked to the studio for integration across subjects.

Fourth Semester, Bachelors in Planning

The focus of fourth semester studio is on Transportation planning. Studio exercise for the students was conducted in the Jhansi Cantonment Area, Uttar Pradesh to formulate the strategies for integration of landuse and transport with short-term & long-term transportation planning interventions within the broader umbrella of "Sub-City Mobility Plan". Jhansi Cantonment Board (JCB) is an independent special area authority constituted under The Cantonment Act-1924 (Reintroduced as The Cantonment Act-2006). It has three major civilian areas within the jurisdiction boundary of JCB, namely; Sadar Bazar, Topkhana Bazar and Lalkurti Bazar from its very early days of formation. JCB had given the plots to the non-military population on a long lease for residential cum commercial purpose at the beginning of 19th century and used to renew the lease with nominal fees time to time to the same population only. With major commercial hub Sadar Bazar attracts lots of Jhansi city population, whereas the other bazaars are catering the only local need of JCB. So with the theme of "Integration of Landuse and Transport", main objectives were, integration of various forms of public transport modes, efficient & effective Area Circulation through low-cost traffic management measures, promotion of Non-Motorized Transport and other various mobility improvement measures with road design interventions, including Parking Management. They had conducted various traffic and transportation surveys for continuous nine days and developed their understanding of the transportation planning process. They had also visited in various government offices and held a discussion with many stakeholders including the residents and received good insight into the traffic and transport related issues. Finally students concluded studio exercise with various innovative and practically implementable recommendations.

Sixth Semester, Bachelor of Planning

The focus of the sixth semester studio is to prepare an 'Urban Development Plan' for the city. It was decided to select the city which is situated in an undulating topography and extreme climatic conditions. With this in perspective, cities in the North Eastern hilly states was reviewed on the basis of availability of master plan/development plans. Namchi town in the state of Sikkim was selected for this studio exercise. The highest population is in Gangtok (approximately 1 lakh, 2011 census) and the second highest population is of Namchi city (approximately 12000, 2011 census). Both the cities are part of the Smart City Mission of GoI.

The aim of the studio exercise was to prepare an urban development plan for Namchi town which would make it a tourist destination by strengthening the infrastructure facility and regional connectivity without compromising on environmental sustainability (smart environment) and endow the city with facilities that would enhance Smart Living (Quality of Life) and Social and Human Capital (Smart People).

The studio exercise was divided into four stages viz. preliminary study, existing situation analysis, proposals and submission of the report. The preliminary study stage consisted of tasks related to understanding the evolution and regional setting of the city, the spatial extent of the city, previous planning initiatives etc. This stage ended up with detailed secondary data collection, data checklist and questionnaire preparation for the field visit. The existing situation analysis was done through the field visit. The proposal stage has tried to address the identified gap, spatial issues and thrust sectors. It includes the proposed land use for the planning area in the horizon year. It depicts all the land reservations for the future infrastructure amenities and facilities.

The report was submitted at four stages viz. report on pre-field visit study, report of existing situation analysis and gap identification, draft report, and a final report with proposals and compiling all the previous stages into one document.

First Semester, Masters of Planning

The focus of first semester is 'Integrated studio' including the students from all the Masters programme of Planning, Urban and Regional Planning and Environmental Planning. This studio is the introductory studio for students from diverse background and brings them to a common platform.

The course includes three modules namely; Perception study, Urban Module and Rural module. In the first module students perceived the city of Bhopal and developed understanding about the structure of networks, land uses, City form and its visual impact, Identification of landmarks and public realms.

In rural Planning module students studied the villages; Manikhedi, Junapani, Karondiya and Pipalkheda. The villages selected were from the periphery of Bhopal city. Students were exposed to the life and livelihood of the rural society and understand the intricacies of planning for development of rural areas. They have prepared Village Development Plan for all the villages they have visited.

In Urban Module the class of forty students went to Pune for field study. The aim was to make the students gain an understanding of the metro city and the complexities of planning in different parts of the city, of varying nature and dealing with different issues and challenges. The study areas thus

selected were from the core city (KasbaPeth), Tilak road and Kothrud (Partially developed). The team of faculty and students were stationed in the study area for a week for site study and data collection. Plan proposal for area-based development for all the three areas was prepared.

Second Semester, Masters of Planning (Environmental Planning)

The focus of the studio was Decentralized Environment Improvement Plan of Eco-sensitive District - Wayanad, Kerala.

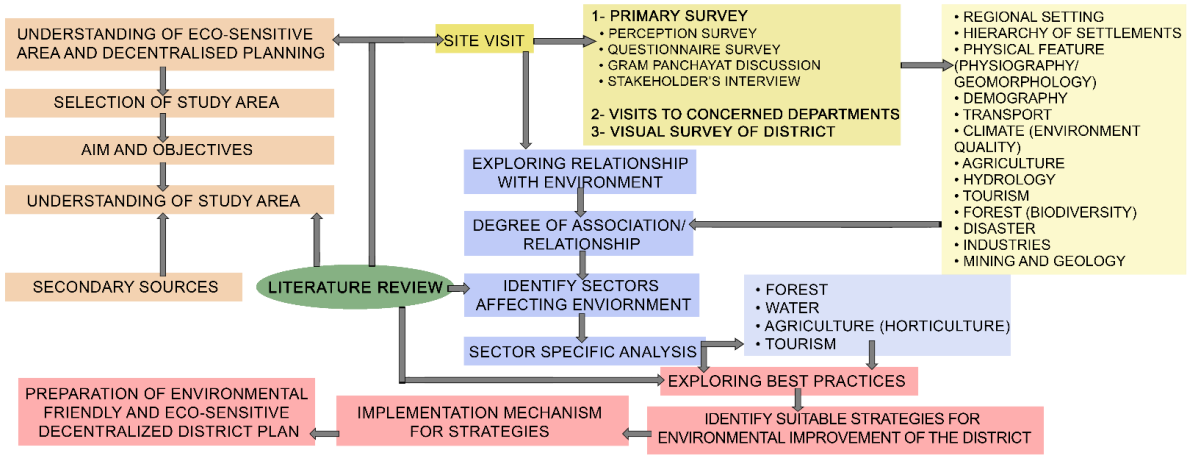

The objective of the studio was, to explore relationship between socio-economic conditions and environmental quality of the District, identification of the sectors having adverse impact(s) on the environmental quality, over the years, to explore best practices and methods for mitigating the identified adverse impact(s) and to propose strategies for Decentralized Environmental Improvement Planning.

Third Semester, Masters of Planning (Environmental Planning)

The aim of the studio was to formulate the methodology for the integration of the concept of blue and green infrastructure into the current process of Master Plan preparation. Satna City, was selected, which is located in Satna district in Madhya Pradesh, as administrative head quarter. Field trip was conducted to the city, where twenty students were accompanied by two faculties.

To fulfil the aim students tried to identify challenges pertaining to quality of life in Satna City, detailed sectoral analysis was performed to address and prioritized challenges. Existing Master Plan of Satna city was evaluated, for the inclusion of blue and green infrastructure. Baseline scenario of the city was assessed, which included; Regional Setting, Physiography, Demography, Preparation of base map and LULC map, Study of temporal changes in LULC, detailed study of temporal changes in blue and green spaces. State of environment was assessed through stakeholder consultations (structured questionnaire, interviews, FGDs). Existing status of physical and social infrastructure and economy was assessed. Identified issues and challenges were identified through observation, assessment and stakeholders' consultation. Further Prioritisation of challenges and sectoral interventions for addressing the challenges, where also done in participation with the stakeholders.

Second Semester, Masters of Planning (URP)

Regional Plan for East Sikkim District

The focus of this Planning Studio exercise is Regional Planning. Sikkim was selected as the region for

study, as hilly regions could become high priority areas due to the acute shortcomings they possess and the unique challenges they offer.

The aim of the studio was to develop hilly region by using tourism as a tool. The study area was North-East India and out of the 8 states, Sikkim was chosen, keeping performance in tourism sector as a major rationale. Among the 4 districts of Sikkim, East Sikkim was selected as it was the major district having maximum concentration of administrative and economic activities due to the presence of the state capital. The background study about the district from secondary sources coupled with more tourism specific literature helped in framing objectives.

The objectives of the studio were; to explore the multiplier effect of tourism on various sectors of economy, to assess the sectoral potentialities in terms of service and infrastructure, to encourage spatial decentralization to achieve spatial equity; and to formulate tourism development strategies for the region which complements environmental factors.

Third Semester, Masters of Planning (URP)

The third-semester studio exercise for Master of Planning Urban and Regional Planning programme was conducted with an aim to prepare a development plan for compact, accessible, healthy and environmentally sustainable Ujjain. The city identified for the studio was Ujjain. Ujjain is a heritage city of Madhya Pradesh situated in the banks of Kshipra River.
The Objectives of the exercise were; to assess the current land use development and to give recommendations for future developments through compact land use principles, to study the scenario of accessibility at macro, micro levels and provide strategies for place-making; integration of public and sustainable transport with land use, to study the physical, social infrastructure and give recommendations, strategies for better quality of life to make the city environmentally sustainable and healthy; and to enhance the cultural identity of the city by preserving its character through land-based and economic instruments through improvements in heritage value and tourism infrastructure.

There were three Broad stages in this Studio Exercise as explained hereunder,
The first stage consisted of tasks related to understanding the evolution and the regional setting of the city. It also looked into the spatial extent of the city, previous planning initiatives and the need for further planning initiatives. Additionally a literature study was done on the various plan preparation approaches and methods, case studies of best practices. This stage ended up with detailed secondary data collection, data checklist and questionnaire preparation for the field visit.

In the second stage the entire understanding of demography, land use, economic base and future growth directions and infrastructure requirements needs were established. Demographic analysis of existing population characteristics and estimation of future population for the plan horizon year were conducted. Economic analyses lead to the understanding of the existing economic activities, future potential in attracting further development. The land use analysis had established the current land use pattern, its gap and its integration with transport networks. The study also assessed the present socio-economic and physical infrastructure to identify current shortcoming and future needs.

In the third stage of proposals were given to address the spatial issues and thrust sectors of the economy as identified in stage II. Students have prepared a detailed proposed land use for the planning area for the horizon year 2037. They have prepared land use zoning which gives guidelines for various types of density standards, and the land reservations for the future infrastructure amenities and facilities.

DEPARTMENT OF ARCHITECTURE

First Semester, Bachelor of Architecture (Section B)

The studio was about the first phase of interaction of young undergraduate students of architecture with basic design and space-making. The course conducted with the students included an evolutionary journey towards the design thinking and architectural upbringing of young minds.

The objectives included that how a course can act as a bridge to further architecture and design studies. How through facilitating a course one can make learners visualise the elements of design as a narrative. Finally, how to ignite an aptitude of interaction, criticism and reflection. The course content included the aspects of basic design like, a. Principles of design, b. Elements of design, c. The functionality of space, d. Exploration of patterns with 2D compositions, e. Exploration of form through 3D compositions, f. Study of anthropometrics and g. Exercises to increase perception and sensitivity of the students about space. All of this took form of series of short exercises which were plural, progressive and exploratory in nature.

The studio methodology employed an evolutionary and constructive approach towards creation and form making. To facilitate this a 'levels' based learning is adopted, where there is a journey from one dimension of space to thinking in volumes and time. Finally, through the course, the design and layout of personal space, rooms, exhibition space, landscape park, art gallery etc. emerged in the form of individual 3-D models.

Second Semester, Bachelors of Architecture (Section B)

Faculty: Dr Sanjeev Singh, Saurabh Tewari, Archana, Shreyasi Pal

The thirty nine students with two faculty members visited Puducherry in the second week of December. The purpose of the study tour was to understand the architecture and architectural systems of the former French colony. To achieve this three different residences in the heritage zone were taken to study. The three houses represented the two traditional typologies: French and Tamil and another coalesced style, Franco-Tamil. Through the 'measured drawing' method, the students documented the construction houses, furniture and the present use of the buildings.

Beyond the study Tour, the two exercises carried the learning from Puducherry into an application as a small Guest House Design and an Architecture Studio.

Fourth Semester, Bachelors of Architecture (Section A and B)

The intent of Design IV studio was to focus on studying functional patterns in horizontal and vertical circulation for double storied framed structures. Also involved were complexities like site restrictions and introduction to basic bye-laws. The overall studio was conducted by giving students three exercises. First Exercise was to document and present the learning from the Ahmedabad tour. Second Exercise was a design-build, to make students understand what type of constructs are framed structure. As well as, it is important that they identify the salient features as well as constraints in such structures. With this intent, the design-build studio was given as the time problem of two-week duration, in which students demonstrate a frame and infill dialogue supported by a variety of notions such as climate response, mimicking nature, adaptability, portability and so on in framed structures. The third exercise was to design the simple repetitive type of spaces. However, keeping in line with the intent of the syllabus, students were given various short duration prop exercises with the intent that the consolidation of all exercises results in the design of built spaces. Each subsequent prop exercise used outcomes from the previous exercises. All prop exercises included smaller assignments as part of the design process that leads to the overall theme of the major design problem.

Third Semester, Masters in Architecture (Conservation)

The focus of the studio is regional study to prepare Heritage Management Plan. The area identified for the study was Bundelkhand. Bundelkhand Plateau is a part of the greater Vindhyachal Plateau, north of the Vindhyachal mountain range. The rivers Betwa, Dhasan, Ken and their tributaries have carved narrow deep valleys upstream with ravines downstream towards the north. The ruler of Orchha was regarded as the chief of Bundelas. Champat Rai and his son Chattrasal were legendary Bundelas ruling from Panna. With the decline of Mughals and rise of Marathas, Bundela suzerainty did not extend much beyond their forts. The capital was moved to Tikamgarh in 1783. Vikramjit, ruler of Orchha signed a treaty with the British in 1812, and supported them during the 1857 Uprising.

Aim of the studio was to understand the concept of the cultural region with a knowledge system approach and thus, prepare a strategy for heritage management for a sustainable future.

First Semester, Masters in Architecture (Landscape)

The studio included two design exercises, one designing of playscapes for children in institutes campus, residential area second exercise was to design landscape in the surrounding area of historical monuments.

The SPA-B campus is in the development stage and hence requires play areas for the children and students residing here. Two separate play areas need to be designed for two different age groups i.e. 0-5 years and 6-14 years. Thus the aim of the studio was to design the playscapes, such that it invokes continued interest amongst the children, bring them closer to nature and natural environment so that they feel belonged there and ensures interactive yet safe environment.

The objectives were, to study the SPA-B campus and its boundaries, vertical and horizontal edges, solids and voids, interaction and physical access possibilities, the light and shadow patterns, heated and cool zones, drainage pattern etc.; an abstract expression of design ideas/intentions; to prepare Landscape Plans and scheme, to prepare Planting plan (if any), to prepare details of water features, edges, illumination detail, drainage, water harvesting, seating, pavement, any other landscape feature.

Architectural heritage sites are an invaluable part of a country's cultural legacy. Conceptualised and created in a different epoch and context, they are memory markers of cultural history and give a sense of time to the place. These sites— historical palaces, forts, tombs and pleasure gardens, religious places, traditional streets and old water harvesting structures—are now public spaces. The physical and cultural contexts of these historical structures have completely changed with the character of open spaces around transformed. Largely due to the legislation of Central and State Archaeological Departments, these open areas are developed as gardens and parks or are left as uninviting, fenced open lands. The exercise provokes students to visualise surroundings around monuments with fresh perspectives for them to be meaningful and relevant spaces with the historical spirit and become part of the daily life of the city or a town or a village.

Third Semester, Master in Architecture (Landscape)

The focus of the studio was, Landscape-level analysis for Heterogeneity and Integrity and Human impacts. The area identified was in the Southern Vindhya; Anwalikheda-Kolar landscape. The study included two phases.

First phase included exhaustive documentation of the identified landscapes using secondary sources, including available data on several platforms and integrating the data into GIS maps at the landscape level. Subsequently followed building of concepts and constructs from landscape-ecology, landscape- aesthetics, -planning –will be integrated through texts, and lectures are leading to an understanding of, and appreciation of landscape-level phenomena.

Second Phase included the integration and analysis of the data generated, using selected/identified constructs and tools specifically GIS-maps. The studio outcomes were explained through maps and studies, created a matrix of phenomena and places of interest, detail on site. Subsequently the study identified several themes of interest, such as the ecological health and demography of resident populations.

The students traveled to various sites, including villages conducting first-hand studies. The outcomes of the studio are, detailed knowledge of landscape phenomena using analytical techniques, and Innovative and integrative approaches are accommodating various stakeholders, reconciling conflicts and contests over landscape resources.

First Semester, Master in Architecture (Urban Design)

"This urban design studio aims to develop skills in urban design. It involves conceptualisation and visualisation through consideration of contemporary urban design issues, and includes documentation and analysis of urban form and process, understanding site context, and urban design, with an emphasis on the public realm. Issues of urban morphology, local and regional identity, and sustainability inform the approach of the studio. We will consider environmental factors, social factors, urban structure, local and regional identity, and urban quality, and discuss the characteristics of good urban form within the context of various precincts in Bhopal. The exercises and the major studio will enable students to explore various aspects of urban form and process and to gain experience in addressing contemporary issues through an urban design approach and methodology. The final output will involve students in framing and understand urban design frameworks for their precincts and understand the phasing aspects of the same culminating insensitive interventions in the precincts.

Studio Objectives

- To gain experience in documenting, analysing and understanding urban form and its evolution
- To develop knowledge of key concepts and principles of urban design and their application through the exploration of an approach and methodology for the urban design
- To develop the ability to address issues and opportunities at the urban scale in three-dimensional form through a process of design development

- To gain experience in graphic thinking and communication as it relates to the urban design

Second Semester, Master in Architecture (Urban Design)

Chinsurah and Chandannagore: Structuring the patchwork through flows of intangible networks

"A city is a mosaic of little worlds which touch but do not interpenetrate."

Robert Park (1915,The City. Suggestions for Investigation of Human Behavior in theUrban Environment)

The Design Studio in Master of Urban Design (second semester) programme, deals with elaborate studies on Urban Networks and Systems. The curriculum suggests a studio problem to expose the students to experience the actual city in an urban sense. Various factors like historicity, socio-political patterns, economic dynamism, the polarisation of groups, global influences etc. can be taken as determinants for selecting a city. The networks and systems studio shall focus on understanding the city's complexity in these contexts. It also has been important to observe the intangible temporal patterns of the city, which also form very important systemic networks in the city. These systems of temporality also need to be looked into. The towns on the west bank of river Hoogly consists of a vibrant intangible socio-cultural and socio-economic network which feeds into the formal network and systems, to give the existing urban identity of the city. It also builds upon the historic urban structure of Portuguese, Dutch, French and Danish trading settlements on the banks of the river. The studio intends to investigate the different patchwork in the city region – the heterogeneous mix of historic character areas, jute and rubber industrial areas, characteristic neighbourhoods with ponds and influence areas with close vicinity to Howrah and Kolkata. Apart from the desired layers of studies, added dimensions of the informal intangible layers would be lookedinto.

This Studio aims at creating a holistic view of the city. This studio focuses on the organisation of various urban actors in a city, e.g. people, groups, society, authorities. It stresses the evolutionary process of creation of networks within the city of both physical and nonphysical nature. At the end of the studio students shall be equipped to understand kind of complexities to be addressed in city-level intervention urban design projects understanding the complex network connections of the city.

Third Semester, Masters in Architecture (Urban Design)

This studio took the urban fringe area as a case for a critical inquiry from the viewpoint of urban design discipline. Generally, the development in such areas without any specific planning guidelines generates a very distinct quasi-urban realm with characteristic life-less streets, introverted enclaves with its car-pedestrian disconnect and conflict and absence of imageability. This Studio addressed such issues in the background of urban design theories and proposed interventions to enhance the quality of life and future urban patterns in fringe areas.

Study Tour

DEPARTMENT OF PLANNING

Sixth Semester, Bachelor of Planning

URBAN DEVELOPMENT PLAN STUDIO AT NAMCHI, SIKKIM

The focus of the sixth semester (B.Plan.) studio is to prepare an 'Urban Development Plan' for the city which is situated in an undulating topography and extreme climatic conditions, with this in perspective, cities in the North Eastern hilly states was reviewed on the basis of availability of master plan/development plans. Namchi town in the state of Sikkim had been selected for this studio exercise. The highest population is in Gangtok (approximately 1 lakh, 2011 census) and the second highest population is of Namchi city (approximately 12000, 2011 census). Both the cities are part of the Smart City Mission of GoI.

The field visit to Namchi, Sikkim was undertaken from January 18, 2018 to January 30, 2018. The aim of the studio exercise was to prepare an urban development plan for Namchi town which would make it a tourist destination by strengthening the infrastructure facility and regional connectivity without compromising on environmental sustainability (smart environment) and endow the city with facilities that would enhance Smart Living (Quality of Life) and Social and Human Capital (Smart People).

The studio exercise was divided into four stages viz. preliminary study, existing situation analysis, proposals and submission of the report. The preliminary study stage consisted of tasks related to understanding the evolution and regional setting of the city, the spatial extent of the city, previous planning initiatives etc. This stage ended up with detailed secondary data collection, data checklist and questionnaire preparation for the field visit.

For the existing situation analysis, a field visit was undertaken, students stayed in Namchi for a week before returning to Bhopal. Demography, land use, economic base and other domains related to objectives, future growth directions and infrastructure requirements were studied. Also, the current situation of socio-economic and physical infrastructure was studied. The students collected necessary and available secondary data for various urban sectors under the study and also conducted primary surveys such as household, tourism, traffic and transportation surveys etc. After returning to Bhopal over the course of the semester the students studied and analyzed the collected data, identified gap, spatial issues and thrust sectors, future projections of need was done for the four broad themes viz., are Smart Living (Quality of Life), Smart Environment (Natural Resources), Social and Human capital (Smart People) development as a tourist destination.

The proposal stage has tried to address the identified gap, spatial issues and thrust sectors. It includes the proposed land use for the planning area in the horizon year. It depicts all the land reservations for the future infrastructure amenities and facilities.

The report was submitted at four stages viz. report on pre-field visit study, report of existing situation analysis and gap identification, draft report, and a final report with proposals and compiling all the previous stages into one document.

Second Semester, Master of Planning (Environmental Planning)

A visit to Wayanad district was conducted from 12th – 26th January 2018 (inclusive of the journey dates) as part of the studio exercise of Second Semester. The team consisted of two faculty members (Dr. Rama Umesh Pandey and Mr. Govind M.P) and 20 students. The district was selected for giving a wider exposure of regional environmental issues of an eco-sensitive region to students. The focus was to conduct primary surveys/interviews of stakeholders/FGD's for 'Decentralized Environmental Improvement Planning of an Eco-Sensitive District through Conserving Forest'. Based on selection criteria such as (1) rain shadow area (2) large presence of tribal population (3) Physiography (4) Human-Wildlife conflicts (5) Disaster Vulnerability, six Gram Panchayats viz. Noolpuzha, Meenangadi, Ambalavayal, Vengapally, Mullenkolly and Thirunelli were selected for detailed study. Perception surveys of residents for identifying issues were conducted in both urban areas of the district as well as selected Gram Panchayats. Students and accompanying faculty members also had interaction on environmental issues of the district with officials of various State Government and Central Government departments and collected secondary data. The tour was very enriching and most importantly people in Wayanad are pro-active and well aware of global environmental concerns.

DEPARTMENT OF ARCHITECTURE

Second Semester, Bachelor of Architecture

Design Studio 2018
Faculty: Dr Sanjeev Singh & Saurabh Tewari
Duration: 9 to 15 December 2017, Visit to Puducherry.

The thirty-nine students of the B. Arch First Year Section B along with two faculty members visited Puducherry in the second week of December. The purpose of the study tour was to understand the architecture and architectural systems of the former French colony. To achieve this three different residences in the heritage zone were taken to study. The three houses represented the two traditional typologies: French and Tamil and another coalesced style, Franco-Tamil. Through the 'measured drawing' method, the students documented the construction houses, furniture and the present use of the buildings.

The students intend to complete the documentation work and put an exhibition of drawings and model by January end. The students also visited the nearby temple town, Chidambaram and the sustainable settlement, Auroville. Later in the semester, students are expected to pursue a dwelling-unit-level exercise based on the learning from the tour.

We would like to thank the INTACH Puducherry Chapter for getting us the permissions to access the buildings. We would also like to thank our alumni Vigneshwara (B. Arch, 2008-2013), Balakrishnan (B.Arch, 2009-14) and Ramya (M.Arch, 2013-15) for being our local guides and facilitating the logistics.

Fourth Semester, Bachelor of Architecture

A Study tour to Ahmedabad was conducted for II and Year B. Arch. Students from Dec 8, 2017 to Dec 15, 2017. During this seven-day tour, 76 students and six accompanying faculty members had the opportunity to visit various projects designed by internationally acclaimed Architects such as Louis I. Kahn, Le Corbusier, Charles Correa, B. V. Doshi, Gurjeet Singh Matharoo, Rahul Mehrotra and Bimal Patel. In addition to these projects, students also visited various places of architectural importance in and around Ahmedabad and Gandhinagar. Details are given below. Half-a-day long tours were conducted for- Prathama Blood Center designed by Ar. Gurjeet Singh Matharoo followed by a walk along part of Sabarmati River Front Development by Ar. Bimal Patel IIM Ahmedabad- Both Old and New Campus by Ar. Louis I Kahn and Ar. Bimal Patel respectively followed by a visit to Kankaria lake.

- CEPT, Hussain Doshi Gufa and CEPT university library (by Ar. Rahul Mehrotra)
- Sabarmati Ashram and Gandhi Smarak Sangrahalaya by Ar. Charles Correa
- Mill Owner's Association Building and Sanskar Kendra by Ar. Le Corbusier
- Poles of Ahmedabad- Guided tour in the morning followed by a visit to Manek Chowk.
- In addition to the above, one-day tours were conducted for-
- Bohra Houses of Sidhpur, Sun Temple at Modhera and Rani Ni Vav at Patan on Dec 10, 2017.
- Dandi kutir Museum, Adalaj and Akshar Dham Temple on Dec 13, 2017.

During this seven-day tour, students were accompanied by Prof. Sandeep Arora, Prof. Shweta Saxena, Prof. Brishbhanlali Raghuwanshi, Prof. Apurv Shrivastava, Prof. Probuddha Mukhopadhyay and Prof. Abhishek Koduvayur.

Six Semester, Bachelor of Architecture, Section A

Faculty: Sanmarga Mitra, Parama Mitra, Ankit Kumar, Prabhat Kr. Rao

The group of students visited Pune and studied the nuances of Shanivarwada, Tulsibaug Ram Mandir with the Pataleshwar Temple, protected under the Archaeological Survey of India, for a reconnaissance survey of the temple and its precinct, as this was to be measured drawn on the following day. The academic exercise included measurement of the site and all monuments in the premises as well as preparation of sketch drawings. Students then have the final drawing preparation along with making of a model of the premises and writing of tour report as their first assignment of Design VI during Jan – April, 2018.

Along with the study, students had a lecture and interactive session with Ar, Christopher Benninger– a session that not only enriched the students, but also illuminated the accompanying faculty members as well. After this, the group was taken on a tour of the office, art gallery and the semi-private area of the residence. Later, the group arrived at the Inter-University Centre for Astronomy and Astrophysics (IUCAA) campus (located within the campus of Pune University), designed by Charles Correa and landscape architect, Kishore D. Pradhan. The group studied the academic and administrative blocks, as well as the residential cluster of the faculty housing. In the later half of the trip, the students visited Ajanta Caves, Ellora Temple Complex, Daulatabad Fort, Biwi ka Maqbara in Aurangabad.

Six Semester, Bachelor of Architecture, Section B

Study Tour was organised for B.Arch 3rd year Section B students from 12th to 21st December 2017. Three major areas were covered in this tour: Ganapatipule, Kolhapur and Goa. Faculty members, Devarshi Chaurasia, Gaurav Singh, Nayana Singh and Sukanta Majumdar accompanied the students. The group started the journey from Bhopal Railway station on 12th December 2017 and reached Ratnagiri on 13th December evening. On the same day the whole group reached Ganapatipule. Local sites were visited and selected for a Design project in the Jan-May 2018 semester.
A workshop was organised in collaboration with the students of Architecture Department, DYPCET to the study of Building Services in Hotel building. Some of the buildings and hotels in the city werr visited by the students in the late evening to study Local traditional architecture. During the study tour studio, students presented their observations in groups in the morning. Later, Panhala Fort was visited by students in the evening to study the local style architecture.

During the later half of the trip in Goa, the Museum of Christian Art organised one Heritage walk at Old Goa in the morning and Sketching tour was organized at Margao in the evening to study the Traditional architecture of Goa. Another Heritage walk was organised by Maria Victor, Founder of 'Make It Happen' at Latin Quarters, Panjim in the morning to understand the local culture and Residential Architectural pattern. Few more local architectural building were visited in Panjim by students.

First Semester, Master of Architecture (Landscape)

Ratapani Wildlife Sanctuary, District Sehore; Dec 8-10th 2017

1st Semester students of Masters in Architecture (Landscape) accompanied by Saurabh Popli, Associate Professor, and experts travelled to Ratapani Wildlife Sanctuary located 80 km from Bhopal in the picturesque Vindhyan setting. The purpose of the trip was to familiarise students with the ecosystem diversity and uniqueness of central India and to provide first-hand knowledge and learning environment for ecological, and anthropic factors in the development of the landscape. This landscape is of particular interest, due to its ecological status, prime habitat for apex predator such as tiger, age - (estimated at 200,000 years before present), with hominin, dinosaur and other remains having been found in it recently – as well as its proximity and vulnerability to change.

Significant findings of the field trip included students developing knowledge of agro-ecological regimes, cultural diversity, religious significance, and a greater sensitivity to non-human nature.

The students travelled into the interior of tiger landscapes, observing vegetal associations and forest structure, avian and other fauna, including primates, and developed a key understanding of forest dynamics, such as regime stability and disturbance; using organisms indicators. This field visit was tied to the studio and theory-based learning, including documentation techniques.

Second Semester, Master of Architecture (Landscape)

Landscape Architecture- Studio –II Tour Report – Maheshwar, M.P.

The study tour was organised for the students of Second Semester, Landscape Architecture to the city of Maheshwar, Khargone District, Madhya Pradesh as part of their Studio Exercise for preparation of Landscape proposal for public open spaces in Maheshwar. The purpose of the study

tour was an assessment of riverine landscapes, landscape archetypes, the study of their tradition & culture, observation of existing site features like soil, vegetation, fauna etc, data collection from various offices/organisations as well as primary surveys regarding site observations and questionnaire surveys. Maheshwar is a town in Khargone district of Madhya Pradesh state, in central India. The Town lies on the north bank of the Narmada River.

Initially, the students divided amongst themselves, different areas of study and organisations they had to visit and collect data from. This included a collection of data from Rehwa Society, hydrological study, the study of demographics, vegetation, drainage, existing Ghats and historical and ecological changes in the riverfront edge of the city till the junction where Maheshwari River meets the Narmada. Each student documented the site through photographs, sketches, site sections, and surveys to have a better understanding of the city. In later days, the students were made to identify individual site area for the design intervention. For the same, they did detailed documentation of their individual sites.

Second Semester, Master of Architecture (Urban Design)

The second-semester students studied the cites of Chinsurah and Chandannagar in Hooghly district of West Bengal. These cities are known for their history and culture and jute industries and are located on the banks of the river Hoogly. The cities from time to time were ruled by the Portuguese, French, Dutch, Moghuls and the British. As a result the city is rich in its Architecture style. The students spent some 10 to 12 days studying its rich heritage, the community and the river as important features that have the shaped the city.

Second Semester, Master of Architecture (Conservation)

The students of second-semester conservation visited Burhanpur from 4th February to 13th February 2018, as part of the studio studies of a town study. The study aims for studying a historic city and address its heritage. The students studied historical core and how is it developing outside the fortified walls. The fortification walls are still present in most of the town, which was marked demarcating historic core of the city. A details study of the city fabric conducted regarding built and open spaces, skyline, interface and transitions.

The city is studied by conducting the survey in smaller groups and filling inventories and drawing architectural plans and sections. To document the various typologies of built structures inventories are filled to collect data on various types of structures. Interviews were also conducted with people of various communities and social groups which provided good insight into the understanding of the city.

The students had two special lectures by historians who had done extensively on the history of Burhanpur and had compiled few books which are under publication from reputed publishers. INTACH convener of Burhanpur, Mr. Hoshang Hawaldar explained about the Quanat system and the

introductory work done by INTACH. Dr. Major M K Gupta explained the history of Burhanpur. He shared his collection of coins found in Burhanpur, text belonging to the Mughal period and various sculpture belonging to the early historic period. Mr. Devda also shared his scholarly work and an unpublished book on Burhapur.

The students and teachers stayed in the Gurudwara Badi Sangath, which is located outside the historic town. The primary mode of transportation in the city is auto and Tonga. It is linked with trains and buses from important cities. The city has flourishing power loom industry which gets raw material of cotton produced extensively in the region.

Contribution of Faculty Members

PUBLICATIONS

Books

Saurabh Tewari and Suptendu P. Biswas (Eds.) Blue Lines of Kolkata, Trust for Search, Kolkata 28-June-17, ISBN 978-8193693605.

Vishakha Kawathekar et. al. (Eds.), Shared Global Experiences for protection of built heritage, Bhopal, School of Planning and Architecture, Bhopal 16-Dec-17, 978-8192798141.

Vishakha Kawathekar and Adam Hardy (Eds.), O P Misra (Tr.), Shiva Temple, Bhojpur, School of Planning and Architecture, Bhopal, 22-Dec-17, 978-8192798158.

Sandeep Arora, Rachna Khare, Shweta Saxena, Understanding Morphology of Informal Dwellings: An Indirect Approach Towards Appropriate Mass Housing, Environmental Remediation & Rejuvenation, Wellworth Books, New Delhi, 22-Feb-18, ISBN: 978-8192031514.

Book Chapters

Rachna Khare, Abir Mullick, Universal Design India Principles; a Contextual Framework for Universal Design Practice in India, Book Chapter in Empowering Children with Disabilities., UNICEF and Mahatma Gandhi Labor Institute, Ahmedabad, 3-Apr-17, ISBN 978-93-5266-321-7.

Rachna Khare, Environmental Design Considerations for Children with Autism, Book Chapter in Empowering Children with Disabilities., UNICEF and Mahatma Gandhi Labor Institute, Ahmedabad, 3-Apr-17, 1, ISBN 978-93-5266-321-7.

Saurabh Tewari, Urban Landscape of Bithoor: Between its Pratha and Praja in Saurabh Tewari and Suptendu P. Biswas (Eds.) Blue Lines of Kolkata, Trust for Search, Kolkata 28-June-18, ISBN 978-8193693605

Sanjeev Singh, Nayan Srivastava, Kartikeya Sonkar, Manas Ranjan, Religious Spaces as discreet systems: A case of Ayodhya, India, Conflicts, Religion and Culture in Tourism, CAB International, UK, 29-Oct-17, 13:9781786390646.

Vishakha Kawathekar, Legal Frameworks for The Protection of Built Heritage in India in Vishakha Kawathekar and Adam Hardy (Eds.), O P Misra (Tr.), Shiva Temple, Bhojpur, School of Planning and Architecture, Bhopal, 22-Dec-17, 978-8192798158.

Amit Chatterjee, Manmohan Kapshe, Binayak Choudhury, Shomit Bade, Co-benefits of Waste to Energy, Mainstreaming Climate Co-Benefits in Indian Cities. Exploring Urban Change in South Asia, Springer, Singapore, 7-Feb-18, Chapter 8, pp. 191-209, 978-981-10-5815-8 (print), 978-981-10-5816-5 (online), 10.1007/978-981-10-5816-5_8.

Conference Proceedings

Ajay Vinodia, Sanjeev Singh, Y. K. Garg, Slum typologies, dwellers aspirations and public housing in India, International Conference on Theory of Architectural Design- Global Practices Amid Local

Milieu, Shri Mata Vaishno Devi University, Katra Jammu, 14-Apr-17, 1, ISSN-978-93-5260-628-3, Slum typologies.

Brishbhanlali Raghuwanshi, Shikha Patidar, Eti Sharma, The study of the architecture of Gond Tribe of Madhya Pradesh, India, 33rd PLEA International Conference. Design to Thrive, Network for Comfort and Energy Use in Buildings, Edinburgh, 2-Jul-17, Volume 3, ISBN 978-0-9928957-5-4.

Arvind Kumar Meel, Gayatri Nanda, Mud Architecture: Sustaining communities in cold desert regions of Northern India, Vernacular and Earthen Architecture: Conservation and Sustainability, CRC Press, 25-Aug-17, 1, 978-1138035461.

Anand Wadwekar, Bulbul Shukla, Multiculturism in Post Colonial Indian Cities: An Inquiry Through Collective Memory (pg. 61-72), 2nd International Interdisciplinary Memory Studies '17 Conference, Dakam (Eastern Mediterranean Academic Research Center) Turkey, 1-Sep-17, I volume, ISBN: 978-605-9207-82-9.

Saurabh Tewari, Sarvodaya-A Political Version of Care and Design, Does Design Care…? , Imagination, Lancaster University UK, 12-Sep-17, Online: 10.13140/RG.2.2.24043.64805.

Sonal Tiwari, Vishakha Kawthekar, Narmada Parikrama: An assessment of sacred landscape of the circum-ambulatory region, International Conference & Expo On "Raja Bhoj's" Contribution on Architecture, Planning & Its Relevance Today, Mapcost, M.P Government, Bhopal, 23-Dec-17, 1.

Sushil Kumar Solanki, Ajay Vinodia, Climate Responsive Designs, Construction Practices and Transformations. A Study of Vernacular Architecture of Naddi Village, Himachal Pradesh, National Conference on Reviving Regional Wisdom in Architecture, Poornima University, Jaipur, 9-Mar-18, 1, pp. 139-152.

Devarshi Chaurasia, Exploring Paradigm Shift in Evaluation in Architecture Education. Paradox to Paradigm: Architecture in the age of network society, An International Conference organised by SMM College of Architecture, Nagpur, March 9-10 2018, Page No: 262 – 270, Swaprakashan, Women's Education Society, L.A.D and Smt. R.P. College for Women, Shankar Nagar, Nagpur, 9-Mar-18, ISBN: 978-93-80985-18-3.

Devarshi Chaurasia, Spriha Yadav, Addressing Changing Cultural Context Through Architecture, Paradox to Paradigm: Architecture in the age of network society, An International Conference organized by SMM College of Architecture, Nagpur, March 9-10 2018, Page No : 250 – 253, Swaprakashan, Women's Education Society, L.A.D and Smt. R. P. College for Women, Shankar Nagar, 9-Mar-18, ISBN: 978-93-80985-18-3.

Sushil Kumar Solanki, Rachna Khare, Performance Measurement of Accessible Built Environment: A Scientific Inquiry, National Seminar on Emerging Trends on Architect Development in India, Amity University Gwalior, 28-Mar-18, ISBN no. 978-93-87507-04-3.

Nayana R. Singh, Ram Sateesh Pasupuleti, Ajay Khare, Disaster Risk Reduction through the Learning of Traditional Knowledge of Built Heritage: A Case Study of Village- Bagori, Uttarkashi, India, 10th FARU International Research Conference, Faculty of Architecture, University of Moratuwa, Moratuwa, Sri Lanka, 9-Dec-18, vol 2, 978-955-9027-67-6.

Journal Articles

Sushil Kumar Solanki, Rachna Khare, Sandeep Sankat, Universal Design Education in Architecture: An Experiential and Simulation Exercise, Design for All Journals, Design for All Institute of India, 1-Apr-17, Vol-12 No-4, Apr 2017 Vol-12 No-4.

Sushil Kumar Solanki, Rachna Khare, Understanding Measurement of Universal Design Building Standard: An Indian Case Study, Design for All Journals, Design for All Institute of India, 1-Apr-17, 12 No. 4, April 2017 Vol-12 No-4.

Rama Umesh Pandey, Akhilesh Surjan & Manmohan Kapshe, Exploring Linkages between Sustainable consumption and Prevailing Green Practices in Reuse and Recycling of Household Waste: Case of Bhopal City in India, Journal of Cleaner Production, ELSEVIER, 4-Apr-17, 173, 49-59, ISSN: 0959-6526, http://dx.doi.org/10.1016/j.jclepro.2017.03.227.

Kshama Puntambekar, Premjeet Dasgupta, Bicycles in Urban Transport: A Review of the Indian Scenario', Urban India, National Institute of Urban Affairs (NIUA), 25-Apr-17, Vol 36.

Kshama Puntambekar, Bhumika More, watershed vulnerability analysis in drought-prone areas using geospatial techniques, case study - Jalna district Maharashtra, SPANDREL, New Dimensions in Research of Environment for Living, SPA Press, 9-May-17, issue 12, ISSN: 2231-4601.

Amit Chatterjee, Sanchita Chatterjee, Parbati Nandi, Analysing Socio-cultural Transformation among Tribal communities: a case of Birbhum District, West Bengal, Spatio Economic Development Record (SDR), S. K. Kulshrestha, Founder-editor, Spatio-economic Development Record, 13-May-17, 24 (2), pp 32-39, 0971-4944.

Nikhil Ranjan Mandal, G. Chandra, M. Chakraborty, A. K. Sinha, T. Chandra, The Water Sustainability Index (WSIOC) for Office Complexes - Part 1: A Preliminary Framework, International Journal on Emerging Technologies 8(1), Research Trend, 1-Aug-17, Special Issue Vol. 8(1), ISSN Print: 0975-8364, ISSN Online: 2249-3255.

Sonal Tiwari, Nikhil Ranjan Mandal, Kakoli Saha, "Urban stressors and their impact on riparian zones", Journal of Geography and Regional Planning, Academic publication, 9-Aug-17, 661, 070-1845, 10.5897/JGRP.

Nikhil Ranjan Mandal, R.C. Sinha, S. Sarkar, An Overview of Key Indicators and Evaluation Tools for Assessing Housing Quality: A Literature Review, Journal of The Institution of Engineers (India): Series A, Springer India, 4-Oct-17, Volume 98, Issue 3, Print ISSN 2250-2149, Online ISSN 2250-2157, 10.1007/s40030-017-0225-z.

Sonal Tiwari, Identification of Ecological Open Spaces of Urban Areas for Smart City Development: A Case of Jabalpur City in Madhya Pradesh in India", International Journal of Landscape Architecture and Planning, Journal pub, 6-Oct-17, Volume 3 Issue 2, ISSN: e2456-5091.

Nayana R. Singh, Gaurav Singh, Jitendra Singh, Pratheek Sudhakaran, Sustainable Design Practices in Architecture: Lessons From Heritage Structures and Sites of India, International Journal of Civil

Engineering and Technology (IJCIET), © IAEME Publication, 1-Nov-17, Volume 8, Issue 11, ISSN Print: 0976-6308 and ISSN Online: 0976-6316, http://http://www.iaeme.com/ijciet/ issues.asp?JType=IJCIET&VType=8&IType=11.

Nikhil Ranjan Mandal, Sarthak Verma, Amit Chatterjee, Analysing Urban Sprawl and Shifting of Urban Growth Centre of Bengaluru City, India Using Shannon's Entropy Method, Journal of Settlements and Spatial Planning, Centre for Research on Settlements and Urbanism, Cluj University Press, 1-Dec-17, vol. 8, no. 2, ISSN (Print): 2069-3419 ISSN (Online) 2248-2199, 10.24193/JSSP.2017.2.02.

Amit Chatterjee, Sanchita Chatterjee, Parbati Nandi, Analysing relationship between general and tribal status on Human Development: a case of Birbhum District, West Bengal, Hill Geographer, The Geographical Society of North-Eastern Hill Region (India), 17-Feb-18, 32 (2), pp 99-107, 0970-5023.

Book Review

Saurabh Tewari, How to Thrive in the Next Economy: Designing Tomorrow's World Today, by John Thackara, Design and Culture, Taylor and Francis, 10-Feb-2018, DOI: 10.1, 1754-7075, 10.1080/ 17547075.2018.1430997.

Newsletters and other Articles

Saurabh Tewari, A tryst with the Past, Design History Society's Newsletter, Design History Society, 8-Apr-17, https://www.designhistorysociety.org/blog.

Sandeep Sankat, Rachna Khare, Universal design Innovation Center for Heritage, Design for All, April 2017, Design for All Institute of India, 15-Apr-17, Vol-12, No-04, http://www.designforall.in/ newsletterapr2017.

Sandeep Sankat, Rachna Khare, Sushil Solanki, Universal Design Education in Architecture, An Experiential and Simulation Exercise, Design for All, April 2017, Design for All Institute of India, 15-Apr-17, Vol-12, No. 04,http://www.designforall.in/newsletterapr2017.

Sandeep Sankat, Rachna Khare, Exploration of Issues for Indian Elderly through User Centric Design Studio, Design for All, April 2017, design for All Institute of India, 15-Apr-17, Vol-12, No 04, http://www.designforall.in/newsletterapr2017.

Sandeep Sankat, "Sugamya Bharat ka Aadhar", Universal Design Education in India, Design for All, April 2017, Design for All Institute of India, 15-Apr-17, Vol-12, No.-04, http://www.designforall.in/ newsletterapr2017.

Sandeep Sankat, Editor "Design for All News Letter" April 2017, a publication of Design for All Institute of India, 15-Apr-17, Vol -12, No. 04, http://www.designforall.in/newsletterapr2017.

Amit Chatterjee, Binayak Choudhury, Premjeet Dasgupta and Gaurav Vaidya, Bangalore, India: Towards a Smart Metropolitan Region: A Roadmap for Transforming Bangalore" in Asian Bulletin on the project "Smart Metropolitan Regional Development - Economic and Spatial Design Strategies", Bulletin 3 (Asian Cities). 1-Sep-2017.

Tapas Mitra, Guest post in the international website of Urban Sketchers, Street vendors the powerhouse of Bhopal, Urban Sketchers International website, 30-Oct-17, http://www.urbansketchers.org/2017/10/street-vendors-powerhouse-of-bhopal.

Ramesh P. Bhole, Construction Techniques for Building Masonry Temples at Ashapuri in Central India In 10th Century, International Conference on “Raja Bhoj’s” Contribution on Architecture, Planning And Its Relevance Today, MP Bhoj(Open) University, 24-Dec-17.

Karna Sengupta, Part of the Editorial Team, Journal Editorial Team, My liveable City, Ironman Media Publications, 5-Jan-18, Jan - Mar 2018, 2455-2380.

Tapas Mitra, Guest post in the international website of Urban Sketchers, The spires, kites and towers of Lucknow, Urban Sketchers International website, 28-Mar-18, http://www.urbansketchers.org/2018/03/the-spires-kites-and-towers-of-lucknow.html.

ACADEMIC EVENT PARTICIPATIONS

Conference: International

Ajay Kumar Vinodia, Presentation, Slum typologies, dwellers aspirations and public housing in India, International conference on the theory of architectural design- Global practices amid local milieu. Shri Mata Vaishno Devi University, Katra Jammu, 15-Apr-17, ictoad2017@smvdu.ac.in.

Ajay Kumar Vinodia, Chair/Moderator, International conference on the theory of architectural design- Global practices amid local milieu., SMVDU, Katra, Jammu, 15-Apr-17, ictoad2017@smvdu.ac.in.

Anand Wadwekar, Madhura Kulkarni, Presentation, Memory in Making: Deconstructing the Myth of End of Bhopal Disaster, Asian Conference on Cultural Studies (ACCS 2017), International Academic Forum (IAFOR) Kobe, Japan, 1-Jun-17, https://papers.iafor.org/proceedings/issn-2187-4751-asian-conference-cultural-studies-2017-official-conference-proceedings.

Sandeep Arora, Presentation, Architecture In Informal Settlements of Bhopal: A Pilot Study, International Conference for Social Sciences and Humanities, International Conference for Social Sciences and Humanities, CA-Foscari University, Italy, 21-Jun-17.

Anand Wadwekar, Chair/Moderator, City Planning and Urban Design, 4th International Conference on Materials Mechanics and Management, College of Engineering Trivandrum, 14-Jul-17.

Gayatri Nanda, Chair/Moderator, Chaired Session 2A: Heritage Management Education, International Conference on Heritage Management Education and Practice, Centre for Heritage Management, Ahmedabad University, Ahmedabad, India, 29-Jul-17, https://ahduni.edu.in/chm/academics/ international-conference-on-heritage-management-education-and-practice.

Gayatri Nanda, Presentation, Spatial mapping of 'people-place ties' as an integral part of Heritage Management Process, International Conference on Heritage Management Education and Practice, Centre for Heritage Management, Ahmedabad University, Ahmedabad, India, 30-Jul-17, https://ahduni.edu.in/chm/academics/international-conference-on-heritage-management-education-and-practice.

Vishakha Kawathekar, Presentation, first author; Balaji Venkatachary, Understanding the relationship between component and attribute of Cultural Landscapes: Case of Indian Music and Cultural Landscapes, International Conference on Heritage Management Education and Practice: Exploring Connections across Disciplines and Stakeholders, Centre for Heritage Management, Ahmedabad University, 30-Jul-17.

Nikhil Ranjan Mandal, Presentation, Accessibility in core areas of cities; Case study: Road stretches in Kolkata and Shimla, India, Re-City 2017: "(Im)Possible Cities" 2nd International City Regeneration Congress, Tampere University of Technology, Finland, 24-Aug-17, www.recity2017.com.

Saurabh Tewari, Presentation, Raw, Repair, Refurbish: A 'Re-use' Design Culture, Design History Society's Annual Conference, University of Oslo, Oslo, 8-Sep-17, http://www.makingandunmaking.net.

Gayatri Nanda and Arvind Kumar Meel, Poster, Mud Architecture: Sustaining communities in cold desert regions of Northern India. SOStierra 2017 International Conference on Vernacular Earthen Architecture, Conservation and Sustainability, School of Architecture, Universitat Politècnica de València, Spain, 14-Sep-17, http://sostierra2017.blogs.upv.es.

Kakoli Saha, Presentation, an automated object-oriented approach to facilitate core infrastructure of a Smart City: a comparative study between Bhopal, India and Trondheim, Norway, 38th Asian Conference on Remote Sensing (ACRS 2017, Asian society of remote sensing (ASRS), Indian society of remote sensing (ISRS), 25-Oct-17, http://www.acrs2017.org.

Ajay Khare, Organizing Coordinator, International Karez Conference, IHCN BIDAR, 28-Oct-17.

Karna Sengupta, Presentation, Affordable Housing scenarios and learning's from Tier 2/3 Cities, Affordable Housing Livable Cities Conference, National Housing Bank, IHS Rotterdam and My livable city, 22-Nov-17.

Amit Chatterjee and Paulose NK, Presentation, Pathways to Metropolitan Regional Sustainability: Challenges and Opportunities for Mumbai Metropolitan Region, The 14th International Asian Urbanization Conference, Asian Urban Research Association, King Mongkut's Institute of Technology, Ladkrabang, Bangkok, Thailand, 11-Jan-18, http://www.arch.kmitl.ac.th/auc2018aura.

Amit Chatterjee, Presentation, Urban Innovation and Climate Co-benefits in Municipal Waste Management: Lessons from three Indian Cities, The 14th International Asian Urbanization Conference, Asian Urban Research Association, King Mongkut's Institute of Technology, Ladkrabang, Bangkok, Thailand, 11-Jan-18, http://www.arch.kmitl.ac.th/auc2018aura.

Paulose N Kuriakose and Amit Chatterjee, Presentation, Bicycle Usage in Small and Medium Towns in India: an Opportunity of Make Sustainable and Smart Mobility, 14th Asian Urbanization Conference "Sustainable Development Goals in Asia", King Mongkut's Institute of Technology Ladkrabang (KMITL), Bangkok and Khon Kaen University, Thailand, 11-Jan-18, http://www.arch.kmitl.ac.th/auc2018aura.

Binayak Choudhury, Presentation, Delineating the Urban: Case for Bhopal City, India, 14th Asian Urbanization Conference "Sustainable Development Goals in Asia", King Mongkut's Institute of Technology Ladkrabang (KMITL), Bangkok and Khon Kaen University, Thailand, 11-Jan-18, http://www.arch.kmitl.ac.th/auc2018aura.

Binayak Chaudhary, 'Delineating the Urban – The Case of Bhopal City, India at the 14th International Asian Urbanization Conference, January 2018, in Bangkok, Thailand co-authored with Ashfaque Alam and Amit Bansal.

Govind M.P, Abhilash Rawat, Jawale Madhuri Vasudev, Developing Strategies for Mitigating Pluvial Flooding in Gurugram, Sustainable Technologies for Intelligent Water Management, Department of

Water Resources Development & Management & Indian Water Resources Society, 18-Feb-18, https://www.iitr.ac.in/stiwm.

Devarshi Chaurasia, Presentation, Exploring Paradigm Shift in Evaluation in Architecture Education, An international Conference titled 'Paradox to Paradigm: Architecture in the age of network society', Organized by SMM College of Architecture, Nagpur, Location: Radisson Blu, Nagpur, Maharashtra (India), 10-Mar-18, www.paradoxtoparadigm.com.

Anand Wadwekar, Mrunmayi Wadwekar, Presentation, Urbanisation and Environment: A Case of Bhopal, International Conference on Urban Sustainability: Emerging Trends, Themes, Concepts and Practices, Department of Architecture and Planning, Malaviya National Institute of Technology Jaipur, 16-Mar-18, http://mnit.ac.in/news/news.php?news_id=2095.

Conference: National

Rachna Khare, Presentation, Supported and independent living for Adults with Autism, National Conference on Autism, Vigyan Bhavan, Delhi, Organized by National Trust, Ministry of Social Justice and Empowerment, 3-Apr-17.

Sandeep Sankat, Poster, Universal design innovation for Heritage, Industrial Design Conclave on "New Product Development ", Hyderabad Campus, Telangana, 29-Jun-17.

Ramesh P Bhole, Presentation, Construction Techniques for Building Masonry Temples at Ashapuri In Central India In 10th Century, International Conference on “Raja Bhoj’s” Contribution on Architecture, Planning and Its Relevance Today, Raja Bhoj Open Univeristy Bhopal, RCVP Naronha Academy of Administration, M.P., Bhopal, 23-Dec-17.

Sandeep Sankat, Presentation and panel member for a session, Issues and Challenges in Making Indian Built Environment Accessible, National Conference on Improving Accessibility, Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, 19-Jan-18.

Sushil Kumar Solanki, Ajay Vinodia, Presentation, Climate Responsive Designs, Construction Practices and Transformations. A Study of Vernacular Architecture of Naddi Village, Himachal Pradesh, National Conference on Reviving Regional Wisdom in Architecture, Poornima University, Jaipur, Poornima University, Jaipur, 9-Mar-18.

Rama Umesh Pandey, Mrunmayi Wadwekar, Presentation, Spatial Planning for cities of Madhya Pradesh: An Approach to Adapt to the Changing Climate, National Seminar on Climate Change, State Knowledge Management Center on Climate Change, EPCO, Department of Environment, Govt. of M.P., 23-Mar-18, http://www.skmcccepco.mp.gov.in/en/events/national-seminar-climate-change-nscc.

Workshops: International

Saurabh Tewari, Presentation, Sarvodaya - A Political Version of Care and Design, Does Design Care...?', http://www.lancaster.ac.uk/lica/news-and-events/news/2017/011017---does-design-care/,

13-Sep-17, http://www.lancaster.ac.uk/lica/news-and-events/news/2017/011017---does-design-care/

Ashish Patil, Attended, The Structure and Mechanics of Canvas Paintings, Faculty of Humanities, Conservation and Restoration of Cultural Heritage, The University of Amsterdam at Ateliergebouw, Hobbemastraat, Rijksmuseum, Amsterdam, The Netherlands, 25-Oct-17.

Vishakha Kawathekar, Invited Expert, Workshop on Agama Shastra and Heritage Conservation on 17th and 18th November 2017, UNESCO New Delhi in collaboration with the Hindu Religious and Charitable Endowment Department of the Government of Tamil Nadu, 17-Nov-17.

Vishakha Kawathekar, Presentation, Status of Conservation of Built Heritage in India, Indo-Italian Joint Workshop on Multi-hazard Mitigation of Risks to Built Cultural Heritage, IIT Jodhpur, at Senate Hall, IIT Delhi, 5-Dec-17.

Ramesh P Bhole, Research Assistant, Shared Global Experiences For Protection of Built Heritage, International Workshop and Committee Meeting of "ICLAFI" (International Committee of Legal, Administrative and Financial Issues), Spa Bhopal, 13-Dec-17, Http://Iclafi.Org.

Saurabh Popli, Panel Member, Hon' Dasho Tenzin Dhendup and Ms Yogtara, Well-being in the Context of Mountain Development - Summing Up, Towards A Holistic Understanding of Wellbeing for the Hindu Kush Himalaya (HKH), International Center for Integrated Mountain Development, Kathmandu, Nepal, 22-Mar-18, http://www.icimod.org/?q=3049.

Workshops: National

Nayana R.Singh, Organizing Coordinator, Ram Sateesh Pasupuleti, Manavi Suneja, Architecture and Planning Pedagogy in the Digital Age, QIP short-term course, Department of Architecture and Planning, IIT Roorkee, 20-Jul-17.

Rama Umesh Pandey, Invited Panel Member, Resilient Development Planning: Role of Education Institute, National Workshop on Climate Change and Disaster Resilience for Urban Children, GEAG & UNICEF, Hotel Eros, New Delhi, 22-Dec-17.

Ramesh P Bhole, Presentation, Smart Heritage in Smart city, INTACH Heritage Academy, Palash Hotel Bhopal, 16-Jan-18.

Vishakha Kawathekar, Presentation, Managing smart heritage in smart cities, Smart Heritage in Smart City, INTACH Heritage Academy and INTACH Bhopal Chapter, Hotel Palash, Bhopal, 17-Jan-18.

Rama Umesh Pandey, Poster, Exploring Linkages between Peri-Urban Ecosystem and Urban Resilience A Case of Bhopal City, Regional Conference on Peri-Urban Ecosystems for Enhancing Urban Resilience, GEAG; ACCCRN; ICLEI; UNICEF; SPA Delhi &The Rockefeller Foundation, India Habitat Centre, New Delhi, 18-Sep-17.

Ashfaque Alam, Organizing Coordinator, Alternative Approaches towards Urban Land Development, ITPI, Madhya Pradesh Regional Chapter, Bhopal, 24-Feb-18.

Invited Lectures: International

Tapas Mitra, Presentation, Urban sketching ground rules in art, Urban Sketchers international symposium, Urban Sketchers & Chicago, USA, 27-Jul-17, https://www.youtube.com/watch?v=9QbaCkycQg4.

Invited Lectures: National

Ajay Kumar Vinodia, Presentation, Challenges of urban informality in India, Guest lecture, SMVDU, Katra, Jammu, 18-Apr-17.

Rachna Khare, Presentation, Documentation by Writing: Objectives and Need in Architecture Profession, one week COA- TTP "Documentation and Technical Writing in Architecture", School of Architecture, Babu Banarasi Das University, Lucknow, 12-Jun-17.

Rachna Khare, Presentation, International Indicators of Research Quality, Research in Architecture, Two Weeks Faculty Development Program, Faculty of Architecture (GCA), Abdul Kalam Technical University, Lucknow, 17-Jun-17.

Nayana R. Singh, Presentation, New Schools, New Efforts-How to develop OBE?, QIP short-term course on “Architecture and Planning Pedagogy in the Digital Age”, Department of Architecture and Planning, IIT Roorkee, 19-Jul-17.

Sandeep Arora, Keynote Speach, Green Buildings: Concepts, Tools and Technology, National Conference on Application of ICT for Built Environment (NCICTBE), Oriental Institute of Science & Technology, Bhopal (OIST), 17-Aug-17.

Rachna Khare, Presentation, Universal Design; from Global to Local Context, Invited Expert Lecture, Malviya National Institute of Technology, Jaipur, 5-Sep-17.

Anand Wadwekar, Presentation, Smart Cities-Humanizing the Large Scale Urban Development, Indigenous Humanized Approach Towards India's Sustainable Smart Cities, Himgiri Zee University, Dehradun, 8-Sep-17.

Ramesh Bhole, Invited Lecture, (Presentation) creating a barrier-free environment to make higher education accessible for a person with disabilities, Sarojini Naidu Government Girls PG College, Bhopal, Sarojini Naidu Government Girls PG College, Bhopal, 1-Nov-17.

Saurabh Tewari, Presentation, Introduction to Design History, Design History Week for Foundation Design, National Institute of Design, Ahmedabad, 12-Mar-18.

Ajay Kumar Vinodia, Presentation, Design thinking, Process and Concept development, Guest Lecture, Dept. of Arch. & Landscape, SMVDU, Katra, Jammu, 12-Mar-18.

Ajay Kumar Vinodia, Presentation, Rethinking Architectural practices in India, Guest Lecture, Dept. of Arch & Landscape, SMVDU, Katra, Jammu, 13-Mar-18.

Saurabh Tewari, Presentation, Contemporary Design Culture of India, Design History Week for Foundation Design, National Institute of Design, Ahmedabad, 15-Mar-18.

Seminars: International

Saurabh Tewari, Presentation, Swadeshi vs. Multinational: The Product Semantics of Feminine Beauty Products in India, WONDER: Women in Design Research Seminar, Oslo and Akerhus University of Applied Sciences, Oslo, 6-Sep-17, https://www.hioa.no/eng/Events/The-Wonder-Seminar-Gender-design-market-seminar.

Seminars: National

Rama Umesh Pandey, Invited Speaker, Role of Green Infrastructure in Combating Climate Change and Achieving Sustainable Development, Green Initiatives to fight Climate Change and Career Opportunities, AISECT University Bhopal, 18-Nov-17, http://awaaz.aisect.org/News/NewsDetail/ci-3-it-280.

Rachna Khare, Presentation, Designing Inclusive Educational Spaces for Children with Developmental Disabilities, Seminar on Inclusive India and Self Advocacy, National Trust, New Delhi Govt. of India, 10-Feb-18.

Sandeep Sankat, Presentation, Appropriate Built Environment for Elderly and Divyangjan, "Inclusive India and Self Advocacy", organised by National Trust, for the Welfare of persons with Autism, Cerebral Palsy, Mental retardation and Multiple Disabilities, New Delhi, 10-Feb-18.

Sandeep Arora, Presentation, Environmental Remediation & Rejuvenation, Architecture for Masses, National Seminar, Jamia Millia Islamia, New Delhi, 22-Feb-18, http://jmi.ac.in/upload/EventDetail/seminar_fae_2018february22_23.pdf.

Govind M.P, Poster, Alpana Gupta, Traditional Water Management Practices in Madhya Pradesh- A Review, National Seminar on Climate Change (NSCC), Environment Planning & Coordination Organization (EPCO) Bhopal, Madhya Pradesh, 22-Mar-18, www.climatechange.mp.gov.in.

Kakoli Saha, Presentation, Estimating Roof Top Solar PV Potential of Bhopal City Using Remote Sensing Technique. National Seminar on Climate Change, The Environmental Planning & Coordination Organisation (EPCO), Dept. of Environment, Govt. of Madhya Pradesh, 23-Mar-18, http://www.skmcccepco.mp.gov.in/en/events/national-seminar-climate-change-nscc.

Saurabh Popli, Sonal Thanawala, Presentation, Anticipating Human-Use Impacts on the Dokrani-Dingad Landscape in the Context of Climate Change, National Seminar on Climate Change, State Knowledge Management Center on Climate Change, Environmental Planning and Coordination Organization, (EPCO), GoMP, Bhopal, 23-Mar-18, http://www.skmcccepco.mp.gov.in/en/events/national-seminar-climate-change-nscc.

Saurabh Popli, Presentation, Linking Landscape Quality and Resilience in the Context of Climate Change - An Exploratory Study in Southern Vindhya, National Seminar on Climate Change, State Knowledge Management Center on Climate Change, EPCO, GoMP, Bhopal, 23-Mar-18, http://www.skmcccepco.mp.gov.in/en/events/ national-seminar-climate-change-nscc.

Ajay Kumar Vinodia, Presentation, How much ARCHI? & How much TECH? The scenario of architectural education and practices in India, National seminar on "Emerging trends on ARCH-TECH development in India", School of planning and Architecture, Amity University, Gwalior, 28-Mar-18.

Sandeep Sankat, Keynote Speaker for the Inaugural session, Universal design and Sugamya Bharat Abhiyaan in India, National Seminar on Emerging Trends in Sustainable Urban Development, D/O Architecture, AMITY University, Gwalior, 28-Mar-18.

Other Event Participations

Vishakha Kawathekar, Curator of Exhibition, at International Conference and Expo, “Raja Bhoj’s” Contribution on Architecture, Planning and Its Relevance Today, organised by Vigyan Bharti, Bhoj Open University, Bhopal and Municipal Corporation, 22-Dec-17 to 24-Dec-17.

Vishakha Kawathekar, coordinated, ICOMOS GA 2017, (International Exhibition) SPA Bhopal Display, “Cultural Heritage Practice in India – Protection, Conservation & Integration from 12th to 15th Dec 2017, ICOMOS General assembly 2017, India Habitat Center, New Delhi , 12-Dec-17.

Vishakha Kawathekar, ICOMOS GA 2017, Book release of Shared Global experiences for protection of built heritage in India, Manthan, a special session of the ICOMOS GA and the scientific symposium, ICOMOS GA 2017 and ICOMOS India, India Habitat Centre, 14-Dec-17.

ACADEMIC PANELS

Ajay Kumar Vinodia, Visiting Professor, Dept. of Arch & Landscape, SMVDU, Katra Jammu, Shri Mata Vaishno Devi University, Katra Jammu, 1-Sep-16 to 31-Aug-18.

Ajay Kumar Vinodia, Member, SRC Member, Dept. of Arch & Landscape, SMVDU, Katra, 1-Sep-16 to 31-Aug-18.

Ajay Kumar Vinodia, Member, School Management Committee, Kendriya Vidyalaya, Bairagarh, Bhopal, 27-Aug-17 to 31-Aug-18.

Sonal Tiwari, Member, Asian Cultural Landscape Architect Association, 12-Oct-15 to 12-Oct-16, http://qpramukanto.staff.ipb.ac.id/files/2013/04/zz-ACLA-Br-Int-Sym-Oct-13-21-Apr-2013.pdf.

Sandeep Sankat, Member, Board of studies, Madhav Institute of Technology and Science, Gwalior, 1-Jun-16 to 1-Jun-18.

Ajay Kumar Vinodia, Member, Evaluation Panel for AICTE Bhopal, Regional chapter, AICTE, Bhopal, 1-Jun-17 to 1-Jun-17.

Ajay Kumar Vinodia, Member, CoA Inspection, FISAT College of Arch, Kerala, 31-Jul-17 to 2-Aug-17.

Nikhil Ranjan Mandal, Member, Panel of Expert Team of NBA for accreditation of UG - B. Architecture & PG – M. Planning (Housing) at COE Thiruvananthapuram, National Board of Accreditation, India, 24-Nov-17 to 26-Nov-17.

Binayak Choudhury, External Examiner, PhD Dissertations at University of Mysore, and Visvesvaraya National Institute of Technology, Nagpur.

PROFESSIONAL PANELS

National

Amit Chatterjee, Member, International Society of City and Regional Planners (ISOCARP), The Netherlands, https://isocarp.org.

Amit Chatterjee, Member, Institute of Urban Transport (IUT), New Delhi, 31-Mar-17 to 31-Mar-18.

Amit Chatterjee, Member, Institute of Town Planners, India, New Delhi, 1-Apr-17 to 31-Mar-18.

Anand Wadwekar, Member, Madhya Pradesh State Tourism Development Corporation, Bhopal, 28-Feb-18 to 28-Feb-18.

Arvind Kumar Meel, Member, The Indian Institute of Architects, Mumbai, 14-Jul-12 to 14-Jul-22. https://indianinstituteofarchitects.com.

Gayatri Nanda, Member, The Institute of Urban Designers, India, New Delhi, 8-Apr-13 to 8-Apr-19, http://udesindia.org/List-of-Members.html.

Parama Mitra, Life Member, The Indian Society for Technical Education, New Delhi, 1-May-13 to 31-Mar-18, http://www.isteonline.in.

Parama Mitra, Associate member, Institute of Town Planners, India, New Delhi, 25-Jul-03 to 1-Jan-01, http://www.itpi.org.in/pdfs/member-list-registration-no-wise.pdf.

Piyush Hajela, Member, The Indian Institute of Architects, IIA Mumbai

Poonam Khan, Associate Member, Indian Institute of Architects, India, New Delhi, 9-Dec-08 to 31-Dec-20.

Sandeep Sankat, Associate member, Indian Institute of Architects, Mumbai, 1-Jan-18 to 31-Dec-18, https://indianinstituteofarchitects.com.

Sandeep Sankat, Member, Empowered Committee for the evaluation of the inception report and DPR of Centers of Disability Sports at Gwalior, Zearakpur and Vijayawada. Department for Empowerment of Person's With Disability, Ministry of Social Justice and Empowerment, New Delhi, 3-Jan-18 to 1-Mar-19.

Sandeep Sankat, Joint Secretary, IIA Bhopal Center, Bhopal, 1-Apr-17 to 1-Apr-18.

Sanmarga Mitra, Member, Institute of Town Planners, India, New Delhi, 25-Jul-03 to31-Mar-18.

Sanmarga Mitra, Member, The Indian Society for Technical Education, New Delhi, 1-May-13 to 31-Mar-18.

Saurabh Popli, Member, Education Board, Indian Society of Landscape Architects, Ahmedabad, Gujarat, 8-Aug-16 to 19-Apr-18, http://www.isola.org.in.

Rachna Khare, Member, PA&MC, TIDE Program, SEED Division, Department of Science and Technology, Ministry of Science and Technology, Govt. of India, 12-Apr-17 to 12-Apr-20.

Rama Umesh Pandey, Vice-Chairperson, ITPI M.P. Chapter Council, Indian Institute of Town Planners, Madhya Pradesh Regional Chapter, 1-May-17 to 30-Apr-18, http://itpimp.org/councilandcommities/ Council.php.

Rachna Khare, Member, Expert Committee, National Institute of Inclusive and Universal Design of Social Justice and Empowerment, Govt. of India, 12-Dec-17 to 12-Dec-17.

Rachna Khare, Member, Evaluation of Inception Reports and DPR on Center for Disability Sports, Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt.of India, 3-Jan-18 to 18-Apr-18.

Saurabh Popli, Fellow, Indian Society of Landscape Architects, Ahmedabad, Gujarat, 1-Mar-18 to 19-Apr-18, http://www.isola.org.in.

Sonal Tiwari, Member, Indian Society of Landscape Architects, Ahmedabad, 10-Oct-07 to 10-Oct-16, http://www.isola.org.in.

Tapas Mitra, Fellow, IUDI, New Delhi, 9-Feb-16 to 24-Mar-20.

Vishakha Kawathekar, Co-Convener, INTACH Bhopal Chapter, 16-Apr-18 to 16-Apr-18.

Ajay Khare, Ajay Kumar Vinodia, Anand Jayant Wadwekar, Arti Jaiswal, Arvind Kumar Meel, Bade Shomit Dilip, Brishbhanlali Raghuwanshi, Devarshi Chaurasia, Garima Srivastava, Gaurav Singh, Gayatri Nanda, Karna Sengupta, Kshama Puntambekar, Nayana R. Singh, Nikhil Ranjan Mandal, Parama Mitra, Piyush Hajela, Poonam Khan, Premjeet Das Gupta, Rachna Khare, Rama Umesh Pandey, Ramesh P. Bhole, Sandeep Arora, Sandeep Sankat, Sanjeev Singh, Sanmarga Mitra, Saurabh Popli , Saurabh Tewari, Sheuli Mitra, Shweta Saxena, Sonal Tiwari, Sukanta Majumdar, Sushil Kumar Solanki, Tapas Mitra and Vishakha Kawathekar, **Members, Council of Architecture, New Delhi**.

NGO

Vishakha Kawathekar, Member, Society for Heritage Structure and Conservation, Bhopal, 16-Apr-18 to 16-Apr-18.

AWARDS & ACHIEVEMENTS

International

Shomit Bade, Scholarship, International, Erasmus + Global Mobility Program, Norges Teknisk-Naturvitenskapelige Universitet - NTNU, Trondheim, Norway, 1-May-17

Saurabh Tewari, Design History Society's Strategic Research Grant 2017, Design History Society, London, 24-Nov-17, https://www.designhistorysociety.org.

Nayana R. Singh, Best paper - Disasters and Built Environment, International Journal of Disaster Resilience in the Built Environment and 10th International Conference of Faculty of Architecture, University of Moratuwa, Sri Lanka, 9-Dec-17, http://www.emeraldgrouppublishing.com/products/journals/news_story.htm?id=7727.

Ajay Khare, ICHR-AHRC grant 2017-18, ICHR New Delhi, 15-Feb-18. INR 5 Lakh per annum

National

Sandeep Sankat, Venus International Faculty Award - VIFA 2017, Venus international Foundation, Chennai, 8-Jul-17, http://vifa.info.

Devarshi Chaurasia, Bharat Vikas Award, Institute of Self Reliance (IRS), Bhubaneswar, Odisha, India, 19-Nov-17, http://www.isrindia.com/isr/Default.aspx.

Devarshi Chaurasia, Bharat Jyoti Award, India International Friendship Society (IIFS), New Delhi, India, 20-Dec-17, http://www.iifsind.org.

Ajay Kumar Vinodia, Rashtriya Gaurav Award, India International Friendship Society, New Delhi, 21-Dec-17.

Sushil Kumar Solanki, Best Research Paper Award, Amity University, Gwalior, 28-Mar-18.

वार्षिक लेखा

Annual Accounts

2017-18

सत्यमेव जयते

महानिदेशक, लेखापरीक्षा (केन्द्रीय प्राप्ति) नई दिल्ली का कार्यालय,
शाखा–ग्वालियर, चतुर्थ तल, ऑडिट भवन, झांसी रोड,
ग्वालियर – 474002 (म0प्र0)

Office of the Director General of Audit (Central Receipt)
New Delhi, Branch-Gwalior, Audit Bhavan, Jhansi Road,
Gwalior - 474002 (M.P.)

No. AMG-II/SAR/SPA,B/2017-18/D-268
Date : 07.12.2018

Confidential

To

The Director,
School of Planning and Architecture,
Neelvad Road, Bhauri,
BHOPAL - 462030

Sub: Separate Audit Report on the accounts of School of Planning and Architecture, (SPA) Bhopal for the year 2017-18.

Sir,

Please find enclosed herewith the Separate Audit Report and Management Letter on the accounts of **School of Planning and Architecture, (SPA) Bhopal for the year 2017-18.** You are requested to kindly ensure that the SAR and the audited accounts are adopted by the Board of Governors before placing the same before the Parliament.

2. The dates of placement of the above Report on the table of both houses of the Parliament may please be intimated and a copy of the printed material may be provided to this office for information.

3. It may please be noted that the Management Letter is not to be placed before the Parliament.

4. Kindly acknowledge receipt.

Encl.: 1. Separate Audit Report with annexure
2. Management Letter

Yours faithfully,

Dy. Director (Central)

SPA Bhopal 2017-18

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the Accounts of the School of Planning and Architecture, Bhopal for the year ended 31 March 2018.

We have audited the attached Balance Sheet of the School of Planning and Architecture Bhopal (SPA) as at 31 March 2018, the Income and Expenditure Account and the Receipt and Payment Account for the year ended on that date under Section 20 (1) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period up to 2017-18. These financial statements are the responsibility of the SPA's management and our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules and Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency cum performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(ii) The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and the Receipt and Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed

by the Ministry of Human Resource Development, Government of India vide order no. 29-4/2012-IFD dated 17-April-2015.

(iii) In our opinion, proper books of account and other relevant records have been maintained by the Institute in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that: -

A Receipt and Payment Account

A.1 An amount of ₹ 2.40 crore depicted in receipts side as well as in Payment side being utilization of advance (adjustment of advance). This resulted in overstatement of Receipts and Payments by ₹ 2.40 crore.

B General

B.1 Schedule 10- Grants and Subsidies does not depict the grant utilized for Capital Expenditure and Revenue Expenditure under respective headings as required under MHRD format. This needs to be rectified for clear depiction.

B.2 The land measuring 30.219 hectares at Bhauri, Bhopal has been allotted by the Government of Madhya Pradesh to SPA on lease basis, initially for a period of 30 years at no cost which has not been accounted for at a nominal value as required under Accounting Standard-12. This was also pointed out in previous years SAR.

C. Effect of audit comments

The net effect of the above comments is that Receipt and Payments were overstated by ₹ 2.40 crore.

D. Grant-in-aid

During the year, the SPA, Bhopal received grants-in-aid (Plan Non Recurring) of ₹ 19.63 crore (₹ 2.80 crore received in March) from Government of India. In addition to internal receipts of ₹ 6.43 crore for the year and capital advance of ₹ 3.28 crore refunded back by CPWD to SPA. It had also an unspent balance of ₹ 31.88 crore of previous year. Thus out of total available funds of ₹ 61.22

crore, an amount of ₹ 19.22 crore has been utilized leaving unutilized amount of ₹ 42.00 crore (grant -₹ 13.12 crore (including interest earned of ₹ 0.56 crore on grants-in-aid, unadjusted capital advance ₹ 3.57 crore) + internal receipts - ₹ 28.88 crore) at the end of the year.

E. Management Letter

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of School of Planning and Architecture, Bhopal through a Management Letter issued separately for the remedial/Corrective action.

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and the Receipt and Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(v) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Account and subject to the significant matters stated above and other matters stated in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

(a) In so far as it relates to the Balance Sheet of the state of affairs of the School of Planning and Architecture, Bhopal as at 31 March 2018 and;

(b) In so far as it relates to Income and Expenditure Account of the deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the Comptroller and Auditor General of India

Place: - New Delhi

Date: - 07.12.2018

Director General of Audit

(Central Receipts)

SPA Bhopal 2017-18

Annexure

1. **Adequacy of Internal Audit System:**

   The internal audit was conducted by Internal Audit Cell of SPA.

2. **Adequacy of Internal Control System:**

   The internal control system was found to be inadequate due to:

   (i) The response of the Management towards compliance audit objections was not effective as there were 19 paras pending pertaining to the period from 2012-2013 to 2016-17.

   (ii) There is no Promotion Policy and Recruitment Policy.

   (iii) There is no Training and Development Policy.

   (iv) Dead Stock Register is not maintained.

   (v) As per physical verification report of fixed assets various fixed assets of SPA, Bhopal have not been found physically.

3. **System of Physical Verification of Fixed Assets:**

   Physical Verification of Fixed Assets has been conducted by Charted Accountant during the year.

4. **System of Physical verification of Inventories:**

   Physical Verification of Inventories has been conducted by Charted Accountant during the year.

5. **Regularity in payment of statutory dues:**

   No irregularity was noticed in the payment of statutory dues.

3/12/18

Sr. Audit Officer/AMG-2

सत्यमेव जयते

Sushil Kumar Jaiswal, IA&AS
Director General of Audit
(Central Receipt)

DO.No. AMG-II/SAR/SPA,Bhopal/2017-18/D-265

महानिदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय प्राप्ति) नई दिल्ली
डी.जी.ए.सी.आर. भवन, इंद्रप्रस्थ ईस्टेट, नई दिल्ली–110 002

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL RECEIPT),
D.G.A.C.R. BUILDING, INDRAPRASTHA ESTATE, NEW DELHI-110 002
TEL. : 91-011-23702250 FAX : 91-011-23702261
E-MAIL : dgacr@cag.gov.in

Dear Dr. Shridharan,

The annual accounts of the School of Planning and Architecture, Bhopal, for the year 2017-18 were audited and the audit report issued thereon. During the course of audit it was noticed that Balance Sheet Sources of funds Current Liabilities and Provision (Schedule-3) ₹ 20.08 crore as per revised format of financial statements of Central Higher Educational Institute (CHEIs) sponsored project (Schedule 3a) closing balance (credit): ₹ 74.23 lakh should appear under the head liabilities side and closing balance (debit) : ₹ 4.72 lakh should appear under Loan, Advances and deposits. Despite net amount of ₹ 69.51 lakh disclosed (Schedule- 3) under the head current liabilities. This resulted in understatement of Current Liabilities and Provisions and Loan, Advances and Deposits by ₹ 4.72 lakh.

You are, therefore, requested to kindly take necessary corrective action and intimate to us in due course.

Best Regards

Yours sincerely,

Dr. N. Shridharan,
Director,
School of Planning and Architecture,
Bhopal - 462066

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

BALANCE SHEET AS AT 31-03-18

Amount in `.

SOURCES OF FUNDS	Schedule	Current Year	Previous Year
CORPUS/CAPITAL FUND	1	1623177785.56	1611904673.67
DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	2	102480.00	0.00
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	200783559.50	212609839.65
TOTAL		**1824063825.06**	**1824514513.32**
APPLICATION OF FUNDS	**Schedule**	**Current Year**	**Previous Year**
FIXED ASSETS	4		
Tangible Assets		1297010583.08	1010219473.86
Intangible Assets		1220022.00	468437.40
Capital Works-In-Progress		88756860.00	381391632.00
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT	5	0.00	0.00
Long Term			
Short Term			
INVESTMENTS - OTHERS	6	0.00	0.00
CURRENT ASSETS	7	384347356.48	318837124.68
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	52729003.50	113597845.38
TOTAL		**1824063825.06**	**1824514513.32**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	23		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS	24		

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE BHOPAL
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 2017-18

Amount in `.

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Academic Receipts	9	47385282.51	41899384.78
Grants / Subsidies	10	196728561.35	171609017.35
Income from investments	11	7098379.43	8341681.30
Interest earned	12	151546.00	168038.00
Other Income	13	676304.00	715370.00
Prior Period Income	14	0.00	0.00
TOTAL (A)		**252040073.29**	**222733491.43**
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment expenses)	15	132513112.00	91490084.00
Academic Expenses	16	27252601.00	25204534.00
Administrative and General Expenses	17	55714983.04	40695643.85
Transportation Expenses	18	6187097.00	6155525.00
Repairs & Maintenance	19	6255670.00	6254032.00
Finance costs	20	21982.07	12670.50
Depreciation	4	40656664.18	32654469.34
Other Expenses	21	0.00	0.00
Prior Period Expenses	22	13580887.00	1796528.00
TOTAL (B)		**282182996.29**	**204263486.69**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B) Transfer to / from Designated Fund Building fund Others (specify)		**-30142923.00**	**18470004.74**
Balance Being Surplus / (Deficit) Carried to Capital Fund		**-30142923.00**	**18470004.74**
Significant Accounting Policies	23		
Contingent Liabilities and Notes to Accounts	24		

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE - 1 CORPUS/CAPITAL FUND

Amount in Rupees

Amount in ₹

	Particulars	Current Year	Previous Year
	Balance at the beginning of the year		
	Corpus	112356608.11	104748468.00
	Capital Fund	1475321235.56	1643397054.22
	Grant from UGC, GOI & State Utilised for Capital exp	24226830.00	0.00
Add:	Excess dep. Charges in F.Y. 2015-16	0.00	4506467.60
Less:	FY 2015-16 Unutilized grant transfer to Sch 3C	0.00	59161965.00
Less:	GIA-OH-35- Capital CPWD ADV	0.00	81890326.00
Less:	GIA-OH-35- Capital returned by cpwd	0.00	50,000,000.00
Add:	Contributions towards		
	Corpus Income Credited	6535814.89	7608140.11
	Corpus from general fund	0.00	0.00
	Capital Fund	0.00	0.00
Add:	Adjustment on Account of Change in Depreciation method on Fixed Assets	0.00	0.00
Add:	Grants from UGC, Government of India and State Government to the extent utilized for capital expenditure	34880220.00	24226830.00
Add:	Assets Purchased out of Earmarked Funds	0.00	0.00
Add:	Assets Purchased out of Sponsored Projects, where ownership vests in the institution	0.00	0.00
Add:	Assets Donated/Gifts Received	0.00	0.00
Add:	Other Additions	0.00	0.00
Add:	Excess of Income over expenditure trasferred from the Income & Account	-30142923.00	18470004.74
	Total	1623177785.56	1611904673.67
(Deduct)	Deficit transferred from the Income & expenditure Account		
	Balance at the year end	1623177785.56	1611904673.67

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 2 - DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

Amount in ₹.

Particulars	Fund wise Breakup				Total	
	Fund AAA	Fund BBB	Fund CCC	Endowment Funds	Current Year	Previous Year
A.						
a) Opening balance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Additions during the year	0.00	0.00	0.00	100000.00	100000.00	0.00
c) Income from investments made of the funds	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Accrued Interest on investments/Advances	0.00	0.00	0.00	2480.00	2480.00	0.00
e) Interest on Savings Bank a/c	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
f) Other additions (Specify nature)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total (A)	0.00	0.00	0.00	102480.00	102480.00	0.00
B.						
Utilisation/Expenditure towards objectives of funds						
ii) Capital Expenditure	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ii) Revenue Expenditure	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total (B)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Closing balance at the year end (A - B)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Represented by						
Cash And Bank Balances Investments	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Interest accrued but not due	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 2A

ENDOWMENT FUNDS

Amount in `.

1. Sr. No.	2. Name of the Endowment	Opening Balance		Additions during the Year		Total		Expenditure on the object during the year	Closing Balance		Total (10+11)
		3. Endowment	4. Accumulated Interest	5. Endowment	6. Interest	7. Endowment (3+5)	8. Accumulated Interest (4+6)	0.9	10. Endowment	11. Accumulated Interest	
		0.00	0.00	100000.00	2480.00	100000.00	2480.00	0.00	100000.00	2480.00	102480.00
	Total	0.00	0.00	100000.00	2480.00	100000.00	2480.00	0.00	100000.00	2480.00	102480.00

Notes

1 The total of Columns 3 & 4 will appear as the Opening Balance in the Column "Endowment Funds" in Schedule 2, of Earmarked Funds forming part of the Balance Sheet.

2 The total of Col. 9 should normally be less than the total of Col. 8, as only the interest is to be used for the expenditure on the object of the endowments. (except Endowments for Chairs)

3. There should not normally be a debit balance in the schedule. If in a rare case, there is a debit balance against any of the Endowment Funds, the debit balance should appear on the Assets side of the Balance Sheet as "Receivables", in Schedule - 8 Loans, Advances & Deposits.

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3- CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

Amount in ₹ .

	Current Year	Previous Year
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Deposits from staff	0.00	0.00
2. Deposits from students		
a) Student Caution Money	7056700.00	4922700.00
b) CCB- Fees received for students		
c) Student Alumini	1417500.00	1181000.00
d) Advance Fee received	396019.00	428684.00
e) Passout and Admission Cancel	0.00	567650.00
3. Sundry Creditors		
a) For Goods & Services	1820669.00	2013099.00
b) Others (IIPA - SPA D)	171230.00	0.00
4. Deposit-Others (including EMD, Security Deposit)	7494849.00	6234487.00
5. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC TAX, CPF, GIS, NPS):		
a) Overdue	0.00	0.00
b) Others		
1) NPS	0.00	0.00
2) TDS	0.00	950949.00
6. Other Current Liabilities		
a)Salaries	0.00	0.00
b)Receipts against sponsored projects	6951086.50	9779190.00
c) Receipts against sponsored fellowships & scholarships	202000.00	638435.00
d) Unutilised Grants	131217335.00	160916443.65
e) Grants in advance	0.00	0.00
f) Other funds (AISHE)	24250.00	24250.00
g) Other liabilities	0.00	
a) Audit Fees Payable	0.00	0.00
b) Professional Fees Payable	162240.00	252520.00
c) Visting faculty Remuneratrion Payable	0.00	29566.00

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3- CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
d) Telephone Exp.	0.00	0.00
e) Transport Charges	0.00	0.00
Total (A)	156913878.50	187938973.65
B. PROVISIONS		
1. For Taxation	0.00	0.00
2. Gratuity	15320600.00	0.00
3. Superannuation Pension	0.00	0.00
4. Accumulated Leave Encashment	19973023.00	16728396.00
5. Trade Warranties/Claims	0.00	0.00
6. Others	8576058.00	7942470.00
Total (B)	43869681.00	24670866.00
Total (A+ B)	**200783559.50**	**212609839.65**

School of Planning and Architecture BHOPAL

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE - 3 (a) SPONSORED PROJECTS

Amount in ₹.

1. Sr. No.	2. Name of the Project	Opening Balance 3. Credit	Opening Balance 4. Debit	5. Receipts/Recoveries during the year	6. Total	7. Expenditure during the year		Closing Balance 8. Credit	Closing Balance 9. Debit
1	Accessibility Training Workshop		6902.00	82775.00		33753.00		42120.00	
2	Action for Children Environment Trust	35000.00		0.00				35000.00	
3	AHRC-ICHR CEP 2015-16- AJAY KHARE	62125.00		85476.00		136206.00		11395.00	
4	AIIMS			192000.00		15000.00		177000.00	
5	Ashapuri Project (Liabilities) Old		465244.00						465244.00
6	Ashapuri Temple Project - R & D 21	458843.00				115396.00		343447.00	
7	BRITISH ACADEMY- PROJECT	185000.00		7194.00		141602.00		50592.00	
8	Design for State Library Project								
9	DIC Project [Libilities]	1570169.00		313.00		698269.00		872213.00	
10	Gauhar Mahal Project (Liabities)	55229.00		55229.00		64920.00		45538.00	
11	GIAN Project (Liabilites)	1164913.00				1140109.00		24804.00	
12	Hast Shilp Evam Hast kargha			210100.00		52196.00		157904.00	
13	HIA - Hyderabad Golf Association	76200.00						76200.00	
14	HIA Rahatgarh			295000.00		147664.00		147336.00	
15	Housing of Urban Development Corp.	50000.00						50000.00	
16	HSMI Project	352839.00		16769.00		188884.00		200724.00	
17	ICAP (SPMURM)	1049659.00				655295.00		394364.00	
18	ICHR-Project (Vishakha Kawathekar)	264994.00		1719.00		197546.00		69167.00	
19	Institute Overhead - Projects	2943764.00		192976.55		42290.00		3094450.55	
20	JNURM Project		6758.00						6758.00
21	MP CDMA	88114.00						88114.00	
22	MPCDMA - 2016	1344623.00		1973.00		981920.00		364676.00	
23	MPTDC Project	442733.00		437500.00		190058.00		690175.00	
24	NIRD			244500.00		6872.00		237628.00	
25	Rajasthan State Hotels Corporation			725172.50		588820.55		136351.95	
26	SID- Bangalore - Project								
27	SPAB R AND D Projects	80000.00						80000.00	
28	Weavers Housing Cluster at Maheshwar (MP)	33889.00						33889.00	
	Total	10258094.00	478904.00	2548697.05	0.00	5376800.55	0.00	7423088.50	472002.00

1. The Projects may be listed agency-wise, with sub-totals for each agency.
2. The total of Col. 8 (Credit) will appear under the above head on the liabilities side of the Balance Sheet (Schedule 3).
3. The total of Col. 9 (Debit) will appear as Receivables in Schedule 7, Loans, Advances and Deposits, on the Assets side of the Balance Sheet.

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3 (b) SPONSORED FELLOWSHIPS AND SCHOLARSHIPS

Amount in ₹.

Sl. No	Name of Sponsor	Opening Balance As On 01.04.2017		Transactions During the year		Closing Balance As On 31.03.2018	
		CR.	DR.	CR.	DR.	CR.	DR.
	University Grants Commission	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Ministry of social justice and tribal affairs	537500.00	0.00	1956700.00	2494200.00	0.00	0.00
	Others (Specify individually)			0.00			
	a. EDCIL	84915.00	0.00	0.00	84915.00	0.00	0.00
	b. Distric welfare officer Nalanda	16020.00	0.00	0.00	16020.00	0.00	0.00
	c. M P State Scholarship	0.00	0.00	471500.00	471500.00	0.00	
	d. Scholarship for Other State	0.00	0.00	231309.06	29309.06	202000.00	0.00
	Total	**638435.00**	**0.00**	**2659509.06**	**3095944.06**	**202000.00**	**0.00**

Note:

1. The total of Column 7, (Credit) will appear under the above head, on the liabilities side of the Balance Sheet (Schedule 3).
2. The total of Column 8 (Debit) will appear as Receivables on the Assets side of the Balance Sheet in Schedule 8 (Loans, Advances and Deposits).

School of Planning and Architecture BHOPAL

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3(c) UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS

Amount in `.

	Current Year	Previous Year
A. Plan grants: Government of India (MHRD)		
Balance B/F		0.00
GIA-OH-31- General	-134968.35	20283965.00
GIA-OH-35- Capital	49766508.00	35296000.00
Advance for Capital - 35	93192988.00	
GIA-OH-36- Salary	18091916.00	3582000.00
Total	160916443.65	59161965.00
Add: Receipts during the year		
GIA-OH-31- General	74000000.00	59700000.00
Interest earned on grant	5609672.70	0.00
GIA-OH-35- Capital	0.00	0.00
GIA-OH-35- Capital returned by cpwd	32768000.00	50000000.00
GIA-OH-36- Salary	122300000.00	106000000.00
Total	234677672.70	215700000.00
Less Refunds	0.00	0.00
Less: Utilized for Revenue Expenditure		
GIA-OH-31- General	79474704.35	80118933.35
GIA-OH-36- Salary	117253857.00	91490084.00
Total OH31+Oh36	196728561.35	171609017.35
Less: Utilized for Capital expenditure GIA-OH-35	10194918.00	24226830.00
Less: Utilized for Capital expenditure advance GIA-OH-35	57453302.00	0.00
less: Advance granted for capital during the year	0.00	11302662.00
Unutilized carried forward (a-b)		
GIA-OH-31- General	0.00	-134968.35 ~~0.00~~
GIA-OH-35- Capital	72339590.00	49766508 ~~0.00~~
GIA-OH-35- Capital Advance	35739686.00	93192988.00
GIA-OH-36- Salary	23138059.00	18091916 ~~0.00~~
Total OH31+OH35+OH36	131217335.00	~~93192988.00~~
		160916443.65
B. UGC grants: Plan	0.00	0.00
Balance B/F	0.00	0.00
Receipts during the year	0.00	0.00

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 3(c) UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
Total (c)	0.00	0.00
Less Refunds	0.00	0.00
Less: Utilized for Revenue Expenditure	0.00	0.00
Less: Utilized for capital expenditure	0.00	0.00
Total (d)	0.00	0.00
Unutilized carried forward (c-d)	0.00	0.00
	0.00	0.00
C. UGC Grants Non Plan	0.00	0.00
Balance B/F	0.00	0.00
Receipts during the year	0.00	0.00
Total (e)	0.00	0.00
Less: Refunds	0.00	0.00
Less: Utilised for Revenue Expenditure	0.00	0.00
Less: Utilised for Capital Expenditure	0.00	0.00
Total (f)	0.00	0.00
Unutilized carried forward (e- fj	0.00	0.00
D. Grants from State Govt.	0.00	0.00
Balance B/F	0.00	0.00
Add: Receipts during the year	0.00	0.00
Total (g)	0.00	0.00
Less: Utilized for Revenue Expenditure	0.00	0.00
Less: Utilized for Capital Expenditure	0.00	0.00
Total (h)	0.00	0.00
Unutilized carried forward (g - h)	0.00	0.00
Grand Total (A+B+C+D)	0.00	0.00

Notes:-

Unutilized grants includes advances on Capital Account

Unutilized grants include grants received in advance for the next year

Unutilized grants are represented on the Assets side by Bank balances, Short term Deposits with Banks and advances on Capital Account

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 4 FIXED ASSETS

Amount in `.

S.No	Assets Heads	Dep Rate In %	Gross Block				Depreciation for the Year 2017-18			Net Block	
			Op Balance 01.04.2017	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation For the year	Total	31.03.18	31.03.17
	Tangible Assets										
1	Land	0	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2	Site Development	0	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3	Buildings		0.00						0.00	0.00	0.00
	a) On Leasehold Land	2	361688758.00	2109000.00	0.00	363797758.00	34784034.16	7275955.16	42059989.32	321737768.68	326904723.84
	b) Girls Hostel	2	135426627.00	782253.00	0.00	136208880.00	7757830.54	2724177.60	10482008.14	125726871.86	127668796.46
	c) Student Amenetie II	2	69213959.00	19000.00	0.00	69232959.00	4033378.18	1384659.18	5418037.36	63814921.64	65180580.82
	d) Superstructures on Land not belonging to the institution	2	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	e) Boys hostel II	2	215300046.00	161577.00	0.00	215461623.00	8612001.92	4309232.46	12921234.38	202540388.62	206688044.08
	f) Assistant Prof.Quarters	2	118620377.00	2441623.00	0.00	121062000.00	4744815.54	2421240.00	7166055.54	113895944.46	113875561.46
	g) Staff Quarters	2		120186000.00	0.00	127097471.00	0.00	2403720.00	2403720.00	124693751.00	0.00
	g) Play ground	2	6911471.00	0.00	0.00	0.00	138229.42	138229.42	276458.84	-276458.84	6773241.58
	h) Indoor Sub Station	2	0.00	24397000.00	0.00	24397000.00	0.00	487940.00	487940.00	23909060.00	0.00
	h)Director Bunglow, Gate Complex, Prof Qtrs, etc.	2	0.00	152341499.00	0.00	152341499.00	0.00	3046829.98	3046829.98	149294669.02	0.00
4	Roads & Bridges	2	89746000.00	9525000.00	0.00	99271000.00	1794920.00	1985420.00	3780340.00	95490660.00	87951080.00
5	Tubewells & Water Supply	2	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6	Sewerage & Drainage	2	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7	Electrical Installation and equipment	5	16403163.00	257130.00	0.00	16660293.00	3514797.15	833014.65	4347811.80	12312481.20	12888365.85
8	Plant & Machinery	5	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9	Scientific & Laboratory Equipment	8	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
10	Office Equipment	7.5	13291761.00	2259497.00	0.00	15551258.00	4458676.08	1166344.35	5625020.43	9926237.57	8833084.92
11	Audio Visual Equipment	7.5	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12	Computers & Peripherals	20	37699076.00	1508510.00	0.00	39207586.00	33420887.40	3643397.20	37064284.60	2143301.40	4278188.60
13	Furniture, Fixtures & Fittings	7.5	33725410.00	5616823.00	0.00	39342233.00	9826985.75	2950667.48	12777653.23	26564579.77	23898424.25
14	Vehicles	10	1146688.00	0.00	0.00	1146688.00	912750.80	114668.80	1027419.60	119268.40	233937.20
15	Lib. Books & Scientific Journals	10	41892242.00	4734353.00	0.00	46626595.00	16846797.20	4662659.50	21509456.70	25117138.30	25045444.80
16	Small Value Assets	100	0.00	86966.00	0.00	86966.00	0.00	86966.00	86966.00	0.00	0.00
	Total (A)		**1141065578.00**	**326426231.00**	**0.00**	**1467491809.00**	**130846104.14**	**39635121.78**	**170481225.92**	**1297010583.08**	**1010219473.86**
17	**Capital Work in Progress (B)**		**381391632.00**	**25409308.00**	**318044080.00**	**88756860.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**88756860.00**	**381391632.00**
S.No	Assets Heads		Op Balance 01.04.2017	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation For the year	Total Amortization	31.03.18	31.03.17
	Intangible Assets						0.00				
18	Computer Software	40	22376516.00	1773127.00	0.00	24149643.00	21964627.40	983843.20	22948470.60	1201172.40	411888.60
19	E-Journals	40	94248.00	0.00	0.00	94248.00	37699.20	37699.20	75398.40	18849.60	56548.80
20	Patents		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Total (C)		**22470764.00**	**1773127.00**	**0.00**	**24243891.00**	**22002326.60**	**1021542.40**	23023869.00	**1220022.00**	**468437.40**
	GrandTotal(A+B+C)		**1544927974.00**	**353608666.00**	**318044080.00**	**1580492560.00**	**152848430.74**	**40656664.18**	**193505094.92**	**1386987465.08**	**1392079543.26**

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

DIRECTOR

Computer and Peripherals depreciation working for F.Y 2017-18

S.No	Assets Heads	Rates	Op Balances	Additions	software	Net Peripherals Additions	Dep Opening Balance	Depreciation For the year	Total dep	Residual Value as on 31.03.2018
	Computers & Peripherals 2008-09			285826	0.00	285826	0.00	0.00	0.00	
	Computers & Peripherals 2009-10		285826.00	7362018.04	0.00	7362018.04	0.00	0.00	0.00	
	Computers & Peripherals 2010-11		7647844.04	6950824.00		6950824	0.00	0.00	0.00	
	Computers & Peripherals 2011-12		14598668.04	4636378.00	0.00	4636378	0.00	0.00	0.00	
	Computers & Peripherals 2012-13		19235046.04	5716931	3946377	1770554	1770554.00	0.00	0.00	0.00
	Computers & Peripherals 2013-14		21005600.04	17876118	3539487	14336631	11469304.8	2867326.2	0.00	0.00
	Computers & Peripherals 2014-15		35342231.04	284950.00	289438.00	277112.00	166267.20	55422.40	221689.60	55422.40
	Computers & Peripherals 2015-16		35619343.04	1878844.00	0.00	1878844.00	751537.60	375768.80	1127306.40	751537.60
	Computers & Peripherals 2016-17		37483187.00	215889.00	686481.00	215889.00	43177.80	43177.80	86355.60	129533.40
	Computers & Peripherals 2017-18		37699076.04	1508510.00	1773127.00	1508510.00	0.00	301702	301702	1206808.00
12	Computers & Peripherals	20%		46716288.04	10234910.00	39222586.04	14200841.40	3643397.20	1737053.60	2143301.40

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 5 : INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1 In Central Government Securities	0.00	0.00
2 In State Government Securities	0.00	0.00
3 Other approved Securities	0.00	0.00
4 Shares	0.00	0.00
5 Debentures and Bonds	0.00	0.00
6 Term Deposits with Banks	0.00	0.00
7 Others (to be specified)	0.00	0.00
Total	**0.00**	**0.00**

SCHEDULE 6 -INVESTMENTS- OTHERS

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
1. In Central Government Securities	0.00	0.00
2. In State Government Securities	0.00	0.00
3. Other approved Securities	0.00	0.00
4. Shares	0.00	0.00
5. Debentures and Bonds	0.00	0.00
6. Others (to be specified)	0.00	0.00
TOTAL	**0.00**	**0.00**

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 7- CURRENT ASSETS

Amount in `.

	Current Year	Previous Year
1. Stock:		
a) Stores and Spares	0.00	0.00
b) Loose Tools	0.00	0.00
c) Publications	0.00	0.00
d) Laboratory chemicals, consumables and glass ware	0.00	0.00
e) Building Material	0.00	0.00
f) Electrical Material	0.00	0.00
g) Stationery	0.00	0.00
h) Water supply material	0.00	0.00
2. Sundry Debtors:		
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months	0.00	0.00
b) Others	0.00	0.00
3. Cash and Bank Balances		
a) Cash	3032.00	4041.00
b) Bank	0.00	
a) With Scheduled Banks:		
In Current Accounts		
a) Canara Bank -2073201002565	199092.46	20817.00
b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	4983563.90	443627.91
c) SBI-IISER-30427862263	483840.76	39815.76
d) SBI-IISER- 30880988560	463528.28	2625173.28
e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	12508127.15	10698109.20
f) Canara Bank -BHAURI 4725214000002	0.00	0.00
g) Canara Bank -BHAURI 4725214000001	0.00	0.00
h) Canara Bank (GIAN) - 4725101000036	124171.00	1239789.00
i) Canara Bank (R&D) - 4725101000021	3379675.50	7241764.00
j) Canara Bank (DIC) - 4725101000020	872473.00	1568784.00
k) Canara Bank (DIC) - 4725101000023	10005.00	938794.00
l) Canara Bank -Sweep- 4725201000005	0.00	40296119.00
j) SBI- IISER TAX - 37065387068	10000.00	0.00

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 7- CURRENT ASSETS

Amount in `.

	Current Year	Previous Year
In term deposit Accounts		
a) SBI-FDR		16000000.00
b) SBI-FDR-Fees	140026776.43	32206104.00
c) FDR -Corpus	118399413.00	112448735.53
d) FDR with Canara Bank	47768000.00	7436535.00
e) Canara FDR other than fee	4300000.00	0.00
f) FDR with Canara Bank-Fees-Sweep Account	0.00	45616286.00
g) FDR with Canara Bank-Project	2800000.00	0.00
h) FDR with Canara Bank- CPWD Amt received	48000000.00	40000000.00
In Savings Accounts		
a) SBI-DST .32668321701	0.00	0.00
b) SBI-Corpus-32846379816	15658.00	12630.00
b) With non-Scheduled Banks:		
in term deposit Accounts	0.00	0.00
in Savings Accounts	0.00	0.00
4. Post Office- Savings Accounts	0.00	
TOTAL	**384347356.48**	**318837124.68**

School of Planning and Architecture BHOPAL

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 8- LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

Amount in `.

	Current Year	Previous Year
1. Advances to employees: (Non-interest bearing)		
a) Salary	0.00	0.00
b) Festival	0.00	27900.00
c) Medical Advance	0.00	0.00
d) Other (to be specified)		
a) LTC	145000.00	113969.00
b) Temporary Advance (contigent)	76760.00	261641.00
c) Imprest	31162.00	80000.00
d) Faculty Development Program(CPDA)	47586.00	339300.00
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)		
a) Vehicle loan	0.00	0.00
b) Home loan	0.00	0.00
c) Others (to be specified)		
a) Computer Advance	70755.00	152275.00
b) NPS Advance	121027.00	436569.00
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received:		
a) On Capital Account		
a) CPWD Advance For Building	24830250.00	78968326.00
b) CPWD Advance For Boundary Wall	292200.00	2922000.00
c) NBCC Advance For Building	0.00	0.00
b) To Suppliers		
c) Others		
a) Advance to Students	209000.00	0.00
b) Subscription Advance	0.00	0.00
c) MP STATE BAMBOO MISSION (MPSBM)	0.00	0.00
d) NRSC Hyderabad (Advance)	0.00	0.00
e) Advance to others	9066952.00	11571042.00

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 8- LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

Amount in `.

	Current Year	Previous Year
4. Prepaid Expenses		
a) Insurance	265128.00	187466.00
b) Other expenses	0.00	0.00
c) Internet Charges	2989800.00	3094441.00
d) Library Journal	350918.00	2607842.00
e) Aniti Virus Software	0.00	0.00
f) AMC	2488122.00	3747402.00
g) Departmental Exp.	0.00	0.00
h) Adv. Subscriptio & Prepaid News paper & Mag.	2279162.00	0.00
5. Deposits		
a) Telephone	0.00	0.00
b) Lease Rent	0.00	0.00
c) Electricity - MPKVN (33KV)	1457000.00	1457000.00
d) AICTE, if applicable	0.00	0.00
e) Others (to be specified)	0.00	0.00
a) Advance energy Charges (RAO) O&M	20000.00	20000.00
b) GST Deposits	20682.00	0.00
c) SD for Gas Connection	3050.00	0.00
6. Income Accrued:		
a) On Investments from Earmarked/ Endowment Funds	2232.00	0.00
b) On Investments-Others	164876.00	1711624.88
c) On Loans and Advances	0.00	0.00
d) Others Receivable from Students	125100.00	179500.00
7. Other- Current assets receivable from UGC/sponsored projects		
a) Debit balances in Sponsored Projects	0.00	0.00
b) Debit balances in Sponsored Fellowships & Scholarships	0.00	0.00
c) Grants Receivable	0.00	0.00
d) Other receivables from UGC	0.00	0.00
8. Claims Receivable (TDS)	7672241.50	5719547.50
TOTAL	52729003.50	113597845.38

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 9- ACADEMIC RECEIPTS

Amount in `.

	Current Year	Previous Year
FEES FROM STUDENTS		
Academic		
1. Tuition fee	25563647.06	23129102.27
2. Admission fee	193000.00	191000.00
3. Enrolment fee	0.00	0.00
4. Library Admission fee/Internet Charges	1866500.00	1362000.00
5. Laboratory fee/Studio Chargres	1872500.00	952500.00
6. Art & Craft fee	0.00	0.00
7. Registration fee	749000.00	381000.00
8. Syllabus fee	0.00	30.00
9. Sweep Acount (2015-16)	0.00	195769.00
Total (A)	**30244647.06**	**26211401.27**
Examinations		
1. Admission test fee	0.00	0.00
2. Annual Examination fee/Supplimentry Fees	2535500.00	1894800.00
3. Mark sheet, certificate fee , revaluation Fees	30900.00	7100.00
4. Entrance examination fee	0.00	0.00
Total (B)	**2566400.00**	**1901900.00**
Other Fees		
1. Identity card fee	96500.00	99150.00
2. Fine/Miscellaneous fee/Duplicate fee book	305586.45	249621.25
3. Student Medical fee	998200.00	795200.00
4. Transportation fee	0.00	0.00
5. Hostel fee	7377573.00	7099558.00
6. Sport/Gym fees	218532.00	284257.00
7. Student welfare / Activity	394732.00	1412473.00
8. Migration Fees	48000.00	44000.00
9. Student Training & Placement	1119792.00	14000.00
10. Admission Cancillation Fees	0.00	0.00

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 9- ACADEMIC RECEIPTS

Amount in `.

	Current Year	Previous Year
11. Convocation Fees	429500.00	407000.00
12. Institute Developments fees	1572500.00	1570500.00
13. Group Insurance fee	516800.00	515200.00
Total(C)	**13077715.45**	**12490959.25**
Sale of Publications		
1. Sale of Admission forms	1496520.00	1260224.26
2. Sale of syllabus and Question Paper, etc.	0.00	0.00
3. Sale of prospectus including admission forms and spandral	0.00	30900.00
Total (D)	**1496520.00**	**1291124.26**
Other Academic Receipts		
1. Registration fee for workshops, programmes	0.00	4000.00
2. Registration fees (Academic Staff College)	0.00	0.00
Total (E)	**0.00**	**4000.00**
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**47385282.51**	**41899384.78**

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 10- GRANTS & SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)

Amount in ₹.

Particulars	Plan			Total Plan	Non Plan UGC	Current Year Total	Previous Year Total
	Govt. of India	UGC					
		Plan	Specific Schemes				
Balance B/F							
Add: Receipts during the year	117253857.00	0.00	0.00	117253857.00	0.00	117253857.00	171609017.35
Add: Excess expenses over grant	79474704.35	0.00	0.00	79474704.35		79474704.35	0.00
Total	196728561.35	0.00	0.00	196728561.35	0.00	196728561.35	171609017.35
Less: Refund to UGC							
Balance							
Less: Utilised for Capital expenditure (A)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Balance	196728561.35	0.00	0.00	196728561.35	0.00	196728561.35	171609017.35
Less: Utilized for Revenue Expenditure (B)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Balance C/F (C)	196728561.35	0.00	0.00	196728561.35	0.00	196728561.35	171609017.35

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 11- INCOME FROM INVESTMENTS

Amount in ₹.

Particulars	Earmarked/Endowment Funds		Other Investments	
	Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
1. Interest				
a. On Government Securities	0.00	0.00	0.00	0.00
b. Other Bonds/Debentures	0.00	0.00	0.00	0.00
2. Interest on Term Deposits	6383919.43	0.00	0.00	3985171.30
3. Income accrued but not due on Term Deposits/ Interest bearing advances to employees	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Interest on Savings Bank Accounts	24491.00	0.00	0.00	0.00
5. Others (Specify)	0.00	0.00	0.00	0.00
a)Interest on sweep a/c	689969.00	0.00	0.00	4356510.00
Total	**7098379.43**	**0.00**	**0.00**	**8341681.30**
Transferred to Earmarked/Endowment Funds	0.00	0.00		
Balance	0.00	0.00		

SCHEDULE 12: INTEREST EARNED

Amount in ₹.

Particulars	Current Year	Previous Year
1. On Savings Accounts with scheduled banks	0.00	11628.00
2 On Loans		
a. Employees/Staff	55355.00	62510.00
b. Others	96191.00	93900.00
3. On Debtors and Other Receivables	0.00	0.00
Total	**151546.00**	**168038.00**

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 13- OTHER INCOME

Amount in ₹.

	Current Year	Previous Year
A. Income from Land & Buildings		
1. Hostel Room Rent	0.00	0.00
2. License fee	192970.00	194365.00
3. Hire Charges of Auditorium/Play ground/Convention Centre, etc	0.00	0.00
4. Electricity charges recovered	29599.00	0.00
5. Water charges recovered	0.00	0.00
6. Rent from Others	155468.00	382435.00
Total (A)	**378037.00**	**576800.00**
B. Sale of Institute's publications (B)	**0.00**	**0.00**
C. Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/ sports carnival	0.00	0.00
Less: Direct expenditure incurred on the annual function/ sports carnival	0.00	0.00
2. Gross Receipts from fetes	0.00	0.00
Less: Direct expenditure incurred on the fetes	0.00	0.00
3. Gross Receipts for educational tours	0.00	0.00
Less: Direct expenditure incurred on the tours	0.00	0.00
4. Others (to be specified and separately disclosed)	31600.00	0.00
Total(C)	**31600.00**	**0.00**
D. Others		
1. Income from consultancy	0.00	0.00
2. RTI fees	124.00	70.00
3. Income from Royalty/Research Projects	0.00	0.00
4. Sale of application form (recruitment)	0.00	0.00
5. Misc. Receipts	0.00	0.00
a) Sale of tender form/Registration Charges	118250.00	35500.00
b) Guest House Receipts	100226.00	0.00
c) Income from Resource Centre	0.00	0.00
d) Income from DASA	25000.00	100000.00
6. Profit on Sale/disposal of Assets:	0.00	0.00
a) Owned assets	0.00	0.00
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	0.00	0.00
7. Seminar / programme fees/ Convocation fees	0.00	0.00
8. Others (specify) Misc. Recipts/ interest on loans	23067.00	3000.00
Total (D)	**266667.00**	**138570.00**
Grand Total (A+B+C+D)	**676304.00**	**715370.00**

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 14- PRIOR PERIOD INCOME

Amount in ₹.

Particulars	Current Year	Previous Year
1. Academic Receipts	**0.00**	**0.00**
2. Income from Investments	0.00	0.00
3.1nterest earned	0.00	0.00
4. Other Income	0.00	0.00
Total	0.00	0.00

SCHEDULE 15- STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)

Amount in ₹.

	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Salaries and Wages	96523376.00	0.00	96523376.00	79843992.00	0.00	79843992.00
b) Allowances and Bonus	0.00	0.00	0.00	427146.00	0.00	427146.00
c) Contribution to Provident Fund/Pension Fund	134807.00	0.00	134807.00	37592.00	0.00	37592.00
d) Contribution to Other Fund (NPS)	9325433.00	0.00	9325433.00	6676680.00	0.00	6676680.00
e) Staff Welfare Expenses	237299.00	0.00	237299.00	0.00	0.00	0.00
f) Retirement and Terminal Benefits	18565227.00	0.00	18565227.00	-2114513.00	0.00	-2114513.00
g) LTC facility	2204258.00	0.00	2204258.00	1467636.00	0.00	1467636.00
h) Medical facility	1091767.00	0.00	1091767.00	881271.00	0.00	881271.00
i) Children Education Allowance	964635.00	0.00	964635.00	1012415.00	0.00	1012415.00
j) Honorarium	57044.00	0.00	57044.00	2188.00	0.00	2188.00
k) TA/DA expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
l) Others	0.00			0.00		
a) Leave Encashment	340162.00	0.00	340162.00	716152.00	0.00	716152.00
b) Cumulative Professional Development Expenses	2751147.00	0.00	2751147.00	2469713.00	0.00	2469713.00
c) Recruitment Expenses	202842.00	0.00	202842.00	16500.00	0.00	16500.00
d) Staff Training	102453.00	0.00	102453.00	24854.00	0.00	24854.00
e) NPS Maintenance charges	12662.00	0.00	12662.00	28458.00	0.00	28458.00
TOTAL	**132513112.00**	**0.00**	**132513112.00**	**91490084.00**	**0.00**	**91490084.00**

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 16- ACADEMIC EXPENSES

Amount in ₹.

	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Laboratory expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Field work/Participation in Conferences	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Expenses on Seminars/Workshops	322632.00	0.00	322632.00	210760.00	0.00	210760.00
d) Payment to visiting faculty .	1741384.00	0.00	1741384.00	2291936.00	0.00	2291936.00
e) Examination	2176226.00	0.00	2176226.00	2090500.00	0.00	2090500.00
f) Student Welfare/ Activties expenses	191406.00	0.00	191406.00	1696730.00	0.00	1696730.00
g) Admission expenses	73690.00	0.00	73690.00	65010.00	0.00	65010.00
h) Convocation expenses	952796.00	0.00	952796.00	1155946.00	0.00	1155946.00
i) Publications	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
j) Stipend/means-cum-merit scholarship	14153116.00	0.00	14153116.00	9784639.00	0.00	9784639.00
k) Subscription Expenses	1475595.00	0.00	1475595.00	881514.00	0.00	881514.00
l) Others (specify)	0.00			0.00		
a) Training & Placement Cell	7537.00	0.00	7537.00	28100.00	0.00	28100.00
b) Medical facilities	2983958.00	0.00	2983958.00	3354372.00	0.00	3354372.00
c)Student Medical Insurance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Bank Charges		0.00	0	15887.00	0.00	15887
e) Fees Refund/Mess fee Refund	0.00	0.00	0	401000	0.00	401000
f) Group Insurance Exps	463621.00	0.00	463621	506286		506286
g) Hostel Exps	0.00		0	7427	0.00	7427
h) departmental Activties	2710640.00		2710640	2714427		2714427
			0	0.00	0.00	0.00
TOTAL	**27252601.00**	**0.00**	**27252601.00**	**25204534.00**	**0.00**	**25204534.00**

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 17- ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

Amount in ₹.

	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
A Infrastructure						
a) Electricity and power	8016567.04	0.00	8016567.04	7180244.85	0.00	7180244.85
b) Water charges	1841151.00	0.00	1841151.00	1004121.00	0.00	1004121.00
c) Insurance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Rent, Rates and Taxes (including propertytax)	1150986.00	0.00	1150986.00	1041616.00	0.00	1041616.00
B Communication	0.00			0.00		
a) Postage and Telegram	374027.00	0.00	374027.00	376628.00	0.00	376628.00
b) Telephone, Fax and Internet Charges	1820715.00	0.00	1820715.00	3291258.00	0.00	3291258.00
C Others	0.00					
a) Printing and Stationery (consumption)	2144917.00	0.00	2144917.00	1378637.00	0.00	1378637.00
b) Travelling and Conveyance Expenses	190883.00	0.00	190883.00	74934.00	0.00	74934.00
c) Hospitality and Statutory Meeting Expenses	1521137.00	0.00	1521137.00	1791066.00	0.00	1791066.00
d) Auditors Remuneration	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
e) Professional Charges	862885.00	0.00	862885.00	367950.00	0.00	367950.00
f) Advertisement and Publicity	889975.00	0.00	889975.00	997387.00	0.00	997387.00
g) Magazines & Journals	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
h) Others (specify)	0.00			0.00		
a) Project Expenses	0.00	0.00	0.00	276799.00	0.00	276799.00
b) Misc Expenses/ Consumable item exps	1440.00	0.00	1440.00	14000.00	0.00	14000.00
c) Website Development	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Outsourcing Expenses	36835400.00	0.00	36835400.00	22826593.00	0.00	22826593.00
e) Shifting Expenses	4900.00	0.00	4900.00	0.00	0.00	0.00
f) Membership of Professional Institutation	60000.00	0.00	60000.00	50000.00	0.00	50000.00
g) Landscape Development Exps.	0.00	0.00	0.00	4100.00	0.00	4100.00
h) Day Care Centre Expenses	0.00	0.00	0.00	20310.00	0.00	20310.00
TOTAL	**55714983.04**	**0.00**	**55714983.04**	**40695643.85**	**0.00**	**40695643.85**

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 18-TRANSPORTATION EXPENSES

Amount in `.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
1 Vehicles (owned by institution)						
a) Running expenses	120134.00	0.00	120134.00	187191.00	0.00	187191.00
b) Repairs & maintenance	2962.00	0.00	2962.00	49387.00	0.00	49387.00
c) Insurance expenses	52764.00	0.00	52764.00	41517.00	0.00	41517.00
2 Vehicles taken on rent/lease						
a) Rent/lease expenses	6011237.00	0.00	6011237.00	5877430.00	0.00	5877430.00
3 Vehicle (Taxi) hiring expenses		0.00	0.00		0.00	0.00
Total	**6187097.00**	**0.00**	**6187097.00**	**6155525.00**	**0.00**	**6155525.00**

SCHEDULE 19- REPAIRS & MAINTENANCE

Amount in `.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Buildings	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Furniture & Fixtures	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Plant & Machinery	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Office Equipment	1922143.00	0.00	1922143.00	1074339.00	0.00	1074339.00
e) Computers	4223277.00	0.00	4223277.00	4931587.00	0.00	4931587.00
n) Laboratory & Scientific equipment	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
g) Audio Visual equipment	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
h) Cleaning Material & Services	109329.00	0.00	109329.00	247483.00	0.00	247483.00
i) Book binding charges	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
j) Gardening	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
k) Estate Maintenance	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
l) Others (Specify) MISc	921.00	0.00	921.00	623.00	0.00	623.00
Total	**6255670.00**	**0.00**	**6255670.00**	**6254032.00**	**0.00**	**6254032.00**

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 20- FINANCE COSTS

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Bank charges	21982.07	0.00	21982.07	12670.50	0.00	12670.50
b) Others (specify)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	**21982.07**	**0.00**	**21982.07**	**12670.50**	**0.00**	**12670.50**

SCHEDULE 21- OTHER EXPENSES

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Irrecoverable Balances Written- off	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Grants/Subsidies to other institutions/organizations	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Others (specify)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Transit Campus Assets Written Off	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

SCHEDULE 22: PRIOR PERIOD EXPENSES

Amount in ₹.

Particulars	Current Year			Previous Year		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
1 Establishment expenses	12949362.00	0.00	12949362.00	0.00	0.00	0.00
2 Academic expenses	470122.00	0.00	470122.00	-1107.00	0.00	-1107.00
3 Administrative expenses	-85152.00	0.00	-85152.00	0.00	0.00	0.00
4 Transportation expenses	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5 Repairs & Maintenance	246555.00	0.00	246555.00	32790.00	0.00	32790.00
6 Other expenses		0.00	0.00		0.00	0.00
a) Property Tax	0.00	0.00	0.00	1764845.00	0.00	1764845.00
Total	13580887.00	0.00	13580887.00	1796528.00	0.00	1796528.00

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

Schedule: 23

Significant Accounting Policies

1. Basis For Preparation of Accounts:

The Annual Accounts of the Institute are prepared on the basis of revised format and guidelines issued by the Ministry of Human Resource Development, Government of India and approved by the C&AG of India for all Central Educational Institutes w.e.f. F.Y.2015-16 (Communicated vide letter No. 29-4/2012-IFD Dated 17/04/2015 of MHRD, GOI).

2. Accounting Convention:

The Financial Statements are prepared on the basis of Historical Cost Convention unless otherwise stated and generally on the accrual method of accounting.

3. Revenue Recognition:

1 Admission Fees, Tuition Fees and other Fees received from Students are accounted on accrual basis.

2 Interest received on Bank Deposits are accounted on accrual basis.

3 Income from Land, Buildings and Other Property are accounted on Cash basis.

4. Fixed Assets and Depreciation:

4.1 The fixed assets are valued at cost of acquisition and inclusive of inward freight, duties, taxes, incidental and direct expenses related to acquisition.

No fixed asset has been received directly by way of non-monetary grant during the year under consideration.

The land measuring 30.219 hectares at Gram Bhauri, Bhopal on which the construction and development of permanent campus of the Institute is under progress has been given by the Government of Madhya Pradesh on permanent lease basis, initially for a period 30 years and then to be reviewed, at No Cost

4.2 No Gifted / Donated Assets and Books have been received during the year under consideration.

4.3 Fixed assets are valued at cost less accumulated depreciation. The method of depreciation on fixed assets has been done on straight line method, at the following rates as stated in the letter No. 29-4/2012-IFD Dated 17/04/2015 of MHRD, GOI:

Dy. Registrar

School of Planning and Architecture BHOPAL

Registrar

Director

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

	Tangible Assets:	**Depreciation Rate:**
1.	Land	0%
2.	Site Development	0%
3.	Buildings	2%
4.	Roads & Bridges	2%
5.	Tube Wells & Water Supply	2%
6.	Sewerage & Drainage	2%
7.	Electrical Installation and Equipment	5%
8.	Plant & Machinery	5%
9.	Scientific & Laboratory Equipment	8%
10.	Office Equipment	7.5%
11.	Audio Visual Equipment	7.5%
12.	Computer & Peripherals	20%
13.	Furniture, Fixtures & Fittings	7.5%
14.	Vehicles	10%
15.	Library Books & Scientific Journals	10%

Intangible Assets (amortization):

1.	E-Journals	40%
2.	Computer Software	40%
3.	Patents and Copyrights	9 years

4.4 Depreciation is provided for the whole year on additions during the year, irrespective of the period of acquisition.

4.5 Where an asset is fully depreciated, it will be shown at a residual value of ₹ 1/- in the Balance Sheet and will not be further depreciated.

4.6 Assets created out of Earmarked Funds and funds of Sponsored Projects, where the ownership of such assets vests in the Institution, will be setup by credit to Capital Fund and merged with the Fixed Assets of the Institution. Depreciation will be charged at the rates applicable to the respective assets.

Assets created out of Sponsored Project funds, where the ownership is retained by the sponsors but held and used by the Institution are separately disclosed in the Notes on Accounts.

Dy. Registrar

School of Planning and Architecture BHOPAL

Registrar

Director

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

5. Intangible Assets:

Library Journals were received in print hence treated as tangible assets and booked under library books.

a. Software and Computer Peripherals are being shown under the Fixed Assets.

6. Stocks:

Expenditure on purchase of Chemicals, Lab ware, Office Consumable, Publications and other consumable items are accounted as revenue expenditure.

7. Retirement Benefits:

All employees of the Institute are covered under New Pension Scheme. No provision has been made for Pension. However, currently, provision is made for Earned Leave Encashment and Gratuity on actuarial basis. As the outcome of this an amount of Rs.19973023 and Rs.15320600 are the provision made for leave encashment and Gratuity, up to 31.03.2018.

8. Investments:

No Long Term or Short Term investments are made by the Institute in Government Securities, Bonds, Debentures and Shares etc.

9. Corpus/Earmarked/Designated/Endowment Funds:

The Funds of the Institute are classified into following categories:

1. Corpus / Capital Fund: It refers to fund contributed by Government for establishment and activities of the Institute. The additions to this fund are Grants from Government to the extent utilized for Capital Expenditure, Assets purchased out of earmarked funds and excess of income over expenditure transferred from Income and Expenditure a/c.
2. Corpus Fund: These funds are set aside by the Institute with the approval of Board of Governors from the internal receipts, for specific purposes.

10. Government Grants:

Plan, Non Plan and other Grants received from Government are accounted on accrual basis, `

The Capital Fund has been increased to the extent government grant was utilized towards capital expenditure during the year.

Dy. Registrar

School of Planning and Architecture BHOPAL

Registrar

Director

11. Investments of Corpus Fund and Income from Interest on Such Investments:

Corpus Fund are being invested in Fixed Deposit Receipts of the Scheduled Banks and interest received on this investment is being accounted for separately.

12. Sponsored Projects:

The amount received under Sponsored Projects has been separately shown in sub-schedule 3A under the head "Current Liabilities and Provisions".

13. INCOME TAX:

The Institute has complied with the directives on Income tax, from time to time. No provision for tax is made in the accounts.

Dy. Registrar

School of Planning and Architecture BHOPAL

Registrar

Director

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

Schedule : 24

Contingent Liabilities and Notes on Accounts

1. The financial statement of the Institute is prepared in three parts:
    1. Receipt & Payment Account
    2. Income & Expenditure Account
    3. Balance Sheet.

   The Receipts & Payments Account consists of the figures of actual receipts and payments of the Institute during the financial year 2017-18 as per Cashbook. The total receipts from the different sources as shown in Receipt and Payment Account comes to 346727503.52 which inter alia includes Grant of Rs.19.63 Crores received from Ministry of Human Resources Development.

2. **The Income and Expenditure Account:**
   The Income and Expenditure account is prepared on accrual basis. The total income during the Financial Year is Rs.252040073.29 which also includes plan grant of Rs.197628561.35. The total revenue expenditure of financial year including depreciation of Rs.40656664.18 comes to Rs.282182996.29.

3. **The Balance Sheet:**
   In Balance Sheet the acquired Fixed Assets, Current Assets are taken as assets. The GIA received during FY 2017-18 is taken as liability and GIA to the extent of utilization/expenditure has been transferred from liability as Income of the Institute.

4. **Contingent Liability:**
   5.1 As on 31/03/2018 there is a court cases pending in case of land allocated to the Institute by the Government of Madhya Pradesh, where in view of claims / demands by other party, monetary liability may arise in future.

5. **Fixed Assets and Depreciation:**

DEPYTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

Fixed Assets are shown under schedule 4 of the Balance Sheet. The total fixed assets as at the beginning of the financial year was of Rs.1544927974.00 whereas additions during the year was Rs. 192739358.00. The value of Fixed Assets as at end of FY was Rs. 1737667332.00 which includes Capital work in progress of Rs. 88756860.00

All the Fixed Assets under Institute's ownership were created out of Plan Grant given by Government and no Assets or Library Books have been received by the Institute as donation or gift.

6. So far no patents or copyrights have been granted to the Institute.

7. The amount of Rs.7494849/- was outstanding as Security Deposit and EMD as on 31/03/2018. The details are mentioned under schedule 3 of Balance Sheet.

8. **Expenditure in Foreign Currency** There was expenditure of Rs. 25812/- in Foreign Currency for the FY 2017-18.

9. The balance of Corpus Fund created with approval of BOG was of Rs.118892423.00 which is inclusive of interest received.

10. Figures in Final Accounts have been rounded off wherever possible.

11. Schedules 1 to 24 are annexed and they form an integral part of Annual Accounts.

12. The details of Balances in Saving Bank and Current Accounts as well as in Fixed Deposit Accounts are given in schedule 7 of the Balance Sheet.

13. **Project Accounting:**
The project income received during the year is booked under current liabilities as the amount received is linked with obligations to be performed.The following Assets have been procured during the year out of project fund:-
Laptop- 115060, DSLR-104480, MFP-11287, Digital Distance Meter-Rs.14000/-, LED projector-52440, Work station-135300, Inverter-4150 and Colour Inkjet Printer- 32090, Total value-Rs.468807/-

14. **Capital Works-in-Progress:**
Some of the construction work of Institute's permanent campus situated at Bhauri, Bhopal is under progress and expenditure related to the same is shown under schedule 4 (Fixed Assets) of the Balance Sheet. The expenditure on capital work-in-progress as at 31/03/2018 was of Rs. 88756860.00

DEPYTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

15. **Commitments on Capital Accounts:**

The total commitments on capital account in respect of construction works in progress are ` Rs 3.57 Crore

16. **Student Strength:**

As on 31/03/2018, the student strength of the Institute was 684.

DEPYTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

17. **Staff Details:**

1. **Academic Staff**

As on 31/03/2018 the institute had 46 Academic and 56 Non Academic staff as under:

S. No.	Name of the Posts	No.
1.	Director	1
2.	Professor	5
3.	Associate Professor	4
4.	Assistant Professor	36
	Total	**46**

2. **Non Academic Staff**

S. No.	Name of the Posts	No.
1.	Registrar	1
2.	Dy. Registrar	1
3.	Assistant Librarian	1
4.	Assistant Registrar	3
5.	Group B	26
6.	Group c	24
	Total	**56**

The details of visiting/Contract faculty are not included above.

18. **Related Party Transactions: NIL**

19. **New Pension Scheme and General Provident Fund Accounts:**

1. The NPS accounts are maintained by NSDL. Hence relevant schedule prescribed in the format are not applicable to the Institute accounts.

2. GPF is not applicable to the Institute employees. Hence, GPF accounts schedule has not been prepared.

***

DEPYTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2017 TO 31-03-2018

	RECEIPTS	Amount in Rs `.			PAYMENTS	Amount in Rs `	
		Current year	Previous Year			Current year	Previous Year
I.	**Opening Balances**			I	**Expenses**		
a	Cash Balances	4041.00	37218.00		a) Establishment Expenses	36835400.00	8050283.00
b	Bank Balance				b) Academic Expenses	25473570.00	19854944.74
i	**In Current accounts**				c) Salary Expenses	113725516.00	87644069.00
	a) Canara Bank -2073201002565	20817.00	18470955.00		d) Transportation Expenses	5717442.00	5826411.00
	b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	443627.91	21460162.39		e) Repair & Maintenance Expenses	6095611.00	11135330.00
	c) SBI-2263	39815.76	241742.50		f) Finance Cost Expenses	21982.07	573862.50
	d) SBI-8560	2625173.28	1032199.78		g) Administrative Expenses	14819599.04	31469627.00
	e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	10698109.20	3197349.05		h) Priod Period Expenses	13580887.00	0.00
	f) Canara Bank -BHAURI 4725214000002	0.00	0.00				
	g) Canara Bank -BHAURI 4725214000001	0.00	425497.00	II.	**Payments against Earmarked/Endowment Funds**	0.00	0.00
	h) Canara Bank (GIAN) - 4725101000036	1239789.00	1360000.00				
	i) Canara Bank (R&D) - 4725101000021	7241764.00	720000.00	III.	**Payments against Sponsored Projects/Schemes**		
	j) dic canara bank0020	1568784.00	0.00		Ashapuri Project	115396.00	752868.00
	h) Tax account-4725201000023	938794.00	0.00		MP CDMA	981920.00	393801.00
	i) Canara Bank (fee)-4725401-5	85912405.00	0.00		Accessibility Training workshop	33753.00	59272.00
ii	**In term deposit Accounts**				AHRC-ICHR-2015-16	136206.00	283090.00
	a) SBI-FDR	16000000.00	7000000.00		MPTDC Project	190058.00	474124.00
	b) SBI-FDR-Fees	32206104.00	12997839.00		British Academy	141602.00	0.00
	c) FDR -Corpus	112448735.53	104583812.00		ICAP(SPMURM)	655295.00	1542830.00
	d) FDR with Canara Bank	0.00	68726559.00		GIAN	1140109.00	800656.00
	e) Deposit against BG (Canara)	40000000.00	0.00		DIC	698269.00	265750.00
	f) FDR -Grant CNB	7436535.00	0.00		ICHR PROJECT	197546.00	100006.00
iii	**In Savings Accounts**				JNURM	0.00	6758.00
	a) SBI-DST .32668321701	0.00	414883.00		Institute Overhead	42290.00	774.00
	b) SBI-Corpus-32846379816	12630.00	164656.00		Projects	0.00	457364.00
					Gohar Mahal	64920.00	0.00

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2017 TO 31-03-2018

RECEIPTS		Amount in Rs `.		PAYMENTS		Amount in Rs `	
		Current year	Previous Year			Current year	Previous Year
II	**Grants Received**				Hastshilp evam Hast Kargha	52196.00	0.00
a	**From Government of India (MHRD Plan Grant)**	196300000.00	165700000.00		HIA Rahatgarh Project	147664.00	0.00
b	From State Government				HSMI Project	168884.00	0.00
c	From other sources (details)				NIRD	6872.00	0.00
	AHRC-ICHR-2015-16	85476.00	0.00		Rajasthan state Hotels Corp.	588820.55	0.00
	Accessibility Training workshop	82775.00	0.00				
	Ashapuri Project	0.00	682843.00				
	MP CDMA	1973.00	2500000.00				
	Rajasthan state Hotels Corp.	725172.50	0.00				
				IV	**Expenditure on Fixed Assets and Capital Works - in- Progress**		
	DIC PROJECT	313.00	2514586.00		a) Fixed Assets		
	British Academy	7194.00	265000.00		a) Purchase of Fixed Assets	6377428.00	12153902.00
	GIAN	0.00	1974545.00		b) CPWD Deposit work advance	0.00	0.00
	ICHR-Project	1719.00	450000.00		c) NBCC -construction of proffessor Quarte	0.00	5070369.00
	HSMI Project	16769.00	592175.00				
	Housing of Urban Development corp	0.00	49000.00		b) Capital Works- in- Progress	23076876.00	2532857.00
	Accessibility Training workshop	0.00	313075.00				
	HIA-Khajurao	0.00	143574.00				
	HIA-Hyderabad Golf association	0.00	226200.00	V	**Deposits and Advances**		
	AHRC-ICHR-2015-16	0.00	365874.00		Railtel Corporation	0.00	1808000.00
	MPTDC Project	437500.00	1470000.00		Advance to Other	0.00	11310682.00
	ICAP(SPMURM)	0.00	4830000.00		Advance to Staff	8846180.00	11648319.00
	Weavers Housing	0.00	54000.00		NPS Advance	0.00	486380.00
	Gohar Mahal	55229.00	0.00		Imprest	0.00	554133.00
	Institute Overhead	192976.55	0.00		DUTIES & TAXES	950949.00	621980.00
	NIRD	244500.00	0.00		Provision for retirement benefit	0.00	73195.00
	AIIMS Project	177000.00	0.00		Visiting faculty remuneration	0.00	2487972.00
	Hastshilp evam Hast Kargha	210100.00	0.00		Total IT Solutions	1613431.00	0.00
	HIA Rahatgarh Project	295000.00	0.00		TDS Receivable	1941848.00	0.00
	(Grants for capital & revenue exp/ to be shown separately if available}				RAO ADVANCE	0.00	629217.00
					GST Advance deposit	20682.00	0.00
					Caution Money	764000.00	479940.00

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2017 TO 31-03-2018

	RECEIPTS	Amount in Rs `.			PAYMENTS	Amount in Rs `	
		Current year	Previous Year			Current year	Previous Year
	Academic Receipts				Excess fees refunded	600315.00	0.00
	a) Student Fees	25563647.06	23129102.27		Loan to Students	250000.00	813705.00
	b) Other Fees/ Misc. Receipts				Computer Advance	0.00	30000.00
III	Admission Fees	193000.00	0.00				
	Hostel Fees	7377573.00	7099558.00	VI	**Other Payments**		
	Mess Fees	0.00	20900.00		a) Fees Refund		661100.00
	Misc Income	9300.00	90320.00		b) Security Refund	179272.00	367531.00
	Convocation Fees	429500.00	0.00		c) Scholarship payment	3095944.06	1023312.00
	Revaluation Fees	21500.00	7100.00		d) EMD	2414300.00	502000.00
	Misc Receipt	84906.45	1500.00		e)Payment to creditors	192430.00	3933050.00
	PG Programme Application Fees	1496520.00	0.00		f)professional & consultancy(Audit Fees)	90280.00	47480.00
	Enrollment Fees	0.00	191000.00		g) AMC for repairs & maintainance	500690.00	0.00
	Group Insurance Fee	516800.00	0.00		h)Security paid	3050.00	0.00
	ID Card Fees	96500.00	99150.00		i) Student Activity Budget Expenses	1260106.00	0.00
	Institiute Development Fees	1572500.00	1570500.00		j) TDS paid on Provisions made	97639.00	0.00
					prov for exp payable (payments related to financial year 2016-17)	7310044.00	0.00
	Internet Facility Charges	1866500.00	1362000.00				
	Migration Fees	48000.00	44000.00				
	Sports Fees	974500.00	740500.00				
	Student Training & Placement	576965.00	573000.00				
	Student Medical fees	998200.00	795200.00	VII	**Closing balances**		
	Student Safety Insurance	0.00	515400.00		Cash in hand	3032.00	4041.00
	Student Welfare/ Activity	394732.00	1896100.00		Bank balances		
	Transcripts Fees	9400.00	0.00	i)	**In Current accounts**		
	Tuition Fees (Admission Cancel)	0.00	1021850.00		a) Canara Bank -2073201002565	199092.46	20817.00
	Library Fine	46280.00	0.00		b) Canara Bank -BHAURI 4725201000004	4983563.90	443627.91
	Late Registration Fees	165100.00	0.00		c) SBI-2263	483840.76	39815.76
	Registration Fees	749000.00	0.00		d) SBI-8560	463528.28	2625173.28
	Lab/Studio Facilities	1872500.00	0.00		e) Canara Bank -BHAURI 4725201000009	12508127.15	10698109.20
	c) Application fees	0.00	0.00		f) Canara Bank (GIAN) - 4725101000036	124171.00	1239789.00
	d) Examination Fees	2535500.00	1894800.00		g) Canara Bank (R&D) - 4725101000021	3379675.50	7241764.00
	e) Workshop	0.00	12000.00		h) dic canara bank0020	872473.00	1568784.00
	f) Advance Fees	0.00	5403125.73		i) Tax account-4725201000023	10005.00	938794.00
	g) previous year fees received	64400.00	0.00		j) Canara Bank (fee)-4725401-5	0.00	85912405.00

DEPUTY REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2017 TO 31-03-2018

	RECEIPTS	Amount in Rs `.			PAYMENTS	Amount in Rs `	
		Current year	Previous Year			Current year	Previous Year
	h)admission cancel (barc & Bplin)	0.00	591400.00		k) Sbi Tax Account-37065387068	10000.00	0.00
	i) Refund received from journal publishers	167908.00	0.00	ii)	**In term deposit Accounts**		
					a) SBI-FDR	0.00	16000000.00
	Receipts against sponsored				b) SBI-FDR-Fees	140026776.43	32206104.00
	Fellowships and Scholarships	2659509.06	1285535.00		c) FDR -Corpus	118399413.00	112448735.53
					d) FDR -CPWD AMT	48000000.00	40000000.00
IV.	**Interest received on**				e) FDR -Grant CNB	47768000.00	7436535.00
	Bank Deposits	7028885.43	16209238.53		f) Canara Bank (FDR Intt. Income)	4300000.00	0.00
	Loans and Advances	173546.00	0.00		g) Canara Bank (FD Institute Overheads)	2800000.00	0.00
V	Savings Bank Accounts	0.00	29474.00	iii)	**In Savings Accounts**		
a					a) SBI-Corpus-32846379816	15658.00	12630.00
b	**Other income**						
c	Electricity & Power	29599.00	556620.15				
	Library Fine	0.00	0.00				
VI	RTI Fees	124.00	70.00				
	Tender Fees	117750.00	35500.00				
	Convocation Fees	0.00	407000.00				
	Guest House receipt	100226.00	0.00				
	Income from DASA	25000.00	100000.00				
	Rent Recd	153278.00	382435.00				
	SPANDRAL	29800.00	31900.00				
	License Fees	192970.00	194385.00				
	Water Expense	0.00	39100.00				
	Mis. Receipts	0.00	54543.00				
	Security Deposit	608934.00	33000.00				
	EMD	3245000.00	642500.00				
	Alumini	236500.00	0.00				
	Caution Money deposit	2898000.00	92000.00				
	Deposits and Advances-(Electricity)	0.00	2853217.00				
	Statutory meeting	0.00	57154.00				
	Application Fees	1800.00	0.00				
	Quarter Rent	2190.00	0.00				
	Registration Charges	500.00	0.00				
	Excess Provision Reversed	0.00	0.00				
	i) Student Activity Budget Incomes	2002338.00	0.00				

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

School of Planning and Architecture BHOPAL

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2017 TO 31-03-2018

	RECEIPTS	Amount in Rs `.			PAYMENTS	Amount in Rs `	
		Current year	Previous Year			Current year	Previous Year
	Advances Recovered						
	Advances Recovered from CPWD	32768000.00	0.00				
	Advance for Building at Bhouri	23999876.00	50000000.00				
VII	Advance to Other	7343.00	458000.00				
	Advance to Staff	9039768.00	1415855.00				
	Faculty Development Program(CPDA)	291714.00	254780.00				
	Imprest	0.00	506147.00				
	Computer Advance	81520.00	0.00				
	NPS Advance	315542.00	12855.00				
	Advance recovered from Students	41000.00	0.00				
	Priyanka Singh Advance	0.00	3000.00				
	Yashika Gupta(SD)	0.00	2000.00				
	Yashika Gupta	0.00	6164.00				
	Aishe Remuneration	0.00	34250.00				
	Avinash Kumar pandey	0.00	17199.00				
	Any Other Receipts						
	Leave Encashment recd from the other institue	0.00	27914.00				
	IIPA - SPD	171230.00	0.00				
VIII	Interest on SBI FDR Corpus	6429834.89	0.00				
	Accrued interest	444060.69	0.00				
	Interest on Grant	6877236.89	0.00				
	Receipts against endowment funds	100000.00	0.00				
	Total	**665564628.20**	**545764066.92**		**Total**	**665564628.20**	**545764066.92**

School of Planning and Architecture BHOPAL

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

DIRECTOR

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE PERIOD FROM 01-04-2017 TO 31-03-2018

RECEIPTS	Amount in Rs `.		PAYMENTS	Amount in Rs `	
	Current year	Previous Year		Current year	Previous Year
			Payment for The year FY 2016-17	Paid in 17-18	
			1 CEA 16-17 Expenses Payable	18000.00	
			2 CPDA 16-17 Exps Payable	323750.00	
			3 Elect and Pwer Payable 16-17	634814.00	
			4 Houskeeping Exp Payable 16-17	560500.00	
			5 Medical Services 16-17 Payable	820944.00	
			6 Other Admin Exps Payable 16-17	1112762.00	
			7 Outsouece Staff Payable 16-17	1083384.00	
			8 Security Charges Payble 16-17	1844946.00	
			9 student welfare activity 16-17 (prov.)	483627.00	
			10 Sports activity 16-17 (prov.)	412211.00	
			11 training & Placement activity 16-17 (prov.)	15105.00	
				7310044.00	

School of Planning and Architecture BHOPAL

DEPUTY REGISTRAR

REGISTRAR

DIRECTOR

School of Planning and Architecture, located in central India, in the city of lakes, Bhopal, derives its logo from a semantic element of Malwa Architecture as the background. This interwoven spiral water channel is in shape of a sea-shell and symbolic of 'Mahadev' located in front of Nilkantha Mahadev Temple of Mandu, the capital of Malwa Sultanate. Devotees put flower at the inlet and pray for their wish fulfilment. The water channel depicts the path of struggle in the spirals and relief at the end of wish fulfilment. With the spiral channel as background, the logo uses the stylised shape of letter S representing flame, P representing parachute and A representing wave thus representing *Agni*, *Vayu* and *Jal*, the elements of Architecture. The Sanskrit shloka at the bottom is the code of conduct specified in the 'Samrangana Sutradhar', written by Raja Bhoj which means, "An architect must be well versed not only in Architecture but also in allied subjects". The complete composition is a welcoming sign for students to come and gain knowledge of 'shastras' of the field at School of Planning and Architecture, Bhopal, and pass out with flying colours.

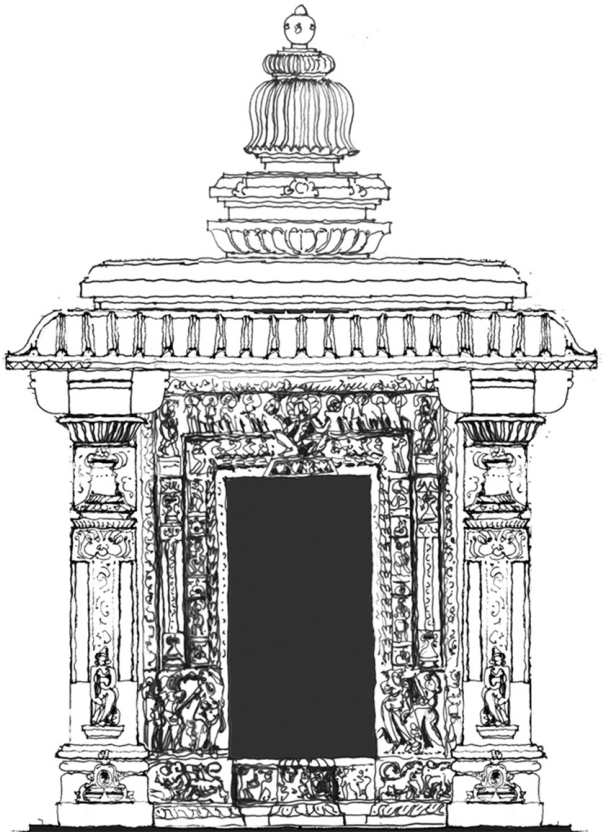

Mukhmandapa
Temple No. 17
Ashapuri Group of Temples
Source: Centre for Cultural Knowledge Systems, School of Planning and Architecture, Bhopal

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL
(An Institution of National Importance, M.H.R.D., Govt. of India)

प्रांगण नीलबड़ मार्ग, भौंरी, भोपाल ४६२ ०३० **Campus** Neelbad Road, Bhauri, Bhopal 462 030
वेबसाइट Website www.spabhopal.ac.in **दूरभाष Phone** +91 755 252 6800